

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं 0 9] नई विल्ली, शनिवार, फरवरी 28, 1981 (फाल्गुन 9, 1902)

No. 9] NEW DELHI, SATURDAY, FEBRUARY 28, 1981 (PHALGUNA 9, 1902)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compliation)

# माग III—वण्ड 1 [PART III—SECTION 1]

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा श्रायोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 12 दिसम्बर 1980

सं० ए०-35014/1/79-प्रणा०-II—संघ लोक सेवा श्रायोग के संबंग में के० से० से० के निम्नलिखित दो श्रस्थायी श्रनुभाग श्रिधिकारियों को सिचव, संघ लोक सेवा श्रायोग द्वारा 10-11-1980 से 9-2-1981 तक की श्रवधि के लिए श्रथवा श्रागामी श्रादेशों तक, जो भी पहले हो, प्रत्येक के सामने उल्लिखित पदों पर तदर्थ श्राधार पर प्रतिनियुक्ति पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

1. श्री योगेन्दर नाथ प्रब्युव (विशेष-परीक्षा)

श्री डी०ग्रार० मदान ग्र०ग्र० (विशेष-मेवाएं)

2. श्रनुभाग श्रिधिकारी (विशेष) के पद पर उनकी नियुक्ति हो जाने पर सर्वश्री योगेन्दर नाथ श्रीर डी०श्रार० मदान का बेतन समय-समय पर यथासंशोधित विक्त मंत्रालय, व्यय 1—476 GI/80 विभाग, के का० ज्ञा० सं० एफ०10(24) -ई० III/60 विनांक 4 मई, 1961 की शतौं के प्रनुसार विनियमित होगा।

## दिनांक 3 फरवरी 1981

सं० ए०-35014/1/79-प्रशा०-II—संघ लोक सेवा ध्रायोग के संवर्ग में के स० से० के निम्नलिखित दो ध्रस्थायी अनुभाग ध्रिधकारियों को सचिव, संघ लोक सेवा ध्रायोग द्वारा 11-2-1981 से 10-5-1981 तक की ध्रवधि के लिए प्रथवा ध्रागामी ध्रादेशों तक, जो भी पहले हो, प्रत्येक के सामने उल्लिखित पदों पर तदर्थ ध्राधार पर प्रतिनियुक्ति पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

1. श्री योगेन्धर नाय ग्र०ग्र० (विशेष-परीक्षा)
2. श्री डी०ग्रार० मदान ग्र०ग्र० (विशेष-सेवाएं)

2. ग्रनुभाग ग्रधिकारी (विशेष) के पद पर उनकी नियुक्ति हो जाने पर सर्वश्री योगेन्दर नाथ ग्रौर डी०ग्रार० मदान का वैतन समय-समय पर यथासंगोधित विक्त मंत्राक्षय, व्यय विभाग, के का० ज्ञा० सं० एफ० 10(24)-ई० II1/60 दिनांक 4 मई, 1961 की शतीं के श्रनुसार विनियमित होगा।

पी० एस० राणा, अनुभाग ग्रधिकारी कृते सचिव

नई दिल्ली-110011, दिनांक 31 जनवरी 1981

सं० ए०-38013/3/80-प्रशा०-III—संघ लोक सेवा घ्रायोग के स्थाई घ्रनुभाग प्रधिकारी तथा डेस्क ग्रधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्यरत श्री परशराम लाल चन्द नवानी को राष्ट्रपति द्वारा कार्मिक तथा प्रशासनिक मुधार विभाग के का० गाँ० 33/12/73-स्था० (क) दिनांक 24/11/73 की शर्तों के घ्रनुसार 31-1-1981 के घ्रपराह्न से वार्डन्थ निवर्तन ध्रायु हो जाने के कारण सरकारी सेवा से निवृत्ति की सहर्ष घ्रनुमति प्रदान की गई है।

सं० ए०-38014/7/80-प्रशासन-III—संघ लोक सेवा आयोग के स्थाई सहायक तथा प्रनुभाग ग्रंधिकारी के पद पर स्थानापम्न रूप से कार्यरत श्री एल०एन० गन्जू को राष्ट्रपति द्वारा कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग के का०ज्ञा० सं० 33/12/73 -स्था०(क) दिनांक 24/11/73 की गर्तों के प्रनुसार 31-1-1981 के ग्रंपराह्म से वार्द्धक्य निवर्तन श्रायु हो जाने के कारण सरकारी सेवा से निवृत्ति की सहर्ष श्रनुसति प्रदान की गई है।

सं० पी०-1050-प्रशा०-1—संघ लोक सेवा श्रायोग के कार्यालय में केन्द्रीय सचिवालय सेवा के ग्रेड I में श्रवर सचिव के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्यरत तथा केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी श्रनुभाग श्रधिकारी श्री बी० ग्रार० समि। को राष्ट्रपति हारा 31 जनवरी, 1981 के श्रपराह्म से निवर्तन श्रायु हो जाने के पश्चात् सरकारी सेवा से निवर्त होने की सहर्ष श्रनुमति प्रदान की जाती है।

एस० बालचन्द्रन, उप सचिव (प्रणा०)

# केन्द्रीय सतर्कता श्रायोग

नई दिल्ली, दिनांक 5 फरवरी 1981

मं० डी०-9 भार०सी०टी०-23—केन्द्रीय सतर्कता भ्रायुक्त एतद् व्वारा श्री डी०सी० गुप्ता, श्राई०ए०एस० (उड़ीसा 1967) को केन्द्रीय सतर्कता भ्रायोग में दिनांक 15 जनवरी, 1981 पूर्वाह्म से भ्रगले भ्रादेश तक स्थानापन्न रूप से विभा-गीय जांच भ्रायुक्त नियुक्त करते हैं।

> कृष्ण लाल मल्होला, श्रवर सचिव कने केन्द्रीय सतर्कता धायक्त

गह मंत्रालय

का० एवं० प्र० सू० विभाग

केन्द्रीय भ्रन्वेषणब्य्रो

नई दिल्ली, दिनांक 3 फरवरी 1981

सं० ए०-19021/6/76-प्रणा०-5—श्री श्रार० सी० श्रग्न-वाल, भारतीय पुलिस सेवा (उत्तर प्रदेश-1968), पुलिस श्रधीक्षक, केन्द्रीय श्रन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना की सेवाएं दिनांक 27 जनवरी, 1981 के पूर्वाह्म से विदेश मंद्रालय की सींपी जाती है।

#### दिनांक 4 फरवरी 1981

सं० पी०एफ०/एस०-175/68-प्रणा०-I—ध्रपने मूल विभाग में प्रत्यावर्तन हो जाने पर, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में प्रति-नियुक्त महाराष्ट्र राज्य पुलिस के अधिकारी श्री एस०ए० खटीव को दिनांक 29-11-1980 के अपराह्म में केन्द्रीय अन्वे-षण ब्यूरो, बम्बई णाखा में अपने पद के कार्यभार से मुक्त कर दिया गया है।

सं० एम०-3/72-प्रशासन-5—प्रतिनियुक्ति पर उप-प्रबन्धक (सतर्कता) के रूप में नियुक्त हो जाने पर, श्री एम०पी० नन्दपुरकर, पुलिस उप-प्रधीक्षक, केन्द्रीय श्रन्वेषण ब्यूरो की सेवाएं दिनांक 17-1-1981 (ग्रपराह्म) से भारतीय कपास निगम लि०, बम्बई को सौंपी जाती हैं।

सं० पी०एफ०/एम-125/74-प्रशा०-I—स्वेच्छा से सेवा-निवृत्त होने पर, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में प्रतिनियुक्त महा-राष्ट्र पुलिस के श्रीक्षकारी श्री एम०श्रार० वाडके पी०श्राई० को दिनांक 30-11-80 (अपराह्न) से श्रपने पद के कार्यभार से मुक्त कर दिया गया है।

#### दिनांक 7 फरवरी 1981

सं०ए०-2/69-प्रणा०-5—58 वर्ष की आयु प्राप्त कर लेने पर, श्री एन०एस० माथुर, उप-विधि सलाहकार, केन्द्रीय श्रन्बेषण ब्यूरो, नई दिल्ली दिनांक 31-1-1981 (पूर्वाह्र) से सरकारी नौकरी से सेवा-निवृक्त हो गए।

सं० एन०-2/69-प्रशा०-5--राष्ट्रपति प्रपने प्रसाद से श्री एन०एस०मायुर (सेवा-निवृत्त उप-विधि सलाहकार/केन्द्रीय ग्रन्वेषण ब्यूरो) को विनांक 1-2-1981 से 5 मास की भ्रवधि के लिए केन्द्रीय ग्रन्वेषण ब्यूरो में उप-विधि सलाहकार के रूप में पुनर्नियुक्त करते हैं। निवर्तन की ग्रायु प्राप्त कर लेने पर, श्री माथुर दिनांक 31-1-1981 (श्रपराह्म) से सरकारी नौकरी में सेवा निवृत्त हो गए हैं।

की० ला० ग्रोवर, प्रणा० ग्रधिकारी (स्था०) केन्द्रीय श्रन्वेषण क्यरी

## भारत के महापंजीकार का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 2 फरवरी 1981

सं०-11/49/79-प्रशा०-I—-राष्ट्रपति, दिल्ली मे जनगणना कार्य निदेशालय में अन्वेषक के पद पर कार्यरत श्री
एम०एल० शर्मा को उसी कार्यालय में तारीख 14 जनवरी,
1981 के पूर्वाह्म से एक वर्ष की अविध के लिए या जव
तक पद नियमित आधार पर भरा जाए, जो भी अविध
पहले हो पूर्णतः अस्थाई और तदर्थ आधार पर पदोन्नति
द्वारा सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद
पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

- 2.श्री शर्मा का 'मुख्यालय दिल्ली में होगा।
- 3. उपरोक्त पद पर तदर्थ नियुक्ति श्री शर्मा को सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर नियमित नियुक्ति के लिए कोई हक प्रदान नहीं करेगी। तदर्थ तौर पर सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर उनकी सेवाएं उस ग्रेड में वरिष्ठता और आगे उच्च पद पर पदोन्नित के लिए नहीं गिनी जाऐंगी। उपरोक्त पद पर तदर्थ नियुक्ति को, नियुक्ति प्राधिकारी के विवेक पर किसी भी समय बिना कोई कारण बताए, दह किया जा सकता है।

सं०-7/1/80-प्रशा०-I—राष्ट्रपति, नई दिल्ली मे भारत के महापंजीकार के कार्यालय में उप निदेशक (ग्रांकड़े संसाधन) के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्यरत श्री एस०एन चतुर्वेदी को उसी कार्यालय मे तारीख 24 मार्च, 1978 से उप निदेशक (ग्रांकडे ससाधन) के पद पर स्थायी रूप से नियुक्त करते हैं।

सं०-7/2/80-प्रशा०-I—राष्ट्रपति, पश्चिम बंगाल में जनगणना कार्य निर्देशालय में उप निर्देशक (ग्रांकड़े संसाधन) के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्यरत श्री ए०सेन गुष्त को तारीख 21-8-80 में उसी कार्यालय में उप निर्देशक (ग्रांकड़े संसाधन) के पद पर स्थायी रूप से नियुक्त करते हैं।

सं०-10/27/80-प्रशा०-I—राष्ट्रपति, नई दिल्ली में भारत के महागंजीकार के कार्यालय में उप निदेशक (आकडे संसाधन) के पद पर कार्यरत श्री एस०एन० चतुर्वेदी को उसी कार्यालय में तारीख 15 जनवरी, 1981 के पूर्वाह्म से एक वर्ष की अवधि के लिए या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाए, जो भी श्रवधि पहले हो, पूर्णतः ग्रस्थायी और तदर्थ, श्राधारपर पदोन्नति द्वारा संयुक्त निदेशक (आकड़ संसाधन) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

- 2. श्री चतुर्वेदी का मुख्यालय नई दिल्ली 'में हीगा।
- 3. उपरोक्त पद पर तदर्थ नियुक्ति श्री चतुर्वेदी को संयुक्त निदेशक (ग्राकड़े संसाधन) के पद पर नियमित नियुक्ति के लिए कोई हक प्रदान नहीं करेगी। तदर्थ तौर पर संयुक्त निदेशक (ग्रांकड़े मंसाधन) के पद पर उनकी सेवाएं उस

ग्रेड में वरिष्ठता श्रीर श्रागे उच्च पद पर पदोन्नति के लिए नहीं गिनी जाएगी। उपरोक्त पद पर तदर्थ नियुक्ति को, नियुक्ति प्राधिकारी के विवेक पर किसी भी समय बिना कोई कारण ब्रह्माण रह किया जा सकता है।

## ादनाक 7 फरवरी 1981 \*

सं०-1 1/43/8-0प्रशा०-I—राष्ट्रपति, हिमाचल प्रदेश, शिमला में जनगणना कार्य निदेशालय में अन्वेषक के पद पर कार्यरत श्री सी०एल० शर्मा को उसी कार्यालय में तारीख 20 जनवरी, 1981 के पूर्विह्न से एक वर्ष की अवधि के लिए या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाए, जो भी अवधि पहले हो, पूर्णतः अस्थायी रूप से तदर्थ आधार पर सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

- 2 श्री शर्मा का मुख्यालय शिमला में होगा।
- 3. उपरोक्त पद पर तदर्थ नियुक्ति, श्री शर्मा को सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर नियमित नियुक्ति के लिए कोई हक प्रदान नहीं करेगी। तदर्थ तौर पर सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर उनकी सेवाएं उस ग्रेड में वरिष्ठता ग्रौर ग्रागे उच्च पद पर पदोन्नति के लिए नहीं गिनी जाएंगी। उपरोवत पद पर तदर्थ नियुक्ति को नियुक्ति प्राधिकारी के विदेव पर किसी भी समय बिना कोई कारण बताए रह किया जा सकता है।

पी० पद्यमनाभ भारत के महापंजीकार

## रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय रक्षा लेखा नियंत्रक दक्षिण कमान पुणे-411001, दिनांक 2 दिसम्बर 1980

सं० प्रशा०/III/11310/एम० एन० के०—इस कार्यालय के ग्रस्थायी लेखा परीक्षक श्री मोहन नारायण काले पुत्र नारायण राव लक्ष्मण काले (लेखा संख्या 8320565) बिना कोई पूर्व सुचना के दिनांक 1 मार्च 1980 से ग्रनुपस्थित है। उसे सरकारी सेवाग्रों से निलंबित करने के लिए, निलंबन नोटीस उसके ज्ञस्त पते पर भेजा गया था, जो इस कार्यालय में वापिस ग्रा गया है। ग्रतः इस कार्यालय द्वारा ऐसा निर्णय लिया गया है कि उसका निलंबन पैरा 5 (1) (a) (iii) केन्द्रीय सिवल (ग्रस्थायी सेवाएं) नियम 1965 के ग्रन्तर्गत राजपत्र में प्रकाशित किया जाय। यह प्रकाशन जिस तिथि को राजपत्र में प्रकाशित होगा, उसी तिथि से यह समझा जाएगा कि कर्मचारी ने उसे व्यक्तिगत रूप से स्वीकार किया है।

वी० का० भांडारकर संयुक्त रक्षा लेखा नियंत्रक, दक्षिण कमान, पुणे-411001

# मुद्रण निदेशालय

# नई दिल्ली-11, दिनांक, 27 जनवरी 1981

सं० के (15) प्रशा०-II—निवर्तन की प्रायु प्राप्त करने पर, श्री एत०एस० कौशल, सहायक प्रबन्धक (प्रशासन), भारत सरकार पाठ्य पुस्तक मुद्रणालय, चण्डीगढ़ को 31 दिसम्बर, 1980 के श्रपराह्म को सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

> सु० सू० प्रकाश राव संयुक्त निदेशक (प्रशासन)

# महालेखाकार

## म्रांध्र प्रदेश का कार्यालय

# हैदराबाद, दिनांक 4 फरवरी 1981

सं० प्रशा०-1/8-132/80-81/383— महालेखाकार, मांझ प्रदेश हैं दराबाद कार्यालय के अधीन लेखा सेवा के स्थायी सदस्य श्री एम०वि० सोमायाजुलू को महालेखाकार श्रांझ प्रदेश हैं दाराबाद हारा वेतनमान ६० 840-40-1000 द०रो०-40-1200 पर उसी कार्यालय में स्थानापन्न लेखा प्रश्चिकारी के पद पर 30-1-81 के पूर्वाह्म से जब तक आग प्रादेश न दिये जाएं, नियुक्त किया जाता है। यह पदोन्नित उनसे वरिष्ठ सदस्यों के दावे पर प्रतिकृत प्रभाव डालने वाली नहीं है।

संजप्रशा०-I/8-132/80-81/383—महालेखाकार, फ्राघ्य प्रदेश हैदराबाद कार्यालय के ग्रधीन लेखा सेवा के स्थायी सदस्य श्री एनं० सूर्यनारायनामूर्ति को महालेखाकार ग्रांध्र प्रदेश हैदराबाद द्वारा वेतनमान रु० 840-40-1000 द०रो० 40-1200 पर उसी कार्यालय मे स्थानापन्न लेखा ग्रधिकारी के पद पर 24-1-81 के ग्रपराह्म से जब तक ग्रागे ग्रावेश न दिये जाएं, नियुक्त किया जाता है। यह पदोन्नित उनसे वरिष्ठ सदस्यों के दावे पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाली नहीं है।

रा० हरिहरन वरिष्ठ उप-महालेखाकार प्रशासन

# वाणिज्य मंत्रालय

#### (वस्त्र विभाग )

## हथकरघा विकास ग्रायुक्त कार्यालय

#### नई दिल्ली, दिनाक 27 जनवरी 1981

सं० ए०-12025(1)/6/80-प्रशा०- $\Pi$ (क)—राष्ट्रपति, श्री निश्वकाम कस्तूरिया को 18 दिसम्बर, 1980 की पूर्वाह्म से श्रागामी श्रादेशों तक के लिए बुनकर सेवा केन्द्र मेरठ में सहायक निदेशक ग्रेड-1 (प्रोसेसिंग) के पद पर नियुक्त करते हैं।

पी० शकर संयुक्त विकास स्रायुक्त (हथकरघा)

## इस्पात और खान मंत्रालय

# (खान विभाग)

# भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 28 जनवरी 1981

सं०-ए०-30011/2/80-19सी—भारतीय भूवैज्ञानिक मर्वे-क्षण के निम्नलिखित अस्थाई अधिकारियों की उसी ग्रेड में प्रत्येक के सामने दर्शायी गई तिथि से स्थायिवत घोषित किया जा रहा है .—

ऋ०स० नाम	पदनाम	स्थायिवत् होने की तिथि
1 2	3	4
सर्वे श्री		
<ol> <li>के० प्रभाकर</li> </ol>	सहायक भूवैज्ञा-	1-11-78
	निक	
2 रमेश कुमार सिंघई	11	5~1-79
<ol> <li>अनुप कुमार दास गुप्ता</li> </ol>	11	21-6-79
4. एस० बालाचंद्रन नायर	"	5-11-78
5 सतिथ कुमार जदीया	13	20-12-78
6 टी०के० पाईन	,,	22-3-79
7. कैलाई चन्द्र जैन	"	14-1-79
8 प्रशांत कुमार राय	11	24-11-78
9 सोमनाथ चट्टोपाध्याय	31	3-9-79
10. डा० सुगील कुमार मिश्रा	सहायक भूभी-	15-7-79
	तिकीविद्	
11. डा० विनोद कुमार	सहायक भूभौतिकी-	1-2-80
•	विद् (उपकरण)	
12. श्री पद्यम चन्द श्रग्रवाल	"	24-1-80

# भारतीय खान ब्युरो

# नागपुर, दिनांक 4 फरवरी 1981

सं० ए०-19012/135/80-स्था०ए०—विभागीय पदोन्नती समिती की सिफारिश पर श्री श्रार०यु० विश्वकर्मा, स्थाई वरिष्ठ तकनीकी सहायक (खनन श्रभियान्त्रीकी ) को दिनाक 16 जनवरी, 1981, के पूर्वाह्म से झागामी झांदेश होने तक भारतीय खान अयूरो में वर्ग "ब" के पद में स्थानापन्न सहायक खान श्रभियंता के रूप में पदोन्नती प्रवान की जाती है।

एस०वी० भ्रली नायन्यि भ्रघ्यक्ष

वी० एस० कृष्णस्वामी

महा निदेशक

# **ब्राकाशवाणी महानिदेशा**लय

## नई दिल्ली, दिनांक 2 फरवरी 1981

म०-2/36/59-एस०दो (भागदो)—-महान्दिणक, स्राकाण-वाणी एतद् द्वारा श्री एस० मजूमदार प्रशासनिक श्रधिकारी श्राकाणवाणी एच०पी०टी० चिन्सुरा को 27-12-1980 (पूर्वाह्न) से दूरदर्शन केन्द्र, कलकत्ता मे वरिष्ठ प्रणासनिक श्रधिकारी के पद पर तदर्थ श्राधार पर नियुक्त करते हैं।

### दिनांक 5 फरवरी 1981

सं० ए०-19011/13/80-एस०पांच—महानिदेणक, आकाश-वाणी, एतद्द्वारा श्री कामेण प्रसाद, विष्ट प्रशासन श्रिष्ट-कारी श्राकाणवाणी, नई दिल्ली को आकाशवाणी महानिदे-णालय में लेखा निरीक्षक के पद पर 7 जनवरी, 1981 के पूर्वाह्न से 28 फरवरी, 1981 (श्रपराह्म) तक, श्री जे०पी०जैंन, लेखा निरीक्षक, आकाशवाणी महानिदेशाहय, जो कि सचिवालय प्रशिक्षण एवं प्रवन्ध संस्थान में 55वें प्रणि-क्षण कोर्स (पुनश्चर्या) में भाग लेने के लिए नियुक्त किए गए हैं, के स्थान पर तदर्थ पदक्षमता में नियुक्त करते हैं।

> एस०बी० सेपादी प्रशासन उप-निदेशक कृते महानिदेशक

# नई दिल्ली, दिनाक 5 फरवरी 1981

सं० - 5(49) 68-एस-1—श्री ए०श्रार० चौधरी, कार्य-क्रम निष्पादक, ग्राकाशवाणी, कटक सेवानिवृत्ति की ग्राप प्राप्त होने पर 31 दिसम्बर, 1980 की श्रपराह्न से सरकारा सेवा से निवृत्त हो गए हैं।

मं ०-4(16) 80-एस०एक--महानिदेशक, ब्राकाणवाणी एतद्द्वारा शे राजीव कुमार शुक्ला को ब्राकाणवाणी रायपुर में 1-1-1981 से ब्रगले ब्रादेशों तक कार्यक्रम निष्पादक के पद पर ग्रस्थायी रूप मे नियुक्त करते हैं।

> हरीश चन्द्र जमान प्रशासन उपनिदेशक कृते महानिदेशक

# सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय

# फिल्म प्रभाग

बम्बई-26, दिनांक 22 जनवरी 1981

सं०ए०-12025(ii)/2/76-सिब्बन्दी-I--मुख्य निर्माता, फिल्म प्रभाग ने श्री एस० ग्रार० नायडू स्था० केमरामेन, फिल्म प्रभाग नई दिल्ली, को 8 जनवरी, 1981 के पूर्वाह्न में लेकर श्रगला श्रादेश मिलने तक फिल्म प्रभाग, लखनऊ में स्थानापन्न समाचार-चित्र श्रीधकारी नियुक्त किया है।

एस० एन० सिह, सहायक प्रशासकीय अधिकारी **कृते** मुख्य निर्माता

# स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय वर्ष दिल्ली, विनाक 4 फरवरी 1981

मं० ए०-35021/4/80-प्रार०एम०एल०एच०/प्र०-1--स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने महालेखाकार, उड़ीसा, भुवनेश्वर
के कार्यालय के अनुभाग अधिकारी श्री जी० वी० एल० एन०
राव को 15 जनवरी, 1981 पूर्वाह्न से आगामी आदेशों
तक डा० राम मनोहर लोहिया श्रस्पताल, नई दिल्ली मे तेखा
अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है।

श्री जी०बी०एल०एन० राव की लेखा श्रधिकारी के पद पर नियुक्ति हो जाने के फलस्वरूप श्री एन०एन० शर्मा ने 15 जनवरी, 1981 पूर्वाह्म से उक्त श्रस्पताल में लेखा अधिकारी के पदका कार्यभार छोड़ दिया है।

#### दिनांक 7 फरवरी 1981

सं०ए०-19020/47/77/(एच०क्यू०) प्रभा०-1—स्वास्थ्य एखं परिवार कल्याण के श्रेतीय कार्यालय, लखनऊ में स्टेट कारिडनेटर के पद पर श्रपना सेलेंक्शन हो जाने के फलस्वरूप श्री एच० टी० कंनमारा ने 28 जनवरी, 1981 के अपराह्म को स्वास्थ्य सेवा महानिदेणालय नई दिल्ली, से स्वास्थ्य शिक्षा श्रिधकारी (नेत्र रोग विज्ञान) के पद का कार्य-भार छोड़ दिया है।

> शाम लाल कुठियाला उप निदेशक प्रशा०

# भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र

#### कार्मिक प्रभाग

बम्बई-400085.दिनाक 15 जनवरी 1981

मं० जी०-298/स्था०-II/190—भारी पानी परियोजना कोटा में लेखा श्रधिकारी -II पद पर नियुवित के लिए चुने जाने पर, इस अनुसंधान केन्द्र में स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक तथा स्थानापन्न सहायक लेखा श्रधिकारी श्री के०जे० जॉर्जेको उनके पदभार से 22 दिसम्बर 1980 श्रपराह्म को मुक्त किया जाता है।

#### दिनांक 20 अनवरी, 1981

सं०-5/1/80-स्थापना-/II/240—नियंत्रक, भाभा पर-माणु ग्रनुसंधान केन्द्र निम्नलिखित ग्रिधिकारियों को, तदर्थ रूप से उनके नाम के सामने ग्रंकित समयाविध के लिए स्थानापन्न लेखा ग्रिधिकारी II/सहायक लेखा ग्रिधिकारी के पद पर नियुक्त करते हैं:---

स्थानापन्न रूप		समयार्वाध		
क्रमांक	^- नाम तथा पदनाम	में नियुक्ति	<del>,</del> में	∼ <u></u> - तक
1	2	3		
स	ो के०जे०जार्ज हायक लेखा धिकारी	लेखा ग्रधि०-II	27-8-8-	-

1 2	3	4	5
2 श्रीजी०वी० मॉडके	सहायक लेखा श्रधिकारी	2 3-6-8 0	8-8-80
सहाय ≆ क्षे <b>खा</b> - कार		1-9-80	4-10-80
(कु०एच० बी० विजयकर)		6-10-80	5-11-80
उप स्थापना श्रधि हारी		10-11-80	12-12-80

# परमाणु ऊर्जा विभाग (परमाणु खनिज प्रभाग)

हैदराबाद-500016, दिनाक 31 जनवरी 1981

सं० पख प्र-1/6/80-भर्ती—-परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एतद्द्वारा श्री रजर्ड सिंह यादव को परमाणु खनिज प्रभाग मे 24 जनवरी, 1981 के पूर्वाह्म से लेकर अगले आदेश होने तक अस्थायी रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/प्रभियन्ता ग्रेड एस०बी० नियुक्त करने हैं।

सं० प० ख०प्र-I/680-भर्ती~ परमाणु ऊर्जा विभाग के परभाण् खनिज प्रभाग के निदेशक एतद्द्वारा श्री ग्रोम प्रकाण को परमाणु खनिज प्रभाग में 12 जनवरी, 1981 के पूर्वाह्म में लेकर अगले ग्रादेश होने तक ग्रस्थायी हुए से वैज्ञानिक ग्रिधिकारी/ग्रिभियन्ता ग्रेडण स०बी० नियुक्त करते हैं।

#### दिनाक 2 फरवरी 1981

स० प ख प्र-1/6/80-भर्ती—परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एतद्द्वारा श्री विजय कुमार महापाव को परमाणु खनिज प्रभाग मे 12 जनवरी, 1981 के पूर्वाह्म से लेकर श्रगणे श्रादेश होने तक श्रस्थायी रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/प्रभियन्ता ग्रेड एस०बी० नियुक्त करते हैं।

एम०एस० राव, वरिष्ठ प्रशासन एवं लेखा श्रधिकारी

## भारी पानी परियोजना

बम्बई-400008, दिनाक 5 फरवरी 1981

मं०-05012/र2/स्था०पदो/598—भारी पानी परि-योजना के, विशेष-कार्य-प्रधिकारी, श्री श्रीराम तिवारी, अस्थायी सहायक मुरक्षा ग्रधिकारी, भारी पानी परियोजना (वडौंदा) को उसी परियोजना में तदर्थ श्राधार पर श्रस्थायी कप में, श्री पी० बी० वक्षी, मुरक्षा ग्रधिकारी जो स्वेच्छा से सेवा निवृत्त हो गए हैं के स्थान पर 9 श्रगस्त, (पूर्वाक्ष) 80 से श्रामे श्रादेश होने तक के लिए सुरक्षा श्रधिकारी नियुक्त करते हैं।

> ग्रार०सी० कोटिग्रनकर प्रशासन ग्रधिकारी

# भंतरिक्ष विभाग विक्रम साराभाई श्रंतरिक्ष केन्द्र

तिरुवनंतपुरम-695022,दिनांक 29 जनवरी 1981

सं० वी० एस० एस० सी०/स्था०/एफ०/1(17)—भारतीय भ्रांतरिक्ष श्रनुसंधान संगठन में श्रांतरिक्ष विभाग के संयुक्त सिवय द्वारा जारी की गयी कार्यालय जापन सं० 2/2(19)/77-1 दिनांक 13-12-1979 के श्रनुसार 1 जनवरी, 80 से प्रशासनिक श्रेणी के सहायक प्रशासन श्रधिकारियों के वेननमान क० 550-25-750-द०रो० 30-900 से ६० 650-30-740-35-880-इ०रो०-40-960 के रूप में परिशोधित किये जाने के कारण वी०एस०एस०सी० के निम्नलिखित श्रधिकारियों को उनके नाम के सामने दिये गये तारीख से परिशोधित वेतनमान में रखा गया है:—

क∘सं०	नाम	प <b>दनाम</b>	से प्रभावी
1	2	3	4
1. श्री स डेवि		सहायक लेखा अधिकारी	1-1-80
2 <sup>:</sup> श्री ए सण्णी	•	सहायक प्रशासन श्रधिकारी	1-7-80
3. श्री ए नायर	न०एस०	महायक प्रशासन म्रधिकारी	1-1-81

पी०ए० कुरियन प्रणासन श्रधिकारी-II (स्थापना) कृते नियंत्रक वी०एस०एस०सी०

निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निवेशालय सीमा शुल्क एवं केन्द्रीय उत्पादन शुल्क नई दिल्ली, दिनाक 4 फरवरी 1981

मं०-3/81—शिलांग समाहर्तालय, केन्द्रीय उत्पादन गुल्क ग्रुप 'बी' के प्रधीक्षक श्री श्रार०श्रार० वर्मन ने जो राजस्य ग्रास्चना निदेणालय में ग्रास्चना ग्रधिकारी के पद पर प्रतिनियुक्ति पर थे, का इस निदेणालय के दिनांक 13-1-81 के श्रादेश फा०मं० 1041/81/80 के श्रनुसार निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निदेशालय (सीमा शुल्क एवं केन्द्रीय उत्पादन शुल्क) नयी दिल्ली के मुख्यालय में स्थानान्तरण

हों जाने के फलस्वस्प 20-1-81 (पूर्वाह्न) को निरीक्षण श्रिधकारी (सीमा शृक्ष एवं केन्द्रीय उत्पादन शृक्क) ग्रुप बी' के पद का कार्यभार संभाल लिया है।

> एस**०बी० सर**कार निरीक्षण निदेशक

# केन्द्रीय जल ग्रीर विद्युत ग्रन्संधानकाला

पुणे-411024, दिनांक 2 फरवरी 1981

सं०-608/182/81-प्रशासन—संघ लोक सेवा श्रायोग से किए गए चयन के कारण निवेशक, केन्द्रीय जल और विश्वत अनुसंधान शाला, पुणे, श्री श्रशोक कुमार है ब्बर को सहायक अनुसंधान श्रधिकारी (इंजीनियरी-दूरसंचार) के पद पर वेतन क० 650/- प्रति माह वेतनमान रुपये 650-30-740-35-810-द०रो०-35-880-40-1000-द०रो० 40-1200 पर 22 जनवरी, 1981 के पूर्वाह्म से नियुक्त करते है।

श्री श्रगोक कुमार हेब्बर के लिए 22-1-81 से दोसाल की परिवीक्षावधी होगी।

> एम० आर० गिडवानी प्रणासन ग्रधिकारी कृते निदेशक

# विधि, न्याय तथा कम्पनी कार्यं मंद्रालय (कम्पनी कार्यं विभाग) कम्पनी विधि बोर्डं

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी श्रिधिनियम 1956 एवं जेकवर्ड वोवन लेबरम प्राईबेट लिमिटेड के विषय में।

बम्बई, दिनांक 30 जनवरी 1981

सं० 12418/560(5)— कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के ग्रनुसरण से एत्त्द्वारा सूचना दी जाती है कि जेकवर्ड योयन लेबरस प्राईवेट लिमिटेड का नाम ग्राज रिजस्टर से काट दिया गया है ग्रीर उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

स्रो०पी० जैन कम्पनियो का श्रतिरिक्त रजिस्टार महाराष्ट्र, बम्बर्ष।

कम्पनी श्रिधिनियम 1956 श्रौर मैसर्स श्रीमाम भीतियल प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

शिलांग, दिनांक 2 फरवरी 1981

मं० जी० पी०/1641/560(3)/4215—मिपनी भ्रिधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के श्रनु-सरण में एतद्वारा यह सुखना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवगान पर मैसर्म आसाम भीनियल प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत्न कारण दिश्वत न किया गया। तो रिजस्टर में काट दिया जायगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

कम्पनी श्रिधिनियम 1956 श्रौर मैसर्स लक्ष्मी लोन कम्पनी लिमिटेड के विषय में।

शिलांग, दिनाक 2 फरवरी 1981

मं० जी० पी०, 332,560(3) 4213 — कम्पनी म्रिधि-नियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के म्रनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के भ्रवमान पर मैसर्स लक्ष्मी लोन कम्पनी लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशात न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जायेगा भौर उक्स कम्पनी विघटित कर दी जायगी।

> एस० फ्रार० कोम कम्पनियों का रिकस्ट्रार **णिलो**ग, आसाम

कम्पनी म्रधिनियम 1956 म्रौर गौरी ट्रान्सपोर्टस प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

मद्रास, दिनांक 3 फरवरी 1981

सं० 3803/560(5) 81—कम्पनी द्यिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के प्रनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दो जाती है कि गौरी ट्रान्सपोर्टस प्राईवेट लिमिटेड का नाम ग्राज रिजस्टर से काट दिया गया है ग्रीर उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

कम्पनी ग्रिधिनियम 1956 ग्रीर षयामला ट्रान्सपोर्टस प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

मद्रास, दिनांक 5 फरवरी 1981

मं० 4701/560(5) 81—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि षयामला ट्रान्सपोर्ट्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रिजस्टर से काट दियागया है और उक्त कम्पनी विषटित हो गयी है।

कम्पनी श्रिधिनियम 1956 और कस्तूरी बाई ट्रान्सपोर्ट प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

मदास दिनांक 5 फरवरी 1981

सं० 4811/560(5) 81—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतदृद्वारा सूचना दो जाती है कि कस्तूरी बाई ट्रान्सपोर्ट प्राईवेट लिमिटेड का नाम श्राज रिजस्टर में काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 श्रीर उत्तराज ट्रान्सपोर्ट प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

मद्रास, दिनांक 5 फरवरी 1981

मं० 4905/560(5)/81—कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 को धारा 560 की उपधारा(5) के श्रनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि उत्तराज ट्रान्सपोर्ट प्राईवेट लिमिटेड का नाम श्राज रजिस्टर से काट दिया गया है श्रौर उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

कम्पनी श्रधिनियम 1956 श्रीर कान चिट् फन्ड प्राईवेट लिमिटेड के विषय में ।

मद्रास, दिनांक 5 फरवरी 1981

सं० 5041/560(5)/81—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के श्रनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि कान चिट् फन्ड प्राईवेट लिमिटेड का नाम श्राज रिजस्टर से काट दिया गया है श्रौर उक्त कम्पनी विषटित हो गयी है। कम्पनी अधिनियम, 1956 श्रीर श्री वेनूगोपाल चिट् फंड श्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

मद्राम, दिनांक 5 फरवरी 1981

मं० 5540/560(5)/81—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा(5) के श्रनुमरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि श्री वेनू गोपाल चिट फंड प्राईवेट लिमिटेड का नाम श्राज रिजस्टर में काट दिया गया है श्रीर उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 श्रीर के० वी० एस० चिट फंडस प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

मद्रास, दिनांक 5 फरवरी 1981

सं० 5735/560(5)/81—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के श्रनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि के० बी० एस० चिट फंडस प्राईविट लिमिटेड का नाम श्राज रिजस्टर से काट दिया गया है श्रीर उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

ह० अपठनीय कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार तमिलनाड

# प्रकृप धाई॰ टी॰ एन॰ एस॰-----

मायकर मिर्मिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के प्रधीन मूचना

भार: सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-1, श्रमृतमर

ग्रमृतसर, दिनांक 29 दिसम्बर 1981

निदेश मं० ए० एम०स्रार०/80-81/283—यतः मुझे, स्रानन्द सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के धवीन सक्षम पाधिकारी की, यह जिल्हास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका छिन्त बाजार मूस्य 25,000/- ६० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो गुरदासपुर में स्थित है (और इससे उपाबद श्रनुभूचों में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजम्ट्रोकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय एस० ग्रार० गुरदासपुर में रिजस्ट्रोकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनौंक जून 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूक्य से कम के बृश्यभाश प्रतिफल के लिए प्रश्वित को गई है और मृझे यह जिल्लाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूह्य उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिश्वत मिक्क है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिगों) के बीच ऐसे अन्तरम के निष्तु तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखन उन्त्रय से उसन प्रत्य में वास्तिक इस से कथित नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बावन खक्त आधि-नियम, के प्रधीन कर देने के धन्तरक के दाविस्य में कमी करने या उनसे वचने में सुविधा के लिए। और/ा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अग्य आस्तियों की, रिस्टें अप्रतीय राग्य-एर पश्चिनियम, 1922 (1922 का 11) या एक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवाजनार्थ असीरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया बा या किया जाना जाहिए था, छिपामे में सुविधा के लिए:

अतः अत्र, उक्त बाधां विम की धारा 269ना के अनु-मरण में, में, खकत अधिकिया को खारा 269ना की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, खर्चात् ३--2--476 G1/80

- 1 श्रे. धर्म सिह पुत्र बाब् वासी भ्रवाखाँ, तहसील व जिला गुरदासपुर। (भ्रन्तरक)
- 2 श्रा बाबा सिह् ५व माहः सिह वासी उधेपुर, गुरदासपुर ।

(ब्रन्तरितीः)

जैसा कि न० 2 और कोई किरायेदार।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्तिहै )

4 श्रीर कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
(वह व्यक्ति जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूबन। जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के सर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस में 30 दिन की धवधि, जो भी धवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस तूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच से
  45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकरी के पास
  चिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्राबनीकारण:--इसमे प्रयुक्त शब्दो धीर पदों का, जो उनत अधिनियम के धन्याय 20-क में परिधाणित है, बही अर्थ होगा, जो उस अख्याय में दिया गया है।

#### अनुसुची

कृषि भूमि 29 कनाल 14 मलेर गार्व **अवाखाँ** में जैसा कि सेल डीड न० 1756 दिना है 6/6/80 रिजस्ट्राकर्ता **अधि**कारी गुरदासपुर में दर्ज है ।

म्रानन्द सिह् सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रजीन रेंज-], भ्रमृतसर

**ा**नाह: 29-12-80

प्ररूप आर्थः टीः एनः एसः-----

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन मूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक द्यायकर द्यायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-<sup>I</sup>, ग्रमृतसर श्रमृतसर, दिनांक 18 दिसम्बर 1980

निदेश म० ए०एस० म्रार०/8 0-81/28 4—यतः मुझे, भ्रानन्द सिंह,

मायकर म्रिमियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त म्रिमियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर पम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से म्रिधिक है

श्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ...... में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिल्स्ट्रांकर्ता श्रीधकारा के कार्यालय एस० श्राप्त ग्रदासपुर में रिजस्ट्रांकरण श्रीधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन विनांक मई, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखन उद्देश्य मे उक्त अन्तरण लिखित में वास्नविक कर करित निम्नलिखन वहीं किया गया है:---

- (क) प्रन्तरण स हुई कियो प्राप्त को बाबन, उक्त ग्रिष्ठ नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायिस्व में कसी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को निन्हें भारतीय ग्राय-पर ग्रिधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रीधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए!

अतः अन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण मो, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

- श्री महेन्द्र सिंह, गुरदीय सिंह, परमजीत सिंह पुतान, खड़क सिंह वासी बुलेवाल डा० नौणहरा, मन्नासिंह तहसील, विजला गुरदासपुर। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री तिरलोक सिह, मुखदेव सिंह, श्रनुप सिंह, नरिन्द्र सिंह ग्रीर गुरवयाल सिंह पुत्राण बंता सिंह गांव बुलेबाल नहसोल व जिला गुरदासपुर। (श्रन्तरिती)
- जैमा कि नं० 2 में और कोई किरायेदार।
   (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)
- 4. श्रौर कोई व्यक्ति, जो सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की भ्रविध या तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी
  श्रविध बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसो प्रत्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थव्हीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधि-नियम के शब्दाय 20-क में परिभाषित है, वही श्रृष्य होगा, जो उस शब्दाय में दिया गया है।

# अनुसूची

कृषि भूमि 24 कनाल गांव बुलेवाल, जिला गुरदासपुर में जैसा कि विलेख नं० 1283/343 दिनांक 28-5-80 को रजिस्ट्रोकर्ता ग्रोधकारी गुरदासपुर में लिखा है ।

> ग्रानन्द सिंह सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-I, श्रमृतसर ।

दिनांक: 18-12-80

प्रकृप बाई • टी • एन • एस • ---

भायनप अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, श्रमृतसर

ग्रम्तसर, दिनांक 29 विसम्बर 1980

निदेश सं० ए० एस० श्रार० /80-81/285—यतः मुझे, ग्रानन्द सिंह,

वायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की घरण 269-व के बाधीम सबाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूक्य 25,000/- व्यये से अधिक है

श्रौर जिमकी सं० कृषि भूमि है तथा जो गुरदासपुर में स्थित है. (श्रौर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूचा में श्रौर जो धूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय एम० श्रार० गुरदासपुर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक जून 1980 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित काजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रिक्ठिक के लिए प्रश्विति की गई है भीए मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्नह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अक्तरकों) और प्रश्विति (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कचित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायक्य में कमी करने या असरे बचने में सुविज्ञा के जिए; धीर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर प्रधिनियम 1922 (1922 का 11) या उन्ह प्रधिनियम, या धन-कर प्रविनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्च धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के खिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की बारा 269-ग के बनुवरण में, में, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपचारा (1) अधीन निम्नलिखित अ्यक्तियों, प्रयति :--

- श्रा गुरदाय मिह, सतनाम मिह पुत्रान सिवन्द्र सिह वासी गांव झौर पो० श्राफिस गुरदासपुर । (श्रन्तरक)
- श्रो सुरजन सिंह पुत्र बधावा सिंह वासो धारीवाल (जापोवाल) पो०श्रो० गुग्दासनंगल तहसील गुरवासपुर,

(श्रन्तरिती)

- जैसा कि सं० 2 में घौर कोई किरायेदार हो।
   (वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)
- ग्रौर जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
   (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रघोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजेन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, त्रो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हिनवद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताप्तरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुका शब्दों सौर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, यही धर्म दोगा, जो उत्त धश्याय में दिया नया है।

# अनुस्था

कृषि भूमि 13 कनाल, गांव झौर, जिला गुरदासपुर में जैसा कि सेल डोड नं० 2960 में दिनांक 29-6-80 को रजिस्ट्रो-कर्ती प्रधिकारी गुरदासपुर में दर्ज है।

> श्रानन्द सिंह् स**क्षम** प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायु**क्**त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, श्रमृतमर

तारो**ख**: 29-12-80

# प्रकप बाई • ही • एन • एस • ---

# मायकर समिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के समीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्याक्रय, सङ्घायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

ग्रम्तसर, दिनांक 29 दिसम्बर 1980

निदेश सं० ए० एस० श्रार०/80-81/286----यतः मुझे, श्रानन्द सिंह,

भागकर भिधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिष्ठित्यम' कहा गया है), की धारा 269-का के श्रिष्ठीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- उपये से भिष्ठिक है और जिसकी सं० एक बिल्डिंग, श्रमृतसर है तथा जो ' ' ' में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूचः में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्राकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय एम० श्रार० श्रमृतसर मे राजस्ट्राकरण श्रिष्ठात्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रधःन दिनांक मई, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उन्तित वाजाः भूल्य से कम के कृष्णपान प्रतिकत के सिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उन्तित बाजार भूक्ष, उसके बृश्यमान प्रतिकत से, ऐसे बृश्यमान प्रतिकत से, ऐसे बृश्यमान प्रतिकत का पन्त्रत् प्रतियत से श्रीकक है और मन्तरक (मन्तरकों) भीर मन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के जिए तय जाया गया प्रतिकत, निम्नलिखित उत्रेष्य से उनत मन्तर जिल्लित में वास्तिक कप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) धन्तरण संहुई किसी घाय की बाबत प्रक्त अविनियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के वासिस्व में कमी करने या उससे बचने में नुविधा के शिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय मा किसी घर या ग्रन्त भारितयों को, जिन्हें भारतीय भायकर भविनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भविनियम, या धन-कर भविनियम, 1957 (1957 का 27) के भयोकनार्वे भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए वा, क्रिपाने में सुविधा के लिए;

चतः अन, उन्त प्रक्रितियम की बारा 269-म के धनुसरण में, मैं, उन्त प्रक्रितियम की बारा 269-म की उनकारा (1) के अधीन, निम्नलिखित स्थितियों, अर्चात् :---

- 1. श्री मरदारी लाल मेहरा पुत्र श्री मनोहर लाल वासी सरकुलर रोड, भाषोजिट मेडीकल कालेज, ग्रमृतसर।
- 2. मैं० हरी मिह एन्ड सन्ज, हाल गेट, अभृतसर । (ग्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि सं० 2 में भ्रौर कोई किरायेदार है। (वह व्यक्ति, जिसके श्रक्षिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी सरके पूर्वीक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
  45 विन की भवित, या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 विन की भवित. जो भी
  प्रविध बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वड किसी मन्य स्थित द्वारा खडीहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पब्दीकरण: ---इसर्में प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत ग्रीधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं भ्रथ होगा जा उस श्रष्टमाय में दिया गया है।

# अनुसूची

एक बिल्डिंग खमरा नं० 635/I व 635 जी० टी० रोड, अमृतसर में जैसा कि सेल डोड नं० 956 दिनांक 6-5-80 को रिजस्ट्री अधिकारों अमृतसर में दर्ज हैं।

म्रानन्द सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज-I, भ्रमृतसर

**तारीख:** 29-12-80

प्ररूप भाई ० टी ० एन ० म्स ०----आयकर अक्षिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के भधीन सुचना

#### भारत. मरकार

कार्यालय, महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, श्रमृतसर

भ्रम्तसप्, दिनांक 18 दिसम्बर 1980

निदेश सं० ए० एस० न्नार०/8 0-81/28 7—यतः मुझे, ग्रानच्य सिंह,

प्रायकर श्रिष्ठितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'छना श्रिष्ठितियम' कहा गया है), को धारा 269-ज के प्रधीत स्थान प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति जिलहा उच्चित बाजार मूल्य 25,000/- रूपए से प्रष्ठिक है

श्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा श्रमृतसर में स्थित है (श्रीर इससे उपायद्ध श्रमुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से बणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय एस० श्रार० गुरदासपुर में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मई, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अम्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफन स, ऐस दृश्यमान गतिकल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रतिक है प्रोर पन्तरक (प्रत्नरकों) और अन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रम्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखिन छहेश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रम्लरण से हुई किसी श्राय वर्ष बाबत, उक्त मधि-नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/ग्रा
- (ख) ऐसी किसी बार या किसी धन या अन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्त भिधिनियम, या धनकर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रम्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः, सब, उक्त ब्रिधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण में, मैं, उक्त ब्रिधिनियम की घारा 269-च की उपधारा (1) के ब्रिधीन निम्नलिश्चित व्यक्तियों, अर्थात्—  श्रो बन्ता सिंह पुत्री बिशन सिंह,
 ग्राम तथा डाकखाना सतकोहा, तहसील व जिला गुरदासपुर।

(ग्रन्तरक)

- 2. श्री रसबीर सिंह, मनजीत सिंह पुत्रान दर्शन सिंह ग्राम तथा डाकखाना मतकोहा, तहसील व जिला, गुरदासपुर (ग्रन्तरिती)
- जैसा ि सं० 2 में ग्रीर कोई किरायेदार हो।
   (बह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. और व्यक्ति जो सम्पत्ति मे रुचि रखता हो।
  (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी
  जानता है कि वह सम्पत्ति में हिसबब है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के **मर्ज**न के लिए. कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेपः ---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के श्रीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वादा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विकास में किये जा सकेंगे।

स्वध्दोकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधि -नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

कृषि भूमि 25 कनाल 5 मरला मतकोहा, जैसा कि विलेख डोड मं० 903, दिनांक 26-5-80 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी गुरदापुर में दर्ज है।

> म्रानन्द सिंह सक्षम म्रधिकारी महायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजैन रेंज, ग्रमृतसर

नारीख: 18-12-80

प्ररूप माई० टी• एन० एस•----

श्रायंकर श्रक्षिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-च (1) के श्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, श्रमृतसर

अमृतसर, विनांक 2 जनवरी 1981

निदेश सं० ए०एस० ग्रार० /8 0-8 1/288—स्यत मुझे, ग्रानन्द सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि हैं तथा जो में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्राकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय एस० श्रार० खेमकरन में रिजस्ट्राकरण श्रधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन विनाक मई, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के खिलत बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए पन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐन वृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर अन्तरक (प्रन्तरकों) और अन्तरिती (प्रन्तरित्यों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के निए तम पाम गम प्रतिफल निम्नलिखित छहेश्य से उक्त भन्तरण निष्वित में वास्तविक ह्रण में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण के हुई किसी भाय की बाबत आयकर श्रीवितयम 1961 (1981 का 43) के भवीन कर देने के भन्तरक के दाभिस्त में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

ग्रतः अत्र, एक्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, एक्त अधिनियम की घारा 269-घ की छपधारा (1) के को अभीन निम्मलिखित व्यक्तियों अर्थात्ः--

- 1. श्री वस्मन सिंह, सुलखान सिंह, पूरन सिंह पुतान वरयाम सिंह वासी आसल उतार तहसोल पट्टो, जिला ग्रमृतसर । (श्रन्तरक)
- 2 श्रो निरमल सिंह जरनैल सिंह ग्रमिरकसिंह पुत्र चमन सिंह बलविन्द्र सिंह पुत्र रमा सिंह वासी श्रासल उतार तहसील पट्टी जिला एस० ग्रार० ग्रमृतसर ।

(अन्तरिती)

- जैसा कि नं० 2 में और कोई किरायेदार हो।
   (वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पक्ति है)
- 4 ग्रीर कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
  (वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षारी
  जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थान के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इ. । सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख मे 45 दिन की अविधिया तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वव्यक्तिकरण---दसमें प्रमुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधि-नियम के भ्रष्टमाय 20-क में परिभाषित हैं, वही भर्य होगा, जो उस भ्रष्टमाय में दिया गया है।

# **प्रनुस्**ची

कृषि भूमि 40 कनाल 2 मरला नहरी गाव श्रासल उतार तह० पट्टी जैसा कि सेल डीड न० 1114 है तथा जो दिनांक 8-5-78 से रजिस्ट्रोकर्ता श्रधिकारी, श्रमृतसर में दर्ज है ।

> श्रानन्द सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

दिनांक: 2-1-81

# 

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, श्रमृतसर श्रमृतसर, दिनांक 6 जनवरी 1981

निवेश सं० ए० एस० झार०/80-81/289—-यतः मुझे, म्रानन्द सिंह,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- ए० से प्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो गुरदासपुर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसृची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यासय ग्रदासपुर मे रजिस्ट्रीकरण **प्रधिनियम** 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक मई, 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य प्रतिफल के लिए अम्तरित कम के पुश्यमान गई है और मुझे यह विश्वास करने **का कार**ण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे, वृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, भौर मन्तरक (भन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल निम्नलिखित उद्देश्य ने उत्तर अन्तरम लिखित में बास्तविक रुप से कथिन नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरम स दुई किसा आय को बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अक्तरक के दायित्व में भमी करने या छससे क्वने म सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिशिनियम, या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त प्रशिविषय की धारा 269-ग के बनुसरण में, मैं, उक्त प्रशिविषय की घारा 269-च की उपद्वारा (1) के अधीत, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थातः—

- श्री हरमजन सिंह, गुरबचन सिंह पुत्र नथासिंह पुत्र नौरंग सिंह वासः गांव धारीबाल भौजा, तहसील गुरदासपुर । (ग्रन्तरक)
- 2. श्रा मक्खन सिंह, सुलखान सिंह, गुरनाम सिंह, दलबीर सिंह, पुत्रान तारा सिंह पुत्र गेंदा सिंह, गांब धारीवाल भौजा जिला गुरदासपुर। (श्रन्तरिती)

जैसा कि ऊपर नं० 2 में श्रीर कोई किरायेदार हो।
 (वह व्यक्ति जिसके श्रिक्षिणेण में सम्पक्ति है)

4. ग्रौर कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखा है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पक्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी धन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो 'उक्त ग्रीविनयम' के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही भ्रयं होगा, जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

# ग्रन्**भू**षी

कृषि भूमि 20 कनाल 16 मरले गांव धारीवाल भोजा में गुरदामपुर जैसा कि सेल डीड सं० 1128, दिनांक 26-5-80 से रजिस्ट्रोकर्ता अधिकार। ग्रदाससपुर में दर्ज है।

> श्रानन्द सिंह सक्षम प्राधिकारीः सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुजीन रेज, श्रमृतसर 3, चन्देरपुरी टेलर रोड़, अमृतसर

ना**रोख**: 6-1-81

प्रह्म श्राई० टी० एन• एस•----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयंकर वायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, श्रमृतसर

अमृतसर, दिनांक 5 जनवर। 198 1

निदेश सं० ए० एस० श्रार० /8 0-8 1/290----यत: मुझे, श्रानन्द सिंह,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचार 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी करे, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपर्तित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो गुरदायपुर में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्राकर्ता अधिकारों के कार्यालय गुरदासपुर में रिजस्ट्राकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक महै, 80 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जियत बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई ही और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिक्षत से अधिक है और बन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल का निम्नलिखित उद्वेष्ट्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया एका था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विता के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में. म<sup>5</sup>, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्निसिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

- श्री सनी मत्यादेवी और श्रीमती मुनी पुती जबक पुल फूला सिंह गांव झकरा, तहसील गुरदासपुर ।
  - श्रा सरदार सिंह पुत चीत सिंह गाव झिकरा, तहसील गुरदासपुर ।

(ग्रन्तिरतः)

- जैसा कि ऊपर नं० 2 में भ्रौर कोई किरायेदार हो।
   (वह व्यक्ति, जिसके भ्रधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4 श्रीर कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति मे रुचि रखता है।
  (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

एकत नम्मन्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राज्यत में प्रकाशन को तारी सं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकायो।

स्पट्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिकाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

प्रनुसूची

कृषि भूमि 36 कनाल 4 कनाल गांव सकरा, गुरदासपुर में जैना कि सेल डोड सं० 1192 दिनांक 27-5-80 की रिणस्ट्री प्रधिकारी गुरदासपुर में दर्ज है।

> श्रानन्द सिंह, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंल, श्रमृतसर 3, चन्द्रपुरी टेलर रोड़, अमृतसर

तारखा: 5-1-81

प्ररूप आई. टी. एन • एसं. -----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, श्रमृतसर श्रम्तसर, दिनांक 6 जनकरी 1981

निदेश मं० ए० एन० म्रार० /80-81/291—यतः मुझे, म्रानन्द सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो गुरदासपुर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसृची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) रजिस्ट्राक्ती ग्रीधकारों के कार्यालय गुरदासपुर में रिकस्ट्रीकरण ग्रीधितियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीत दिनांक जून, 80 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत ग्रीधक है भीर अन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रीर श्रन्तरिती (अन्तरितिओं) के वीज ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत किन निम्नलिखन उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखिन में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के भरतरक के दाणित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में मृविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, माँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिसित व्यक्तियों, अर्थातः--3—476GI/80  श्री असवन्त सिंह, सरदूल सिंह, नरिन्न सिंह पुत्र प्रीतमिसिंह गांव सतकोहा, गुरवासपुर ।

(भ्रन्तरक)

2. श्री सुखविन्त्र सिंह पुत्र निरन्जन सिंह गांत्र व डा० सतकोहा, गुरदासप्रुर ।

(भन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में और कोई किरायेवार हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

और कोई

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में सधोहस्साक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबब है)

को यह सूचना जारो करके पृत्रांक्त सम्मृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाध्येप:---

- (क) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारी ख सै 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ वर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मों समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मों से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के रोजपत्र में प्रकासन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्मित्त में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त सम्बों भीर पढ़ों का, जो सकत ग्रिश्चित्रम के शब्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं ग्रर्थे होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसुम्रो

कृषि भूमि 21 कनाल 9 मरला गांव सतकोहा में तहसील गुरदामपुर में स्थित जैंसा कि विलेख नं० 261 दिनांक 20-6-80 को रजिस्ट्रीकर्ता मधिकारी गुरदासपुर में दर्ज है।

> भानन्द सिंह, सक्षम अधिकारः महायक भायकर श्रायुक्त (निर्दक्षण) भजेन रेंज, भमृतसर

तारीख: 6-1-81

मोहर

प्ररूप आई. टी. एन्. एस.----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

यर्जन रेंज, प्रमृतसर

ध्रमृतसर, दिनांक 6 जनगरी 1981

निदेश सं० ए० एस० प्रार०-80-81/292--- यतः मुझे, ग्रानन्द सिंह,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो गुरदासपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विजत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गुदरदास पुर में रिजस्ट्री करण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक जून, 1980 को वृत्रोंक्स संपर्ति के जीवत बाजार मृस्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्स संपर्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके दश्यमान प्रतिफल के, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिचात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्नलिकत उच्चेष्य से उक्त अन्तरण लिकित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जुन्तरण से हुइ किसी आय की वावत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने के सुविधा के लिये; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आयंकर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

बतः बब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण बें, मं, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, पिम्नुसिवित व्यक्तियों स्पृतिः—

- जागीर मिंह, प्रात्तम सिंह पुत्र सुन्दर सिंह, सुन्द्र सिंह पुत्र बधावा सिंह निवासी गांव गिल मन्ज, तहसील गुरदासपुर। (प्रन्तरक)
- श्री दिलावर सिंह पुत्र सुचैत सिंह वासी ग्रांव पीरोशाह, गुरदासपुर ।

(मन्तरिती)

- 3. जैमा कि ऊपर सं० 2 में श्रौर कोई किरायेदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके श्रीधभोग में सम्पत्ति है)
- ग्रीर कोई व्यक्ति जो सम्पक्तिमे क्चि रखता है।
   (वह व्यक्ति, जिनके बारे मे ग्रघोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्तिमे हिसबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही कर्भ होगा जो उसु अध्याय में विया गया हैं।

#### घनुसूची

कृषि भूमि 32 कनाल 4 मरला गांव गिल तहसील गुरदासपुर जैसा कि विलेख नं० 2781 दिनांक 24-6-80 रिजस्ट्री मर्ता. ग्राधिकारी गुरवासपुर में दर्ज है।

> भ्रानन्द सिंह, सक्षम भ्रधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज, भ्रमृतसर

तारीख: 6-1-81

प्ररूप आइ. टी. एन . एस . -----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज, ग्रमृतसर ग्रमृतसर, दिनांक 6 जनवरी 1981

निदेश सं० ए० एम० श्रार० /80-81/293—यतः मुझे, श्रानन्द सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

मीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो गुरवासपुर में स्थित है (मीर इससे ज्याबद मनुसूची में मीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ना मिकारी के कार्यालय गुरदासपुर में रिजस्ट्रीकरण मिधिनाम 1908 (1908 का 16) के मधीन दिनांक जून, 1980

को पूर्वाक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अवने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन निम्निस्ति व्यक्तियों अर्थात्:-- 1. श्री प्रकाश सिंह पुत्र श्रमर सिंह वासी रावलिपन्डी तहसील भौर जिला गुरवासपुर ।

(ग्रन्तरक)

 श्री कपूर सिंह पुन्न नत्था सिंह वासी रावसपिन्डी, पो० श्रोफिस गुलरी, जिला गुरवासपुर ।

(भ्रन्तरितीः)

3. जैसा कि सं० 2 में भीर कोई किरायेदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके ब्रधिभोग में सम्पत्तिहै)

4. ग्रीर कोई भ्यक्ति, जो सम्पत्ति मे चिच रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्तिमें हितबब्र है।)

को यह सूचना चारी करके पूर्वा क्ता सम्पृत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी स्थानितयों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा:
- (त) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास जिल्ला में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया मया हैं।

#### वनुस्यी

कृषि भूमि 47 कनाल 5 मरला गांव गुरवास पुर में स्थित है जैसा कि विलेख नं० 2192 दिनांक 12-6-80 को रजिस्ट्रीकर्सा प्रधिकारी गुरदासपुर में दर्ज है ।

> श्रानन्य सिंह, सक्षम श्रीधकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रम्ससर

तारीख: 6-1-81

प्रारूप आई० टी० एन०' एसं०----

वायकर ग्रामिनियम, 1961 (1961 की 43) की धारा 269-म (1) के ग्रथीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सङ्घायक प्रायक्तर प्रायुक्त (निरीकण)

श्रर्जन रेंज, श्रम्तसर

भ्रमृतसर,दिनांक 6 जनवरी 1981

निदेश सं० ए० एस० श्रार० | 80-81 | 294—यतः मुझे, श्रानन्द सिंह, सारकार प्रशितियम् 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें

मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 2'5,000/- रुपये से ग्राधिक है

ग्रीर जिसको सं० कृषि भूमि है तथा जो गुरदासपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है रिजिस्ट्रोकर्ता ग्रिश्वकारी के कार्यालय गुरदासपुर में रिजिस्ट्रीकरण ग्रिश्वित्यम 1908 (1908 का 16) के श्रश्वीत दिनांक जून, 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उतके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐम दृश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिश्वत से श्रीवक है ग्रीर अन्तरक (भन्तरकों) ग्रीर अन्तरिती (शन्तरित्यों) के बीच रेस अन्तरण के जिए तम गमा गमा मिनक्तं, निम्नलिखित उद्येय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से क्यात नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय को बाबत उक्त भिंध-नियम के अधीन कर देन के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य धास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयर्कर प्रिवित्यम, 1922 (1922 का 11) या उनत प्रिधित्यम, या धनकर प्रिवित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः, प्रव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-म की उपवारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रयोत्:--  श्रो मीहिन्दर सिंह पुत्र निहाल मिह वासी आलेवाल तहसील गुरडासपुर।

(ग्रन्तरक)

- 2. श्रो गुरबचन सिंह मित्तरमैन सिंह, ग्रजैब मिह पुतान प्यारासिंह वासी ग्रालेवाल, जरनैल सिंह, बखगीग सिंह, पुतान सुवा सिंह (नाबालिंग) वासी ग्रालेवाल (श्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में ग्रौर कीई किरायेदार है। (वह व्यक्ति जिसके ग्राधिभीग में सम्पत्ति है)
- 4. ग्रीर कोई ग्रन्य व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है।
  (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी
  जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख मे 45 विन की श्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यवितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हित्तब इकिसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पढ़ों का, जो उक्त स्रधि-नियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रक्षे होगा, जो उस शब्दाय में दिया गया है।

# मनुसूची

कृषि भूमि 40 कनाल, गांव घालोवाल मे तहसील गुरदासपुर जैसा कि सेल डीड नं 2726 दिनौंक 23-6-80 रजिस्ट्री अधिकारी गुरदास पुर में दर्ज है।

> ग्रानन्द सिंह, सक्षम प्रधिकारी सहायक ध्रायकर प्रायुक्त (निर्रक्षण) अर्जन रेंज, अपृतसर

तारीख: 6-1-81

प्रूष्ट्रप आइ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सर्रेकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

ग्रम्तसर, दिनांक 6 जनवरी 1981

निदेश सं० ए०एस० ग्रार०/80-81/295—यतः मुझे, ग्रानन्द सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबंद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय तरनतारन में रिजस्ट्रीकरण श्रिष्ठनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिष्ठीन दिनांक मई, 1980 को पूर्वाक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल का निम्नलिखित उद्देश्य से उकत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क्ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती प्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निमनलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

 श्री सुचा सिंह पुत्र काला सिंह वासी लौहके तहसील तरनतारन।

(ब्रन्तरक)

 श्री कुलवन्त सिंह चतवंत सिंह पुत्र शिन्द्र सिंह वासी लौहके, तहसील तरनतारन ।

(मन्तरिती)

3. जैसा कि सं० 2 में श्रीर कोई किरायेदार है। (बह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

4. ग्रीरकोई।

(वह व्यक्ति जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता हैकि वह सम्पत्तिमें हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध , जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में प्रिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

कृषि भूमि 43 के चाही लोहेके गांव में जैसा कि सेल श्रीष्ठ नं० 1279 दिनांक 29-5-80 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधकारी के तरनतारन में दर्ज है।

> म्रानन्य सिंह सक्षम प्रधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, 3, चन्द्रप्री टेलर रोड, भ्रमृतसर

दिनांक: 6-1-1981

प्ररूप माई॰ टी॰ एन॰ एस॰---

ग्रायकर घषिनियम, 1961 (1961 का 43) की खारी, 269-ष (1) के धषीन सूचना

#### मारव सरकार

कार्या त्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, ग्रम्तसर

भ्रम्तसर, दिनांक 6 जनवरी 1981

निदेश सं० ए०एस०म्रार० /80-81/296—म्प्रतः मुझे, म्रानन्द सिंह,

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो श्रजनाला में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय श्रजनाला में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उण्वत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उण्वत बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उनत प्रधि-नियम के अधीन कर देने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए बोर/पा
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भ्रम्य भास्तिकों को जिन्हें भारतीय भाय-कर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भ्रन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया यया था या किया जाना चाहिए चा, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः सन्, उनत समिनियम की घारा 269-ग के समुसरण में, में, उनत समिनियम की घारा 269-म की उपमारा (1) के अधीन निम्नमिखित व्यक्तियों अर्थातुः --  श्री शंगारा सिंह पुत्र भगवान सिंह, सुरजीत, कौर, पितन भगवान सिंह वासी रूरोबाल, तह्सील ग्रजनाला, जिला, श्रमृतसर ।

(ग्रन्तरक)

- चरनजीत सिंह पुत्र दर्शन सिंह, किशन सिंह पुत्र ग्रनोख सिंह, इकबाल सिंह वासी रूरोबाल तहसील ग्रजनाला। (ग्रन्तरिती)
  - जैसा कि सं० 2 श्रीर कोई व्यक्ति, किरायेदार है ।
     (बहु व्यक्ति, जिनके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
  - 4. श्रीरकोई

(बह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता हैकि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह मूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उन्त मन्यति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की भवित, जो भी भवित बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर छक्त स्थावर सम्पत्ति में हितसब किसी मन्य स्थित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

हपब्दीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों धीर पदों का, को उक्त प्रधि-नियम, के अध्याय 20क में परिमाणित हैं, वही प्रथं होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

# घनुसूची

कृषि भूमि 42 कनाल 19 मरला रूरोवाल तहसील भजनाला में स्थित है जैसा कि सेल डीड नं० 988, दिनांक 27-5-80 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी भजनाला में दर्ज है।

> श्रानन्त सिंह सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज, श्रमुससर

तारीख: 6-1-81

प्ररूप भाई०टी० एन० एस०~~

म्रायकर म्रधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के मधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज, श्रमृक्षसर

ग्रमृतसर, दिनांक 6 जनवरी 1981

निदेश सं० ए० एस० ग्रार०/80-81/297—यतः मुझे, ग्रानन्द सिंह, भायकर ग्रीधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रीधिनियम' कहा गया है), की

(जिस इसमें इसके पश्चात् उक्त श्रीधानयमें कहा गया ह), का धारा 269-ख के श्रीधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित

बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से प्रधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो खेमकरन में स्थित हैं
(ग्रीर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित हैं)
रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकरी के कार्यालय खेमकरन में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन मई, 1980 को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूख्य से कम के वृष्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूख्य से कम ऐसे वृष्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूख्य, उसके वृष्यमान प्रतिकल से, ऐसे वृष्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रनिशत से ग्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित ग्रहें क्या गया है:—

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उकत भ्रधि-नियम, के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भागकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, प्रव, उक्त श्रधिनियम की घारा 269-ग के अनु-सरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की घारा 269-म की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रयात्:--

- 1. श्री मूबू सिंह महाबीर सिंह पुत्रांन निदान सिंह, लक्ष्मन सिंह, राम सिंह पुत्र जागीर सिंह वासी गांव राधुलके तहमील पट्टी (श्रन्तरक)
- श्री तारा सिंह, साहिब सिंह पुत्र विशन सिंह गांव तृत तहसील पट्टी ।
- जैसा कि नं० 2 में भ्रौर कोई किरायेद्वार (वह व्यक्ति जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)
- 4. श्रीर कोई

(वह व्यक्ति जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उसत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद किसी श्रम्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शन्दों और पदों का, जो उक्त श्रधि नियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं ग्रथं होगा, जो उस श्रध्याय में विया गया है।

#### अनुसूची

कृषि भूमि 78 कनाल 6 मरले गांव तूत, तहसील पट्टी जैसाकि विलेख नं० 253, दिनांक 29-5-80 को रजिस्ट्री ग्रधिकारी खेमकरन में दर्ज है ।

> श्रानन्द सिंह सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, 3, चन्द्रपुरी टेलर रोड, श्रमृतसर

तारीख: 6-1-81

प्रस्प आई० टो० एन० एन०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज, श्रम्ससर

भ्रमृतसर, दिनांक 6 जनवरी 1981

निदेश मं० ए०एस०म्रार०/80-81/298—यतः मुझे, भ्रानन्द सिंह मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ को प्रधीन मक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रुपए से ध्रमिक है ग्रौर जिसकी म० कृषि भूमि है तथा जो खेमकरन में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप में विणित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय खेमकरन में रजिस्ट्रीकरण 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन मई, 1980 को पूर्वोक्त सम्पन्ति के छजित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकत के लिए भन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रध प्रतिशत से अधिक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) प्रन्तरिती (श्रम्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) मन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के मन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आव या किसी धन या भन्य भारितयों की, जिन्हें भारतीय आयकर भधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त भिष्ठितयम, या धन-कर भिष्ठितयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सविधा के लिए;

ग्रतः ग्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुकरण में, मैं, उक्त अधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थाव :--- शो जैमिन्द्र जीत सिंह उर्फ नरिन्द्र पाल सिंह पुत्र प्रताप सिंह वासी तूत, तहसील पट्टी।

(भ्रन्तरक)

 श्रो सुखाल सिंह, जसल सिंह पुत हरमन्द्र सिंह बासी त्रुत, तहसील पट्टी ।

(ब्रन्तरिती)

- 3 जैसा कि सं० 2 में श्रीर कोई किरायेदार है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)
- 4. श्रौरकोई

(बह व्यक्ति, जिनके बारे में ब्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है) श्रनुसूची

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पति के अर्जन के सम्बंध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख, से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोदत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपद्धा में प्रकाशन की तारीख से
  45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रम्थ व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
  पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रीविनयम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं। वहीं अर्थ होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

कृषि भूमि 71 कनाल 14 मरला जो गांव तूत में तहसील पट्टी जैसा कि सेल डीड नं० 181 दिनांक 19-5-80, रजिस्ट्री अधिकारी के कार्यालय में दर्ज हैं।

> आन्तद सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) 3, चन्द्रपुरी टेलर रोड, ग्रर्जन रेंज, ग्रमुतसर

सारीख: 6-1-<u>8</u>1

प्ररूप आईं० टी० एन० एस० 🖚

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269- भ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायुक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 8 जनवरी 1981

निवेश सं० ए० एस० ग्रार०/80-81/299---यतः, मुझे, ग्रानन्द सिंह

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट है तथा जो में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिन्द्री-कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय पठानकोट में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक मई 1980

को पूर्वांक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त संपर्तित का उभित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल के, पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त किंधिन नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्य में कभी करने या उससे बचने में तृविधा के लिए; और/या
- (स) गुंभी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती च्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अस, उक्त अभिनियम, कौं धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अभिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :----

(1) श्री लेख राज पुत्र गुरुदिता मल, मोची मुहल्ला मन्त नगर, पठानकोट ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती कमला रानी पत्नी विशवा मित्न ग्रौर विशवा मित्र पुत्र नन्द लाल मकान नं० 1940, मोची मोहल्ला मन्त नगर, पठानकोट ।

(ग्रन्तरिती)

(3) जैसा कि सं० 2 स्रीर कोई किराएदार । (वह व्यक्ति जिसके स्रिधभोग में सम्पत्ति है )

(4) श्रौर कोई।
(बह व्यक्ति जिसके कारे में श्रधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितकद है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यथाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति ख्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सके गे।

स्पष्टिकरण:---इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### नग्त्यी

एक प्लाट 3 मरला मोची मुहल्ला, सन्त नगर, पठानकोट मे जैमा कि सेल डीड नं० 711, दिनांक 26-5-80 को रजिस्ट्री म्रिधिकारी, पठानकोट में दर्ज हैं।

श्चानन्य सिंह्
सक्षम प्राधिकारी
सहायक श्रायकर श्चायुक्त (निरीक्षण)
3, चन्द्रपुरी टेलर रोड
अर्जन रेज, श्रमृतसर

दिनांक: 6 जनवरी 1981

प्रकृष भार्ष । टी । एत । एस • ----

आयकर मिवियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अभीत सुचता

#### भारत सरकार

कार्या नय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरोक्षण)

ग्रर्जन रेज, श्रमृतसर

ग्रमृतसर, दिनांक 6 जनवरी 1981

निदेश सं० श्रमृतसर/80-81/300---यत, मुझे, श्रानन्द सिंह आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के श्रधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- इपये से अधिक है

श्रौर जिसकी स० एक घर पठानकोट है तथा जो

में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पठानकोट से रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनाक मई

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रष्ट्र प्रतिशत से मिषक है और भन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए हय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देग्भ से उक्त अन्तरक लिखिन में बास्तविक रूप से कथित नहां किया मया है:—

- (क) अन्तरण ने हुई किसी भाग की बाबत उक्त श्रीक्रियम के श्रीकीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसने बचने में सुविधा के निए; और/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी घन या ग्रन्थ आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधितियम, 1922 (1922 का 11) या उपत ग्रिधिनियम, या धन-कर प्रधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया बाथा किया जाना चाहिए वा, खिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब, उब्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त पश्चिनियम की बारा 269-म की उक्तारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात :--- (1) श्री महा सिंह पुत्र जैमल सिंह, मनार्ला रोड, पैदोल पम्प, पठानकोट ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीधर्म पाल श्रशोक कुमार पुत बिहारी लाल ढागू रोड, मन्त नगर, पठानकोट ।

(श्रन्मरिती)

(3) जैसा कि सं० 2 श्रीर कोई किराएदार। (वह व्यक्ति जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति हैं)

(4) ग्रीर कोई।

(वह व्यक्ति जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानना है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के सर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

जनत सम्पत्ति के प्रजेन के सम्बन्ध में कोई भी पासेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीच से
  45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की धवधि, जो भी
  धवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्त में अकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित बूहैं, बही ग्रंथ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# **ग्रनुसूची**

एक कोठी न० 8 (प्लाटन० 62 श्रौर 63 खसरा न० 1715/570/2 राए बहादुर रतन चन्द रोड, पर जैसा कि सेन डीड न० 650/1 दिनाक 29-5-80 रजिस्ट्री ग्रिधिकारी श्रमृतसर में दर्ज हैं।

म्रानन्द सिह् सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) 3, चन्द्रपुरी टेलर रोड ग्रर्जन रेज श्रमृतसर

दिनांक : 6 जनवरी 1881

# प्रकप धाईं • टी • एन • एस ० -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायस भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्वर्जन रेज श्रमृतसर

ध्रमृतसर, दिनाक 6 जनवरी 1981

निदेश मं० अमृतसर/80-81/301—यत, मुझे, भ्रानन्द सिंह आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित आजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी स० कृषि भूमि है तथा जो में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गुरदासपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनाक मई 1080

कां पूर्वाक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रिक्षण के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करते का कारण है कि यथापूर्वाक्त सपित का उचित बाजार मूहत, उसके द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह जिल्ला से अधिक है और अन्तरक (अनारकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से यथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण सं हुइ किसी जाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर बने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; आर/या
- (ख) एंगी किसी आय या किसी धन या बन्य बास्तियों करो, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सृतिधा के लिए;

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिश्वित व्यक्तियों अर्थात्:--

- (1) श्री बाग मिह, रनन सिह, बचन मिह पुत्र पूरन सिह गाव ढिडमा, गुरदासपुर । (श्रन्सरक)
- (2) श्रीमती श्रमरजीतकौर पत्नी जागीर सिंह, गाव माई का पिन्ड पो०ग्रो० घुमा कला गुरदासपुर। (श्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि म० 2 और कोई किराएदार । (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति हैं)
- (4) श्रीर कोई।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में प्रधीहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पति में हिनबद्ध हैं)

को यह मूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पोत्स के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप --

- (क) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी बनिध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपित्त में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों आर पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### भनुसूची

कृषि भूमि 30 क० 12 म० गांव खिडसा गुरवासपुर में जैसा कि मेल डीड नं० 1248 दिनाक 28/5/80 रिजस्ट्री ग्रिधकारी गुरदासपुर में दर्ज है।

> श्रानन्द सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) 3, चन्द्रपुरी ठेलर रोड, श्रर्जन रेज, श्रमृतसर

दिनाक : 6 जनवरी 1981

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-

धायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रिधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

# श्रर्जन रेज, श्रम्भसर

ध्रमृतसर, दिनाक 6 जनवरी 1981

निदेश स० श्रमृतसर/80-81/302---यत , मुझे, श्रानद सिह श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 को 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 ६० से श्रिधिक हैं श्रौर जिस की स० एक कोठी हैं तथा जो में स्थित हैं (श्रौर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारों के कार्यालय पठानकोट में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक मई 1980 को पूर्वोंक्त सपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान

को पूर्वोक्त सपित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये भन्तरित की गई है श्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से भिधक है श्रौर भन्तरक (अन्तरको) श्रौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखिन उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने का उससे बचने में सुविधा के लिये; श्रीर/या
- [] (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) का उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिये;

ग्रतः भ्रम, उन्त ग्रिधिनियन, की धारा 269-ग के ग्रनुसरण मे, मै, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के ग्रिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रथीत्:— (1) श्रमृत लाल क्रिज मोहन जोती पुतः कस्तूरी लाल, नजदीक बिजली घर पठानकोट।

(ग्रन्तरक)

(2) मैं मर्जा श्रो० पी० श्रोबराए एण्ड क०, कालेज रोड, पठानकोट ।

(भ्रन्तरिनी)

- (3) जैंगा कि सं० 2 भीर कोई किराएदार। (बह व्यक्ति, जिसके भ्रधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) श्रौर कोई।

(वह व्यक्ति जिनके भारे मे ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिनबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के मर्कन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 48 दिन की घत्रिय या तस्त्रम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घत्रिय, जो भी धविष्ठ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बादा;
- (ख) इस सूचता के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर मंपत्ति में हित-बढ़ किसी धन्य व्यक्ति द्वारा मधीहरताकारी के पाम विश्वित में किए जा सकोंगे।

स्वध्योकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों धीर पदों का, जी छक्त धिवियम के धन्याय 20-क में परिकाधित है, वही अर्थ होगा जी उस धन्याय में विधा गया है।

#### धनुसूची

एक कोठी (रक्षा 1 क० 12½ म०) पठानकोट मे जैसा कि सेल डीड नं० 638 दिनांक 20-5-80 रजिस्ट्री ऋधिकारी पठानकोट में दर्ज हैं।

> ध्रानन्द सिह् सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) 3, चन्द्रपुरी टेक्सर रोड, भ्रजन रेज, ध्रमृतसर

तारीख 6-1-1981। मोहरः:

# प्ररूप आई• टी॰ एत॰ एस॰-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961का 43) की धारा 269 म (1) के सधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यांसय, सहायक भायकर भागुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेज-I, भ्रमृतसर

भ्रम्तसर, दिनांक 6 जनवरी 1981

निदेश सं० ए०एस०अ(र०/80-81/303--यतः, मुझे, अप्रानन्द सिंह आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'खक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ध के अधीन संक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वादर सम्पत्ति, जिसका 25,000/-रुपये स भविक है म्∉य श्रौर जिस को सं० एक प्रापर्टी है तथा जो मे स्थित है (श्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूची मे और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय ग्रम्तसर मे रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक मई 1980 को पूर्विक्त भम्पत्ति के खिला बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का छिंचत बाजार मूल्य, उसके दृश्यम।न प्रतिकाल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल से पन्द्रह प्रतिगत अधिक है और अन्तरक (धन्तरकों) और धन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण उन्हर्द किसा आयको बाबत उक्त आधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसो आय या किसी धनया अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर ग्रिप्रिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रत:, ग्रब, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के ग्रन्-करण में, में, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के ग्रिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रयीत:— (1) श्रीमती कमलेश कुमारी परनी देव राज, वासी बाजार कमरिओं कूचा फकीर खां एच० नं० 473/19 श्रमृतसर।

(ग्रन्तरक)

(2) कुमारी कमला बती पुत्री राम नाथ पुत्र लक्ष्मी नारायन श्रशोक कुमार, राज कुमार पुत्र रतन चन्द, वासी गली श्ररदिलयां चौरस्ती ग्रटारी हाल कोठी नं० 8 रतन चन्द रोड श्रमृतसर।

(ग्रन्तरिती)

(3) जैसा कि न० 2 और कोई किराएदार। (वह व्यक्ति जिसके भ्रमिभोग में सम्पत्ति हैं)

(4) ग्रीर कोई /--

(वह व्यक्ति जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिनबद्ध है )

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई की बार्कप :---

- (क) इस सूचता के राज्यक में प्रकाशन को तारीख में 45 दिन की प्रविध्व या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध्व, जो भी श्रवधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रवृक्त गण्या और पदों का, जो उनत अधि-नियम के भव्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अख्याय में दिया गया है।

## अमृतूची

एक कोठी नं० 8 (प्लाट नं० 62 और 63 खसरा न० 1715/ 570/2) राए बहादुर रटन चन्द रोड श्रमृतसर पर जैसा कि सेल डोड नं० 650/I दिनांक 29-5-80 रिजस्ट्री श्रधिकारी, श्रमृतसर में दर्ज हैं।

म्रानन्द सिंह, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) 3, चन्द्रपुरी टेलर रोड, श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

विनांक: 6 जनवरी 1981

मोहर.

प्रारूप माई॰ टी॰ एन॰ एस॰----

# यायकर पश्चितियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 ष(1) के प्रधीन सूचना गारत सरकार

कार्यालय, महायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, भ्रमृतसर भ्रमृतसर, दिनांक ७ जनवरी 1981

निदेश सं० ए०एस०आए०/80-81/304-यतः, मुझे, भ्रानन्द सिंह

आयकर प्रिषितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मियिन' कहा गया है), की घारा 269—ख के भियोत सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यागर सम्मित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इप्रामें पश्चिक है

श्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय अमृतसर मे रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन मई 80 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूक्य से कम के दृश्यमान श्रिक्षल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्यह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और प्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए राम पाया ग्रामान तिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरक प्रिवान में मस्तिक कम से किवत नहीं किया गया है:—

- (क) भग्तरण से हुई किसी घाय की बाबत उक्त प्रिविनमम के घानित कर देने के घान्तरल के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धीर/या
- (ख) ऐसी किसी आप या किसी धन या अन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त धिवियम, या धन-कर शिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत . शब, उक्त धिविषय की घारा 269-व के धनुवरण में, में, उक्त घिविषयम की घारा 269-व की स्ववारा (1) के अधीन, निम्निविचित स्विष्यों, अर्थात् 1---- (1) श्री मुखविन्द्र सिंह पुत प्यारासिंह, वासी मकना खुरद, तहसील श्रमृतसर ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री तारा सिंह पुत्र इणर सिंह, वासी मकना खुरद, तहसील श्रमृतसर।

(भ्रन्तरिती)

(3) जैसा कि सं० 2 और कोई किराएदार । (बह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) श्रौर कोई।

(वह व्यक्ति जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पक्ति में हितबद्ध है)

को यह मुक्ता जारी करके पूर्वोकत पम्यति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप । ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी वासे 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जी भी भविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स्र) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वव्हीकरण: --इसमें प्रयुक्त मन्दों और पदों का, जो छक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिकाणित है, बही यथं होगा, जो छस अध्याय में विया गया है।

# अनुसूची

कृषि भूमि 31 क० 4 म० गांव मकना खुरद में जैसा कि सेल डीड नं० 1382/215/80 रजिस्ट्री ग्रिधिकारी श्रमृतसर में दर्ज हैं।

म्रानन्द सिंह, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) 3, चन्द्रपुरी टेलर रोड, श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

दिनांक: 7 जनवरी 1980

प्रकृष प्राई० टी० एन० एस०---

भायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के ग्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यौलय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, श्रम्तमर

प्रमुतसर, दिनांक 7 जनवरी 1981

निदेश सं० ए०एम०आ२०/80-81/305—यनः, मुझे, ग्रानन्दर्सिह

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पम्चात् 'उन्न अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिलका उचित वाजार मृल्य 25,000/- ६० से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० कृषि भृमि है तथा जो में स्थित है (श्रीर इससे उपाबब श्रनुसुकी में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय श्रमृतसर में रिजस्ट्रीकण श्रधिन्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक मई 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्प से कम के दृश्यमान प्रतिकत के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह त्रिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्प, उसके दृश्यमान प्रतिकल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्तह प्रतिशा से प्रधिक है और प्रन्तर (अन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखन उद्देश्य में उनत श्रन्तरण लिखन में बास्तविक रूप से कथिन नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुई किनो आय की वावत, उक्त प्रधि-नियम के भधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (च) ऐसी किसी श्राप वा किली धन या ग्रन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय श्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग को अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (11) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमिति हरनाम कौ॰ विधया ईन्द्र सिंह, वामो मजीठा, तहसील स्रमृतपर ।

(ग्रन्तरक)

- (2) श्री हरभूपिन्द्र सिंह पुत्र महिन्द्र सिंह, वासी मजीठा। (श्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि सं० 2 छौर कोई किराण्दार ।

(बहु व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग मे सम्पत्ति है)

(4) श्रौर कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे मे ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह गरगत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारो कर के प्यामित सम्पत्ति के प्रजीत के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्वति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीख के 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामीज में 30 दिन की श्रविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस सूजता के राजपत्र न प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उन्न स्थावर सम्पत्ति में हितबड़ किसी अन्य न्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त कन्दों ग्रौर पदां का, जो उक्त ग्रिधि-नियम, के ग्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित है, वहा अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### **प्रन्सू**ची

कृषि भूमि 1/2 हिस्सा 98 क० 5 म० गालावाली मे जैसा कि मेल डोड नं० 985 दिनांक 7-5-80 रजिस्ट्री ग्रधि कारी, ग्रमृतशर में दर्ज है।

> श्रानन्द सिंह् सक्षम अधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) 3, चन्द्रपुरी टेलर रोड, श्रर्जन रैज, श्रम्ससर

दिनांक: 7 जनवरी 1981

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

# कार्थालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, ग्रमृतमर

श्रमृतसर, दिनांक 7 जनवरी 1981

निदेश नं० ए०एम०आर०/80-81/306--यतः मुझे ग्रानस्य सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० कृषि भृमि है तथा जो में स्थित है (श्रौर इससे उपायद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनाक मई, 1980

कां पूर्वाकत संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाकत संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नौसिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक इप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; औट्ट/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्त्रिपाने में स्विभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनिष्कु व्यक्तियों, अधीत क्

(1) श्री कुन्दन सिंह पुत्र इन्द्र सिंह वासी मजीठा तहसील स्रमृतसर

(भ्रन्तरक)

(2) श्री हर भूपिन्द्र सिंह पुत्र महिन्द्र सिंह वासी मजीठा तहसील, श्रमृतसर

(श्रन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 श्रौर कोई किराएदार (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) श्रौर कोई

(वह व्यक्ति जिसके बारे में श्रधोहम्लाक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके प्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

जनत सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निचित में किए जा सकरो।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, यहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# मग्स्ची

कृषि भूमि 1/2 हिस्सा 95 क० - 5 म० गालीकली में जैसा कि सेल डीड नं० 984 दिनांक 7-5-80 रजिस्ट्री ग्रधिकारी ग्रमृतसर में दर्ज है।

> ग्रानन्द सिंह् सक्षम प्रधिकरी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, ग्रमृतसर

दिनांक: 7 जनवरी 1981

'मोहरः

प्ररूप आइ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 6 जनवरी 1981

निदेश नं ० ए०एस०म्रार०/80-81/308---यतः मुझे

मानन्द सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित भाजार मृत्य 25,000/रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप में विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता भिधकारी के कार्यालय पट्टी में रिजिस्ट्रीकरण भिधनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक मई, 1980

को पृवांकित संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृवांकित संपरित का उचित बाजार मृत्य, असके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक क्ष से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विभा के लिए;

जतः जस, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण हों, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अभीन निम्निसिक्कत व्यक्तिकों अधितः:-

5—476GI/80

(1) श्रीमती मालिन्द्र कौर पुत्री भगवन्त सिंह वासी सिंघपुरा तहसील पट्टी ममृतसर

(ग्रन्तरक)

(2) श्री लखबीर सिंह पुत्र शंगारा सिंह सिघपुरा तहसील पट्टी श्रमृतसर

(भ्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि नं० 2 श्रीर कोई किराएदार (वह व्यक्ति जिसके श्रिष्ठभोग में सम्पत्ति है)
- (4) ग्रौर कोई
  (वह व्यक्ति जिसके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी
  जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पृथोंक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबवृष किसी अन्य व्यक्ति वृवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

श्यव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

### अनुसूची

कृषि भूमि 86 क०-9 म० महरी बंजर दूर गांव सिंघपुरा में जैसा कि सेल डीड नं० 557/I/1012 /14-5-80 रजिस्ट्री श्रिधकारी पट्टी में दर्ज है।

> श्रानन्द सिह सक्षम ग्रिधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भ्रमृतसर

विनांक: 6 जनवरी 1981

प्ररूप आई.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

श्रम्तसर, दिनांक 6 जनवरी 1981

निदेश नं० ए०एस०आर०/80-81/309—यतः मुझे, श्रानन्द सिह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उिषत बाजार मूल्य 25,000/ रा. से अधिक है

सौर जिसकी सं व तथि भृमि है तथा जो में स्थित हैं (श्रीर इससे उगाबद अनुसूची में सौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजिस्ट्री कर्ती श्रिध कारी के कार्यालय पट्टी में रिजिस्ट्रीकरण श्रिष्ठिन्यम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक मई, 1980 को पूर्वांक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुओ यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापकों क्त संप्रित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पम्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कित निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क, अन्तरण से हाई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

सतः अव. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की, अनूसरण भों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः--

- (1) श्री बिशन सिंह पुत्र गुज्जर सिंह वासी दूबली तहसील पट्टी
  - (ग्रन्तरक)
- (2) श्री निर्मल सिंह गुमेल सिंह बलदेव सिंह सतोख सिंह पुत्र ईसर सिंह वासी दूबली तहसील पट्टी (अन्तरिसी)
- (3) जैसा कि नं० 2 और कोई किराएदार (वह व्यक्ति जिसके श्रिक्षभोग में सम्पत्ति हैं)
- (4) भौर कोई

(वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति हितबद्ध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृदारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### अनुसूची

कृषि भूमि 90 क०-15 म० बरानी श्रौर नहरी दूबली में जैसा कि सेल शिड नं० 549/13-5/80/1018 दिनांक 13-5-80 रजिस्ट्री श्रिधकारी पट्टी में दर्ज है।

श्रानन्द सिंह सक्षम श्रधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), 3 चन्द्रपुर टेलर रोड श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

तारीख : 6~1~81 मोहर: प्रकृप आइ. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्थन रेंज, अमृतसर कार्यालय अमृतसर, दिनांक 6 जनवरी 1981

निदेश नं० ए०एस०आर०/80-81/311—-यतः मुझे स्रानन्द सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं कि कृषि भूमि है तथा जो में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय पट्टी में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक मई 1980 को पूर्वोक्स संपर्ति के उपात बाजार मूल्य से कम के खरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्स संपर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके खरमान प्रतिफल से, ऐसे खरमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रसिद्यत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्च रेय से उक्स अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से काथत नहां किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के धायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; और/या
- (क) ऐसी किसी आव या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयु-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन निम्नुतिकृत व्यक्तियों, सुभृति क्ष-- (1) श्री नरिन्द्र सिंह पुत्र ईसर सिंह जाट गांव सीतो में श्रुगीम्रा तहसील पट्टी

(भ्रन्तरक)

(2) श्री केसर सिंह पुत्र जावन्त सिंह वसी शहिद तहसील पट्टी

(ग्रन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 भौर कोई किराएदार (वह व्यक्ति जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति हैं)

(4) ग्रीर कोई (वह व्यक्ति जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जनाता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन को अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिस्ता में किए जा सकोंगे।

स्युक्तीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

# अनुस्ची

कृषि भूमि 92 क० बन्जर कवीम ग्रीर बरानी गीती में झूंगिग्रा तहसील पट्टी जैसा कि सेल डीड नं० 831/1/1016 दिनांक 29-5-80 रिजस्ट्री ग्रिधकारी पट्टी में वर्ज है।

ग्रानन्द सिह सक्षम ग्रिधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) 3 चन्द्रपुर रोड टेलर रोड, 3 ग्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर

विनांक: 6 जनवरी 1981

प्रकप बाई.टी.एन.एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज श्रमृतसर कार्यालय
श्रमृतसर, दिनांक 6 जनवरी 1981

निदेश नं० ए०एस०आर०/80-81/312--यतः मुझे म्रानन्द सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस् ट्र कर्ता श्रीधकारी के कार्यालय पट्टी में रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक मई 1980

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के ब्रह्ममान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके ख्रममान प्रतिफल से, एसे ब्रह्ममान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नृहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृतिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

- (1) श्री मुखतार सिंह पुत्र शाम सिंह वासी वृह तहसील पट्टी (ग्रन्तरक)
- (2) श्री उजागर सिंह पुत्र जरनैल सिंह बन्त सिंह त्रिलोक सिंह वासी बूह तहसील पट्टी (ग्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 और कोई किराएदार

(वह व्यक्ति जिनके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) श्रौर कोई

(वह व्यक्ति जिनके बारे में ग्रधीहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप: --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवाँकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यव्हीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विमा नया है।

# प्रनुसुची

कृषि भूमि 84 क० गांव बूह तहसील पट्टी जैसा कि सेल डीड नं० 813/l/1016 दिनांक 28-5-81 रजिस्ट्री श्रधिकारी पट्टी में दर्जे है ।

श्रानन्द सिंह, सक्षम भिक्षकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) इन्द्वपुरी टेलर रोड, 3 अर्जन रेंज, भ्रमृतसर

दिनांक: 6 जनवरी 1981

प्रकृप आई.टी.एन.एस.------

आधकर अधिनियम, 1.961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज कार्यालय

दिनांक 6 जनवरी 1981

मिनेश सं० ए०एस०आर० 80-81/313---यतः मृझे श्रानन्द सिंह,

अयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के वार्यालय पट्टी मे रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक मई 1980

को पूर्वाक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत लंपित का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक स्थ से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखत व्यक्तियों अर्थातः--

- 1. श्री शाम सिंह पुत्र केहर सिंह वासी बूह तहसील पट्टी (धन्तरक)
- 2. श्री उजागर सिंह पुत्र जरनैल सिंह सलवन्तसिंह पुत्र दिमाल सिंह , सलोक सिंह पुत्र दयाल सिंह तहसील बूह तहसील पट्टी

(ग्रन्तरिती)

- जैसा कि नं० 2 में भ्रौर कोई किरायेदार।
   (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. और कोई

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रश्नोहस्साक्षरी जानता है कि वह सम्पति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वा क्ता सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्स सम्परित के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खसे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवाराः
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी इसे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्यव्यक्तिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

# अनुस्ची

कृषि भूमि 92 क०-17 म० बृह में जैसा कि सेलडीड नं० 812/l/1016 दिनांक 28-5-80 रजिस्ट्री झिंधकारी पट्टी में दर्ज है।

श्रानन्द सिंह सक्षम श्रीधकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) इन्द्रपुरी टेलर रोड, श्रजैन रेंज, श्रमृतसर

दिनांक : 6-1-81

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर

धमृतसर, दिनांक 8 जनवरी, 1981

सं० अमृतसर/80-81/314—यतः मुझे, आनन्द सिह भायकर आभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/ रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी मं० कृषि भूमि है तथा जो में स्थित है (भौर इससे छपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण हप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय श्रमृतसर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधितियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख मई, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उषित क्षाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उषित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के बिए; और/या
- (क) एंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

वतः अब, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन नुमृत्वित व्यक्तियाँ जुर्थात् ६--

 श्री रवेल सिह पुत्र गुरिवयाल सिह पुत्र रला सिह वासी महदीपुर तहसील श्रमृतसर

(गन्तरक)

2. श्री जगजीत सिंह पुत्र गुरिदयाल सिंह वासी महवी पुर तहसील प्रमृतसर

(ग्रन्तरिसी)

जैसा कि सं० 2 और कोई किरायेदार

(वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4. श्रीर कोई

(बहु व्यक्ति, जिनके बारे में झधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

का यह सूचना जारी करके पृवाँकत् सम्परित के अर्थन् के निष्ट् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तियां;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पासु लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वक्तीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में प्रिशाबित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में फिका गया है।

### अनुसूची

कृषि भूमि 25 कनाल 9 मरले महदीपुर में जैसा कि सेल डीड नं॰ 1720 दिनांक 28 मई, 1980 रजिस्ट्री श्रधिकारी श्रमृतसर तहसील में दर्ज है।

> धानन्द सिंह सक्षम अधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, श्रमृतसर

तारीख: 8-1-1981

मोहरः

प्रकप माई० टी० एन० एस०-

आयकर धिवनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्येक्षिय, सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज ग्रम्तसर

अभूमर, दिनांक 6 जनवरी 1981

सं० भ्रमृतसर/80-81/310--यतः मुझे, श्रानन्द सिह भायकर ग्रंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पत्रवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-इ के अत्रीत सप्तन प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- रुपये से प्रधिक है श्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है श्रीर जो में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूवी मे ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय प्रमृतसर मे रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के धिजत बाजार मृल्य मे कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए घन्तरित की गई है धीर मुझे यह विश्वास करने हा कारण है कि यथापुर्वीका सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पग्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है भीर भ्रम्तरक (ग्रन्तरकों) भीर भ्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित **छहेश्य से छक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से** कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उनत श्रधि-नियम के अधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या अन्य अपस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्राय हर ग्रिधिनियम, 1923 (1922 का 11) या उनत श्रिधिनियम, या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाय श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मुविधा के लिए;

धतः, श्रव, उन्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के धनु-सरण मं, भं, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन निम्नसिखत व्यक्तियों, ग्रथीतः—

- सन्तोख सिंह जगतार सिंह पुत्र अजीत सिंह वासी चक मुकन्द तहसील अमृतसर (अन्तरक)
- 2 श्री कुनदीप सिंह श्रमरजीत सिंह सरिपत सिंह हरनाम सिंह गुरनाम सिंह, श्रगण्ज सिंह पुत्र प्रकाश सिंह वासी चीचा तहसील श्रमृतसर। (अन्तरिती)
- 3 जैसा कि नं० 2 भौर कोई किरायेदार (वह व्यक्ति जिसके श्रिष्ठभोग में सम्पत्ति है)
- 4 और कोई (बहुसाहित को जिसके स

(वह व्यक्ति, जो जिसके बारे में ब्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी झाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रशाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तस्त्रंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रद्धोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्सीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रवि-नियम के श्रव्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस श्रव्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

कृषि भूमि 38 कनाल 11 मरले गाव चीचा मे जैसा कि न• 1653/ विनाक 27 मई, 1980 को रिजस्ट्री श्रिष्ठिकारी श्रमृतसर में दर्ज है।

> आनन्द सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

तारीख 6-1-81 मोहरः

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, समृतसर

भग्तसर, दिनांक 6 जनवरी 1981

निवेश नं ० ए०एस० मार० | 80-81 | 315 — यतः मुझे, मानन्द सिंह मायकर मिंधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात 'उक्त मिंधिनयम' कहा गया है), की धारा 269- ज के प्रवीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000 | उपये से मिंधक है और जिसकी और जिसकी और जिसकी की में स्थित है (भौर उपाबद्ध मृत्सूची में भौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्री-कर्ती मिंधकारी के कार्यालय पट्टी में रिजस्ट्रीकरण मांधिनयम, 1908 1908 का 16) के मधीन मई, 1980

को पूर्वोफ्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तिविक रूप से कथित किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत, उक्त जिभिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा का लिए; वरि/मा
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निष्तित व्यक्तियों, अर्थात:--

श्री गुरमुख सिंह हरबन्स सिंह पुक्त दलबीर सिंह.
 वासी बाई फोर शहीद पट्टी।

(ग्रन्तरक)

2 श्री सर्गद सिंह पुत्र यधात्रा सिंह सरवन सिंह फले सिंह जसबीर सिंह पुत्र समोद सिंह पहिन कोट बुढ़ा तहसील पट्टी.

(भ्रन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 ग्रीर कोई व्यक्ति नहीं।

4. और कोई (वह व्यक्ति, जिनके बारे में मधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पक्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45. दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाकत व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पग्स लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

### अनुसूची

भूमि 99 कनाल 16 मरला कोट बुडा में जैसा कि सेल ड़ीड नं० 640/1/1014 दिनांक 21 मई 1980 रिजस्ट्री श्राफिस पट्टी में दर्ज है।

श्चानन्द सिंह सक्षम प्राधिकारी-श्चर्जन रेंज - 3 चन्द्रपुरी टेलर रोड, ग्रमुतसर ।

तारीखा: 6-1-981

### प्ररूप आई • ही ७ एन० एस०----

आफकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 249-व (ा) के अधीन सूचना

#### मारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रजन रेंज ग्रमृतसर

श्रमृतसर दिनांक 6 जनवरी 1981

मं० ग्रम्तसर/80-81/316---यतः मुझे, ग्रानन्द सिह आपकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत प्रक्षितिनम' कहा गया है), को भारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्यास करने का कारण है जि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- र० से अधिक है ग्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो है (भौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय पट्टी में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन **म**ई 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार भूल्य सेकम के दृश्ममानप्रतिकान के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृथीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसकें वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिपाल का पन्द्रहु प्रतिपात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के भीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्न लिखित उरेण्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नही क्तिया गया हैः:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधि-नियम के भ्रष्टीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी घन या भ्रन्य श्रास्तियों को, जिग्हें भारतीय आयकर श्रिविनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिविनयम, या धन-कर श्रिविनयम, या धन-कर श्रिविनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लियाने में मुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः -6—47601/80

- श्री शाम सिंह पुत्र बूटा सिंह वासी मबराए तह्मील पट्टी। (श्रन्तरक)
- 2 श्री दरशन सिंह, सोहन सिंह, प्रेम सिंह पुत्र समंद सिंह वासी जोहर सिंह वाला तहसील पृद्री।
- 3. जैसा कि नं० 2 श्रौर कोई किरायेदार

(अन्तरिती)

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्परिस हैं)

4. और कोई

(बह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्परित में हितबबुध हैं)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध फिसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण:--इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ही।

### धनुसूची

कृषि भूमि 27 कनाल 19 मरला बरन,व बम्जर गांव सबराएं तसील पट्टी जैसा कि सेल डींड नं० 739/1/1015 दिनांक 20 मई, 1980 रजिस्ट्री प्रधिकारी पट्टी से दर्ज है।

श्रानन्द सिंह सक्षम प्राधिकारी

तारीख : 6-1-81 अर्जन रेंज- 3 चन्द्रापुर टेलर रोड

मोहर: श्रमृतसर

प्ररूप भाई० टी० एन०एस०--

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269 घ (1) के प्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण),

श्रर्जन रेंज- श्रमृतसर श्रमृतसर, दिनांक 6 जनवरी 1981

निक्रेश नं० अमृतसर/80/81/317--यतः मुझे, आनन्द सिंह आयकर भिविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वाप करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से प्रधिक है श्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो में स्थित है (श्रीर इस उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्योलय पट्टी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, मई, 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करें का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) धौर **प्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय** पाया गया प्रतिकत्र निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित म बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रनारण त हुउ किसी प्राप की बावत, उक्त ग्राधि-नियम के प्रधीन कर देते के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचन में सुविधा के लिए; (तिहास)
- (का) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या प्रत्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रनारिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में मुविधा के निए;

अतः श्रब, उक्त ग्रिधिनियम, की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

 श्री तारा सिंह, गणन सिंह पुत्र हवेला सिंह वासी अलगों, तहसील पट्टी जिला अमृतसर।

(अन्तरक)

 श्री सुखदेव सिंह, गुरदेव सिंह, किणन सिंह, पुत्र- सूचा सिंह वासी अलहों, तहसील पट्टी।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि सं 2 और कोई किरायेदार

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

और कोई

(वह व्यक्ति जिनके बारे में भ्र<mark>घोहस्ताक्षरी</mark> जानता कि वह सम्पत्ति में हित**बद** है)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के <mark>प्रर्जन के लिये</mark> कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध ये कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्षारा;
- (ख) इस पूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन क भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शन्दों भीर पदों का, जो उक्त भिध-नियम, के ग्रध्याय 20क में परिभाषित हैं, बही ग्रर्थ होगा जो उम ग्रध्याय में दिया गया है।

# ग्रनुसूची

भूमि 38 कताल 16 मरले भ्रलगी में जैसा कि सेल डीड नं॰ 740/1/1015 दिनांक 23 मई, 1980 रिजस्ट्री भ्रधिकारी पट्टी में दर्ज है।

श्रानन्द मिह् सक्षम प्राधिकारी, श्रर्जन रेंज-टेलर रोड़, श्रमृतसर

दिनांक: 6 जनवरी, 1981

भारत सरकार

कार्यालय सहायक प्रायकर प्रायकत (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, म्रम्तसर

ग्रमृतसर, दिनांक 6 जनवरी, 1981

निदेश नं० श्रमृतसर/80/81/318—यतः मुझे, ग्रानन्द सिंह आयकर प्रशिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाद 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- र• से प्रक्रिक है

ग्रीर जिसकी मं० कृषि भूमि है तथा जो में स्थित है ग्रीर इससे उपावदा ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय पट्टी में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम 1608 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख मई, 1980

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है घीर मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्योक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल के एन्द्रह प्रतिशत से घिष्ठ है घीर यह कि ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) भीर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में बास्तविक इप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) मन्तरण से हुई किसी आय. की बाबत उक्त श्रिष्ठिनयम के श्रष्ठीन कर देने के श्रन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या प्रभ्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए वा कियाने में सुविधा के लिए;

अत। घव, उन्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसर्थ में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थांत :---

शी तेजा सिंह पुत्र भगवन्त सिंह वासी प्रम्बाला कैंट

(भन्तरक)

2. श्री राज सिंह पुत्र गुरबखश सिंह, बल बिन्द्र सिंह, जिसन्द्र सिंह पुत्र दयाल सिंह, गुरदीय कौर पत्नी दयाल सिंह गांव पुता तहसील पट्टी।

(भ्रन्तरिती)

 जैसा कि सं० 2 स्रोर कोई किराय दार (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग मेंसम्पत्ति है)

4. कोई श्रौर (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारीकरके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां चरता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूचीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितक कि किसी अन्य क्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वव्हीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'तक्य श्वश्च-नियम', के अध्याय 20-क में परिभावित हैं; बही अर्थ होगा, जो तस अध्याय में दिया गया है ।

# अनुसूची

भूमि 43 कनाल 18 मरले सिंह पूरा में, जैसा कि सेल डीडी नं ० 664/1/1013 दिनांक 23 मई, 1980 रिजस्ट्री श्रिधकारी पट्टी में दर्ज है।

ग्रानन्द सिंह सक्षम ग्रिधिकारी,

श्रर्जन रेंज, भनन्द पुरी टेलर रोड भ्रमृतसर

नारीखाः: 6-1-1981।

प्ररूप गाई० टी० एन० एस०----

भायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सङ्घायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज- ग्रमृतसर ग्रमृतसर, दिनांक 6 जनवरी 1981

निद्रेश नं श्रमृतसर/80/81/319---यत सुक्षे, श्रानन्द सिंह आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से ग्रधिक है भ्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो मे स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय पट्टी में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख मई, 1980 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के श्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मृह्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दुग्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है भौर अन्तरक (श्रन्तरकों) और श्रन्तरितो (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धान्तरण लिखित में वास्तविक रूप से 'कथित नहीं किया गया है :---

- (क) प्रन्तरण से हुई किसो आय की बाबत उक्त श्रीध-नियम, के श्राधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (ध) ऐसी किसी आय या किसी घन या ब्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ब्रन्तरिती द्वारा प्रकट नेही किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः, श्रव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के धधीन, मिम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थौत्:——

- श्री इन्द्रबीर सिंह पुत्र बलदेव सिंह,
   वासी बेरका, श्रमृतसर (अन्तरक)
  - 2. श्रीमती सुखराज कौर पत्नी करनैल सिंह गांव बल (ग्रमृतसर) (अन्तरिती)
  - जैसा कि सं० 2 फ्रीर कोई किरायेदार
     (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
  - 4. श्रीर कोई (वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हतबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्तिके धर्णन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इत स्चना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितक्व किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

स्वब्हीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो छक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित है वही अर्थ होगा, जो जस अध्याय में दिया गणा है।

### अनुसूची

कृषि भूमि 72 कनाल मरले गांव स्पुंगा तहसील पट्टी जैसा कि सेल डीड नं० 771/1/1015 दिनोक 23 मई, 1980 रजिस्ट्री ग्रिधिकारी पट्टी में दर्ज है।

> श्रान<mark>स्द सिंह</mark> सक्षम श्रधिकारी, श्रर्जन रेंज, आनन्दपुरी टेलर रोड श्रमृतसर

तारीखा: 6-1-1981

प्ररूप आई.टी.एन.एस.------

आसकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर ग्रमतसर, दिनाक 8 जनवरी 1981

सं० ए एस श्रार/80-81/320—यत. मुझे, श्रानन्द सिंह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थाबर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक हैं

'म्रोर जिसकी सं० कृषि भूमि है नथा जो में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर तहसील में रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1980

को पूर्वाक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपतित का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-क्षाल किम्नलिश्वित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; आर्प्ट/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म को, अनुसरण में, भें, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के सुधीन निम्निलिखित व्यक्तियां अर्थात्:--

- श्रीमती ईशर कौर विध्वा केसर सिंह वासी बडाला झारा मुखतार श्राम णाम सिंह पुत्र देसा सिंह वासी बडाला।
   अन्तरक)
- श्री राम सिंह पुत्र गुजर सिंह वासी जंडियाला गुरु (श्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि सं० 2 श्रीर कोई किरायेदार (बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)
- 4. ग्रीर कोई
  (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
  जन्मता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पुरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पर्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों करा व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

#### अनुसुची

कृषि भूमि 59 कनाल 13 मरले रखझोत में, जैसा कि सेल डीड, नं० 1472 दिनांक 23 मई, 1980 रजिस्ट्री श्रधिकारी अमृतसर तहसील में दर्ज है।

> श्रानन्द सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

नारी**ख** : 8-1-1981

### प्ररूप प्राई० टी० हन० एस० ---

आयुकर अनुधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

# काय्तिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, श्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 6 जनवरी 1981

सं० एएस म्रार/80-81/321—यतः मुझे, म्रानन्द सिंह, शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० एक 'लाट है तथा जो में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर तहसील में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मई, 1980

को पूर्वोक्त संपृक्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति- कस निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कम से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूर्विधा के लिए;

कतः जब, उक्त अभिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उक्त जिभिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) को जुधीन, जिल्लीजुबित जुड़िक्कों, अर्थातः—

- श्रीमती चन्द रानी पत्नी श्री हरीण कुमार वासी कांगड़ा कलौनी, श्रमृतसर। (श्रंतरक)
- श्री दिवन्द्र मोहर पुत्र ग्रमर चन्द वासी कोट श्रातमा सिंह श्रमृतसर। (ग्रन्तरिती)
- जैसा कि नं० 2 में भ्रौर कोई किरायेदार।
   (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पित्त है)
- 4. श्रीर कोई

् (वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्र**धोहस्ताक्षरी** जानता **है** कि वह सम्पत्ति में हित**बढ़ है** )

का यह सूचना जारी करके पृषांकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब है 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपृत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधाहेस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त सब्दों और पृदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस शुध्याय में दिया गया हैं।

#### अवस्थी

एक प्लाट 145 वर्ग भीटर बटाला रोड पर जैसा कि सेल डीड नं० 595/1 दिनांक 23 मई, 1980 रजिस्ट्री स्रधिकारी स्रमृतसर में दर्ज है।

> म्रानन्द सिंह सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर धायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, मनतसर

तारी**ख**ः 6-1-1981

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर

ग्रमृतसर, दिनांक 6 जनवरी 1981

सं० ए० एस० आर०/80-81/322—यत. मुझे, श्रानन्द सिंह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

स्रोर जिसकी मं० कृषि भूमि है तथा जो में स्थित है (श्रोर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय पठानकोट में रिजस्ट्रीकरण स्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मई, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्भे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का प्रस्क प्रयमान प्रतिफल का प्रस्क प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आब या किसी धन या अन्य आस्तियों को, फिक्ट भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए, था, छिपाने में सविधा के लिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्निष्टित व्यक्तियों नर्थास्ः--

- श्रीमती कुलवन्त कौर पत्नी शुरह सिंह वासी जमालपुर । (श्रन्तरक)
- 2. श्री हरभंजन सिंह पुत्र श्रजैव सिंह वामी जमाल पुर (ग्रन्तरिती)
- जैसा कि सं० 2 श्रौर कोई िकरायेदार
   (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पक्ति है)
- 4. श्रीर कोई

(बह व्यक्ति, जिनके बारे में श्र<mark>ष्टोहस्ताक्षरी</mark> जानता है कि बह सम्पत्ति में हितकद्व है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वा क्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

जक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकासन की तारी इसे 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनयम, के अध्याय 20-क में परिआदित हैं, वहीं अर्थ होना जो उस अध्याय में विया गया है।

#### वन सची

कृषि भृमि 33 कनाल 4 मरले जमालपुर पठानकोट में जैसा कि सेल डीड नं० 644 दिनांक 20 मई, 1980 रजिस्ट्री ग्रिधिकारी पठानकोट में दर्ज है।

> ग्रानन्द सिह सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर

तारीख: 6-1-1981

प्ररूप आर्इ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज श्रमृतसर

ग्रमतसर, दिनांक 6 जनवरी, 1981

सं० श्रमृतसर/80-81/323—यतः मुझे श्रानन्द सिह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० एक प्लाट है जो में स्थित है (ग्राँर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीचन, तारीख मई, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण हो कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रतिफल का प्रतिकात से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-म के अनुस्रूप्य में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- श्रीमती वीना कुमारी पुत्री किशन किशोर पत्नी श्रशोक कुमार वासी देहली कैंट हाल प्रैजिडैंट द्वारा किशन किशोर मैहरा गुड्ज कारपोरेशन गहीद भगन मिह रोड, श्रमतसर (श्रन्तरक)
- 2. श्रीमती दलजीत कौर पत्नी श्रीतम सिह् 60/I, गोकल बिलिंडिंग, राम बाग श्रमृतसर । (श्रन्तरिती)
- जैमाकि सं० 2 श्रीर कोई किरायेदार।
   (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)
- 4. ग्रौर कोई

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वा क्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि तो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितकक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

### ग्रनुसूची

एक प्लाप्ट रक्तवा 302 वर्ग मीटर विश्वादी श्रैवीनियू में जैमा कि मेन डीड नं० 524/1 दिनाक 21 मई. 1980 रिजस्ट्री अधिकारी श्रमनसर में दर्ज है।

श्रानन्द सिह सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज. श्रमतसर

ना**रीख**ः 6-1-81

प्ररूप आर्ष: .टी. एन . एस . -----

आगकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्पना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जनरेंज, श्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 6 जनवरी 1981

सं० श्रमृतसर/80-81/324—यतः मुझे श्रानन्द सिंह, आयकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० एक प्लाट है तथा जो में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मई, 1980

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि निम्त में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म को अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्निसित व्यक्तियों अर्थान्:-7-476GI/80

- श्रीसती वीना कुमारी पुत्री किशम किशोर व पश्नी श्री ग्रशोक कुमार वासी देहली कैंट हाल प्रैंजिइंट द्वारा किशन किशोर मैंहरा गुड्ज कारपोरेशन, शहीद भगत सिंह रोड, ग्रमुतसर। (श्रन्तरक)
- 2. श्री राजिन्द्र सिंह पुत्र प्रीतम सिंह वासी 60/I, गोकल बिसंडिंग, राम बाग, श्रमृतसर । (श्रन्तरिती)
- जैसा कि सं० 2 भीर कोई किरायेकार ।
   (वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. ग्रीर कोई

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में ध्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवड़ है )

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्बवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामिल से 30 दिन को अविध, वो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, वो भीतर पूर्वां वस व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित्वब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित म किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### भ्रनुसूची

एक प्लाट रकवा 302 वर्ग मीटर बिग्नटी श्रैवीनीक में जैसा कि सेल डीड नं० 525/1 दिनांक 21-5-80 रजिस्ट्री श्रिवकारी श्रमृतसर में दर्ज है।

> श्रानन्द सिंह, सिक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, श्रमतसर

**वारीख**: 6-1-81

प्ररूप आई. टी. एन्. एस्.--

षायुकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, श्रमृतसर

ग्रम्तसर दिनांक 6 जनवरी 1981

सं० अमृतसर/80-81/325—यतः मुझे, आनन्द सिंह आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित शाजार मूल्य 25,000/- रहः से अधिक है

धौर जिसकी सं० एक प्लाट है तथा जो...... में स्थित हैं (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणत हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई, 80 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्चत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्ष कि निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (11) के अधीन निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- श्री बनवीर सिंह पुत्र बचन सिंह गांव भोरे कामा जिला श्रमृतसर। (श्रन्तरिक)
- श्री जसपाल सिह् पुत्र मैहगा सिह् वासी चेतन पुरा, जिला अमृतसर । (अन्तरिसी)
- जैसा कि नं० 2 और कोई किरायेदार।
   (वह व्यक्ति जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति हैं)
- 4. श्रीर कोई

(वह व्यक्ति जिसके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितसक्क है।

को यह सूचना जारी करके पृत्रांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सुम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन की लबीध या नत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूधना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- पद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टिकिरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थहोगा जी उस अध्याय में दिया गया हैं।

### श्रनसूची

एक प्लाट नं० 13 गमटाला श्रारबन में जैसा कि सेल डीड नं० 573/1 दिनांक 23 मई, 1980 रजिस्ट्री अधिकारी श्रफसर में दर्ज है।

> न्नानन्द सिह सक्षम श्रीधकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

दिनोंक: 6-1-1981

प्ररूप जाई.टी.एन.एस.,-----

आपकर ज्धिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष् (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्मालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, श्रमृतसर

भ्रमृतसर, दिनांक 14 जनवरी 1981

निवेश सं॰ ए०एस॰ म्रार०/80-81/326—म्यतः, मुझे, आनन्द सिंह

अग्रकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उनुजत बाजार मृल्य 25,000/ रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० एक प्लाग्ट है तथा जो बटाला श्रबंन एस्टेट में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप में वाजित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बटाला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख मई, 1980

को पूर्वा क्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वा क्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से, एसे द्रियमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया ग्या है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे ब्र्बने में सूर्विधा के तिए; आहे./या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्मुलिहिंद व्यक्तियों अर्थात् :--

 श्री जोगिन्द्र नाथ गोयल, सुपुन्न श्री लेजभान अग्रनाल निवासी ओहरीगेट, तहसील बटाला।

(भ्रन्तरक)

2. श्री योगिन्द्र पाल गुप्तो, सुपुत्र श्री दीनगराः वर्गसी मंडारी मोहल्लग, बटालग ।

(अन्तरिती)

- जैसा कि ऊपर नं० 2 में यदि कोई किरायेदार होतो ।
   (वह व्यक्ति जिसके सिक्षोग में सम्पत्ति है)
- 4. यदि और व्यक्ति जो सम्पत्ति में किन रखता हो।
  (बह व्यक्ति, जिनके बारे में ब्रधोहस्ताक्षरी
  जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वा क्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्युष्टिकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उपन अधिनियम, के अध्याय 20-क में प्रिभाधित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### बन्स्ची

एक प्लाट जिसका क्षेत्रफल 500 स०ग० जोकि बटाला भ्ररबन एस्टेट में स्थित है भ्रीरजोकि सेल डीड नं० 726, दिनांक 2-5-80 के रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी बटाला में दज है।

> श्रोपनन्द सिंह सक्षम प्रधिकारी सहभ्यक ग्रायकर श्रीश्युक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज, 3, चक्क्सपुरी टेलर रोड श्रमृतसर

तगरीख 14-1-81 मोहर: प्रकप धाई० टी० एन० इस०------

ग्रायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की छारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर ग्रमृतसर, दिनांक 15 जनवरी 1981

निदेश सं० ए० एस० **आपर**०/80-81/327—स्वतः मुझे, श्रान्तन्द सिंह

सिंसिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त सिंसिनियम' कहा गया है) की बारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूख्य 25,000 /- वपए से सिंधक है,

भ्रौर जिसकी सं० एक मकान है सथा जो कूचा मिसर बेली राम, कटरा, पर्जा, में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद श्रनसूची में भ्रौर जो पूर्णरूप में वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय अमतसर में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम 1908 (1908 को 16) के अधीन दिनांक मई, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित्त बाजार मूल्म से कम के पूरयमान प्रतिफल के निए भन्तरित की गई है जीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे पूर्यमाम प्रतिकल का पन्द्रहें प्रतिकत क्रक्षिक है और अन्तरक (अन्तरकों) श्रीर भन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की साबत, अन्त अविनियन, के अधीन कर देने के अन्तरक के वाक्टिय में अभी करने या उसस बचने में सुविधा के बिए। भीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्रास्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम 1957 (1927 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रभट नहीं किया वया या विकासना चाहिए या, छिवाने में सुविधा के निए।

अतः वस, उन्त यश्चितियम की घारा 269 म के अनुसरण में, में, उक्त विधितियम की बारा 269 म की उपवारा (1) के अधीन, निम्निजितित व्यक्तियों, अर्थातः ---  श्री भजन लाल, अजनाल, पुत्रान लाला जमना देश्स श्रीर रेशमो देवी श्रीर निर्मला रानी पुत्रियां, जमनादास वासी कटड़ां पजी, कूचा मिसरबेली राम श्रम्तसर ।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती चनण देवी विश्ववा जभुना दास गोजोगिन्द्रा वती पत्नि विश्ववानांथ, प्रेमवती पत्नी दीवान चन्द, कटडा प्जी, श्रमृतसर

(भन्तरिती)

3. जैसा कि उत्पर नं० 2 में भीर कोई कि रायेदार हो तो । (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्तिहै)

4. यदि श्रौर कोई ब्यक्ति जो इस जयदाद में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारि में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद है)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

खकत सम्पत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रशासन की तारीख से 45 विच की अविध या तत्सेबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती दो, के भीतरपूर्वोंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अक्षेद्धस्ताखरी के पास लिखित में किए का सकेंने।

स्पद्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रश्नित्यम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

एक मकान नं० 333/12, 82/12, एम० सी० ए० नं० 282/12-3 का 1/2 भाग जो कि कूचा मिसरवेली, राम कटड़ा, पजी अमृतसर में स्थित है जैसा कि सेज डीड नं० 578, दिनांक 23-5-80 को रजिस्ट्रीकर्ता ऋधिकारी अमृतसर में वर्ज है ।

स्नानन्द सिंह सक्षम स्रिकिरी महायक स्नायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, 3, चन्द्रपुरी टेलर रोड श्रमृतसर

ता**रीख: 1**5~1-81

मोहरः

## प्ररूप आई. टी. एम्. एस.-----

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुभना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर जायका (निरीक्षण)

म्रजंन रेंज, म्रमृतसर भ्रमृतसर,दिनाक 14 जनवरी 1981

निदेश सं० ए० एस० घार०/80-81/328—यतः, मुझे, धानन्द सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचाल् 'उक्स अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- खु के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० एक जायदाद, है तथा जो कि 192 शास्त्री नगर म स्थित है (श्रीर इससे उपायदा अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजिस्ट्रीकर्ती श्रिधिकारी के कार्यालय भ्रमृतसर में रिजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक जून, 1980

को पृथिक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निजिखित उद्योध्य से उक्त अन्तरण जिल्लित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया पथा है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयं की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (म) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) नम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थीत :- 1. श्री प्रेम नय्यर पुत हुन्स राज नय्यर, 192, शास्त्री नगर, अमृतसर।

(अन्तरक)

 श्री सुरिन्द्र पाल सिंह पुत्र त्रिगेडियर महिन्द्र सिंह 33-हु कम सिंह रोड, अधृतसर।

(ग्रन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपरनं 2 में यदि कोई ग्रौर किरायेदार हो तो (घह व्यक्ति जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)

4. यि और कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्परित के अर्थन के निष् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स म्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (म) इस स्वता के राजपत्र में शकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उस्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्नारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्यव्हीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

### धनुसूची

एक बंगला नं 192 का 1/3 भाग शास्त्री नगर, श्रमृतसर में स्थित है जैसा कि सेल डीड नं 710/1, विनांक 5-6-80 को रजिस्ट्रीकर्ती प्रधिकारी श्रमृतसर के कार्यालय में वर्ज हैं।

> श्रानन्द सिंह सक्षम श्राधिकारी सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजॉन रेंज, 3, चन्द्रपुरी टेलर रोड, श्रमृतसर

तारीख: 14-1-81

मोहरः

# प्रकप भाई। टी। एन। एस।-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-ध (1) के बाबीन स्पना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर घायुक्त (निरीक्षण)

बर्जन रेज, भ्रमृतसर

ध्रमृतसर, दिनांक 14 जनवरी 1981

निदेश सं० ए० एस० श्रांप० 80-81/329---यतः, मुझे, श्रानन्द सिंह,

भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर संगत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से अधिक है

स्रीर जिसकी सं० एक जायदाद है तथा जो कि 192 मास्स्रीनगर समृतसर में स्थित है (स्रीर इससे उपावस अनुसूची में स्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता स्रीधकारी के कार्यालय अमृसतर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के स्रीत दिनांक मई 1980

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफन के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उणित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पत्त्वह प्रतिशन से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कन निम्न जिखन उद्देश्य से उण्डत अन्तरण लिखित में वास्तविक कम से कथित नहीं किया गया है।——

- (क) धन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त प्रधिक नियम के ध्रधीन कर देने के धन्तरक के दागित्व में कमी करने या उससे बनने में सुनिधा के लिए; प्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या धन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधनियम, या धन-कर श्रिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब, छक्त प्रधिनियम, की धारा 269-ग के प्रनुसरण में में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निमन्ति बित व्यक्तियों 🖟 अर्थित् 🚈

- श्री प्रेम तम्पर, पुत्र हंसराज नम्पर,
   192, शास्त्री नगर, लारेंस रोड, श्रमृतसर।
   (श्रम्तरक)
- 2. इन्द्रपाल सिंह पुन्न क्रिगेडियर महिन्द्र सिंह 33, हुकम सिंह रोड, धमृतसर।

(बन्तरिती)

- 3. जैसां कि ऊपर सं० 2 में और कोई किरायेदार हो तो । (वह व्यक्ति जिसके ब्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. यदि भीर कोई व्यक्ति इस जायदाव में इचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में सघीहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिसबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के म्रर्जन के लिए कार्यवाहियां सुक करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के ग्रजंन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हौती हो, के भीतर वृवींकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अन्नोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पटिशक्षरण: -इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भविनियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही भर्य होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

#### वृत्स्त्री

एक बंगले का तीसरा भाग नं 192, शास्त्री नगर, ग्रमृतसर में स्थित है जैसा कि सेल डीड नं 594, दिनांक 27-5-80 को रिजस्ट्रीकर्ती मधिकारी ग्रमृतसर के कार्यालय में दर्ज है।

भानन्द सिंह

श्रमृतसर

सक्षम् प्राधिकारी स्ट्रायकः आयुक्तः (निद्रीक्षण) अर्जन रेंज, 3, चन्द्रपुरी टलर रोड

तारीख: 14-1-81

महिर 🛭

प्ररूप आर्च .टी.एन्.एस.\_-----

जावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुमना

भारत सरकार

कार्बालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

भ्रमृतसर, दिनांक 14 जनवरी 1981

निदेश सं० ए० एस० ग्रार०/80-\$1/330---यतः, मुझे, ग्रानन्द सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा ग्या है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० एक जायदाद है जो जोड़ा पीपल, अमृतसर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मई, 1980

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के खबमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य उसके दृष्यमान प्रतिकल से ऐसे दृष्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्ति रितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नितिबत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे बास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आब की वाक्स, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरफ के दायित्व में कसी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आग या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिपाने में सुविधा के लिए;

बतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण में, में, अक्त जीधिनियम की धारा 269-न की उपधारा (1) के अधीन निम्मलिखित स्वीक्तमों अर्थात्:--  श्री गोपाल दास सुपुत्र राम लाल, श्रमृतसर अब निवासी गिरधर नगर, श्रहमथाबाद ।

(श्रन्तरक)

 श्रीमती सुर्फात कौर पत्नी किणन मिह और श्री यशपाल सुपुत किशन चन्द,

बिल्डिंग नं० 228/7-2 जोड़ा पीपल, श्रमृतसर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर सं० 2 में यदि कोई किराएदार हो तो। (बहु व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि भौर कोई व्यक्ति इस जायदाद में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति जिनके बारे में भ्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्तिमें हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पृत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकोंगे।

स्वृद्धकिरणः -- इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अन्सृची

एक बिल्डिंग जिसका क्षेत्रफल 180 स० ग० है जोिक कटड़ा समी सिंह में स्थित है जिसका सल डीड नं० 358/I, दिनांक 2-5-80 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी ग्रामृतसर में दर्ज है।

श्रानन्द सिंह मक्षम प्राधिकारी महामक श्रामकर श्रामुक्त (निरीक्षण) 3, चन्द्रपुरी टलर रोड, श्रजैन रेंज, श्रमृतसर

तारीख: 14-1-81

प्रकृप प्राप्ते टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायक्त (मिरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, अपमृतमर

भ्रमृतमर दिनांक 15 जनवरी 1981

निवेश सं० ए० एम० ग्रार०/80-81/331—यतः, मुझे, श्रानम्द सिंह, आई० आर० एस० ग्रायकर ग्रीविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त प्रविनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/- रुपये से श्रीवक है

श्रीर जिसकी सं० एक भूमि का प्लाट है तथा जो कि भगतां वाला दरवाजा के बाहर में स्थित है (भीर इससे उपावत मनुसूर्वा में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रोकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय श्रमृतसर में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रीधन दिनांक 29 मई, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मृत्य से कम के पृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की पई है और मुझे यह विश्वात करने
का कारण है कि प्रधापुर्वोक्त संपत्ति का उणित बाजार मृत्य
एवके पृश्वमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह
प्रतिशत अधिक है और अम्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय पामा गया
प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक कप ने क्षित नहीं किया गया है:---

- (क) अग्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त मांध-नियम के प्रजीत कर देने के यन्तरक के वायिरव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के विष्; शौर/या
- (अ) ऐसी किसी धाय मा किसी धन या अन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उन्त धिनियम, या शनकर ग्रीधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने म मुविधा के लिए :

अतः अतः, उक्त धविनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, दक्त धविनियमं की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीत, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---  श्रो अर्जन सिंह पुत्र चनईया सिंह, वासी कटड़ा करम सिंह, गली कम्बोधावाली, ग्रमुससर।

(अन्तरक)

 श्रोमनो निर्माल खुराना पत्नी श्री ब्रिज लाल, वासी मकान नं० 1250, मेन बाजार, निमक मण्डी, (सामने दौला हलवाई) श्रमृतसर।

(भ्रन्तरितीः)

जैसा कि ऊपर नं० 2 में यदि और कोई किरायेदार हो तो।
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि ग्रीर कोई व्यक्ति इस जायबाद में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रघोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्स संपत्ति के प्रजन के सिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी शाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की धर्वाध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी धर्वाध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वो कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के धीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद किसी घन्य व्यक्ति द्वारा, अबंहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वक्तीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शक्तों भीर वर्षों का, को उक्त घित्रियम के घड़्याय 20-क में वरिषाणित हैं, यही प्रथ होगा जो उस धक्काव में बिया गया है।

### भनुसूची

एक प्लाट भूमि क्षेत्रफल 813 वर्ग मी० है जोिक भगता वाला गेट के बाहर है निकट रेलवे जंकशन, श्रमृतसर में स्थित है जैसा कि सेल डोड नं० 652/I, दिनांक 29-5-80 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी श्रमृतसर के कार्यालय में दर्ज है। श्रानन्द सिंह,

न्यात्यः, सक्षम अधिकारी महायक भ्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) 3, चन्द्रपुरी टेलर रोड, भ्रजीन रोज, भ्रमृतसर

तारोख: 15-1-81

# प्रक्ष भार • टी• एन• एस•-----

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-च (1) ने घंधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यानय, पहायन पायनर प्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रजॉन रेंज, ग्रमृतसर म्रमृतसर, दिनांक 15 जनवरी 1981

निवेश सं० ए० एस० भ्रार०/80-81/332---यतः, मुझे, भ्रानन्द सिंह,

आयकर अधिक्यिम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्यास करने का कारज है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित आजार सृख्य 25,000/- ए० से अधिक है

ग्रीर जिसको सं० एक जायबाद है तथा जो कि ग्राबादी कोट मित सिंह में स्थित है ग्रीर इससे उपाबद ग्रनुसुची में ग्रीर पूर्ण रूप से बिणत है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय ग्रमृतसर में रिजस्ट्रोकरण ग्रिधिनियम 1980 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक मई, 1980

को पूर्वोक्त सम्मति के उवित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के सिए बन्तिरत की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि बचापूर्वोक्त सम्पत्ति का उवित बाजार मूक्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे वृश्यमान प्रतिफल के पन्दह प्रतिकत से बिक्ष है भोर धन्तरक (धन्तरकों) धौर प्रम्तरिती (बन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रम्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नसिब्द उद्देश्य से उक्त प्रग्तरण लिखित में वास्तः विक कप से क्षित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण में दूई किसी आय को बाबत तकत अधि-नियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के राधिश्व में क्रमी करने या उसने अचने में पुविधा के किए; सीर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर मिश्रितान, 1922 (1922 का 11) या छक्त अधिनियम, गा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के शिए;

अतः अब, उनत अधिनियम की धारा 269-ग के जनु-तरण में, में, उनत अभिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के सधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— 8—476 अ/80  श्रोमती दिवन्द्र कौर पत्नी जैराम सिंह, निवासी प्रन्दरून चाटी विंड, प्रन्दरन ग्राबादी, किशन गढ़ श्रमृतसर।

(भ्रन्तरक)

 श्रो पन्ना लाल पुत्र गुरदास मल, कोट भित भिह, श्रमृतसर्।

(श्रन्तरिती)

- जैसा कि ऊपर सं० 2 में भौर कोई किरायेदार हो तो।
   (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- यदि ग्रौर कोई व्यक्ति इस जायदाद में हिच रखता हो।
   (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधीहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिसबद है)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त संपति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आखेप :--

- ्(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन की सर्वात्र या तस्त्रंकंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सर्वात्र; जो भी सर्वात बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- शृं(ख) इस सूचना के राजपल में प्रकातन की लग्रीख से 45 दिन के मीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रघोहस्तासारी के पास शिखित में किए जा सकोंगे।

स्पब्हीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो पक्त अधिनियम के प्रश्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस प्रदर्शय में दिया गया है।

### अनुसूची

एक जायदाद जोकि कोट मित सिंह में स्थित है जैसा कि सेलडीड नं > 1037, दिनां रु 9-5-80 को रिनस्ट्रोकर्ती श्रधिकारी श्रमृतसर के कार्यालय में दर्ज है ।

> म्रानन्द सिंह सक्षम प्राधिकारी सहामक ग्रामकर ग्रायुक्त (निर्रक्षण) 3, चन्द्रपुरी टेलर रोड, ग्रजैन रॅज, श्रमृतसर

ता**रीब: 15-1-81** 

मोहर 👍

## प्ररूप माई० टी० एत● एस०----

प्रायकर मिश्वनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, ग्रम्तसर

श्रमतसर, दिनांक 15 जनवरी 1981

निदेश सं० ए० एस० ग्रार०/80-81/333—यतः, मुझे, ग्रानन्द सिंह
अन्यकर ग्रिष्ठित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के ग्रधीन सभाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूख्य 25,000/- क्षये से ग्रिष्ठिक है
भौर जिसकी स० जायदाद है तथा जो कि ग्राबादी कोट
मित सिंह श्रमृतसर में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद अनुसूधी में
ग्रीर पूर्ण क्ष्य से विणित है) रजिस्ट्रीकर्ती ग्रीधकारी के कार्यालय

अमृतसर मे रजिस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)

के अधीन दिनांक मई, 1980
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर मन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निविधित उद्देश्य से उका अस्तरण निखित में वास्तिव क्य से किया नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किया आय की बाबत उक्त आधि-नियम, के अधीन कर वेले के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य धास्तियों को. जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिनाने में सुविधा के लिए;

भतः अब, उन्त मधिनियम की धारा 269-ग के मनुसरण में, मैं, उन्त ग्रिधिनियम की धारा की 269-व की उपवारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थीतः—  श्रोमती दिवन्द्रकीर पत्नी औराम सिंह, वासी धन्दक्त चाटी विंड गेट, श्राबादी किणन गढ़, अम्लसर।

(भ्रन्तरक)

श्री गुरबचन दास पुत्र पन्ना लाल,
 श्राबादी कोट मित सिंह, श्रमृतसर।

(भन्तरिती)

- 3. जैसा कि ऊपर स॰ 2 में यदि और कोई किरायेवार हो तो। (वह व्यक्ति, जिसके ऋधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. यदि श्रीर कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में चिच रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवब है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहियां करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास जिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्हीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, अही श्रयं होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया हैं।

### मनुसूची

एक जायदाद जोकि कोट मित मिंह में स्थित है जैसा कि सेल डोड नं० 1038 दिनांक 9-5-80 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर के कार्यालय में दर्ज है।

> ग्रानन्द सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) 3, चन्द्रपुरीटेलर रोड, श्रजैन रेंज, श्रमृक्षसर

दिनां क : 15-1-1981

प्रक्प भाई • ही • एन • एस •---

आयक्तर निधित्यम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269 व(1) के बधीन सुवना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज, भ्रमृतसर

दिनांक 15 जनवरी 1981

निवेश सं० ए० एस० आर०/80-81/384 यतः, मुक्षे, आनन्द सिंह आई० आर० एस० आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित वाजार मृष्य 25.000/- द० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० एक जायवाद है तथा जो कि पवन नगर, श्रमतसर में स्थित है (श्रीर इससे उपाधन श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय श्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मई, 1980 की

पृथंकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की नई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यंगपूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत धक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरफ के दाविस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अयः, उन्त प्रधिनियम, की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, में, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निक्षित व्यक्तियों, धर्यातः—  श्री गुरबचन सिंह पुत्र करतार सिंह ,पवन नगर, श्रमुतसर।

(भन्तरक)

2. श्री प्रवीत कुमार पुत्र मोहन काल ्वासी मजीठा, श्रमुससर्

(ग्रन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर सं० 2 में यदि और कोई किरायेदार होतो।

(वह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि और कोई व्यक्ति जो इस जायदाद में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रघोष्ट्रस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उपत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविधि, जी भी श्रविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त करवा में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर छक्त स्थावर संपत्ति में वितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ता अरी के पास लिखित में किए जा सकेंचे।

स्पन्टीकरणी ।--इसमें प्रमुक्त शक्यों और पदीं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अये होगा, जो उस अध्याय में दिया नया है।

### अनुसूची

एक मकान नं० 5/11 जोकि पवन नगर, अमृतसर में स्थित है (जैसा कि सेल डीड नं० 1024 के दिनांक 9-5-80 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर के कार्यालय में दर्ज है।

श्रानन्द सिंह सक्षम श्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) 3, चन्द्रपुरी टेलर रोड श्रजेंन रेंज, श्रमृतसर

तारी**ख** 15-1-81 मोहर:

## प्ररूप बाई • ही • एत • एस •----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के संधीन सूचना

#### मारत सरकार

कार्यालय, सहायक घायकर घायुक्त (निरीक्षण)
ग्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर
ग्रमृतसर दिनांक 15 जनवरी, 1981

निदेश सं० ए० एस० म्रार०/80-81/335—यतः मुझे म्रानन्द सिंह म्राई० म्रार० एस० आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इनके पश्चात् 'उ₹न प्रधिनियम' कहा गया है), की खारा 269-ख के प्रधीन सक्षम म्रिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्यक्ति, जिसका छित बाजार मूल्य

भ्रौर जिसकी सं० एक जायदाद है तथा जो कि पवन नगर, अमृतसर में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रमृतसर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक मई, 1980

25,000/- र• से मधिक हैं

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जीवत बाजार मूल्य से कम के नृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिक्रत से अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निवित्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) प्रश्तरण से हुई किसी झाय की बाबत, उक्त घिष्टिमयम के ध्वीन कर देने के प्रश्तरक के दाधिरव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; घौर/मा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रस्य प्रास्तियों की,
  जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
  (1922 का 11) या छक्त धिविनयम,
  या धन-कर धिर्धिनयम, 1957 (1957 का 27)
  के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं
  किया गया था या किया जाना चाहिए था,
  छिपाने में सुविधा के सिए;

भतः शव, उक्त भिमित्यमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त भिमित्यमं की धारा 269-घ की उपधारा (1) के के अधीन निम्नलिखित न्युक्तियों अभित्ः-- 1, श्री गुरबचन सिंह पुत्र करतार सिंह पवन नगर, श्रमृतसर।

(भ्रन्तरक)

 श्री प्रवीन कुमार पुत्र मोहन लाल निवासी मजीठा, ग्रमृतसर ।

(भ्रन्तरिती)

 जसा कि ऊपर नं० 2 में यदि श्रीर कोई किरायेदार हो तो

(वह व्यक्ति, जिसके भ्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि श्रौर कोई व्यक्ति, जो इस सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रघोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिसबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारक;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से। ४५ विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड किसी। प्रम्य भ्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए जा सकोंगे।

स्पब्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्वो का, जो जबत प्रवितियम के झन्याय 20-क में परिकाबित हैं, वही अर्थ होगा, जो उन झन्याय में विया गया है ।

### अनुसूची

एक मकान नं० 5/11, जो कि पवन नगर, ग्रमृतसर में स्थित है जैसा कि मेल डोड नं० 1021 दिनांक 9-5-80 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रक्षिकारी ग्रमृतसर के कार्यालय में दर्ज है।

श्रानन्द सिंह सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) 3, चन्द्रपुरी टेलर रोड श्रजैन रेंज, श्रमृतसर

तराीख 15-1-81 मोहर:

## प्ररूप बाई॰ टी॰ एन॰ ध्रस॰----

# आयकर अधिनियम; 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के सम्रोन सूथना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजन रेंज प्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 15 जनवरी, 1981

निदेश सं० ए० एस० घार०/80-81/336—यतः मुझे ग्रानन्द सिंह ग्राई० आर० एस०

बायकर प्रधिनियम, 1961 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269 का के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पति, जिसका छिचत बाजार मूल्य 25,000/- द० से अधिक है

भीर जिसकी सं० एक जायदाद है तथा जो कि तरन तारन रोड, अमृतसर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय श्रमृतसर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम 1908 (1908 का 16) के स्रधीन दिनांक मई, 1980

को पूर्लोक्त सम्पत्ति के उत्तित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पग्द्रह प्रतिशत धिक है और धन्तरक (अन्तरकों) और धन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त धन्तरण निक्कित में वास्तिक कम से कावत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त प्रक्रिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आप या किसी बन या अन्य अस्तियों, की जिन्हें नार्तीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर सिंधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना थाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (11) के अधीन निम्निल्खित व्यक्तियों, अर्थात् :---

 श्री जुगल किशोर, पुत्र कांशीराम वासी किला मंगीयां, ग्रमृतसर।

(अन्तरक)

- श्री शाम दास श्रीर राजकुमार पुत्नान कांशी राम वासी किला मंगीयां, श्रमृतसर । (श्रन्तरिती)
- जैसा कि ऊपर सं० 2 में श्रौर कोई किरायेदार हो तो।
   मैंसर्स गुप्ता आईल मिल , तरन तारन, रोड,
   (वह व्यक्ति, जिसके श्रिक्षभोग में सम्पत्ति है)
- 4. यदि श्रौर कोई व्यक्ति जो इस जायदाद में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि व सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्न सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

### एक्त सम्पत्ति के भवंग के संबंध में कोई भी धाओं प :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीच से 45 विन की धविध या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 बिन की धविध, जो भी धविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा; या
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी धन्य व्यक्ति द्वारा ध्रष्टोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकोंगे।

स्पन्धी वरका --- इसमें प्रयुक्त कर्को ग्रीर पर्धो का, जो छक्त ग्रीध-नियम के ग्राच्याय 20-क में परिभाषित हैं, जही अर्थ होना, जो उस ग्राह्माय में दिया नया है।

# ध्रन् सूची

1/6 भाग इमारत का खसरा नं 1049, मिन 1048 जो कि तरन तारन रोड, अमृतसर में स्थित है जैसा कि मेल डीड नं 522/21-5-80 को रजिस्ट्री अधिकारी अमृतसर के कार्यालय में दर्ज है।

श्रानन्द सिंह सक्षम श्रधिकारी महायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) 3, चन्द्रपुरी टेलर रोड श्रजन रेंज, श्रमृतसर

तारीख 15-1-81 मोह्र:

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रजेन रेंज, भ्रमृतसर श्रमृतसर, दिनांक 15 जनवरी, 1981

निवेश सं० ए० एस० आर० /80-81/337—यतः मुझे आनन्द सिंह आई० आर० एस०

जायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हुं), की धारा 269- ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्त जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/~ रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो कि गांव चक श्रल्लया, गुरदासपुर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय गुरदास पुर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक मई, 1980

को पूर्वोंकत सम्पति के उधित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल को लिए अस्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पब्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निविधा उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अवने में सृषिधा का लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने मे मृतिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धात् :--

- श्री प्रकाश चन्द्र पुक्ष लक्ष्मी चन्द
  गांव भातोया, जाकखाना सरवाल तहसील गुरदासपुर।
  (ग्रन्तरक)
- श्री हरजीत सिंह पुत्र चैन सिंह गाँव सरवाली तहसील बटाला।

(ब्रन्तरिती)

- 3. जैसा कि ऊपरनं० 2 में यदि और कोई किरायेदार हो तो (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. यदि और कोई व्यक्ति इस सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिसबब है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हां।

उक्त सम्परित को अर्जन को सम्बन्ध में कार्ड भी कार्केपः---

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

# अमुसूची

कृषि भूमि क्षेत्र फल 43 कनाल, 4 मरले जो कि गांव चक अल्लया, गुरदासपुर में स्थित है जैसा कि सेल डीड नं० 765/ 16-5-80 आफ रजिस्ट्रींग प्रथारटी गुरदासपुर के कार्यालय में दर्ज है।

> श्रानन्द सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुजंन रेंज, श्रमृतसर

तारीख: 15-1-8**1** 

मोहरः

प्ररूप आह . टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, भ्रमृतसर भ्रमृतसर,दिनांक 15 जनवरी 1981

निवेश सं० ए० एस० श्रारः । 80-81/338—यतः, मुझे, श्रानन्द सिंह

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रा से अधिक है

भीर जिसकी सं० एक भूमि का प्लाट है तथा जो कि तहसील पुरा भ्रमृतसर में स्थित है (भीर इससे उपाबद भ्रमृत्सी में भीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय भ्रमृतसर में रिजस्ट्रीकरण भ्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन दिनांक मई, 1980

को प्योंक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रसिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मृक्षे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपर्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुन्दैं किसी शाय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने वा उससे वजने में तृतिधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय मा किसी भन या अन्य मास्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रिपाने में स्विभा के लिए;

जतः जन, उनतं जीभनियमं की भारा 269-गं के, अनुवरणं में, मैं, उनतं अभिनियमं की भारा 269-तं की उपधारा (1) के अभीन निकालियतं व्यक्तियों अर्थात् :--

- श्री हुरनाम सिंह पुत्र मंगल सिंह निवासी मकान नं० 88, तहसील पुरा, श्रमृतसर । (श्रन्तरक)
- श्री हीरा लाल पुत्र देसराज मकान नं० 478, शरीफपुरा, ग्रमृतसर।

(अन्तरिती)

- 3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में और कोई किरायेदार हो तो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. यदि और कोई व्यक्ति इस जायदाद में रुचि रखता हो तो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

स्रो यह सूचना जारी करके पृथोंक्त तत्र्वीत्स के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्बन्धि के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र को प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
  जनधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृषोंकत
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्स में हितबद्ध किसी अन्य क्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिविस में किए जा सकोंगे।

स्वक्तीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उक्त जीभीनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुति अर्थ क्षेगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# बन त्वी

एक भूमि के प्लाट पर एक मकान जिसका क्षेत्र फल 111 वर्ग मीटर है जोकि तहसील पुरा, अमृतसर में स्थित है जैसा कि सेल डीड नं० 643/1, दिनांक 28-5-80, श्राफ रजिस्ट्री श्रभारटी श्रमृतसर के कार्यालय में दर्ज है।

श्चानन्द सिंह सक्षम ग्रधिकारी स**हाय**क ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, 3-चन्द्रपुरी टोलर रोड, ग्रमृतसर

तारी**व**: 15-1-81

## नरूप आई • टी० एन० एस०----

मायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-मृ (1) के विभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज, ग्रमृतसर

श्रमृतसर दिनाक 15 जनवरी 1981

निदेश सं० ए०एस० श्रार०/80-81/339—यतः, मुझे, श्रानन्द सिंह

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/रु. से अधिक है

श्रोर जिसकी सं० एक भूमि का प्लाट है तथा जो की तहसीलपुरा, श्रमृतसर में स्थित है (श्रीर इससे उपावद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्सा श्रधिकारी के कार्यालय श्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक मई, 1980

कां पूर्वांक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिति (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कसी करने या उग्नसे बचने में सुविधा के शिष्ट; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विभा के लिए;

बत: अभ, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण कें में, उक्त अधिनियम का धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नृति कित्र व्यक्तियों, अधीत् ं---

- श्री हरनाम सिंह पुत्र मंगल सिंह निवासी मकान नं० 88, तहसील पुरा, श्रमृतसर। (श्रन्तरक)
- श्री मती सन्तोष कुमारी पुत्नी दीवान चन्द वासी 478, शरीफपुरा, ग्रमृतसर।

(श्रन्तरिती)

- जैसा कि ऊपर नं० 2 में यदि श्रीर कोई किरायेदार होता।
   (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)
- 4. यदि श्रौर कोई व्यक्ति इस आयदाव में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस. से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त खब्दों और पदों का, को 'उक्त जिभिनयम', के अध्याय 20-क में प्रिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अमृत्यी

एक भूमि काष्त्राट क्षेत्र फल, 1221 वर्ग मी० है जो कि तहसील पुरा श्रमृतसर में स्थित है जैसा कि सैल डीड नं० 642 /1 दिनोक 28-5-80 को रिजस्ट्रीकर्ता श्रयारटी श्रमृतसर के कार्यालय में दर्ज है ।

> श्रानस्द सिंह सक्षम श्रिकारी महायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, 3-चन्द्रपुरी टलर रोड, श्रमृतसर।

नारीख: 15-1-81

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व (1) के भ्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 14 जनवरी 1981

निदेश सं० ए० एस० ग्रार०/80-81/340--श्रत: मुझे ग्रानन्द सिंह,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रु॰ से प्रक्षिक है

स्रौर जिसकी मं० जायदाद है तथा जो कि ढांगू रोड, पठानकोट में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध स्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय पठानकोट में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख मई, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के पृथ्यमान प्रितिक्तल के लिए अन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके पृथ्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत भिष्ठक है और अन्तरक (भन्तरकों) भौर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक क्य मे किया नहीं किया गया है:---

- (क) ध्रन्तरण में हुई किसी घाय की बाबत उक्त अधि-नियम के ग्रधीन कर देने के ध्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (मा) ऐसी किसी भाय या किसी धन या ग्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गथा था या किया जाना नाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः श्रव, उन्त ग्रिश्वित्यम, की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उन्त ग्रिश्वित्यम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्निलिखित न्यन्तियों ग्रर्थात:—— 9—436GI/80  श्री मनोहर लाल पुल माधी राम ढांग् रोड, पठानकोट।

(ग्रन्तरक)

श्री महिन्द्र लाल पुत्र माधो राम,
 टिम्बर, मरचैन्ट्स ढांगू रोड, पठान कोट,
 (मुन्दर नगर)।

(भ्रन्तरिती)

जैसा कि ऊपर नं० 2 में यदि श्रीर कोई किरायेंदार हो तो।
 (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि और कोई व्यक्ति इस जायदाद में रुचि रखता हो। (यह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रघोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी धाकीप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचका की तामील के 30 दिन की प्रक्षित जो भी प्रविध वर्ष में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में द्वित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोत्वस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो सक्त श्रिधिनियम के श्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रथं होगा जो उस शब्दाय में दिया गया है।

### अनुसूची

श्रेभाग मकान का जो कि ढांगू रोड, पठानकोष्ट में स्थित है जैसा कि सेल डीड नं० 494 दिनांक 7-5-80 आफ रिजस्ट्रीगं ग्रथारटी पठानकोट के कार्यालय में दर्ज है।

> श्रानन्ध सिंह सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, 3-चन्द्रपुरी टेलर रोड, ग्रमृतसर

ता**रीख:** 14-1-81

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०---

मायकर प्रिविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, श्वमृतसर

श्रमृतसर, दिनाक 14 जनवरी 1981

निदेश सं० ए० एम० श्रार०/80-81/341—अतः मुझे श्रानन्द सिंह,

भायकर स्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'उक्न प्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम पाधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/-क्ष्मए से प्रधिक है

भौर जिसकी सं० एक जायदाद नं० 1287, एम०सी०ए० श्रौर 1521/VII-13 है तथा जोकि गली मदारियां निमक मंडी, में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय श्रमृतसर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक मई, 80 को प्रवेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है श्रौर मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोचन सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्र प्रतिकत से ग्रीधक है श्रौर अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में दुई किसी भ्राय की बाबत, सक्स भ्रिष्ठित्यम के भ्रष्ठीन कर देने के भ्रन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसो किसी प्राय या किसी घन या अन्य प्रास्तियों को, निन्हें भारतीय आय-कर प्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रिधिनियम, या धनकर प्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाण अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अवः, असः याधिनियम की धारा 269-गके धनसरण मो, मौ, जक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्रीमती रमेण रानी पत्नी रोशन लाल वासी कूचा राम मन्दिर, निमक मडी, श्रमृतसर (प्रन्तरक)
- श्रीमती परिमन्द्र कौर पत्नी इन्द्रजीत सिंह बाजार स्वांक मंडी, श्रमृतसर।

(भ्रन्तरिती)

- जैमा कि ऊपर नं० 2 में श्रीर कोई किरायेदार हो तो।
   (वह व्यक्ति जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)
- 4 यदि श्रौर कोई व्यक्ति इस जायदाद में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त समाति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उपन सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की नामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
  श्रविध बाद में नमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत
  व्यक्तियों में ने किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

ह्यच्छी करण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो खबत अधिनियम के घ्रष्ट्याय-20क में परिभाषित है, वहीं ग्रयों होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

## भ्रनुसुची

एक जायदाद नं० 1287 एम०सी० ए० और 1521/VII-13 जोकि गली मदारियां, राम मन्दिर निमक मडी अमृतसर में स्थित है जैसा कि सैल डोड नं०449/14-5-80 आफ रजिस्ट्रींगं अथारटी अमृतसर के कार्यालय में दर्ज है।

ग्रानन्द सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जनरेज, 3-चन्द्रपूरी टेलर रोड, श्रमृतसर

तारोख: 14-1-81

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०-

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, श्रम्तसर

ग्रमृतसर, दिनांक 8 जनवरी, 1981

निदेश सं० ए० एम० म्रार०/8 0-8 1/342---यतः मुझे भ्रानन्द सिंह

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- स्पए से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० भूमि है तथा जोिक जंडियाला गुरु, श्रमृतसर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसुची में श्रीर पूर्णरूप से विणत है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय श्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत श्रधिक है और शन्तरक (श्रन्तरकों) श्रीर श्रम्तरिती (श्रम्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथिस नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या घन्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्राय-कर ग्रिधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, अब, उक्त ग्रिधितयम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त ग्रिधितियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, भर्यात् :---  सुरेण सिंह पुत्र सन्ता सिंह जंडियाला गुर, ग्रमृतसर ।

(भ्रन्तरक)

 श्री बलविन्द्र सिंह, भूपिन्द्र सिंह पुक्तान प्रर्जन सिंह वासी जिडियाला गुरू, ग्रमृतसर ।

(ग्रन्तरिती)

- 3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में यदि श्रौर कोई किरायेदार हो तो (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति हैं)
- 4. यदि श्रौर कोई व्यक्ति जो इस जायदाद में किच रखता हो। (वह व्यक्ति जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रजंन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपल्ल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितबढ़
  किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास
  लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त ग्रधि-नियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रथं होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

### ध्रनुसुची

कृषिभूमि जिसका क्षेत्र फल 8 कनाल, है जोिक जंडियाला गुरू, श्रमृतसर में स्थित है जैसा कि सेल डीड नं० 1310, दिनांक 19-5-1980 आफ रजिस्ट्रींग श्रधिकारी श्रमृतसर के कार्यालय में दर्ज है ।

> श्रानन्द सिंह् सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, श्रमृक्षसर

तारीख: 8-1-81

प्रकप भाई॰ ही॰ एत॰ एस॰----

सायकर अविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के सुबीन सूचना

मारत सरकार

कार्याखय, बहायक खायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

ग्रम्तसर, दिनांक 8 जनवरी, 1981

निदेश सं० ए० एस० ग्रार०/8 0-81/343—यतः मुझे श्रानन्द सिंह आयक्तर ब्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'डक्त प्रधिनियम कहा गया है), की बारा 269-छ के ब्राधीन सक्षम प्रधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण

है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका विचित्र बाजार मूक्य 25,000/-

से अधिक है और जिसकी सं०

कृषि भूषि, है तथा जो कि जंडियाला, गुरू, श्रमृतसर में स्थित है (श्रीर इससे उपावड अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कायिलय अमृतसर में रिजस्ट्रोकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक मई, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उवित बाजार मूल्य से कन के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार सूक्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिज्ञत से प्रक्षिक है घीर प्रस्तरक (प्रस्तरकों) और अन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे घन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है >==

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनयम के यधीन कर देने के भ्रम्तरक के दायित्व में कभी करने या श्रससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/जा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी जन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय भायकर भिक्षिनियंत्र, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, खिपाने में सुविधा के जिए;

अतः, अन, उन्त अधिनियम को धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त अधिनियम को धारा 269-ग को जनकारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः—  श्री सुरेश तिह पुत्र सन्ता सिंह जंडियाला गुरु, तहसील श्रमृतसर ।

(ग्रन्तरक)

 श्रो बलेविन्द्र सिंह, भूपिन्द्र सिंह, पुत्रान अर्जन सिंह, निवासी जंडियाला गुरू, भ्रमृतसर ।

(भ्रन्तरिती)

जैसाकि ऊपरसं० 2 में भ्रौर कोई किरायेदार हो तो।
 (जह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि ग्रीर कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है। (बह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थेन के लिए कार्यकाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीच से 45 दिस की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीक से 30 दिन की शब्दें जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वें कित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्तवड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास सिंखित में किए जा सकोंगे।

स्पब्सीकरण:---इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिचावित है, वही अर्थ होगा जो इस अध्याय में बिया गया है।

### अनुसूची

कृषि भूमि 8 कनाल जोकि अंडियाला गुरू, में स्थित है जैसा कि सेल डीड सं० 1311 दिनांक 19-5-80 घाफ रिजस्ट्रींग अथारटी अमृतसर में के कार्यालय दज है।

श्रानन्द सिंह सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, श्रमृतसर

तारीखाः 8-1-81

ब्रह्म नाडी टी एन्, एस ---

धायकर ध्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के क्योन सूचना

#### मास्त सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

**श्रर्ज**न रेंज, श्रमृतसर

श्रमृतसर,दिनांक 15 जनवरी, 1981

निदेश सं० ए० एम० श्रार०/80-81/344——यतः मुझे श्रानन्य सिंह

आयकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्दर्त प्रधितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से प्रधिक है

और जिसकी सं० क्रिंबि भूमि है तथा जो कि गांव सरवाली तह० बटाला में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय गुरदासपुर में रिजस्ट्रोकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक मई, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उजित बाजार मूल्य से कम के दूश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके दूश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तास प्रतिशत से भिष्ठिक है और अन्तरक (भन्तरकों) भीर अन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया बचा प्रतिष्ठल निम्नलिखित उद्देश्य स उक्त भन्तरण लिखित में बास्तविक क्य से कवित नहीं किया नया है:——

- (क) धन्तरण से हुई किसी माय की बाबत, उक्त मधि-नियम के प्रधीन कर देने के धन्करक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी घाय या किसी घन या प्रम्य प्रास्तियों को जिन्हें भारतीय घाय-कर प्रधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, वा घन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्च घन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अभिनियम, की धारा 269-ए के अनुसरूण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ∷--

- श्री प्रकाण चन्च सुपुत्र श्रां ृलखमीचन्द, गांव भाटोईयां, पो० ग्रा० सरवाली जिला गुरदासपुर । (ग्रम्सरक)
- 2. श्री हरजीत सिंह सुपुत्र श्री चैन सिंह भौर श्री करनैलिसिंह सुपुत्र श्री उजागर सिंह गांव सरवाली, तह० बाटाला, जिला गुरदास पुर ।

(भ्रन्तरिती)

- जैमा कि अपर संख्या 2 में यदि और कोई किरायेदार हो (बह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्तिहै)
- 4. यदि ग्रौर कोई व्यक्ति जो सम्पक्तिमें रिच रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता हैकि वह सम्पक्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं

उक्त सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थायर-सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्थ व्यक्ति द्वारा भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण]:—इसमें प्रयुक्त शब्दों घोर पदों का, जो उन्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचाचित है, वही अर्थ होगा, जो सस अध्याय में विया गया है।

### अनुसूची

कृषि भूमि जिसका क्षेत्रफल 43 का० 10 म० गांव चकम्रली में स्थित है जोकि सेल डोड सं० 764 दिनांक 16-5-1980 को रजिस्ट्रीकर्ती प्रधिकारी गुरदासपुर के कार्यालय में दर्ज है।

> ग्रानन्द सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमससर

तारीखा: 15-1-81

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा 269-च (1) के अक्षीन सूचमा

#### भारत सरकार

कार्यास्य, सहायक पायकर आयुक्त (निरीक्षन)

श्रर्जन रेंज, श्रमुतसर

ग्रमृतसर,दिनांक 15 जनवरी, 1981

निदेश सं० ए० एस० म्रार०/80-81/345—यतः मुझे भ्रानन्द सिंह

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'छक्त अधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका छित्त बाजार मूल्य 25,000/-६० से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जोकि गांव हमराजपुर, तह० गुरदासपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय गुरदासपुर में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन दिनांक मई, 1980

को नूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रति-फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकक्ष से ऐसे वृश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह् प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निजिति उश्लेय से अन्तरण निज्ञित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत छक्त अधि-नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी घन या अन्य घास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः, मय, उक्त श्रविनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त श्रविनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रवीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  श्रो जरनैल सिंह, मोहिन्दर सिंह सुपुत्र श्री बहाबुर सिंह ग्रीर श्री रणजीत सिंह सुपुत्र श्री करतार सिंह ग्राम तथा पो० ग्राफिस हमराजपुर, तह० गुरदासपुर।

(ग्रन्तरक)

- 2. श्री चमन लाल, मदन लाल, शाम लाल, सुपुत्र श्री पन्नालाल हैशर गांव, पीरां, बाग, पो० ग्रा० गुरवासपुर। (ग्रन्सरिती)
  - जैसा कि ऊपर संख्या 2 में यदि ग्रौर कोई किरायेदार हो।
     (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
  - 4. यदि श्रौर कोई व्यक्ति जो सम्पत्तिमें रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हित्तगढ़ है)

को यह सूचना नारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के पर्वन के संबंध में कोई भी आक्षेप !---

- (क) इस स्थाना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में
  दितवद किसी सम्य व्यक्ति द्वारा, श्रश्लोहस्ताकरी
  के पास सिखित में किए जा सक्ते।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त सक्दों और पदों का जो छक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो छस अध्याय में विया गया है।

### अनुसूची

कृषि भूमि जिसका क्षेत्र फल 27 कताल 4 मरले हैं जो कि गांव हमराजपुर में स्थित है जैसा कि सेल डीड नं० 1375 दिनांक 30-5-80 को रजिस्ट्रीकर्ता म्रधिकारी गुरदासपुर के कार्यालय में वर्ज है।

म्रानन्द सिह सक्षम प्राधिकारी, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजंन रेंज, म्रमृतसर

तारीख: 15-1-81

प्ररूप आई. टी. एन. एस.---

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

# 269 व (1) के प्रधीत भूवना

#### भारत सरकार

कार्यांलय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

ग्रम्तसर, विनांक 15 जनवरी, 1981

निवेश सं० ए० एस० श्रार०/80-81/346—-श्रतः मुझे श्रानन्द सिंह,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रधात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- व्यये से अधिक है और जिसकी सं० एक प्लाट भूमि का है तथा जो अमृतसर में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध प्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय ग्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक मई, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यचापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिज्ञत से पश्चिक है और धन्तरक (धन्तरकों) और धन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त बन्तरण शिखित में बास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है। ---

- (क) धन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त भीध-नियम के धधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य प्रास्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया क्या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, में, धक्त अधिनियम की धारा 269-म की अवधारय (1) के अधीम निम्निकिखित व्यक्तियों, अर्थौत :---

- श्रो वेद प्रकाश पुत्र मुक्तन्य लाल, प्रशोतम लाल पुत्र श्रो मेला राम गली नं० 3 गरीफपुरा, अमृतसर। (अन्सरक)
  - श्रीमती कशमीर कौर पत्नी श्री दरवारा सिंह ग्रार०/ग्री० धोतियां तह० तरनतारन। (ग्रन्तरिती)
  - जैसा कि ऊपर नं० 2 में यदि कोई किराये दार हो तो ।
    - (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)
  - 4. यदि श्रौर कोई व्यक्ति इस जायदाद में रूचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिस्बद्ध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हूं।

उक्त सम्यक्ति के प्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षिप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धवधि, जो भी ध्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्थ व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के श्रष्टवाय 20-क में परिभाषित है, वही ग्रर्थ होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

### मनुसूची

एक भूमि का प्लाट मकबूल पुरा अमृतसर में स्थित है और सैल डीड नं ० 1347/20-5-80 के अनुसार रजिस्ट्री अधिकारी अमृतसर के कार्यालय में दर्ज है।

> श्रानन्द सिंह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, 3-चन्द्रपुरीटेलर रोड, श्रमृतसर

तारी**ख**: 15-1-81

मोहरः

प्र**रूप भाई• टी• एन• एस•---**ा

आयकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन मुखना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भागकर भागुन्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर श्रमृतसर, दिनांक 15 जनवरी, 1981

निवेश सं० ए० एस० ग्रार०/80-81/347——अनः मुझे

कायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन मक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वाय करने का कारण है कि स्थावर मम्पति, जिमका उचित बाजार मूल्य 25,000/- खप्ये से प्रधिक है, भौर जिसकी स० एक जायदाद (मकान) है तथा जो पट्टी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मे और पूर्ण रूप से बणित है), रिजस्ट्रीकर्सा ग्रधिकारी के कार्यालय पट्टी मे रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक मई, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुधे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है मौर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्त्रविक रूप से कथित महीं दिया गया है:——

- (क) घम्परण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त प्रश्चितियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या
- (ख) ऐसी किमी आय या किमो झन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर सिंबनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रीविनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण कें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपवारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

1 डा० इन्ट निह्लुपुत्र श्रो थाहना सिंह् ग्रार०/ग्रो० पट्टो जिला श्रमृतसर।

(भ्रन्तरक)

2 श्रो ग्रोम प्रकाश जगदीश लाल दर्शन लाल श्रशीक कुमार सुपुत्र श्रो सुरैन दास श्रार०/ग्रो० पट्टी जिला श्रमुतसर।

(भ्रन्तरिती)

3 जो ि म० न० 2 क प्रतुमार यदि कोई किरायेदार हो तो।

(वह ब्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग के सम्पक्ति है) 4 यदि श्रीर कोई ब्यक्ति इस जायदाद में रूचि रखता हो।

> (वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के सर्वन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

अस्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रेप :--

- (क) इस सूजना के राजपत में प्रकाशन को तारीख के 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों ५६ सूचना की तामील से 30 दिन की धवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिकों में से किसी व्यक्ति द्वारा; या
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में दितबद किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्तालरी के पास लिसित में किसे जा सकेंगे।

स्यब्दीकरणः → इसमें प्रयुक्त जब्दों और पदों का, जो उक्त अक्षिनियम के अध्याय 20-क में परिभाविद हैं, वही अबं हीगा, जो उस अध्याय में विया गया है ।

### अनुसूची

एक मकान नं० 62/3 जो कि फ्राबादी मण्डी रेह्रयत बेग पट्टो में स्थित है भ्रीर सेन डोड नं० 546/I/1012 तिथि 13-5-80 के श्रमुसार रिजस्ट्री श्रिधकारी के कार्यालय में दर्ज है।

श्रानन्द सिंह, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, 3-चन्द्रपुरी टेक्सर रोड, श्रमृतसर ।

नारीख: 15-1-1961

मोहरः

प्ररूप आहाँ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज ग्रमृतसर

श्रमृतार दिगांद 15 जनवरी, 1981

निदेश सं० ए० एस० श्रार०/80-81/348 - - यतः मृझे श्रानन्द सिंह श्राई० श्रार० एस,

स्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर पर्वात, जिप हा उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से श्रीधक है

श्रीर जिसकी स० एक जायदाद है सथा जो कि गुरु श्रर्जन देव नगर, तरन तारन रोड में स्थित है (श्रीर इस्से उप बद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीन स्ति श्रिधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधित्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनाक मई 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि ययापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूला, उसके दृश्यमान प्रतिफत से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफत का गन्द्रह प्रतिशन में प्रधिक है श्रीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाया गम प्रतिकत निम्मितिका उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—~

- (ह) प्रस्तरम में हुई हिसी आप की बाबत, खणत प्रधितियम के प्रधीत कर देने के ग्रन्तरक के वायिश्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा है जिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या प्रन्य म्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं भारतिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीत, निम्नलिखित के स्यक्तियों, अर्थात :—
10—476 G 1/80

- श्री पन्ना लाल पुत्र गुरदास मल वासी घाबादी गुरु ग्रर्जन देव नगर, तरन तारन रोष्ट, घ्रमृतनर।
   (ध्रन्तरक)
- 2. श्री जसविन्दर पाल, जिंतन्द्र पाल पुद्गान बूटा राम निवासी पंडोरी सिधवां, तहसील श्रमृतसर। (श्रन्तरिती)
- जैसा कि ऊपर सं० 2 में यदि श्रीर कोई किरायेदार हो तो
- (वह व्यवित, जिसके ग्रिधिभोग मे सम्पत्ति है)
  4. यदि ग्रौर कोई व्यक्ति इस जायदाद मे रूची रखता

(बह व्यक्ति, जिसके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्थ व्यक्ति द्वारा श्रघोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

हपध्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो 'उक्त श्रिधिनियम', के श्रष्टयाय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रष्ट्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

एक जायदाद जो कि गुरु अर्जन देव नगर, तरन तारन रोड, अमृतसर में स्थित है जैसा कि सेल डीड नं० 1029, 9-5-80 आफ रजिस्ट्रिंग अधिकारी अमृतसर के कार्यालय में दर्ज है।

> श्रानन्द सिंह सक्षम ग्रिधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 3-चन्द्रपुरी टेलर रोड, श्रमृतसर।

विनाक 15-1-1981 मोहर: प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०----

मायकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज श्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनां ह 15 जनवरी 1981

निदेश सं० ए० एस० ग्रार, 80-81, 349:---यत मुझे श्रानन्द सिंह श्राई० श्रार० एस०, आयकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पत्रसान 'उस्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर नमालि, जिसका उचित्र 25,000/-श्रधिक है स्पण् मे मूल्य म्रौर जिसको सं० एक जायदाद (मकान) है तथा जो कि के करतार नगर, छहरठा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसुची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्दीवर्ता ग्रधि-कारी के कार्यालय ग्रम्तसर में रजिस्ट्रीवरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख मई 1980 को पूर्वीयत सम्पत्ति के उचित बाजार मूख्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के निए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का अचित बाजार मुख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है धीर अन्तरक (धन्तरकों) भीर धन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिबित उट्टेग्स ए उका अन्तरण निश्चित है बास्तविक रूप से कथित नहीं भिया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करन या अससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय म किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनिधम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अधः, उक्तः अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की घारा 269-घ की **प**र्णधारा (1) के अधीन निस्तिलिखन व्यक्तियों अधीतः ----  श्री प्यारा सिंह पुत्र गहल सिंह वासी चूचक वाल तहसील अजनाला।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती गुरमीत कौर पत्नी प्यारा सिंह मनान न० नं० बी/III/63, छहरटा।

(भ्रन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर सं० 2 में यदि श्रौर कोई किरायेदार हो तो

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)
4. यदि श्रौर कोई व्यक्ति इस जायदाद में रुचि व्हता
है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहरताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्बन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व से 45 दिन की अपनिध का तासम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होनो हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (आ) इस सूचना के रागपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पढडीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा जक्त अधिनियम के अध्यात 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जा उन अध्याय में दिया गया है।

## भनुसूची

एकं मकान नं० बी- $III_I$ 63 जो कि करतार नगर, छहरटा में स्थित है जैसा कि सेल छीड नं०  $1170_I$ 15-5-80 म्राफ रजिस्ट्रिंग प्रथारटी श्रमृतसर के कार्यालय में दर्ज है।

श्रानन्द सिह सक्षम अधकारी सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, 3-चन्द्रपुरी टेलर रोड श्रमृतसर।

दिनांक 15-1-81 मोहर: प्ररूप आई० टी० एन० एप०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार। 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, श्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनाक 8 जनवरी 1981

तिक्रेण मं० ए० एस० द्यार०/80-81/350:—-यतः मुझे, प्रावस्ट सिंड

याव तर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवाद 'उना प्रधितियम' तहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीत नक्षत्र कारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर प्रमित्त जित्र गा उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में अधिक है

16) के अधीन, दिनाक महे 1980 की पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिका के निए प्रनिर्देश को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त समात्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकत सं, ऐसे दृश्यमान प्रतिकत का पन्द्रह प्रतिका से प्रधिक है और पन्तरह (प्रन्तरकों) और प्रन्तरिती (अन्तरितों) के बोब ए। प्रनर्श है निए तथ पारा गया प्रतिकत, निम्मीखित उद्देश । उक्त प्रनरण निख्या में बास्तविक क्ष्य संकथिन नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण र हुई किसी आप को बाबत, उबन प्रधि-नियम है अधीन हर देने के अन्तरह के दायित्व में कमी धरने पा उसप बचने में पृथिधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अग्य आस्तियों हो, जिन्हें भारतीय आजहर अधिनियम, 1922 (1922 हा 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के जयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

श्रनः मत्र, उरू। पश्चिनियम, को धारा 269ना के मनुसरण म, में, उपन प्रक्षितियम की धारा 269न्य की उपधारा के(1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-- श्री ह्र्दय राम कैशप पुत्र महमा वत्त कैशप वासी
 112, विजय नगर, अमृतसर।

(भ्रन्तरक)

2. श्री वहविन्द्र सिंह पुत्र साधू सिंह वासी गोपाल नगर ग्रमृतसर।

(ग्रन्तरिती)

3. जसा कि सं० 2 ग्रीर कोई किरायेदार।

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4. ग्रीर कोई

(बह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहरूताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पक्ति के **घर्णन के लिए** कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाबोप रू-

- (क) इस मूचना के राजपत्र में अकाशन की तारीख से 45 विन की प्रविध या तरन-कधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील स 30 दिन की प्रविध, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्न स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
  पास लिखित में किए जा मर्केंगे।

स्पद्धीकरण :-- इसमें प्रयुक्त शब्दो और पवों का, जो एक्त ग्रिक्षितियम के श्राध्याय 20-अ में परिभाषित है, वहीं ग्राथं होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

एक प्लाट रकबा 170 वर्ग गज गोपाल नगर ग्रमृतसर जैसा कि सेल डीड नं० 987 दिनाक 7/5/80 रजिस्ट्री ग्रिधकारी ग्रमृतसर में दर्ज है।

> ग्रानन्द सिंह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृक्षसर।

तारीख: 8-1-1981

प्ररूप आई• टी॰ एत• एस•---

प्रायकर समिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269म (1) के भवीन सूचना

#### भारत सरकार

कायलिय, सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज अमृतसर कार्यालय

ग्रम्तसर, दिनांक 15 जनवरी 1981

निदेश सं० ए० एस० श्रार०/80-81/351:---यनः मुझे, श्रानन्द सिंह,

भायकर श्रिष्टित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिथे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम, कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिष्टीन सक्षम श्रीष्टकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- एएए से श्रीष्टक है

भ्रौर जिसकी सं. कृषि भूमि है तथा जो........ ....में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध धनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक मई 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृथ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि ययापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐने वृश्यमान प्रतिफल से, ऐने वृश्यमान प्रतिफल से, ऐने वृश्यमान प्रतिफल से, ऐने वृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से श्रिधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गथा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत छक्त प्रधि-नियम, के श्रधीन कर देने के घन्तरक के दायिश्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के भयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः, श्रम, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रनु-सरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीम, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत् '---  श्री रघुबीर सिंह पुत्र मंगल सिंह वासी भैरो वाल नहसील ग्रमृतसर।

(ग्रन्तरक)

 श्री जीगा सिंह पुत्र बन्ता सिंह वासी डाश्रंके तहसील अमृतसर।

(श्रन्तरिती)

3. जैसा कि मं० नं०2 श्रीर कोई किरायेदार।

(वह व्यक्ति, जिनके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. और कोई

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रजन के सम्बन्ध म कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सबंधी व्यक्तियों पर मूचना की नामीन से 30 दिन को अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर इक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध किमो ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रजोहरनाक्षरी के पाप लिखिन में किए जा सकेंगे।

स्पब्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त गब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही श्रव होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

## प्रनृसूची

कृषि भूमि 67 के-2 एम भरोबाल में जैसा कि सेलडीड नं. 1312 दिनांक 19-5-80 रजिस्ट्री श्रिधिकारी श्रमृतसर में दर्ज है।

> स्नानन्द सिंह, सक्षम स्रधिकारी, सहायक द्यायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) स्रजैन रेंज स्नमृतसर।

नारीख: 15-1-81

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज अमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 15 जनवरी 1981

निवेश मं० ए० एम० ग्राप्त / 80-81/352--यतः मुझे ग्रानन्द सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपित्त जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्सियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सृविधा के लिए;

अत. अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनूसरण में, को, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात :--- 1. ग्रमृतसर इम्प्र्यमेंट ट्रस्ट ग्रमृतसर।

(भ्रन्तरक)

2. राय मिंह व इन्द्र भ्रौर वासी कोट बाबा दीप सिंह तखार नं० 4, श्रमृतसर।

(भ्रन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 श्रीर कोई किरायेदार। (वह ब्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पक्ति है)

4 ग्रौर कोई।

(त्रह व्यक्ति, जिनके वारे में अबोहस्नाक्षरी जानना है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा:
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहों अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

एक प्लाट 641.31 वर्ग मीटर है नं० 263-ए ईस्ट मोहन नगर श्रमृतसर में जैसा कि सेल डीड नं० 478/1 दिनांक 12-5-80 रजिस्ट्री श्रधिकारी श्रमृतसर में दर्ज है।

श्रानन्द सिंह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक स्नााकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज स्रमृतसर ।

धिनांक 15-1-81 मोहर: अरूप कार्ड, टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष(1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज ग्रमृतसर

भ्रमृतसर, दिनांक 16 जनवरी 1981

निदेश मं० ए० एस० ग्रार०/80-81/353—-यतः मुझे श्रानन्द सिंह,

भायकर श्रिधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० में प्रधिक है

का 16) के अधीन, दिनांक मई 1980, की पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उमके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से घिषक है और अन्तरफ (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किवत नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी माय की बाबत उक्त पिधिनियम के घंधीन कर देने के मन्तरक के दायिख में कमी करने या उससे बजने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्राय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) ह प्रयोजनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया मया था या हिंदा जाना चाहिए था खिमाने में सुनिधा के लिए;

भतः, अत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखिन अयक्तियों श्रवीत् !--  श्री हरजीत सिंह पुत्र चैन सिंह वासी सरवाली तहसील बटाला।

(धन्तरक)

 श्री देश सिंह पुत्र शाम सिंह सरवाली तहसील बटाला।

(ग्रन्तरिती)

जैसा कि सं० 2 श्रीर कोई किरायेदार।
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. और कोई

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधीहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)

को यह सूचना कारी करके पूर्वोकत सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यकाहियां करता हूं।

<del>छन्</del>त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कीई भी आ**बे**प :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी का से 45 किन की ध्विष्ठ या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामी का से 30 दिन की धविष्ठ, जो भी धविष्ठ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा; या
- (क) इस सूचना ने राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वब्हीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्दों का, ओ उनत प्रविनियम के सम्याय 20 के में यथापरिभाषित हैं, बही भर्य होगा, जो उस भ्रध्याय में दिया गया है।

## **भनुसूची**

कृषि भूमि 21 के० सरवाली में जैसा कि सेलडीड नं० 946 श्रोर दिनांक 15-5-80 रजिस्ट्री ग्रधिकारी बटाला में दर्ज है।

> भ्रानन्द सिह, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज श्रम्तसर।

तारीख: 16 जनवरी 1981

प्ररूप आइ . टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज श्रमृतसर

म्रमृतसर दिनांक 16 जनवरी 1981

निर्देश मं०ए० एस० श्रार०/8 0-8 1/354:— यतः मुझे श्रानन्द सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी स० कृषि भूमि है तथा जो....... .....में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के वार्यालय गाला में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1980 का 16) के श्रीधान, दिनांक मई 1980

को पूर्वों क्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नितिसित उस्वेंस्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त- विक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों का, जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की, अनुसरण मे, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---  श्राहरजात सिंह पुत्र चैन सिंह बामो माखार्ला तहसील बटाला ।

(भ्रन्तरक)

2. श्रो ग्रामरीक सिंह पुत्र देवा मिह माखाली तहसील बटाला ।

(श्रन्तरिर्तः)

3. जमा कि नैं० 2 श्रीर कोई किरायेदार (वह व्यक्ति, जिनके श्रिधभोग में सप्पत्ति है)

4. ग्रौर कोई

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में भ्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यकाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (सं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकों गे।

स्वक्तोकस्वः -- इसको प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थहोगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अम् सुमी

स्रुषि भूमि 21 करनास गांव साख्याली में जैसा कि सैल डीड नं 945 दिनांक 15-5-80 रिजस्ट्री मिधिकारी घटाला में वर्ज हैं।

> ग्रानन्द सिंह, सक्षम प्रधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, ग्रमुप्तसर

तारीख: 16-1-8।

प्ररूप आई .टी .एन .एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, श्रमृतसर

ग्रमृतसर, दिनांक 16 जनवरी 1981

निदेस सं० ए० एम० श्रार०/8 0-8 1/355—यत. मुझे, श्रानन्द सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात 'उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रा. से अधिक है

स्रोर जिसकी कृषि भूमि है तथा जो...... मे स्थित है (स्रोर इससे उपाबद्ध प्रनुसूर्च, मे ग्रांर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिन्स्ट्रेकर्ता श्रिधकारं के कार्यरूप बटाला मे रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक मई, 1980

को पूर्वों कत संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वों कत संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नितिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी अरने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निसित व्यक्तियों अधीतः--

1. श्रो हरजात सिंह पुत्र जैन सिंह वासा सरवाती तहसील बटाला।

(अन्तरक)

 श्रा गुरबचन सिंह पुत्र देवा सिंह वासः सरवार्णः तहसील बटाला।

(ग्रन्तरिसी)

- 3. जैसा कि सं० 2 और कोई किरायेदार (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)।
- 4. भ्रौर कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में भ्रधोहस्ताक्षर जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पृवर्षिकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### भ्रनुसूची

कृषि भूमि 21 के० सावाली में जैसाकि सेल डीड नं० 947 दिनांक 15 मर्ड, 1980 रिजस्ट्री श्रिधिकारी बटाला में दर्ज है।

> श्रानन्द मिह सक्षम श्रीधकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्णन रेंज, अमृतसर

नारीख: 16 जनवरी 1981

मोहर -

प्ररूप नाइं. टी. एन. एस.----

अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, अमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 15 जनवरी 1981

निर्देश सं० ए० एस० आर०/8 0-8 1/356--यतः, मुझे, आनन्द सिंह,

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य~25,000/- र. से अधिक है

को पूर्वाक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान पितफल के किए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्मिलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक कप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करें, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों अधीत् :-11—476GI/80

 श्राः हर गोनाल मिह पुत्र सिगराम, वासी बटाला श्राहलुवालिया श्रमुससर।

(भ्रन्तरक)

2 श्री बलदेव राज श्रीर योग राज पुत्र शाम दार्भ, वासी मकान नं० 248/111-28 गली नं० 2 बाग रामा नन्द श्रमुतसर।

(अन्तरिर्ताः)

3 जैसा कि सं० 2 श्रीर कोई किरायेदार बर्ध्याम सिंह एण्ड सन्ज किणन कुमार बहुल रचकीर सरन योगराज मदन लाल।

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4 श्रीर कोई

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप .--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी न्याजितयों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यादा;
- (य) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हित- बर्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पाम निश्चित में किए जा सकरो।

स्पछिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

### मन्त्र वी

1/2 हिस्सा में दुकान जिसका नं० 1392/II-32 कटरा ग्रहनुवालिया में जैसा कि सेल कीड नं० 395/1 दिनांक 6-5-80 रजिस्ट्री श्रधिकारी श्रमृतसर में वर्ज है।

> श्रानन्द सिंह् सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, भ्रमृतसर

तारीख: 15-1-81

## प्रकृप बाई•टी•एन•एस•---

भायंकर अधिनियन, 1961 (1961 का 43) की धारा 26इ-व (1) के सधीन सूचना

## पारंत धरकार

## कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, श्रमृतसर

श्रम्तसर, दिनांक 15 जनवरी 1981

निर्देश सं० ए एस आर/80-81/357—यत , मुझे, श्रानन्द सिंह,

आयकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 289-ख के ग्रंधीन संतम प्राधिकारी की यह विस्वास करने का कारण है कि स्वाबर सम्पत्ति, जिसका डिजित बाजार मूल्य 25,000/- देन संग्रिक है

मूल्य 25,000/- द० से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० एक प्रापर्टी है तथा जो ' ' ' मे

स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची मे श्रीर पूर्ण क्प से वर्णित है),
रिजस्ट्रीकर्ना श्रिकारी के कार्यालय श्रमृतसर मे रिजस्ट्रीकरण
श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख मई 80
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
श्रितिक के लिए मन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यचापूर्वोक्त सम्पत्ति का उबित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान श्रितक मे, ऐसे दृश्यमान
श्रितक का पन्द्रह श्रितक भिष्क है भौर प्रन्तरक
(मन्तरकों) भौर धन्तरिती (भन्तरितयो) के बीच ऐसे
बन्तरण के लिए तय पाया वैयो श्रितक , निम्नलिखित
जहेश्य से उक्त धन्तरण निखित में वास्तविक कप से किवत
नहीं किया वया है।---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत, उवत अधिनियम के अधीन कर देने को अक्तरक के दायिक में कमी करने या चससे बचने में सुविधा के निय; और/या
- (ख) ऐसी किसी आयं मैं किसी धन या बन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तं अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए चा, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतै: अंब, उर्वेतं मिनियम की धारा 269-ग के मनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-थ की खपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---  श्री तिलकराज पुत्र श्रीराम, वासी कटरा ग्रालूवालिया ग्रमुतसर।

(भ्रन्तरक)

2. श्री बलदेव राज श्रीरं योगराज पूर्व शाम दास एच० नं० 2418/111-28 गली नं० 2 बाग गया नन्द श्रमृतसर।

(ग्रन्तरिती)

 श्रो बखाशीश सिंह व सन्त किशन कुमार बहल रधकीर-सरण योग राज, मदन लालं

(वह ब्यॅक्ति, जिसके ब्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4 श्रीर कोई (बह व्यक्ति, जिनके बारे मे श्रघोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हित**बद्ध है**)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीका सम्पत्ति के अंजैन के लिए कार्यकाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सेबंध में कीई भी आंश्रीप :--

- (क) इस सूचना के राज्यक में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवीध या तस्संबंधी क्यक्तियों पेर मूचना की तामील मे 30 दिन की अविधि, जी भी प्रविध बाद में समाप्त होती ही, के भीतेप पूर्वाक्त क्यक्तियों में से कियी क्यक्ति उत्राः;
- (कां) इस सूचना के राजपन्न में प्रकासन की तारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबर्ख किंसी अन्य क्यें किंत द्वारा, ब्राधोहस्ताकारी के पाम लिखित में किये जा सकेंगे।

ह्वष्टीकरणं :--इसमें प्रयुक्त शब्धों और पदों का, जो 'स्कित ध्रमित्रम' के घंड्योंये 20-कं में परिचाधित है, बही सर्व होगा जो उसे बद्ध्योर्थ में दिया गया है।

## अनुसूची

1/3 हिस्सा पक्की दुकाने नं० 1392/11-32 कटरा स्नाल्-वालिया में जैसा कि सेल डीड नं० 396/1 दिनांक 6-5-80 रजिस्ट्री अधिकारी स्नमृतसर में दर्ज है।

> भ्रानन्द सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेज, भ्रमृतकर

तारींखं: 15-1-1981

प्रकल भाई। टी० एन० एस०---

भायकर भविनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा 269-म (1) के भवीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहाग्रक भायकर भायूक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, भानतसर

श्रमृतसर, दिनांक 15 जनवरी 1981

निदेश सं ० ए एस मार/80-81/358—यतः, मुझे, मातन्द सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्त अधिनियम' कहा नया है), की धारा 260-आ के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्वाबर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० एक प्रापेटी है तथा ''''ं में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विजित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय भ्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, सारीख मई 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उजित बाजार मूह्य से कम के बूज्यमान प्रतिफल के लिए घन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का इचिन बाजार मूह्य, उसके दृश्यमान प्रतिफन से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्छह प्रतिकात से धिक है और घन्तरक (बन्तरकों) और बन्तरिती (धन्तरितियो) के बीच ऐसे घन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिश्तत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक इप के खिला कहीं किया स्था है। ---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में प्रुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिम्हें भारतीय श्रायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए।

प्रतः अव। उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभ्रीत, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---  श्री किशन चन्द पुत्र सिरी राम वासी कटरा ब्राल्वालिया श्रम्तसर।

(भ्रन्तरक)

- 2. श्री बलदेव राज, योग राज पुत्र शाम दास एच० न० 2418/11-28 गली नं० 2 बाग गाया नन्द। अमृतसर (श्रन्तिरिती)
- 3. बखशीश सिंह, सन्त कृशन कुमार बहल रधवीर सरन योग राज मवन लाल।

(बह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4. और कोई

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह मम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह प्या जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्थन के सिए कार्यवाहियों करता है।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजात्र में प्रकाशन की तारी का से 45 विन की अविधि या हास्सर्वकी व्यक्तियों पर सूचना की द्वामी के 30 जिन की प्रविध्न, को भी प्रविध्न काद में सम्माप्त होती हो के भीतर पूर्वों का क्यकितयों में से किसी क्यकित बारा;
- (मा) इस सुचना के राज्ञप्रज्ञ में प्रक्राणन की तारीख से 45 दित के की ज़र फ़रत स्थाकर सम्पत्ति में हितबद किसी जन्म व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकतें।

स्प्रकाशिक्षरफा .= - इसमें प्रयुक्त मक्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अधाय ८०-क में परिभाषित है, वहीं पर्य होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

### मन्स्वी

1/3 हिस्सा पक्की दुकानें नं०  $1\,39\,2/11$ - $3\,2$  कटरा प्रालूबालिया में जैसा कि सेल डीड नं०  $3\,9\,7/I$  दिनांक 6-5- $8\,0$  जिस्ट्री ग्रधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

ग्रानन्द सिह् सक्षम प्राधिकारी स**हायक भा**यकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज, ग्रमृतसर

तारीख: 15-1-81

## प्रकप भाई० टी० एन० एस०--

# भायकर मिन्नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के भिन्नीत सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

भ्रमृतसर, दिनांक 7 जनवरी 1981

निदेश सं०ए एस आर/80-81/359—यत:, मुझे, आनन्द सिंह आय कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (निसे इसमें इसके पश्चान् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रजीत सक्षत प्राधिका है की 15 विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्मति जिसका ताचित वाजार मूल्य 25,000/- इपये के प्रशिक्ष है

श्रीर जिसकी सं० एक प्लाट है तथा जो में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मई 1980

को पूर्वोक्त संपर्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उव्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) धन्तरण से हुई किसी ब्राय की बाबत उक्त प्रधि-नियम के ब्राधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्य में कमी करन या उससे बचने में सुविधा के निए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी िहनी प्राय या किनी घा ना प्रन्य प्रास्तियों का जिन्हें भारतीय प्राय कर घिष्ठित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधितियम का धनकर प्रधि-तियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाता जाहिए या, छिपाने में मुविधा के लिए;

श्रतः, श्रन, उदन ग्रधिनियम की घारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की घारा 269-म की उपघारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, मचौत:—  श्री प्यारा लाल श्रोंकार नाथ पुत्र गुज्जरमल कटरा चरण सिंह, श्रमृतसर।

(ग्रन्तरक)

 श्री इन्द्रजीत सिंह पुत्र सारूप सिंह वासी लारेंस रोड, ग्रम्तसर।

(भ्रन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है और कोई किरायेदार।

(बह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4. ग्रौर कोई (यह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि यह सम्पत्ति में हिशबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

**एक्त सम्पत्ति के भाजन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:--**-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामी न से 30 दिन की श्रविध जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रशायन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हिसबद किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वच्छोकर गः --- इसमें प्रयुक्त कक्तों भीर पदों का जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-ह में परिभाषित हैं, वही धर्य होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### **भनुसूची**

एक प्लाट 252 वर्ग गज चन्द्रपुरी टेलर रोड म, जैसा कि सेल डीड नं० 611/1 विनांक 27-5-80 रजिस्ट्री प्रधिकारी अमृतसर म दर्ज है।

धानन्द सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक घ्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) घर्जन रेंज, घ्रमृतसर।

तारीख: 7-1-81

प्ररूप आहूर.टी.एन.एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुधना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, श्रमुतसर

म्रामृतसर, दिनांक 7 जनवरी 1981

निदेश सं० ए एस भ्रार/80-81/360---यतः, मुझे, भ्रानन्द सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रा. से अधिक है

जिसको मं० एक प्लाट है तथा जो....... में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अन् रूर्च में ग्रींर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीवर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय श्रमृतसर में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मई 1980

को पूर्वांक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बस्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित को गई है और मूम्से यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उव्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अबः, उक्तः अधिनियमं की धारा 269-गं के, अनुसरण में, में, उक्तः अधिनियमं की धारा 269-घं की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः--

- 1. श्री प्यारा लाल पुत्र गुज्जर मल घ्रीकार नाथ गुज्जर मल राधा रानी राही प्यारा लाल पुत्र गुजरमल वासी टेलर रोड, अभृतसर। (ध्रन्तरफ)
- 2. श्रीमती गुरजीत कौर पत्नी इन्द्रजीत सिंह वासी सारेंस रोड, श्रमृतसर (श्रन्तरिती)
- जैसा कि नं० 2 और कोई किरायेदार (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. और कोई
  (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थहोगाओं उस अध्याय में विया गया है।

### वनुसूची

एक प्लाट 252 वर्ग गज चन्द्रपूरी, टेलर रोखपर जैसा कि सेन डोड नं 577/1 दिनांक 23-5-80 रजिस्ट्री श्रिधिकारी श्रमृतसर में दर्ज है।

श्चानन्द सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्चायुवत (निरीक्षण) श्चर्णन रेंज, श्चमृतसर

तारीखा: 7-1-81

प्ररूप आई. टी. एन. एस.---

क्रियकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजन रेंज श्रमृतसर अमृतसर, दिनौंक 15 जनवरी 1981

निदेश सं॰ एएसआर/80-81/361—यतः, मुझे आनिन्द सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित नाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

भीर जिसकी सं० एक प्लाट है तथा जो......में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्रा अधिकारों के कार्यालय अमृतसर में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1980

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बील एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिक्ष्क निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक हम से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अभि-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविभा के लिए; और/वा
- (ख) एसी किसी अय या किसी भन या सक्य आस्तियों कारे, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारां (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियाँ अर्थात्:——

- श्री जितन्द्र कुमार दिवन्द्र कुमार उर्फ रिवन्द्र कुमार पुत्र राज पाल कोपर रोड़ ग्रमृतसर। (श्रन्तरक)
- श्री विजय कुमार पुत्र किशन कुमार निवासी जसमल बिल्डिंग लारेंस रीड, धमृतसर।

(भ्रन्तरिती)

- 3. जैसाकि विलेख 2 मे श्रीर किरायेदार (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. भीर कोई

(बह क्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कार्क्ड भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्याराः
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- धव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्कब्दोकरमाः — स्वसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो ज़क्त अधिनियम के अध्याय 20 - क्र में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### अनसकी

1/4 हिस्सा प्लाट खाता 2036 वर्ग गज जवाहर नगर जैसाकि सेल डीडनं० 1786 दिनांक 9-5-80 रजिस्ट्रीकृत श्रधि-कारी अमृतसर में दर्ज है।

> ग्रानन्द सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज ग्रमृतसर

तारीख: 15-1-81

## प्रका भाई। ही। ऐसं। एस।

अन्यकर अधिनियम, 1961 (1931 का 43) की घारा 269-घ (1) के अधीन पूचना

#### पारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, श्रम्तसर

श्रमृतसर, दिनांक 15 जनवरी 1981 निर्देश सं० एएसश्रार, 80-81, 362--यतः मुझे, श्रानन्द सिंह

अगवकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की छारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका छिनत बाजार मूह्यं 25000/- द० से अधिक है

जिसकी सं० एक प्लाट है तथा जो............में स्थित है (भौर इससे उपावद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अभृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान श्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का अचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रसिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक इप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी खाय की बाबत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी फरभे या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी जन मा पर्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय धायकर मिन्नियम, 1922 (1922 का 11) या उपत मिनियम, या धन-कर मिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्षे द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अति धन, उस्त विधिनियमं की धारा 269-ग के मनुसरण में, मैं, इंबेर्त अधिनियम की धारों 269-च की उपघारा (1) के अधी क, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :---  श्रो जितन्द्र कुमार श्रीर दिवन्द्र कुमार उर्फ रिवन्द्र कुमार पुत्र राज पाल कपूर रोड़ श्रमृक्षसर।

(श्रन्तरक)

 सुजीला देवी पत्नी प्रशोक कुमार जसमल बिल्डिंग बटाला रोड़ प्रमृतसर।

(भ्रन्तरिती)

- 3. जैसा कि नं० 2 श्रीर कोई किरायेदार
  - (बह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पात्त है) ई (बहव्यक्ति जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी
- 4. ग्रौर कोई (बह व्यक्ति जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हित**वह है**)

कीं यह सूर्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

उरत सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप । 🛶

- (क) इस सूत्रता के राजपत्त में प्रकाशन को वारी ख से 4.8 दिन की धविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीं क से 30 दिन की धविध, जो भी अवधि बंदि में समाप्त होती हो, के धींतर पूर्विक्त ब्यंक्तियों में से किसी व्यक्ति दोरा:
- (ख) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीखं से 45 दिन के भीतर उन्तें स्थावर सम्पंति में हितबड़ा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वध्दोकरण: ---इसम प्रयुक्त गन्दों और पदों का, जो ज्यत अधिनियम के मध्याय 20-क में यथा-परिभाषित है, वही अर्थ होगा, को उस अध्याय में विया गया है।

#### अनुसूची

1/4 हिस्सा प्लाट रकबा 2036 वर्ग गज जवाहर नगर बटाला रोड़ जैसाकि सेल छीड नं० 1785 दिनांक 29-5-80 रजिस्ट्री भ्रधिकारी भ्रमृतसर में दर्ज है।

ग्रानन्द सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर

तारीर्ख: 15-1-81

प्ररूप आहु ० टी ८ एन० एस० -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुधना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 15 जनवरी 1981

निर्देश सं० ए-एस-भार/80-81/363---यतः मुझे, मानन्द सिंह

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- क अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० एक प्लाट है तथा जो ...... में स्थित हैं (स्रोर इससे उपाबस अनुसूची में स्रोर पूर्ण इप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय ग्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन तारीख मई 1980

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृल्य, उसके रहयमान प्रतिफल में, एसे रहयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; औऱ्/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपन अधिनियम, या धर-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के तिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-गृ के अनुसूरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों अधीत:—-  श्री जितन्द्र कुमार, दिवन्द्र कुमार उरफ रिवन्द्र कुमार पुत्र राजपाल कृष्ण रोइ, ग्रम्तसर।

(ग्रन्तरक)

- यशोक कुमार पुत्र किशन कुमार वासी जसनल बिल्डिंग लारेन्स रोड, अमृतसर। (अन्तरिती)
- जैसा कि उपर सं० 2 में ग्रीर कोई किरावेदार (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. और कोई (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्परित को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त श्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की वारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा भी उस अध्याय में दिया गया है।

## **प्रनुस्**ची

1/4 हिस्सा एक प्लाट रकवा 2036 वर्ग गज जवाहर नगर बटाला रोड़ श्रमृतसर जैसा कि सेलडीड नं 1784/दिनांक 9 मई 1980 रजिस्ट्री अधिकारी श्रमृतसर में दर्ज है।

> म्रानन्द सिंह सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, आनन्दपुरी टेलर, भ्रमृतसर

तारीख: 15-1-81

## प्ररूप आई॰ टी॰ एन॰ एस•~

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आग 269 घ(1) के प्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यानय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर

स्रमृतसर, दिनांक 15 जनवरी 1981 निर्देश सं० एएसम्रार/80-81/364—यतः, मृझे, म्रानग्द सिंह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्चात् 'उन्त मिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास

करने का कारण है कि स्थावर मम्पत्ति, जिसका उचित

ग्रप्रैल 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार सूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उमके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पम्द्रह प्रतिश्वत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविष्ठ रूप से कथित नहीं किया गयः है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त शक्षिनयम, के अधान कर देने के अन्तरक के धायित्व में कमी करने या उसने वक्त में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन मा अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 / 1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त भिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 12—476GI/80

- शी जितन्द्र कुमार और दिवन्द्र कुमार उर्फ रिवन्द्र कुमार पुत्र राज पाल वासी कपूर रोड़ ग्रमृतसर। (ग्रन्तरक)
- श्रीमती विजय कुमार वासी जनमल विविद्य नारेंस रोड, श्रमृतसर।

(अन्तिन्ती)

- 3 जैसा कि नं० 2 और कोई किरायेदार (वह ब्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- । और कोई

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए रार्यवाहियाँ करना है।

उक्त वस्पत्ति के अर्जन के मंबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीक से 45 विन को भविध या तत्में बी व्यक्तियों पर एचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के पितर प्रवेक्त व्यक्तियों में ने किया ज्यक्ति हारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मम्पिल
  में हितबढ़ किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताकरी के पास निखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण --इसर् प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो डक्त अधि-नियम के अध्याप 20-क यें परिभाषित हैं वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ै।

#### ग्रनमुची

1/4 हिस्सा एक प्लाट 2036 वर्ग गज में, जवाहर नगर बटाला रोड़ श्रमृतसर सेलडीड नं० 1783 दिनांक 29 मई 1980 रजिस्ट्री श्रधिकारी श्रमृतसर में दर्ज है।

श्रानन्द सिह् सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, श्रानन्दपुरी टेलर रोड, ग्रमतसर

तारीख: 15-1-81

प्ररूप आई. टी.एन एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्वत (निरीक्षण) श्रजंन रेंज, ग्रमृतसर

ग्रम्तस्र, दिनांक 15 जनवरी 1981

निर्देश मं० एएसग्रार/80-81/365—यतः, मुझे, श्रानन्द मिह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स्व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/ रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० एक भूमि का प्लाट है तथा जो कि भराडीबाल श्रमृतसर में प्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय श्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख मई 1980

कां पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफो यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकन अधिनियम, एा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम को भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम को भारा 269-घ को उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

 श्री वरिन्द्रदीप सिंह तिजन्द्र दीप सिंह पुत्रान ग्रजी ते सिंह निवासी भराड़ीवाल, श्रमतसर।

(ग्रन्तर्क)

- त्रलोक सिंह पुत्र गुरबचन सिंह ग्रीर प्रमजीत सिं, ह पुतान गुरबचन सिंह वासी घुमयारा लाला, चौक चबूतरा, ग्रमृतसर। (अन्तरिती)
  - जैसा कि उपर सं० 2 में यदि और कोई किरायेदार हो।
     (बह व्यक्ति, जिसके श्रिक्षभोग में सम्पत्ति है)
- 4. यदि श्रीर कोई व्यक्ति इस जायदाद में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में शधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबंड है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वा क्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर
  सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी
  अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

एक भूमि का प्लाट क्षेत्रफल 467 वर्ग मी० है जो कि भराड़ीवाल, ग्रमृतसर में स्थित है जो कि सेलडीड नं 941/ 5-5-80 ग्राफ रजिस्ट्री ग्रधिकारी ग्रमृतसर के कार्यालय में दर्ज है।

> श्रानन्द सिंह राक्षम प्राधिकारी महासक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोंज, चन्द्रप्री टेलर रोड, श्रम्तसर

तारीख: 15-1-1981 मोहर: प्ररूप आई.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, भ्रमृतसर

श्रम्तसर, दिनाक 15 जनवरी 1981

निर्देण सं० एएसग्रार/80-81/366~-यत , मुझे, प्रानन्द सिंह, ग्राई० ग्रार० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के जबीन सक्तम प्राधिकारी का यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी स० भृमि का प्लाट है तथा जो कि भराड़ीबाल, श्रमृतसर में स्थित हैं (ग्रॉर इससे उपाबद श्रनुसूची में ग्रॉर पूर्ण रूप में वणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के वार्यालय श्रमृतसर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिन्यम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख मई 1980

करे पूर्वोक्त संपरित के उधित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण हो कि यजापूर्वो की गिरित का जीवत बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक हो और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती अन्तरितों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल का निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक हुए से किश्वत नहीं किया गया है.--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण मो, मो, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः—

- अी विरन्द दी मिह ग्रांग तिजन्द दीम सिह पुत्रान ग्रजीत सिह निवासी भराड़ी वाल, ग्रमृतसर। (ग्रन्तरक)
- अधि स्रमरीक सिंह पुत्र पत्न सिंह प्रौर प्रीतम सिंह पुत्र बेला सिंह बाजार धुमि स्रमतसर।
- 3 जैसा कि उपर स० 2 में यदि और कोई किरायेदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4 यदि स्रोर कोई व्यक्ति इस जायदाद में रुची रुखता हो तो । (वह व्यक्ति, जिनके बारे में स्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करक पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूत्रना के राजपत्त मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमे प्रयुक्त गढदों भीर पदों का, जो उक्त श्रधि-नियम के श्रध्याय 20-क मे परिभाषित है, ंती गर्गे गगा जो उस ग्रस्याय में दिया गरा है।

### ग्रनुसूची

एक भूमि का प्ताट क्षेत्रफल 467 वर्ग मी० है जो कि भराडीवाल सभृतसर में स्थित है जैमा कि सेलडीड न० 940/ दिनाक 5 मई 1980 ग्राफ रजिस्ट्री अधिकारी श्रमृतरार में दर्ज है।

> श्रानन्द सिह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-3, चन्द्रपुरी टेलर रोड, श्रमृतसर

तारीख 15-1-81 मोहर: प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०-----

आ ४ कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यानय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, अमृतसर

दिनांक 15 जनवरी 1981

निर्देश सं० ए० एस० ग्रार०/80-81/378--यतः मुझे ग्रानन्द सिह प्रायकर बोर्बानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसक वश्वान् 'उका प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- इ क अवान तक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने कारम है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित 25,000/- रुपए स श्रधिक है बाजार मल्य स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय ग्रमृतसर में रजिस्ट्री-करण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख मई 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यनान प्रतिफन के निए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वार करने हा हारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का अंवन बाजार नृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल है और मन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के निर्मा का गाम प्रतिफन निम्नतिश्वित अन्तरित निर्मा का प्रतिफन निम्नतिश्वित अन्तरित निर्मा का प्रतिफन निम्नतिश्वित अन्तरित का में हिंदा में बाम्नवित का में हिंदा निर्मा का किया गा है:—

- (क) अन्तरण न हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसे किनो प्राय या किना धन या ग्रन्थ श्रास्तयों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त श्रधिनियम, या यन कर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मुविधा के लिए;

मतः, भव, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के अनु-मरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन जिम्लिखित ब्यक्तियों, ग्रथीत् :-- 1. श्री सुदर्शन कुमार अग्रवाल पुत्र इन्द्र कुमार अग्रवाल विपन कुमार अग्रवाल पुत्र विशवानाथ अग्रवाल वासी बाजार लछमनसर अमृतसर।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती दर्शन कौर पत्नी दलीप सिंह वासी ढाब बस्ती राम बाजार हरनामो शाह गली नं० 2 ग्रमृतसर।

(अन्तरिती)

- 3. जैसा कि सं० नं० 2 ग्रौर कोई किरायेदार। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सर्म्पात्त है)
- 4. ग्रौर कोई है

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में स्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

ा ग्रह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया घरना हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन क सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाय लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टोकरण:→-उपमें प्रपुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त यधि-नियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

एक प्रापर्टी नं० 169,170 पुराना न० 7665 नया रकबा 476 वर्ग गज, कटरा महना सिह तरन तारन रोड ग्रमृतसर जैसाकि सेल डीड नं० 537/I दिनांक 21-5-80 रिजस्ट्री ग्रधिकारी ग्रमृतसर में दर्ज है।

म्रानन्द सिंह सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर

तारीख: 15-1-81

ारूप जार्च : टी : एन : एम : ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजंन रेज ग्रमृतरार

श्रमृतसर, दिनाक 15 जनवरी 1981

निर्देश सं० ए० एस० ग्राप्र०/८० ८१/३७७—यनः मुझे ज्ञानन्द सिह

आयकर र्राशिनयभ, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अचित वाजार मृल्य 25,000/रु से अधिक है

का' पूबाकत सर्पास्त के उचित वाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफात के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वों कत संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसं दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसं अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निंगिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक स्प से अधित नहीं किया गया है .——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मे कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (म) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---  चैयरमैन इम्प्रूबमैंट ट्रस्ट ग्रमृतसर राही, प्रकाण सिह मुखनार ग्राम ट्रस्ट मजकुर।

(भ्रन्तरक)

- 2 श्री सतीण कुमार पुत्र मत पाल वासी बान रामानन्द श्रमृतसर। (श्रन्तरिनी)
- यार कोई जैसाकि सं० 2 श्रीर कोई किरायेदार (वह व्यक्ति, जिसके श्रीधभाग में राम्पत्ति हैं)
- 1. ग्रार काई

(वह श्रावित, जिनके बारे में श्रश्वोहस्ताक्षरी जानता ह कि वह सम्पत्ति में हितबड़ है)

का यह भूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उरत समाध्य ६ अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की क्षारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिया पर गूचना की क्षामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पित्त में हितबद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिनित मा किए जा सकोगे।

स्पष्टीकरण.—-इसमो प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मो परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अभूस्ची

एक प्लाट नं० 232 रक्षबा 287 वर्ग गज बसन्त श्र**ध**न्यू अमृतसर में जैसांकि मेल डीड नं०  $560/\mathrm{I}$  दिनांक 22-5-1980 रजिस्टी अधिकारी श्रमतसर में दर्ज है।

ग्रानन्द सिंह सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज श्रमृतसर

तारीख: 15-1-81

माहर:

प्ररूप माई० टी० (न० एत० ---

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के प्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यासयः महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज श्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 15 जनवरी 1981

निर्देश सं० ए० एस० ग्रार/80-81/376--- यतः मुझे ग्रानन्द सिंह आयकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके परवात् 'उक्त ग्रिबिनियम' कहा गया है), को घारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका मूस्य 25,000/- रूपये से बाजार ग्रधिक श्रीर जिसकी सं० एक प्लाट है तथा जो.......मे स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से र्वाणत है), राजिस्ट्रीकर्ता ग्राधिकारी के कार्यालय ग्रमृतसर मे रजिस्ट्रांकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के म्रधीन, तारीख मई 1980 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीका सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पण्डह प्रतिशत से अधिक है भीर धन्तरक (भ्रन्तरकों) मीर धन्तरिती (ग्रन्तरितियों), के वीच पेष्ठ भन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य स उदन भन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रस्तरण में हुई किसी भाष को बावन उबत श्रीध-नियम के भ्रधीत कर देने के भ्रम्तरण के दायित्व में कमी करने मा उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (क) एंमी किसी प्राय पर किसी धन या धन्य ब्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत ब्रिधिनियम, या धनकर प्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ब्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, सब, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-म के धनु-सरण में, में, उन्त धिवनियम की धारा 269-घ की उपचारा (1) अधीन निकालिन्दिनक्यनितयों, अर्थातः—

- श्री तितक राज पुत्र बाबू राम उर्फ बाऊराम वासी अमृतसर घर नं० 243 गोल मसजिद शरीफ पूरा श्रमृतसर। (अन्तरक)
- श्री राम लुभाया पुत्र मुलख राज वासी चीक पिसण्यां अमृतसर। (भ्रन्तरिती)
- जैसाकि नं० 2 श्रीर कोई किरायेदार।
   (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)
- 4. श्रीर कोई

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रघोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

का पह मुचना जारी करके पूर्वीका यमास्ति के <mark>प्रजॉन के</mark> लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उस्त मधानि इत्रात्त क्रास्त्रात्र में कोई भी शाक्षेप :---

- (क) इस भूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अप्रति या तासम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की अप्रधि, जो भी अप्रति याद में समात्त हीती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मुक्ता के राजपत में प्रकाशन की तारी का से 45 विन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितकद किनी प्रस्थ व्यक्ति द्वारा, घषोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकेंगे।

स्वर्धाकरण:--द्वन प्रयुग्न मन्दों भीर पतों का, जो उपत ध्रवि-नियम के धर्माय 20-क में परिभाषित हैं, बद्दी प्रथं होगा, त्री उस धरमाय में विया गया है।

#### अनुसूची

एक प्लाट 204.86 वर्ग गज गुरु नानक नगर बटाला रोड़ श्रमृतसर में जैसा कि सेल बीड नं० 349/I दिनांक 2-5-80 रजिस्ट्री श्रधिकारी श्रमृतसर मे दर्ज है।

श्चानन्द सिंह सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रज श्रमृतसर

तारीख: 15-1-81

प्रकप धार्दि ही • एन • एस • ---

आयक**र समिनियम, 1961 (१०) का 43) की** धारा **269-**म (1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज, ग्रम्तसर

श्रगतसर, दिनांक 15 जनवरी 1981

निर्देश सं० ए० एस० क्रार्/80-81//375—-यतः मुझे श्रानन्द सिंह.

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे तममें इसके पश्चान 'जक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम पाधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर प्रध्यनि जिसका उनित वाजार मुख्य 25,000/- मुख्य क्षिक है

स्रीर जिसकी सं० भूमि का ट्कडा है तथा जो...... . . में स्थित है (स्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में धौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय श्रमृतसर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, तारीख मई 1980

को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपित्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके छ्यमान प्रतिफल से, एसे छ्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथन नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उवत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 2<sup>-</sup>) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती च्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

हार: श्रव, प्रक्त श्रष्टिनियम को शारा 269-ग के श्रनमरण में, में, उक्त श्रष्टिनियम की धारां269-म की नपद्यारा (1) के खुडीन निक्नोक्षिल व्यक्तियों, अवृति:---

- फरम वर्मा इन्जीनियाया ०० इस्ट मोन्न नगर राही सरवजीत सिह पुत अतर सिह इस्ट गोलस नगर अमृतसर। (अन्तरक)
- 2 दया सिंह पुत्र सोहत सिंह वासी गांव तारागढ जिला प्रमृतसर। (ग्रनारिती)
- 3 जैसा कि सं० 2 श्रीर कोई किश्यदार (बह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
  - 4 स्रीर मोर्ड

(बह व्यक्ति, जिनके वारे में ग्रधोडस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्मत्ति में हिराबर है)

हो यह स्वतः जारो तरम पर्भरा मध्यति व राजे हे लिए कार्यवादियां करणा है।

उन्त सम्पत्ति कथार्जन सामग्रहा मं कांड भी भाक्षण .--

- (1) इस सूचना के राजधन में प्रयाणन की लाटीख ने 45 दिन की ब्रविध मा स्थापनक्षी व्यक्तियों में प्रवास की नामीन से 30 दिए की अविधि, लो भी मुख्या प्रवास में समाप्त होती हा ले सीतार प्रविका स्थानिसमों में मिक्सी ल्यानिस लाला
- (ख) इस स्वाना वि राजपन्न में प्रकाशन की उपिछ से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्रश्रे किसी ग्रस्त व्यक्ति द्वारा अधीरमणन्ती । पा विश्वित में पिए का सकते।

स्वड्डांकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दां ग्रीर वदी का, जो उनत श्रवि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, जक्का ग्रंथी क्षामा, जा उस ग्रव्धाव में दिया गया / ।

### इस्टर्डम्ब्र

एक प्लाट 210 वर्ग गज स्नाबादी इस्ट मोहन नगर मुलतान विंड अरबन जैसाकि सेल डीड नं० 353/J दिनोंक 2-5-80 रिजस्ट्री स्निधकारी समृतसर से टर्ज है।

> श्रानन्द्र सिह मक्षम श्रविकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, श्रमृतसर

तारीख: 15-1-81

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्याजय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण)
श्रजीन रेंज, श्रमृतसर
श्रमृतरार, दिनांक 15 जनवरी 1981

निदेण मं० एएसग्रार/80-81/374—यत मुझे, ग्रानन्द सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने वा जारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित प्राधिकार 25,000/रा. से अधिक है

और जिसकी मं० एक दूकात है तथा जो...... में स्थित है (ग्रीर इउसे उपावद्ध ग्रनसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्राधिकारी के कार्यालय ग्रास्त्रमर में रजिस्ट्रीकरण ग्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रादीन, तारीख मई 1980

को पूर्योंक्त संपर्तित के उचित बाजार मुख्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिषित उद्दर्भय से उकत अन्तरण निम्नलिषत में वार्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ग) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य ब्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः अव, अवत अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

- श्रीमती दुर्गी विधवा लाल सिंह बासी किला भंगण्यां हाल, रसेण नगर अमृतसर। (श्रांतरक)
- १ शोमती ममता छावडा पत्नी मदन लाल 128 णवित नगर अमृतसर। (अन्तरिती)
- जैसा कि सं० 2 श्रीर कोई किरायेदार (बहु व्यक्ति, जिसके श्रीधक्षोग में सम्पत्ति है)
- 4. भ्रीर कोई

(बह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहरताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुी अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

एक दुकान नं० 2 1/2 मंजिला 1175/6 श्रौर 1290/6 कनक मण्डी बाजार स्रमृतसर जैसा कि सेल डीड नं० 603/I दिनांक 27-5-1980 रजिस्ट्री स्रधिकारी श्रमृतसर में दर्ज है।

> श्चानन्द सिंह् सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोंज, 3 चन्द्रपूरी,टेलर रोड, श्रमृतसर

तारीख: 15-1-81

प्रकृष ग्राई॰ टी॰ एन॰ एस-----

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-च (1) के प्रधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, श्रम्तसर

श्रमृतसर, दिनांक 15 जनवरी 1981

निर्देश सं० एएसआर, 80-81,373—यतः मझे, श्रानन्द सिंह, आयकर प्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से प्रधिक है और जिसकी सं० दो दुकामें हैं तथा जो ...... में स्थित हैं (श्रीर इससे उपायद भ्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय श्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, मही 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृथ्यमान प्रतिफल के लिए अग्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का छचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पण्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अग्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित सहेश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त भाध-नियम के भ्रष्टीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बजने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी म्राय या किसी घन या मन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय म्रायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्त मधिनियम, या घन-कर मधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविद्या के लिए;

अतः धन, उक्त प्रधिनियम की द्वारा 269-ग के धनु-सरण में, में, एक्त धिवित्यम की धारा 269-म की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित म्पक्तियों, सर्चित:—— 13—476GI/80

- श्रीमती नरन्जन कौर पत्नी हीरा सिंह, सन्त सिंह पुत्र हीरा सिंह, सुरिन्त्र मोहन पुत्र सन्त सिंह बासी 149 शास्त्री नगर दसोंधा सिंह रोड ग्रमतसर। (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमती पूनम रानी पत्नी प्रेम प्रकाश वासी कटरा दुला गली नं० जटां, हाल बाजार भरभूजियां प्रमृतसर। (ग्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि सं० 2 श्रीर कोई किरायेदार (वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. श्रीर कोई /इस साविक जिल्लो साथे

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

## उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तल्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, ने भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्रारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी श्रन्य स्थक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वच्छीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों भौर वहाँ का, जो उक्त अधि-नियम के भाष्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं सर्थ होगा को उस मध्याय में दिया गया है।

## प्रनुसूची

दो बुकार्ने नं० 1493/8 और 392-93 पुराना और नं० 1635-36/111-15 किला भंगियां ग्रमृतसर में जैसा कि सेल डीड नं० 2111/1 दिनांक 7 मई 1980 रिजस्ट्री ग्रिश्वारी ग्रमृतसर में दर्ज है।

न्नानन्य सिह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बन्द्रीपुरी टेलर रोड, श्रमृतसर

सारीख: 15-1-1981

## भक्षण घाई • टी • एन • एस • — आयकर घिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269 च (1) के घधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, अमतसर

अमृतसर, दिनांक 15 जनवरी 1981

निर्देश सं० एएसम्रार् 80-81,372—यतः मुझे, म्रानन्द सिंह

प्रायकर भिवितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भिवित्यम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से भिविक है

भौर जिसकी सं० एक प्लाट है तथा जो........... में स्थित है (भौर इससे उपायक्ष अनुस्त्री में भौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रोकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 7 मई 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के पूर्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिश्वत से प्रिक्त है और प्रन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रति-फन निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कर कि पन्द्रही किया गया है :--

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी त्रिया की बाबत उक्त प्रधि-नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वायिक्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; प्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी घन या ग्रन्थ ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में मुविधा के लिए;

अतः, प्रव, छक्त प्रधिनियम की घारा 269-ग के धनुसरण में, में, छक्त प्रधिनियम की बारा 269-व की अपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अवित्:--  श्री प्रियो पाल सिंह पुत्र सोहत सिंह वासी सुलतानीविड तहसील ग्रमृतसर।

(ग्रन्तरक)

 श्री अजीत सिंह पुत्र हरबंस सिंह पन्डोरी राम सिंह तसील तरनतारन जिला अमृतसर।

(ग्रन्तरिती)

3. जैसा कि सं० 2 है श्रौर कोई किरायेदार

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4 श्रीर कोई

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रघोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हित**बद्ध है)** 

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के घर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की सर्वाझ या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सर्वाझ, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूबना के राजपत में प्रकातन की तारी करें 45 दिन के मीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में द्वितबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, अभोद्दताकरी के पास द्वि लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वक्तीकरण: --इसमें प्रयुक्त शक्तों भीर पदों का, जो उक्त प्रश्चितियम के ग्रध्याय 20-क में परिमाणित हैं, वहीं भर्ष होगा, जो उस ग्रध्याय में विया गया है।

## प्रनुसूची

एक प्वाट<sub>ा</sub>घर (307 वर्ग गज) गुरनाम नगर सुलतानी बिन्द ग्राबादी ग्रमृतसर में जैसा कि सेलडीड नं० 407/I दिनांक 7 मई 1980 रजिस्ट्री ग्रधिकारी श्रमृतसर में दर्ज है।

> श्रानन्द सिंह रें सक्षम श्रक्षिकारी सहायक ग्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, चन्द्रपूरी टेलर रोड, श्रमृतसर

तारीख: 15-1-1981

प्ररूप आहें.टी.एन्.एसं.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) को अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

ग्रमतसर, दिनांक 15 जनवरी 1981

निर्देश सं० एएसन्नार $_{1}80-81_{1}371$ —यतः मुझे द्यानन्द सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) '(जिसे इसमें इसके परजात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

धौर जिसकी सं० एक ध्लाट है तथा जो ............ में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्ध ग्राप्सूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय ग्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख मई 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुनिधा के किए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के बुधीन निम्नुतिष्ठित व्यक्तियों, बुधीन हिन्नु

 श्री प्रिथीपाल सिंह पुत्र सोहन सिंह वासी सुलतानविंड, तसील ग्रीर जिला श्रम्तसर।

(भ्रन्तरक)

2 श्री लाभ सिंह पुत्र प्रताप सिंह गांव गोलवर तहसील तरनतारन, जिला अमृतसर

(श्रन्तरिती)

3. जैसा कि सं० 2 श्रीर कोई किरायेदार (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिनोग में सम्पत्ति है)

ग्रीर कोई

(वह अयक्ति, जिनके बारे में श्रघोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवछ है)

का यह सूचना जारी करके पूर्वों कतु सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मस्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सुकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में प्रिभाषित, हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

### अनुसुची

एक प्लाट 307 वर्ग गज ग्रबाटी गुरनाम नगर सुलतानिवड ग्रबाटी ग्रमृतसर जैसाकि सेलडीड न० 406/I दिनांक 7, मई 1980 रिजिश्ट्री ग्रधिकारी ग्रमृतसर में दर्ज हैं।

> म्रानन्द सिह सक्षम म्रिधकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजैन रेंज, म्रमृतसर

तारी**ध**: 15-1-1981

## प्ररूप भाई० टी० एन०एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-मु (1) के अभीन सूच्या

#### भारतः सरकारु

# कार्यातय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्धिक्ष) धर्जन रेंज, अमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 15 जनवरी 1981 निदेश सं० एएसश्रार/80-81/370—यतः मुझे, श्रानन्द सिंह,

कायकर अधिनियुम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत विभिन्नम्' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम् प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/ रु० से अधिक हैं।

भौर जिसकी सं० एक प्लाट है तथा जो ......में स्थित है (श्रौर इससे उपावस अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1980

को पूर्वांकत संपित्त की उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं हैं और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांकत संपृत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्तियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल का निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तर्ण कि लिए तम पाया गया प्रतिकल कि निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तर्ण कि लिए तम पाया परिवक्त कप से कि शत् नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर बेने के अन्तरक के कायित्व में कभी करने या अससे बचने में सुनिया का निए; आर्रिया
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य आर्रितयों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः जब, जक्त अधिनियम की भारा 269-ए की, जनुसरण में मी, जक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपभारा (1) के जधीन निम्नुलिखित व्यक्तियों अभीतः-- अमृतसर इमप्रूवमेंट ट्रस्ट अमृतसर।

(भ्रन्तरक)

2. श्री राजिन्द्र सिंह, पुन्न वीर सिंह 294 इन्द्र मोहन नगर श्रमृतसर।

(भ्रन्तरिती)

3. जैसा कि सं० 2 ग्रीर कोई किरायेदार

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4 स्रौर कोई

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद है) को यह सूचना जारी करको पूर्वांक्त सम्पृत्ति के बुर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

## उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ह से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण्:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वृर्ध होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## मनसूची

एक प्लाट (1034.52 वर्ग गज) इन्द्र मोहन नगर में जैसोकि सेल डीड नं० 419/2 दिनांक 8 मर्ड 1980 रजिस्ट्री मधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

मानन्द सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर भायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रोंज, 3 चन्द्रपुरी टेलर रोड, ममृतसर

तारीख: 15-1-1981

प्रकप भाई० टी० एन० एस०-

आयकर श्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 289-च (1) के श्रवीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, धमृतसर

भ्रमृतसर, दिनांक 15 जनवरी 1981

निवेश सं० एएसम्रार/80-81/369—यतः मुझे, म्रानन्द सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थायर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं।

श्रीर जिसकी सं० एक प्लाट है तथा जो .........................में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के वृष्णमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का छिचत बाजार मूस्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित छहेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित महीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त ग्राधि-नियम के ग्राधीन कर देने के श्रग्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के जिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी ध्राय या किसी धन या ध्रन्य ध्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ध्रायकर ध्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ध्रिधिनियम, सा धनकर ध्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रत:, ग्रब, उक्त भ्रिषिनियम की धारा 269-ग के ग्रनु-सरण में, मैं, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित म्यक्तियों, ग्रपीत्:—  श्री सोहन सिंह पुत्र मंडा सिंह वासी कटरा करम सिंह बाजार धमृतसर।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीविजय कुमार खुराना पुत्र हरबन्स लाल, तरन तारन रोड, अमृतसर।

(अन्सरिती)

3. जैसा कि सं० 2 भीर कोई किरायेदार (यह स्थानिक, जिसके समिक्ष्योग में सम्पत्ति है)

4. भीर कोई

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रघोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्मन के लिख्न कार्यवाहियां करता हूं.।

उस्त सम्पत्ति के प्रजेंन के सम्बन्त में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजमल में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अविकास का कर्यक्रियों क्या स्वाप्त की तामीका से 30 दिन की अविकास को भी भागित वाद में समाप्त होती हो; के भीतार पूर्वीकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण: ---इसमें प्रयुक्त सम्बों धीर पर्यों था, जो उक्त अग्नि-नियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भर्म होगा, जी उस प्रध्याय में विया गया है।

### **मनुसूची**

एक प्लाट (550 वर्ग गज) गुजरपुरा तरन तारन रोड भ्रमृतसर जैसा कि सेल डीड न. 430 /I दिनांक 9 मई 1980 रजिस्ट्री ग्राधिकारी भ्रमृतसर में दर्ज है।

> म्मानन्द सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्राजेंन रेंज, 3 चन्द्रपुरी टेलर रोड, ग्रमृतसर

तारी**ख: 15-1-8**1

#### धारत सरकार

कार्याक्य, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, श्चमृतसर श्चमृतसर, दिनांकः 15 जनवरी 1981

निदेश सं० एएसम्रार/80-81/368—-यतः मुझे, म्रानन्द सिंह,

आयकर प्रक्षितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त प्रधितियम' कहा पया है), की धारा 260-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका बिचल बाजार मूख्य 25,000/- क्पण से प्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं० एक प्लाट है तथा जो ......ं स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय श्रमृतसर मे रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख मई 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पम्ब्रह्म प्रतिक्रत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के खिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किशी आय को बाबत उन्त अधिनियम के प्रजीन कर देने के अन्तरक के वायस्य में क्रमी करने या उससे अचने में सुविधा के सिए; और/मा
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए।

क्षत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन नुम्नजिखित व्युक्तियों अर्थात्ः--  श्रीमती गोपाल कौर पत्नी सोहन सिंह वासी कटरा करम सिंह बाजार चुरबेरी अमृतसर।

(ग्रन्तरक)

2. श्री रिवन्द्र कुमार पुत्र हरबन्स लाल वासी चाहीरिन्छ भेट तरनतारन रोड़, श्रमृतसर।

(भ्रन्तरिती)

जैसा कि सं० 2 भौर कोई किरायेदार।
 (वह व्यक्ति, जिसके भ्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4. श्रीर कोई

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हित**बढ़ है**)

को यह सूचना जारी करके पूर्वन्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनन सम्पति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस पूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी धविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपदा में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवह किसी अन्य व्यक्ति क्षारा, प्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शन्दों भीर पक्षों का, जो उक्त भश्चिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, बड़ी अबंहोगा, जो उस बध्याय में दिया गया है

## श्रनुसूची

एक प्लाट (550 वर्ग गज) गुजरपुरा तरनतारन रोड़ श्रमृतसर मे जैसा कि सेल डीड नं० 429/I दिनांक 9 मई 1980 रजिस्ट्री अधिकारी श्रमृतसर में दर्ज है।

> न्नानन्द सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, 3 चन्द्रपुरी टलर रोड़, म्रमृतसर

तारीख: 15-1-1981

प्ररूप धाई• टी• एन• एस• —

आयकर **घषिनियम**; 1961 (1961 का 43) की घारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### मारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, भ्रमृतसर

ग्रमृतसर, दिनांक 15 जनवरी 1981

निर्देश सं० ए०एस० आर०/80-81/367—यतः मुझे, आनन्द सिंह, आयकर अधिनियमः, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारन है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- र० से अधिक है और जिसकी सं० एक प्लाट है तथा जो · · · · · · में स्थित है (और इससे उपाबद अनुभूची में और पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मई 1980 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के बृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यचाप्योंक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य,
छसके वृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रहं
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पामा गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक छप से कथित नहीं किया गया है।——

- (वः) अन्तरण ंसे हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियमं रेके प्राचीन कर देने के श्रास्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के किए। और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया यया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अवः अवः अवतः प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उपत अविनियम, की घारा 269-घ की उपघारा (1) के अधीन निम्नुलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् हि— 1. ईमप्रुमैंट ट्रस्ट श्रमृतसर।

(ग्रन्तरक)

 श्रीमती जानकी रानी परनी राम सरूप वासी 389 बसन्त ऐवीन्यू।

(भ्रन्तरिती)

3. जैसा कि सं० 2 ग्रीर कोई किरायेदार । (बह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

4. भौर कोई

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबक्क है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

खकत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रोप ।---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से

  '''' '45 दिन की अवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की घवधि, जो भी
  घवधि बाद में संमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत

  ं व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितवह किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहरताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :-- 5समें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के धन्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## मनु सूची

एक प्लाटनं० 389 वसन्त एवीनीऊ प्रमृतसर जैसाकि सेल डीड नं० 492 दिनांक 5 मई 1980 रजिस्ट्री ध्रधिकारी प्रमृतसर में दर्ज है।

> ृश्चानन्द सिंह सक्षम श्रधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, 3 चन्द्रपुरी टेलर रोड़, श्रमृतसर

तारीख: 15-1-1981

## प्रस्प भाई-सी-स्त-स्त-

ग्रीयंकर भ्रविनियम, 1961 (1981 का 43) की घारा 269-व (1) के प्रधीन सूचवा भारत सरकार

# कार्यालय, सक्त्रयेक मायकर भाकुका (निरीक्षण) भर्जन रॉज, भ्रमृत्तस्प

श्रमृतसर, दिनांक 6 जनवरी 1981 निर्देश सं० एएसमार्थ/80-81/367—यतः मुझे, मानन्द सिंह,

भागकर अधिनिक्स, 1961 (1961 का 43) (जिते इतर्ने इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की भारत 269-ज के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर संपत्ति जिसका खेंबित काजार बूट्य 25,060/- ६० से घायक है

श्रोर जिसकी सं । क्ष्मि भूमि है सथा भी .... में स्थित है (ग्रीर इक्कें स्थालक अपूर्वी में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकरी अविकारी के कार्यांक्य ग्रमुतसर में रजिस्ट्रीकरण श्रक्षिनिक्य, 1908 (1908 का 18) के ग्रधीन, तारीख मई 1980

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उंचित बाजार मूल्य से कम के क्वयंगान प्रतिफल के लिए अन्तरित की नई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यंबापूर्वोंक्त संस्पत्ति का उँचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकत्त से, देसे वश्यमान प्रतिकंत के पन्धह प्रतिशत से स्विक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐते अन्तरण के सिद्ध, त्य शाया गया प्रतिकत निम्नसिक्ति उद्देश्य से अन्तर अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त प्रक्षि-नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ब) ऐसी किसी भाय या किसी धन या जन्य भारितयों को, जिन्हें भारतीय जायकर मिश्रित्यम, 1922 (1922 का 11) यो सक्त मिश्रियम, या धन कर श्रीधिनयम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारों प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, सिपाने में सुनिधा के लिए;

अतः मन, उक्त मिनियम की बारा 269-ग के धनुसरण में , में, सक्त प्रतिनियम की बारा 269-में की अंपनेरा ('1') के अधीन निम्मक्षितिक व्यक्तियों, जबीत् :---

- श्री मोहिन्द्र सिंह पुत्र तेजा सिंह वासी साहबरा।
   श्रिन्तरक
- 2. श्री सूचा सिंह जेस्सा सिंह दरवाग सिंह वाज सिंह पुत्रान कशमीर सिंह वासी तहसील पट्टी।
  (श्रन्तरिती)
- जैसा कि सं० 2 श्रीर कोई किरायेदार।
   (वह व्यक्ति, जिनके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)
- 4 और कोई

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबब है)

को यह सूचमा जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करला हूं।

रुक्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई मी भाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजयत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रविध, जो भी घ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्नीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो छक्त अधिनियम के भव्याय 20-क में परिमाणित है, वही भर्य होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

कृषि भूमि 114 के 17एम गांव साहबरा में जैसा कि सेल डीड नं० 558/1/1012 दिनांक 14 मई 1980 रजिस्ट्री अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

> श्रानन्द सिंह, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 3 चन्द्रपुरी टेलर रोड़, श्रमृतसर

तारीख: 6-1-81

श्ररूप श्राई० टी० एन० एस०---

आयक्कर प्रक्रिमियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के भधीन सूचना भारत सरकार

> नार्यालय, सहायक प्राचकर प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जयपुर

> > जयपूर, दिनांक 27 जनवरी 1981

निर्देश स० राज०/सहा० ग्रा० ग्रर्जन/ 865-- ग्रतः एम० एस० चौहान,

**प्रायकर प्रधि**नियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पत्रवात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के <mark>प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वा</mark>स करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रुपए से धर्धिक है

ग्रौर जिसकी सं० मकान है तथा जो ग्रजमेर में स्थित है, (भीर इससे उपाबद श्रमुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्त्ता भ्रधिकारी के कार्यालय श्रजमेर मे, रजिस्ट्री-करण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन,तारीख 6-5-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत ध्रधिक है भौर धन्तरक (ग्रन्तरकों) भौर प्रन्तरिती (प्रस्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखिन में वास्त्रविक कप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) धन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त प्रधि-नियम के प्राप्तीन कर देने के प्रक्तरक के दायिल्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; मौर/या
- (बा) ऐसी किसी प्रक्रय या किसी धन या सन्य ग्रास्तियों को जिन्हें पारकीय धायन्कर अधिनियस, (1922 का 11) या उक्त प्रक्रिनियम, या बन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया मसा या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधाके लिए।

जत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-श को, बन्सूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधरदा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रपात :--

- (1) श्रीमती ज्ञान देवी पत्नि वी० पी० माथुर, अजमेर (ग्रन्तरक )
- (2) श्री सतीश कुमार मेहरा पुत्र जगदीश चन्द्र, ग्रजमेर वर्तमान में कार्यरत पंजाब नेशनल वैक, फिरोजपूर छावनी। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के क्रर्जन के लिए। कार्यवाहियां करता हं।

**एक्त संपत्ति के अर्ज**ा के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीखा से 45 विन की धवधि या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रक्षि, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीवर पूर्वोचत न्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबह किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा ग्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखिलामें किए जासकेंगे।

स्पव्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों घौर पदों का, जो उक्त घछि-नियम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा जो उस धन्याय में विया गया है।

## अनुसूची

एक मंजिला, रिहायसी मकान, जो प्लाट नं० ई-237, शास्त्रीनगर एक्सटेंशन स्कीम, अजमेर मे स्थित है श्रौर उप पंजियक, ग्रजमेर द्वारा कम सं० 1386 दिनांक 6-5-80 पर पंजिबद्ध विकय पत्न में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

> एम० एल० चौहान, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण), मर्जन रेंज, जयपुर

तारीखं,: 27-1-1981

मोहर:

14-476 GI/80

प्रारूप आई० टी० एन० एस०--

जायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

भाषांश्रय, सहायक आयकर धायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, जयपूर

जयपुर, दिनांक 27 जनवरी 1981

म्रादेश सं० राज० सहा०, आ० श्रर्जन/867—म्रतः मुझे, एम० एल० चौहान,

आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रश्चितियम' कहा गया है), की घारा 269-घ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर संपति जिसका उचित बाबार मूह्य 25,000/- ६० से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० को रूम है तथा जो जयपुर में स्थित है, (श्रीर इससे उपाबद्ध अनसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वणित है) रिजस्ट्रीकर्सा ग्रिधकारी के कार्यालय जयपुर में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 5-5-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कर निम्नतिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिन में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) यन्तरण से हुई किसी ग्राय की बावत उक्त भवि-नियम के ग्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रम्थ भास्तियों की, ेजिन्हें भारतीय धायकर घषिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त घषिनियम, या धन-कर घषिनियम, 1957 (1957 का 27) के ध्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः, भ्रव, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-न के श्रनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अम्रीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अचीतः --

- (1) श्री रहमतुल्ला एवं ग्रसलम खां पुतान नूर मोहम्मद जुम्मी पत्नी श्री रहमतुल्ला खां, हथरोई रोड, जयपुर द्वारा जनरल पावर श्राफ अटार्नी होलडर श्री गोकुलचन्द खुराना, गोविन्द मार्ग, जयपुर। (श्रन्तरक)
- (2) श्री डा० रमेश खुराना पुत्र मथुरा दास खुराना, प्लाट नं० बी-14 सी, गोविन्द मार्ग ग्रादर्शनगर, जयपुर। (ग्रन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की सारीय से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकासन की तारी खासे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिंत-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जासकोंगे।

स्पन्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शक्दों भीर पंदों का, जो उक्त श्रीधनियम के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो छस अध्याय में विया गया है।

### अनुसूची

एक शो रूम प्लाट नं० 15 एवं 16 पर, अजमेर रोड, हथरोई एरिया, जयपुर जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा कम संख्या 1038 दिनांक 5-5-80 पर पंजिबद्ध विकय पद्म में क्रौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> एम० एल० चौहान, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 27-1-1981

## प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

भ्रायकर म्रिमिन्यम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रेबीन सूचना

#### भारत सरकार

## कार्यानय, सहायक प्रायकर ऋष्युक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 20 जमचरी 1981

निर्देश सं० ग्राई० ए० सः०/ग्रर्जन/भोपाल/80-81/1838----ग्रतः मुझे, विजय भाषुर,

धायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'उन्न ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थाधर सम्पत्ति, जिपका उचित्र बाजार मूल्य 25,000/- क्पए से भ्रधिक है

श्रीर जिसकी मं० मकान है, तथा जो ऊषा नगर, इन्दौर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप मं वर्णित है), रिजस्ट्राकर्मा श्रीधकारी के कार्यालय, इन्दौर में रिजस्ट्राकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रध न, 8 मई, 1980

की पूर्णीवत सम्पत्ति के उचित बाजार मूख्य से कम के दृष्यमान प्रति-कत के लिये अन्तरित की गई है पीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि श्याप्वींवन सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृष्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यभान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है और प्रन्तरक (ग्रन्तरकों) पौर भन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखिल उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक क्य से कियत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी कि तो आप या किसी धन या प्रन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1967 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिर्ता द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया आना जाहिए था, छिपाने में सुविद्या के लिए;

जतः थव, उन्त अधिनियम, नी घारा 269-ग के जनु-सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की छपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--

- (1) श्रा जैप्रकाण (2) श्री श्रोम प्रकाण दोनों पिता फकार चन्द सोलंका 8-4 नार्थ राज मोहल्ला, इन्दौर । (श्रन्तरक)
- श्री कैलास चन्द्र जैन पिता श्री केगरीमल जैन 101, महहारगंज मेन रोड, इन्दौर।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियाँ करता हं।

## छक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस पूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि साव में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्न व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स्त्र) इस यूचना के राजपात में प्रकाशन की ताफीख से 45 दिन के भीतर उसत स्थाबर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शक्दों भीर पदों का, जो जक्त अधि-नियम, के भ्रष्ट्याय 20ला में परिश्वाधित हैं। भ्रष्टी प्रचें होता, जो उस अख्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

मकान जो कि प्लाट नं० 288 पर ऊषा नगर, इन्दौर में स्थित है।

> विजय माथुर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज, भोपाल ।

दिनांक: 20-1-1981

प्ररूप आइं. टी. एन. एस.----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

# कायां लय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 20 जनवरी 1981

निर्देश सं० म्राई० ए० सी०/म्रर्जन/भोपाल 80-81/1839---भ्रत. मुझे, विजय माथुर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000 र र से अधिक है

स्रीर जिसको मं० मकान का भाग मतना, रीवा रोड, सतना में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रोकर्त्ता श्रधिनार के कार्यालय, मतना में रजिस्ट्रोकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, 17 मई, 1980

का पूर्वों कत संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाकत संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पावा गया प्रति-फल निम्मलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिसित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आम को बाबत उक्त लिध-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी भाग या किसी भन या अन्य आस्तियं, को, जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अरा अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिसिस न्याक्तियों, अर्थात्ः--

- 1. (1) श्रो सुशोल चन्द्र तिवारी पिता स्वर्गीय श्री हरप्रसाद तिवारी देशाई नगर, उज्जन (2) श्री श्रनुपम कुमार पिता श्री सुशील चन्द तिवारी देसाई नगर, जज्जैन। (अन्तरक)
- 2. श्री सिन्धू नवयुवक समाज द्वारा ग्रध्यक्ष नारायण दास मघनानी ग्रामूल क्लीनिक, सतना।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के किए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई मी जाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति दवारा अभोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकीये।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बहुते अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## वन्स्वी

मकान नं० 254 का आधा भाग जो कि वार्ड नं० 10 मतना रीवां रोड, मतना में स्थित है।

> विजय माथुर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक: 20-1-1981

प्ररूप आई॰ टी॰ एन॰ एस॰----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के भधीन सूचना मारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 20 जनवरी 1981

निर्वेश सं० श्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल 80-8 1/1840— श्रत: मृहो, विजय माथुर,

धायकर घिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्प्रति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से प्रधिक है और जिसकी सं० मकान का भाग है, तथा जो सतना रीवा रोड, सतना में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता प्रधिकारी के कार्यालय, सतना में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 17 मई, 1980 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है भौर मुझे यह बिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से श्रीष्ठक है और भन्तरक (भन्तरकों) भौर अन्तरिती (भन्तरितयों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भ्रन्तरण लिखिन में वास्तविक रूप से किवत नहीं किया गया है।—

- (क) मन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त मिन्न नियम, के प्रधीन कर देने के मन्तरक के दायिस्थ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) एसी किसी भाग या किसी घन या भ्रन्थ भास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम, या धनकर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मुक्षिया के लिए;

मतः भव, उन्त मिन्नियम की धारा 269-ग के बनुसरण में, मैं उन्त मिन्नियम की घारा 269-भ की उपधारा (1) के बन्नीम निम्निजित व्यक्तियों, अर्थात्:---  (1) श्री सुशील चन्द्र तिवारी पिता स्वर्गीय श्री हरप्रसाद तिवारी (2) श्री श्रनुपम कुमार पिता सुशील चन्द्र तिवारी, दोनों देशाई नगर, उज्जैन ।

(भ्रन्तरक)

 श्री सिन्धू नवयुवक समाज द्वारा श्रध्यक्ष श्री नारायण दास मधनानी, श्रमूल क्लीनिक, सतना ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी भरके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां भरता हूं।

उनन सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की भवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकन व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर नम्मित में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इनमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों हा, जो उक्त श्रधि-नियम के श्रष्टपाय 20 ह में परिभाषित है, वही श्रयं होगा, जो उन श्रष्टयाय में दिया गया है।

#### असम्ब

मकान नं० 254 का श्राधा भाग जो कि वार्ड नं० 10 सतना रीवा रोड, सतना में स्थित है।

> विजय माणुर, ृसक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक: 20-1-1981

प्रस्प माह<sup>2</sup>. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 20 जनवरी 1981

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/प्रर्जन/भोपाल 80-81/1841— श्रतः मृहो, विजय माथुर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० मकान का भाग है, तथा जो नन्दलाल पुरा, इन्दौर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, 6 मई, 1980

का पूर्वोक्त सपत्ति के उत्तित बाजार मूल्य से कम के एरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त संपर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके १११यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के,दायित्व में कमी करने वा उसते बचने में सृष्यिथा के लिए; और/वा
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दूवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने मे स्विधा के लिए;

खत. अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग को अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के सभीन, निम्निसिस्त व्यक्तियों, अर्थात् :--

 (1) श्रीमती सुमित बाई पित स्वर्गीय श्री गोविन्द राव थत्ते (2) मधुसुदन (3) भास्कर (4) सदाशिव (5) यशवन्त (6) सुरेश पिता गोविन्द राव थत्ते, 91 नन्द लाल पुरा, इन्दौर ।

(म्रन्तरक)

2. श्री मनोहर लाल पिता श्री शंकर लाल, 33 कुंजड़ा बाखल. इन्दौर ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथांक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिशाधित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गमा है।

### वन्त्वी

मकान नं० 91 का उत्तरी भाग जो कि नन्द लाख पुरा, इन्दौर में स्थित है।

> विजय माथुर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, भोपाल ।

दिनांक: 20-1-81

मोहरः

प्ररूप आई० टी॰ एन० एस०---

भायकर अधिनिधम, 1961 (1961 का 43) की धारा ?69-% (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 22 जनवरी 1981

निर्देश सं० म्राई० ए० सी०/म्रर्जन/भोपाल 80-81/1842— म्रतः मुझे, विजय माथुर,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिमका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० प्लाट है, तथा जो ग्रहमवाबाद, भोपाल में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, भोपाल में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, 22 मई, 1980

को पूर्वों कर सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझा यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कर सम्पति का उचित्र बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाियत्थ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जन जब, उन्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन. निम्निलिसित व्यक्तियों अधीत:——

- (1) श्री झजीत सिंह (2) श्री गुरचरण सिंह दोनों पिता मरदार ईक्वर सिंह, 1412 प्रेमनगर, जबलपुर। (झन्तरफ)
- 2. डा० शरद चन्द्र श्रग्नवाल पिता श्याम लाल श्रग्नवाल 27 मात्र छाया पडावा, खण्डवा। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व से 45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (त) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बवध किसी अन्य व्यक्ति स्थारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकरेंगे।

स्यव्यक्तिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याम 20-क में परिभाषित है, मही अर्थ होगा जो उस अध्याम में दिया गया है।

# **अनुस्**ची

प्लाट खसरा नं 150, जो कि जुनागढ़ हाउस, श्रहमदा-बाद, भोपाल में स्थित है।

> विजय माथुर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), भर्जन रेंज, भोपाख ।

विनांक: 22-1-1981

प्ररूप आई.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 22 जनवरी 1981

निर्देश सं० प्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल 80-81/1843----ग्रत: मुझे, विजय माश्रुर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० प्लाट है, तथा जो ईदगाह हिल्स, भोपाल में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्सा ग्रधिकारी के कार्यालय, भोपाल में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, 1 मई, 1980

करे पूर्वोक्त संपत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उषित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हो और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण से लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप स कथित नहीं किया गया है.--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

सृविधाकेलिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् हि——

 श्रीमती शिमला देवी पित सेठ प्रेम चन्द जी श्रप्रवाल, शाहजहांबाद पुलिस स्टेशन रेजिमेट रोड़ के नजदीक, भोपाल।

(भ्रन्तरक)

2. (1) श्री श्रासन दास पिता लेख राजमल (2) श्रीमती माया देवी पति प्रकाश चन्द्र, ईदगाह हिल्स, भोपाल। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

# अनुस्ची

प्लाट नं० 42 जोकि ईदगाह हिल्स, भोपाल में स्थित है ।

> विजय माथुर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रजीन रेंज, भोपाल।

विनांक: 22-1-81

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 22 जनवरी 1981

निर्देश सं० म्राई० ए० सी०/म्रर्जन/भोपाल 80-81/1844---म्रतः मुझे, विजय माथुर,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रहे. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं मकान है, तथा जो दाल बाजार लश्कर म्वालियर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय, म्वालियर मे रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, 20 मई, 1980

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य मे कभी करने या उससे बचने मे सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

1. श्री सम्पतलाल पिता मोहनलाल निवासी बाला बाई का बाजार, लक्ष्कर, ग्वालियर ।

(भ्रन्तरक)

2. श्री लायक चन्द संयाल पिता लाला दिवान चन्द, कासिम खान का बाड़ा दाल बाजार, लक्ष्कर, ग्वालियर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हु<sup>5</sup>, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अमृस्ची

मकान नं० 705, वार्ड नं० 29 जो कि कासिम खान का बाड़ा, दाल बाजार, लक्ष्कर में स्थित है।

> विजय मायुर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, भोपाल ।

अतः अवं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निल्खित व्यक्तियों, अर्थात् :---

दिनोक: 22-1-1981

प्ररूप आई. टी. एन. एस ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 22 जनवरी 1981

निर्देग सं० माई०ए०सी०/म्रर्जन/भोपाल/80-81/1845--यतः मुझे, विजय माथुर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ब्रीर जिसकी सं० भूमि है तथा जो कस्वादेवाय में स्थित है धीर इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बेबाय में रिजस्ट्रीकरण मिन्यम, 1908 (1908 का 16) के मधीन, 22 मई 1980 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मों, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखित व्यक्तियों जुधीत्:——

- श्री राजा राम पिता भं माजी माछले, 21 णांतिपुरा, देवास।
  - (2) श्रीमती हजा बाई पत्नी स्वर्गीय प्रवाराम माछले, 21 शांतिपुरा, वेवास ।

(ग्रन्तरक)

2. मेसर्स गजरा गियर्स प्रा० लि० स्टेशन रोड़, देवास। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# वनुसूची

भूमि मर्वेनं० 691, जो कि कस्वा देवास में स्थित है।

विजय माथुर सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 22-1-81

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अायकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 22 जनवरी 1981

निर्देश स० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/80-81/1846—
ग्रतः मुझे, विजय माथुर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें

इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

भ्रौर जिसके: स० कृषि भूमि है तथा जो

प्राम हरकोटा लश्कर में स्थित है प्रौर इससे उपाबढ़ प्रनुसुची में प्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्राक्ति प्रधिकारी के कार्गालय ग्वालियर में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधान, तारीख 1 मई 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इद्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इद्यमान प्रतिफल से, ऐसे इद्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिद्यत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप में कथित नहीं किया गया है: ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वक्षने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्कत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखिस व्यक्तियों अर्थात् :---  শ हिन्मतनात, श्री कृष्णराव पुत्रगण श्री रघुनाथराव, वक्षी की गोठ, लगर।

(मन्तरक)

2. (1) श्री बाबूलाल, श्री धनीराम पुत्रगण सुधीराम जो ग्राम हरकोटा सहसील एवं जिला ग्वालियर। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंत- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

# वन्स्ची

कृषि भूमि 5.505 एकड़ जो कि ग्राम हरकोटा तहसील व जिला ग्वालियर में स्थित है।

> विजय माथुर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

सारीख: 22-1-81

मोहरः

प्ररूप आई. टी. एन. एस ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 22 जनवर्ग 1981

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/श्रजंन/भोपाल/80-81/ 1847—यनः मुझे, विजय माथुर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपिता जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी संव प्लाट है, तथा जो झांसी रोड़ ग्यालियर में स्थित है (श्रौर इससे उपाश्वत श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय ग्यालियर में रिस्ट्र वरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 9 मई 1980

का पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कृथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ।——

 चेतक सहकारी ग्रह निर्माण संस्था मर्पापित झांसी रोड़, ग्वालियर ।

(भ्रन्तरक)

2. श्री रामप्रकाश तिवारी पिता श्री राम रतन तिवारी श्रंगले का बाजार, लक्कर, ग्वालियर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम को अध्याय 20-क मे परिभाषित ह<sup>5</sup>, बहुते अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### वनुसूची

प्लाट नं० ई-2, चेतकपुरो, जयविलाम परिसर, झांसी रोड़, ग्वालियर।

> विजय साश्वर सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपास

तारीख: 22-1-1981

मोहर.

प्रारूप आई. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजन रेंज, भोगाल

भोगाल, दिनांक 22 जनवरी 1981 निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/80-81/ 1848—यन: मुझे, विजय माथुर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० प्लाट है तथा जो झांमा रोड़ ग्वालियर में स्थित है (श्रीर इसमे उपावद्ध ग्रनुसूच: में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रकर्ता ग्रिधकार: के कार्यालय न्वालियर में रिजस्ट्रकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधन, ताराख 9 मई 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उम्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा केलिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लियाने में सुविधा के लिए;

अतः अयः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मा, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थीत् :---

 मैं मं चेतक सहकारी ग्रह निर्माण संस्था ममीपित, झासः रोड़, ग्वाल्यर।

(भ्रन्तरक)

2. श्रामती मथुरा देवी शारदा पर्ता श्री राम निवास शारदा, डडवाना ग्रोली, लक्ष्कर, ग्वाल्यिर।

(श्रन्तरिर्तः)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यक मे प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, ओं भी अवधि याद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोह स्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकने।

स्पष्टीकरण:——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो जक्त अधिनियम के अध्याय20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

### अनुसूची

प्लाट नं० डी-16 चेतकपुरी, जैविलास परिसर झांसी रोड़, खालियर।

> विजय माथुर सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर श्रायुक्त (निर्दक्षण) भ्रजन रेंज, भोषाळ

तारीख: 22-1-1981

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 22 जनवरी 1981

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/80-81/ 1849---थतः मुझे, विजय माथुर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसका सं० प्लाट है, तथा जो झांमा रोड़ ग्वालियर में स्थित है (श्रीर इससे उपावद श्रनुसूर्चा में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रोकर्ती श्रिधकारी के कार्यालय ग्वालियर में रिजस्ट्रोकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधन, तारंख 9 मई 1980

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तकरण लिखित मे वास्ति विक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूनिधा के लिये; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातु:——  मैं में चेतक सहकारा गृह निर्माण संस्था मर्मापित शांसी रोड ग्वालियर।

(मन्तरक)

2. डा॰ डी॰ सं:० गुप्ता पिता डा॰ म्रार० एस० गुप्ता माधो डिस्पेंसरी के सामने ग्वालियर।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के कार्यवाहियां करता हूं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस, सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्षित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरण :--इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### **अनुसूची**

प्लाट नं० डो॰ 10 चेतकपुरी जैविलास परिसर, झांसी रोड़, ग्वालियर।

> विजय माथुर सक्षम प्राधिकारी महायक स्नायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 22-1-81

प्ररूप आहें.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आमकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 22 जनवरीं 1981

निदेश मं० ग्राई० ए० मं(/ग्रर्जन/भोषाल: 80-81/1850---श्रतः मुझे, विजय माथ्र,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसको सं० प्लाट है, तथा जो झांसी रोड़, ग्वालियर में मिथत है (श्रीर इसमें उपाब अनुमुची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रोक्तरी श्रीधकारी के कार्यालय, ग्वालियर में रिजस्ट्रोक्तरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधोन, 9-5-1980 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरिक अन्तरित तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिकत उन्वदेश से उक्त अन्तरण लिखत मे वास्तिवक रूप में कथिन नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ल) एसी किमी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

(1) श्री जेतक सहकारी ग्रह निर्माण संस्था मर्यादित झाँसी रोड, ग्वालियर ।

(अन्तरक)

(2) डा॰ प्रताप नारीयण तिवारं पिता श्रा बैजनाय तिवारे कम्पू रोड, लक्ष्कर, ग्वालियर । (श्रन्तरितं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारी करें 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामिल से 30 दिन की अविध, जों भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्परित में हितबब्ध
  किसी अस्य व्यक्ति दुवारा कथोहस्ताक्षरी के पात
  लिक्तिस में किए जा सकेंगें।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

ण्लाट तं० ई०-4-चेतकपुरी जैविलास परिसर झांसी रोड, ग्वालियर।

> विजय माथुर, सक्षम प्राधिकारी, महायक ग्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल।

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थान् '---

तारोख 22~1-1981 मोहर:

### प्ररूप आहें, टी. एन. एस.----

क्रायुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 22 जनवरी 1981

निवेश सं० म्राई० ए० सो०/म्रर्जन/भोपाल/80-81/1851---म्रतः मुझे, विजय माथुर,

बायकर बॉधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

प्रीर जिसका सं० प्लाट है, तथा जो झांसा रोड़, ग्वालियर में स्थित है (ग्रीर इसमे उपायद्ध प्रनुस्वी में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ग्वालियर में रिवस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, 9-5-1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूबिधा के सिए; और√या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का, 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

(1) नेतर सहकारो ग्रह निर्माण संस्था मर्यादिल झाँसी रोड, क्वालियर ।

(भ्रन्तरःः)

(2) श्रो जन्द्र मोहन तिवारः पिता श्रो राम प्रकाश तिवारी स्रोगे का काजार लक्कर, स्वालियर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (कं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकींगे।

सपस्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहरी अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## धनुसूची

प्याट न ं० ई०-3, चेनक पुरी **जैविलास परिसर झांसी रोड़**, ग्वान्यर ।

> विजय माथुर मक्षम प्राधिकारीः महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल ।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के सन्मरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिकित व्यक्तित्यों, अर्थात्:—

तारीख: 22-1-1981.

प्ररूप आह .टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन क्षेत्र,भोपाल

भोपाल, दिनांक 17 जनवरी 1981

निदेश 'सं० ग्राई०ए०सी०/ग्रर्जन/भोपाल/80-81/1828---ग्रतः मुझे, विजय माथुर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी संव मकान का भाग है तथा जो बनिया पाण वार्ड धमतरी में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूर्च में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, धमतरी में रिजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, 7-7-1980

को पूर्वांक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्स संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूर्यमान प्रतिफल से, एसे दूर्यमान प्रतिफल का पन्मह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्स अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितीं द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री ग्रसकरण पिता श्री ग्रमर चन्द वैद धमक्षरी तहसील धमतरो, जिला रामपुर ।

(भन्तरक)

(2) डा॰ ननद कुमार पुरोहित पिता श्रां राधेक्याम पुरोहित निवासी धमतरी तहसील धमतरी, जिला रामपुर। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्ति सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाष्ट्रियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पायानिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### वन्सूची

दो मंजिला भक्तान का भाग जो कि बनिया याज वार्ड धमतरी में स्थित है।

> ्विजय माथुर ्सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, भोपाल ।

ना**रीख**: 17-1-1981।

## प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व(1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायुक कायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्णन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 17 जनवरं 1981

निदेश स० ग्राई०ए०सो०/ग्रर्जन/भोपाल/80-81/1829--ग्रतः मुझे, विजय माथ्र,

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 की 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सभ्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसको स० मकान का भाग है, तथा जं मानुगण दमोह में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसुचा में भौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रोकर्ता भ्रधिकारा के कार्यालय, दमोह में रिजस्ट्रोकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, 26-7-1980

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अम्तरित की गई है और मृष्त यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से स्विषक है और अन्तरिक (अन्तरिक) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरिण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बोट/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की घारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित स्पन्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री श्रह्मद अल। पिता श्रबंद हुसैन पी०एच०सी० गाहगंज, जिला सिहौर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रो दुर्गाप्रमाद पिता भूरे लाल जैन पोस्ट बनवर जिला दमोह।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध मो कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित-बस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:----इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हु<sup>5</sup>, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिगा गया हु<sup>8</sup>।

### अनसची

मकान न० 379 का भाग जो कि सागर रोष्ठ, सानगंज दमोह में स्थित है।

> विजय माथुर, सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायक्त (निरीक्षण), श्रजैन रेंज, भोपाल

तारीख . 17→1—1981 मीहर: प्ररूप जाई.टी.एन एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-घ (1) के अभीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनाक 14 नवम्बर 1980

निदंश स० ए० सा० रेज--4/क्लकत्ता/1980 ---यत मुझे, के० सिन्हा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है

भ्रौर जिसको स०

Plot No 62, CIT Scheme No VIIM Old Premises No 88A, Begbagan Road 2 Dihi, Panchannagram है नथा जो P S Maniktola 24 Parganas

मे स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसृची मे श्रीर पूर्ण स्प से वर्णित है), रिजस्ट्राकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय

R A. Calcutta म भारतोय रिजस्ट्रोकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 2-5-80

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्मह प्रतिशत से अधिक हो और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तिबक रूप से किया गया है --

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उसमें बचने में सूबिधा के लिए, और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्थिभ के लिए,

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन गिम्निलिसिस व्यक्तियों, अर्थात् १--- (1) श्रोतं श्रक्तं कुमार सरकार ।

(अन्तरक)

(2) गुड लाक होणियारी मि० प्रा० लि०, कलकत्ता । (ग्रन्तरिर्ता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेत्र 🕡

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित- सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तिसों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर जक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

Plot No 62, CIT Scheme No VIIM, Old Premises No 88A, Bagmari Road, 2-Dihi, Panchannagram, 24 Parganas.

के० सिन्हा,
सक्षम प्राधिकारी,
महायक प्रायकर प्रायुक्त (निर्रक्षण),
श्रर्जन रेज-2, कलकत्ता-16

तारीख 14 नवम्बर, 1980 . गीहर: प्ररूप आर्इ.टी.एन.एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अभीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 27 दिसम्बर, 1980

निदेश सं० ए० सी०/रेंज- 4/कलकत्ता-1980:---यतः मुझे, के० सिन्हा,

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारा को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं०

Dag No. 283

है तथा जो Mouza-Gopalpur P.S.—Dum Dum 24 Pargamas

में स्थित है (ग्रीर इससे छपाबद्ध भनुसूर्वा में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्राकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, Cossipore, Dum Dum

में, रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 16 मई 1980

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथानू को उन उपित का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिचात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तर्ण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

(1) श्रो मुमताकिन गोलदार ग्रौर दूसरे।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रो इसर्प रेलवे एम्प्लाईस कलोनी, सोसाटि लि॰। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हाँ।

# अनुसूची

Dag No. 283 Gopalpur P.S. Dum Dum 24 Parganas. दाग नं 28 3, गोपाल पुर, पी एस वसदम, 24-परगना।

> के० सिन्हा, सक्षम प्राधिकारी, महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-4, कलकत्ता-16

तारीख : 27 दिसम्बर, 1980।

मोहर 🗓

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

म्रायकर श्रिविनियम, 1961 (1961 का 43 ) की धारा 269-व (1) के श्रधीन स्चना

भारत सरकार

भार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जैन रेंज, कलकत्ता

कलकसा, दिनांक 2 जनवरी 1981

निवेश सं० 834/एक्यू/आर-III/80-81---यतः मुझे, ग्राई० वी० एस० जुनेजा,

सायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसारें इसके परवात 'उक्त प्रधिनियम' कहा पया है), को धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका छचित बाजार मूल्य 25,000/- दे के प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० 17/1/सी है तथा जो डोभार टेरास, कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रन् सूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है, रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 10 मई, 1980

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए ग्रन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त समात्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल ते ऐमे दृश्यमान प्रतिकत का पन्द्रह् प्रतिशत से ग्रधिक है भौर ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) भौर अन्तरिती (ग्रन्तरितयों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उनत अधिनियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के वायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा का लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिनी द्वारा प्रकर नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए या छिपाने में सबिधा के लिए:

अतः अब, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, नैं, उन्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिखित अकितयों, अर्थातः --- (1) श्री रवि शंकर म्खर्जी।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री विजन कुमार मुखर्जी।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्ष सध्यक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेत्र --

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर भूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़
  किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रघोहस्ताक्षरी के पाम
  लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:→-इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

17/1/सी, डोपर टेरे कलकत्ता, जमीन पर पाका कुठी ।

ग्राई० वी० एस० जुनेजा, सक्षम प्राधिकारी, महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-, III कलकत्ता-16

तारीख: 2-1-1981

प्ररूप आइ<sup>६</sup>.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, कलकसा

कलकत्ता, विनाक 2 जनवरी 1981

निदेश सं० 835/एक्यू०रेंज-III/80-81/कलकत्ता---श्रतः मुझे, श्राई० वी० एस० जुनेजा,

ग्रायकर ग्रिप्तिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिप्तिनयम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रिप्तीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से भ्रिप्तिक है

श्रौर जिसकी सं० 17/1/सी है तथा जो डोबर टेरास, कलकत्ता में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्री-करण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन, तारीख 10-5-1980 को ।

पूर्वोवत सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अग्तरकों) श्रोर अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) भ्रन्तरण से दुई किसी आय की बाबत, उक्त श्रिधितयम के भ्रधीन कर देने के भ्रम्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा क लिए; शौर/या
- (ख) एसी किसी श्राय या किसी धन या अन्य श्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय श्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर ग्रीधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविद्या के लिए;

अतः ग्रव, उन्त ग्रिविनियम, की धारा 269-म के प्रनृसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तिमुर्ग, अर्थात् :-- (1) श्रीरिव शकर मुखर्जी।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीगीता मुखर्जी।

(ग्रन्तरिती)

को <mark>यह सूचना जारी करके पूर्वोक्</mark>त सम्पनि के श्र<mark>जेन के</mark> लिए कार्यवाहियां करना है।

उन्त सम्पत्ति के प्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकारान की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकब किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, ब्राधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा मर्केंगे।

स्पष्टीकरण:----इसमे प्रयुक्त गढदों धौर पदों का, ओं उक्त श्रक्षिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में विया गया है।

# **अनु**सूची

17/1/सी. डोभार टेरास, कलकत्ता. जमीन पर पक्का कृटी । ग्राई० वी० एस० जुनेजा, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्राधकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज—III, कलकत्ता—16

तारीख ' 2-1-1981

मोहर.

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. -----

(1) कुमारी डालिया राय चौधुरी।

(श्रन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269- घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती णान्ति नता चाढाजी ।

(भ्रन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भूर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 2 जनवरी 1981

निदेश सं० 836/एसयू०रेंज-III/80-81--यत: मुझे, श्राई० बी० एस० जुनेजा,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 97 है तथा जो टालिगंज सरकुलर रोड, कलकत्ता में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबज्र श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 31 मई, 1980

को पूर्वाक्त संपर्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाकत सपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पृविधिस व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितसक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुस्ची

जमीन का ठिकाना :— 97, टालिगंज सरकुलर रोड, कलकत्ता ।

> म्राई० वी० एस० जुनेजा, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज—Ⅲ, कलकत्ता—16

तारी**ख** : 2-1-1981

मोहर:

19-476GI/80

प्ररूप आह. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-Ш, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 2 जनवरी 1981

निदेश सं० 837/एक्वी/रेंज-III/80-81:--यतः मुझे, ग्राई० वी० एस० जुनेजा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० 109/18 है तथा जो बाजरा रोड, कलकत्ता में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 19 मई, 1980

को पूर्वों कत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गृह है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण मों, मों. उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्रीमती रामेश्वरी देवी।

(भ्रन्तरक)

(2) डा० पूर्णेन्दु झा ग्रीर दूसरा।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हसे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

# अनुसूची

109/18, बाजरा रोड, कलकत्ता । जमीन पर पक्का कोठी ।

> श्राई० वी० एस० जुनेजा, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, कलकसा-16

तारीख: 2-1-1981

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-

भायकर म्रिमित्यम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-च (1) के म्रिमीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर मायुक्त (निरीक्षण)
प्रर्जन रेज- मिलकत्ता

कलकसा, दिनांक 6 जनवरी 1981

निदेश सं० 566/टी० भ्रार०-290/80-81:---यतः मुझे, श्राई० बी० एस० जुनेजा,

आयकर भिष्ठित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भिष्ठित्यम' कहा गया है), की घारा 269-ख के भिष्ठीत सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/- रूपये से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 33 है तथा जो फी स्कूल स्ट्रीट कलकत्ता (वर्तमान 38, मिरजा गालिब स्ट्रीट), में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 24-5-80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तर्ग के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उन्नेष्य से उका प्रनिरंग लिखिन में वास्नविक रूप से किया नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रिध-नियम के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कसी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/वा
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधनियम, या धनकर श्रिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या हिया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः सब, उपत अधिनियम की बादा 26 अ-व के बनुसरण में, में, उपत प्रधिनियम की धारा 269-व की उपवारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अ्यक्तियों, अर्थात:— (1) श्री ग्रमल कुमार दास।

(भ्रन्तरक)

(2) भ्रालपी प्रोजेक्ट्स लि०।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के श्रजंन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की श्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अस्य व्यक्ति द्वारा, अवाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया गया है।

#### अनुसूची

33 फी स्कूल स्ट्रीट (वर्तमान 38 मिरजा गालिब स्ट्रीट) कलकत्ता में 1 बिद्या 16 कट्टा 9 छटाक, अमीन पर पक्का भौर कच्चा मकान का भ्राधा हिस्सा जो 24-5-80 तारीख में डीड नं० I-3170 भ्रमुसार रजिस्ट्रार भ्राफ एस्सुरेन्स दफ्तर में हैं रजिस्ट्री हुग्रा।

श्राई० वी० एस० जुनेजा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, कलकृत्ता-16

तारीख: 6-1-81

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

भावकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के प्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज-I, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 6 जनवरी, 1981

निदेश० सं० 566/टी० म्रार०-291/80-81:---म्रतः मुझे, म्राई० वी० एस० जुनेजा,

आयकर धिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त धिधिनयम' कहा गया है), की घारा 269-ख के धिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ए० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 33 है तथा जो की स्कुल स्ट्रीट (वर्तमान 38 मिरजा गालिब स्ट्रीट) में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 24-5-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथित नहीं किया गया है:---

- (क) धन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त प्रधि-नियम के भ्रधीन कर देने के भन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (का) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रम्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर श्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधनियम, या धन-कर श्रिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविद्या के लिए;

श्रतः प्रव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग भी उपघारा (1) के अधीन, निम्निकियत व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री ग्रजय कुमार दास ।

(ग्रन्तरक)

(2) म्रालपी प्रोजेक्ट्स लि॰।

(ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पात के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजात्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संनित में हित-बद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास जिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो उक्त ग्रधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं ग्रयं होगा जो उस ग्रध्याय में विया गया है।

### अनुसूधी

33 फ्री स्कुल स्ट्रीट, (38 मिरजा गालिब स्ट्रीट) कलकत्ता में ग्रबस्थित 1 बिघा 1 कट्टा 9 छटाक जिमन पर पक्का ग्रीर कच्चा मकान का 1/4 हिस्सा जो डीड नं 0.1/3173 श्रनुसार 24-5-80 तारीख में रजिस्ट्रार श्राफ एस्सुरेन्स का दफ्तर में रजिस्ट्री हुग्ना।

श्राई० बी० एस० जुनेजा, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज—I, कलकत्ता—16

तारीख: 6-1-81

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०---

भायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सुमना

#### मारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 6 जनवरी, 1981

निर्देण सं० टी० श्रार०-292/80-81/एस० एल० नं० 565:-- यतः मुझे, श्राई० वी० एस० जुनेजा,

भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भ्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- ६० से श्रधिक है,

ग्रौर जिसकी सं० 33 है तथा जो 6 फी स्कुल स्ट्रीट (वर्तमान 38 मिरजा गालिफ स्ट्रीट), कल० में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रन्सूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 24-5-80

को पूर्योक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर श्रन्तरक (अन्तरकों) श्रोर अन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तनिक रूप में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधिनियम, के घंधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; घौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ध्रव, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-च की उपघारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात:—— (1) श्री म्रिमिय कुमार दास।

(भ्रन्तरक)

(2) अप्रालपी प्रोजे क्ट्स ।

(भ्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बंध में कोई भी ग्राक्षेप :~-

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की भ्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं ने 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हितबद्ध किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्पड्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त गब्दों और पदों का, जो अक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

33 की स्कुल स्ट्रीट, (वर्तमान 38 मिरजा गालिफ स्ट्रीट, कल०) कलकत्ता में 1 बिघा 1 कट्टा 9 छटाक, जिमन पर पक्का और कच्चा मकान का 1/4 हिस्सा जो 24-5-80 तारीख में डीड नं० I-3169 अनुसार रजिस्ट्रार एस्सुरेंस का वप्तर में रजिस्ट्री हुन्ना ।

आई० वी० एस० जुनेजा, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रर्जन रेंज, 54, रफी श्रहमद किदबई रोड, कलकत्ता--16.

तारी**ख**ः 6—1—81.

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 6 जनवरी 1981

निदेश मं० टी० ग्रार०-317/80-81/एस० एल० नं० 564:--यतः मुझो, ग्राई० वी० एस० जुनेजा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 39/1/10, श्रौर 39/1/16ी है तथा जो सम्भुबाबु लेन कलकत्ता—14 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, कलकत्ता, में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 26-5-80

को पूर्वांक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त संपर्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्त्यिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह अभारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में संविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्ः--

(1) श्री तपेन्द्र नाथ दास एन्ड ग्रादर्स ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री निताई चन्द्र दास।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्परित के अर्जन के क्रिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (सं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

39/1/1ए और 39/1/1बी, सम्भुषाबु लेन कलकत्ता में प्रबस्थित 14 छटाक, 24 वर्ग फिट, जिमन और 2 छटाक, 7 वर्ग फिट जिमन पर मकान जो 26-5-80 तारीख में डीड नं  $^{\circ}$   $^{\circ}$   $^{\circ}$   $^{\circ}$  और 1-503 भनुसार रिजस्ट्रार श्राफ एस्युरेन्स का दपसर में रिजस्ट्री हथा।

ग्नाई० वी० एस० जुनेजा, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजेन रेंज, 54 रफी ग्रहमद किदवई रोड, कलकत्ता−16.

तारी**ख**: 6-1-81.

## प्रकृप भाई • टी • एन • एस •----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 व(1) के प्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 6 जनवरी 1981

निवेश सं० 839/एक्बी० रेंज-III/80-81-यतः मुझे, ब्राई० बी० एस० जुनेजा,

आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त मिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द॰ से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 11, है तथा जो डोभार लेन, कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसुची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आलिपुर मे, रिजस्ट्रीकरण श्रिधित्यम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 5-5-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि याजापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे पृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिशत अधिक है और अग्तरक (अग्तरकों) और प्रग्तरिती (अग्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया हैं——

- (क) प्रस्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त ध्रिष्ठि-नियम के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धीर/या
- (ख) ऐंसी किमी भाष या किसी अन या अन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिष्टिनियम, या अन-कर भिष्टिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः धर्व, उक्त प्रधिनियम, की घारा 269-ग के ध्रनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखिन व्यक्तियों, अर्थातः— (1) श्री ग्रनक कुमार योष भीर दूसरा।

(ग्रन्तरक)

(2) जय को-म्रापरेटिव हाउसिंग मोसाइटी लि०। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

**उरन मम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप**ः---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी वा से 45 दिन की भवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी ग्रन्थ व्यक्ति दारा, भन्नोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए। जा सकेंगे।

स्पर्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जा उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अबं होगा, जो उस अध्याय में विधा गया है।

### अनुसूची

11, होभार लेन, कलिकाना, पर पाका कुठी।

श्राई० वी० एस० जुनेजा, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुवस (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-III, 54, रफी ग्रह्मद किदवाई रोड, कलकत्ता—16

तारीख: 6-1-1981.

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 6 जनवरी 1981

निदेश सं० 840/एक्बी० रेज-III/80-81---यत मुझे, म्नाई० बी० एस० जुनेजा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु से अधिक है

भौर जिसकी सं० 28/1 डी है तथा जो गरियादाट रोड, कलक्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मेन्श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, वलवत्ता मे, रिजर्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 20-5-1980

को पूर्वांक्त संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सपित्त का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती अम्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं --

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (म) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः असं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं को, अनुसरणं मों, मीं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घं की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:-- (1) श्री ग्रस्न कुमार गहा।

(ग्रन्तरक)

(2) सुप्रिया चाटर्जी ग्रौर दूसरा।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्ति सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वष्टीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

# अनुसूची

28/1 डी॰, गरियादाट रोट, कलकत्ता पर पाका कोठी ।

भ्राई० बी० एम० जुनेजा, सक्षम प्राधिकारी स**हायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)** ग्रर्जनरेज—III, 54, रफी ग्रह्मद किदवाई रोड, कलकत्ता—16

तारी**ख**ं 6—1—1981. मोहर: प्ररूप धाईक टा॰एन॰ एस॰---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-च (1) के प्रधीन भूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, कलकत्ता

भलकत्ता, दिनांक 6 जनवरी 1981

निदेश सं० 563/टी० मार०-318/80-81:—यतः मुझे, माई० वो० एस० जुनेजा,

भायकर यिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इममें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वाम करन का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/- क० में भ्रधिक है

भौर जिसकी सं० 39/1/1ए श्रीर 39/1/1बी है तथा जो सम्भु बाबु लेन, कल०-14 में स्थित है (श्रीर इसरे उपाबद्ध श्रमुख़ों में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीवर्ता श्रधिकार के कार्यालय वरूष ता, में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारोख 26-5-80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लियं अ तरित की गई है और मृहों यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तविक रूग म किया नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण को, मा, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—— 20—476GI/80

(1) श्रो तवेन्द्र नाथ दास एण्ड ग्रदर्स।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री निताई चन्द्र दास।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृवांक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पर्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्स्म्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्कृता के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपित्स में हिंत-यव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टोकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# **धनुसूची**

39/1/10 एण्ड 39/1/1बी सम्भुजाकु लेन, कलकत्ता में अवस्थित 14 छटांक, 24 वर्ग फिट, जिसन और 2 छटांक, 7 वर्ग फिट, जिसन पर मकान जी 26-5-80 तारीख में डीड नं 6 I-502 एण्ड I-503 प्रनुसार रजिस्ट्रार आफ एस्युरेंस दफ्तर में रजिस्ट्री हुआ।

ग्नाई० बी० एस० जुनेजा, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज I, 54, रफी अहमद किंदवाई रोड, कलकत्ता-16

तारोख: 6-1-1981.

प्ररूप आर्इ.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 7 जनवरी 1981

निदेण सं० टी० झार०-298/80-81:--यत. मुझे, स्राई० वी० एस० जुनेजा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ए के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह जिस्ताम करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. में अधिक है

श्रौर जिसकी मं० 105 है तथा जो पार्क स्ट्रीट, कलव सा में निधत है (श्रौर इससे उपावड श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री तर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, कलय सा में, रजिरट्रीव नण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख़ 24-5-1980

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुओ यह विश्वास करने का कारण हो कि कि का कारण हो कि का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त कि निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में अभी करने या उससे बचने मे मृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, एत धन-कर अधिनियम, एत धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्रीमती टी० डी० छोतराणी।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री रवीन्द्र नारमा।

(ग्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वा कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा.
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्थब्दीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

### अनुसूची

105 पार्क स्ट्रीट कल हत्ता मे अवस्थित महान का दृग्य तल्ला का पाटनं ० 27 जो 24-5-80 तारीख में रिजम्झर ग्राफ एन्स्युरेंस का रफ्तर मे डीड नं ० I-3166 अनुसार रिजस्ट्री हुन्ना।

> ग्राई० वी० एस० जुनेजा, सञ्जम प्राधिकारी, महायाक भ्रायकर प्रापुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज I, 54, रफी अह्मद किदवाई रोड, कलकत्ता-16

तारीख: 7-1-1981.

प्रह्म आई०टी०एन०एस०----

अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

काय्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रंग, कलकत्ता

कल । ता, दिनाक 14 जनदरी 1981

निदेश सं० 841/एक्यू० रेज-111/80-81:--यन: मुझे, श्राई० बी० एस० जुनेजा,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृल्य 25,000 रु. स अधिक हैं

श्रीर जिसकी मं० 35 है तथा जो जोतित्व वालाजी लेन, व लक्सा में स्थित है (श्रार इसके उभवछ अनुसूची में खीर पूर्ण एवं से विभिन्न है), रिजिल्ड्री जो श्राब तारों के नामान्य, प्रातिषुर के, रिजिल्ड्री-तरण श्रांवितियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 21-5-1980

को पूर्योक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तारत का गई हा जार मुक्त यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्याक्त सपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उगवा द्रश्यमान प्रतिफल सं, एसं द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्नलिखित उद्दर्य सं उक्त अन्तरण लिखन मा वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दाने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त आधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा अन्तर नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269- म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269- म की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---

(1) श्री परेश चन्द्र दा भ्रौर दूसरा।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री चित्त रंजन दास।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त कब्बी और पर्दों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

जिमन का ठिकाना :---35, गोबिन्द बानार्जी, लेन, कलकत्ता ।

> श्राई० वी० एस० जुनेजा, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजीन रेंज-III, कलकत्ता-16.

तारीख: 14-1-1981.

प्ररूप आहारिटी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जनरेंज, कलकला

कलकत्ता, दिनांक 14 जनवरी 1981

निदेश सं० 884/एक्यु० रेंज-III/80-81:--यतः मुझे, श्राई० वी० एस० नुनेजा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० 119 है तथा जो डा० मेधनाद सादा सरनी, कलकत्ता में स्थित है (भीर इससे उपाबद धनुसूची में भीर पूर्ण का से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15-5-1980

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्बरेय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाथित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिवधा के लिए;

जतः अबं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ण के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) ग्रीनिवक् कोग्रापरेटिय ह। उमिग सोसाइटी लि०:। (श्रन्तरक)
- (2) श्री प्रदीप रंजन गुदा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पित्त मे हित्बद्ध
  किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
  लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में एरिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

प्लाट मं० 7 एस ई, 119, डा० मेचनाद साहा सरनी, कलकत्ता ।

श्राई० थी० एस० जुनेजा, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता-16.

तारीख : 14-1-1981.

प्रकप ग्राई० टी० एन० एस० ----

म्रायकर म्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रामुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकता, दिनांक 14 जनवरी 1981

निदेश सं० 883/एक्यु० रेंज-III/80-81:---यतः मुझे, ग्राई० बी० एस० जनेजा,

भायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क्पए से प्रधिक है

भौर जिसकी सं० 119 है तथा जो डा० मेघनाद सादी सरनी, कलकत्ता में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध प्रानुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्राधीन, तारीख 9-5-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से युक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रक्षि-नियम के श्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/याअन्य/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी घन या भ्रम्य भ्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भ्राय-कर सिंधनियम 1922 (1922 का 11) या जनत भ्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

धतः अव, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-ग के प्रनुसरण में, मैं उक्त प्रधिनियम की घारा 269-व की उपघारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रयातः :—

- (1) ग्रीनध्यू कोग्रापरेटिव हार्जामग सोसाइटी लि० । (ग्रन्तरक)
- (2) श्री हिरानमय गुप्ता।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रर्जन के लिए कार्यकाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेत :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकागन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीनर पूर्विकन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा अधीह्स्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वत्यो करण: ---इसमें प्रपुक्त जब्दों और नदों का, जो उक्त आध-नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# भ्रनुसूची

प्लाट **सं० 6** एन० ई०, 119, डा० मेघनाद माहा सरनी, कसकत्ता।

> ग्राई० बी० एस० जुनेजा, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रापुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता-16

तारीय: 14-1-1981.

प्रकृप बाइ॰ टी॰ एन॰ एस॰-- --

आप तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनाक 14 जनवरी 1981

निदेश मं० 882/एक्यू० रेंज-III/80-81:--यत. मुझे, ग्राई०वी०एस०जुनेजा,

आयकर आधानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उन्त प्रधिनियन' कहा गया है), ती धारा 269-ख के अजान सक्षम (विकास को) यह विश्वाप करने का हार्य है कि स्थावर । नि जिस्स उन्ति बाजार मूल्य 45,000/- ६० स अजिस है

स्रोर जिस ही सं० 119 है तथा जो डा० मेघनाद साहा सरनी, कल हत्ता में स्थित है (स्रोर इससे उनाबद्ध सनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्री हर्ता स्रधिवारी के कार्यालय, कलक त्ता में, रजिस्ट्री हरण प्रधिनियम. 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, तारीख 9-5-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृष्ट्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है आर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि अधापूर्वाका सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिकत से प्रक्रिक है बार अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिना (अन्ति तिया) क बीच ऐसे सन्तरण के लिए तय पाना गया ग्राक्ति, दिन लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक लिखित में वास्तिक रूप स कथि। नहीं िया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी खाय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक क दायिश्व में कमी करन या उससे करने में सुविधा के लिए, और/या
- (व) एसो किसी आव या किसी धन या अन्य ध्रास्तियों को, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त अधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्यातः--

- (1) गीनविनु को प्रापरेंटिव हाउसिंग सोसाइटी लि॰ । (ग्रन्तरक)
- (2) श्री सन्तोव कुमार चक्रवर्ती।

(ग्रन्तरिती)

को गह सूचना जारी करके पुर्वोक्त सम्मित के अर्जन के लिए कार्यवादियाँ करता हूं।

उना समात के अर्जा ह तम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क इस सुवना के राजस्व में त्रकाशन की तारीख से
  45 दा की अविविधा तत्पम्बनों क्यक्तियों पर
  सूचना की तासील से 30 दिस की अविधि, जो भी
  दशन बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस पूजना के राजात्र में प्रकाशन को तारीख से
  45 वन के मानर उत्तर स्थानर नमान्ति न हितवड
  क्सिसी अन्य व्यक्ति दारा, अधीवस्ताला के पास
  विजित में किए न सहेंगे।

स्बन्धे तर १ -- इस में प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उनत अजिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बहुए अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया : ।

### अनुसूची

प्लाट सं० 10 एस ई, 119, डा० मेघनाद साहा सरनी, कलकत्ता।

> ग्राई० बी० एस० जुनेजा, स्रक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजन रेज III, कलकत्ता-16

तारीख: 14-1-1981.

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

प्रायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-प(1) के ग्रिपोत मुचता

#### भारत मरकार

# कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 जनवरी 1981

निदेश सं० 881/एक्यु० रेज-III/80--81- --यन. मुझे, भाई० वी०एस०जनेजा,

भायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिमे इसने इपके पण्नात् 'उक्त स्रधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-ख के अश्रीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विण्वान करने का कारण है कि स्यापर सम्मत्ति, जिनका उचित वाजार मूल्य 25,000/-क्पए से श्रधिक है

श्रीर िसकी सं० 119 है तथा जो डा० मेघनाद राहा रूप्त , कलवत्ता मे स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची मे श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, दलतत्ता में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीक्ष 9-5-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य गे कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित याजार मृल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरितो (अन्तरितियों) के बीव ऐसे अन्तरण के निए लग्न पाया गया प्रतिफन, निम्नलिखित उद्देश्य में उका अन्तरण निक्ति में वास्तिक रूप में तथित नहीं दिया गगा है :---

- (क) प्रन्तरण से हुई िकसी भ्राय की बाबत, उथत श्रीधित्यम के अधीन कर देने के प्रस्तरक के प्राथित्य में कनी करने पाउसमें बचन में सुविधा के लिए; धौर/या
- (ख) ऐसी कियो पाय स किसी बा बा खर म पास्तियों को जिन्हें भारतीय यात-हर प्रश्चिनियम, 1922 (1922 हा 11) या उका अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने भे मुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की प्रारा 269-म के प्रमुगरण में, मैं उक्त अधिनियम को भ्रारा 239-म को उपधारः (उस के अधीन निस्नसिखिक क्यिक्सियों, अर्थातः—--

- (1) ग्रोनिवय कोग्रापरेटिव हाउरिंग सोसाइटी टि० । (श्रन्तराह)
- (2) श्रीरातकृमारराय।

(यन्तरिती)

को यह यूचना जारी करहे पूर्वीक्त सम्मत्ति क श्रजेंन क निए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप--

- (क) इन स्वता के राजान में प्रकारत की जारीख से 45 दिन की अपित या तत्सम्बन्धा व्यक्तियों प सूबता को लामील ये 30 दिन का प्रपंधि, जो भा अवधि बाद में सभाष्त होतो हो, के भातर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) उन प्राता उ राजपत्र में प्रशामन की तारीख म 45 दिन ह मीतर उन्तर स्थातर सम्पत्ति में हित्रवद्ध हिसी प्रना व्यक्ति नारा, प्रभोहम्बाक्षरों ह पास विखित में हिए गा सकेंगे।

स्पब्दोक्षरगः—इनने प्रयका गक्नो श्रोर पदों का, जा उत्त प्रश्निताम के प्रयाद 20-श म परिभाषित ह, बही अर्थ होगा जा उत्त अध्यात में दिया गया है।

### अनुसधी

प्लाट सं० 1 एन० ई०, 119, डा० मेघनाद साहा सरनी, कलकत्ता।

> म्राई० बी० एम० जुनेजा, मक्षम प्राधिकारी महायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण), म्राजन रेज-III, कलकत्ता-16

तारीख: 14-1-1981

प्ररूप आई० टी • एन • एस • ---

आमकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) की **मारा** 269-घ (1) के **प्रधीन** सू**चना** 

भारत सरकार

कार्यात्रय, सहायक आयकर **ग्रायुक्त (निरीक्षण)** ग्रजन रोंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनाक 14 अनवरी, 1981

निदेश मं०  $880_l$ एक्यू० रेज $-III_l 80 - 81:$  ---- यतः मुझे, श्राई० वो० एम० जनेजा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान 'उपन अधिनियम' कहा गया है), की खारा 269-ख क अधीन मक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण दें कि स्थान सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रू॰ में 'प्रस्थिक है

श्रौर जिनको सं० 119, है तथा जो डा० मेघनाद साहा सरनी, कलकता में स्थित है (श्रौर इसमें उपावद श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण म्य में स्थित है), रजिस्ट्रोक्तर्रा श्रिधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रोकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 9-5-1980

को पूर्वोक्त सम्पति के खिलत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, कसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह्र प्रतिशत अधिक है और प्रम्तरक (प्रन्तरकों) और प्रन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तम पामा गमा प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रम्तरण लिखित मे वास्तविक रूप न कथिन नहीं किया गमा है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त श्रिधिनियम के अधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए. और/या
- (ख) ऐसी किसी घाय या किसी घत या घन्य घास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर घिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ घन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मे, ्यत श्रिधान्यम की जारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:—--

- (1) ग्रोनवियु कोग्रापरेटिव हाउसिंग सोसाइटो लि०। (ग्रन्तरक)
- (2) राय हीरेन्द्र नाथ चौधरी । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उस्त सम्पत्ति के प्रजन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की धविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की घविध, जो भी
  धविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी क्यन्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी सम्य क्यक्ति द्वारा, श्रश्चेद्दस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जासकोंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रमुक्त शब्दों भीर पदों का, जो छक्त धिनियम के भव्याय 20क में परिकाधित है, बही धर्च होगा, को उस अध्याय में दिया गया है।

### ननुत्रुची

प्लाट सं० 13 एस ई, 119, डा॰ मेमनाद साहा सरनी, कलकत्ता।

> ग्राई० वी० एस० जुनेजा, सक्षम प्राधिकारी, सहायक घायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जनरेंज—III, कलकत्ता—16

तारीख: 14—1—1981.

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 जनवरी 1981

निवेश सं० 879।एक्यु० रेंज $-II_{IJ}80-81:$ —यतः मुझे, माई० वी० एस० जुनेजा,

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 119 है तथा जो डा० मेघनाव साहा सरनी, कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 9-5-1980

को पूर्वोक्त संपर्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपरित का उपित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किंग्यत नहीं किया गया है:--

> (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

> > कां, जिन्हां भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:-21—476QI/80

- (1) ग्रीनविड कोग्रापरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लि०। (ग्रन्तरक)
- (2) मीबदास बासु ग्रीर दूसरे।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वा क्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध मों कोई भी आक्षोप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्डीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

# अनुसूची

प्लाट सं० 8 एम० ई०, 119, डा० मेघनाद साहा सरनी, कलकत्ता।

> म्राई० वी० एस० जुनेजा, सक्षम प्राधिकारी, सहायक म्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)' श्रर्जन रेंज−III, कलकत्ता-16.

**लारीख: 14—1—1981**.

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूच्ना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 जनवरी 1981

निदेश सं० 878/एक्य्० रेंज-III/80-81:--यतः मुझे, भ्राई० वी० एस० जनेजा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 119 है तथा जो डा० मेघनाद साहा सरनी, कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इससे उपापद्ध श्रनुसूर्वा मे श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीम, तारीख 9-5-1980

कां पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) खौर अन्तरिती अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्वंश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उत्तसे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नुलिखित व्यक्तियों अर्थातः--

- (1) ग्रीनव्यू कोन्नापरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लि०। (भ्रन्तरक)
- (2) श्री भ्रलोक सेन।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हवारा
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अभोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्ध होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

# वृत्स्ची

प्लाट सं०-11 एन० ई०, 119, डा० मेघनाव साहा सरनी, कलकत्ता 1

> श्राई० वी० एस० जुनेजा, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता-16

तारीख: 14-1-1981

(ग्रन्तरिती)

प्ररूप थाई. टी. एम. एस.----

(1) ग्रीनव्यू कोग्रापरेटिय हाउसिंग सोसाइटी लि०। (श्रन्तरक)

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) को अधीन सुचना

<sup>हर्ग भ</sup>ारत सरकार

काय्लिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, कलकत्ता

भलकसा, दिनांक 14 जनवरी 1981

निदेश सं० 877/एक्यू० रॅंज-III/80-81:---यतः मुझे, श्राई० वी० एस० जुनेजा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- क अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- एउ. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० 119 है तथा जो डा० मेघनाद साहा सरनी, कल कत्ता में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, फलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख 9-5-1980

को पूर्वांक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ह है और मुभ्ने यह विश्वास करन का कारण हो कि युक्त स्वाप्त राष्ट्री का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिभात से अधिक हा जार अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरिया) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्नलिखित उद्वोदय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक स्प से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अभि-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविभा के लिए; औड/या
- (ख) एमे। दिल्ली अन्य का किसी धन या अन्य आस्तियाँ का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती बुबारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अभ, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उण्धारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीत्:--

को यह सुचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लि ! कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आओप: --

(2) श्रीमती नमीना बानाजीं।

- (क) इस सूचना के राजपूत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पट्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अन्स्ची

प्लाट सं०-9 एस० डब्ल्यू०, 119, डा० मेघनाद साहा सरनी, कलकत्ता।

श्राई० वी० एस० जुनेजा, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण), श्रजंन रेंज-III, कलकत्ता-16

तारीख: 14-1-1981.

मोहरः

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 जनवरी 1981

निर्देश सं० 876/एक्बी० म्नार-III/80-81--मतः मुझे, माई० बी० एस० जुनेजा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 119 है, तथा जो डा॰ मेधनाद साहा सरनी, कलकत्ता में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्या-लय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 9-5-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उभित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्हे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिदात से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 या 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपारारा (1) के अधीन निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात् क्र--

- 1. ग्रीनब्यू कोझापरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लि॰ । (झन्तरक)
- 2. निखिल बहु मुखर्णी (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जाड़ी करके पृवाँकत् सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपृत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति हुनारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितखब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्योकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों आँर पदी का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में प्रिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुस्ची

प्लाट सं० 6 एन० डबल्यू०, 119, डा० मेघनाद साहा सरनी, कलकत्ता ।

> माई० वी० एस० जुनेजा, समक्ष प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंजः]II कलकत्ता।

तारीख : 14-11-1981

मोहर ।

प्ररूप आई॰ टी॰ एन॰ एस॰---

आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायुक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

श्चर्णन रेंज-III कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 14 जनवरी 1981

निर्देश सं० 875/एक्बी० ग्रार-III/80-81—ग्रतः मुझे, ग्राई० वी० एस० जुनेजा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

प्रौर जिनकी सं० 119 हैं , तथा जो डा॰ मेघनाद साहा सरनी, कलकत्ता में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर, पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 9-5-1980

को पूर्णोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक सप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उनत अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी धन या ग्रम्थ ग्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय भायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः जब, उक्त धिवितियम, की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1) के षधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- ग्रीनच्यू कोन्नापरेटिव हाउसिंग सोसायटी लि० । (ग्रन्सरक)
- 2. कुमारी देवब्रत मुखर्जी

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के ृलए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त समात्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील के 30 दिन की ग्रविध, जो भी श्रविध बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूबना के राजपत्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उका स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो छक्त भ्रधिनियम के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही भ्रर्य होगा, जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

प्लाट सं० 8 एस० ई०, 119, डा० मेघनाद साहा सरनी, कलकत्ता।

भ्राई० वी० एस० जुनेजा, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजं रेंज-III कलकत्ता।

तारीख : 14-1-1981 **।** 

प्रस्प आहूर. टी. एन्. एस.-----

त्रायुक्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

# काय् लिय, सहायक मायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 जनवरी 1981

निर्देश सं० 874/एक्वी० म्रार-<math>InI/80—-81—मतः मुक्ते, म्राई० वी० एस० जुनेजा

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विधिनयम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- र से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 119 है तथा जो डा० मेघनाद माहा सरनी, कलकत्ता में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण-रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय कल-कत्ता में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक 9-5-1980

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (कह) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; औद्ध√या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ण के अनुसरण कें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण किं क्प्पारा (1) के अधीन निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

 ग्रीनव्य् कोभ्रापरेटिव हाउसिंग सोसायटी लि० (भ्रन्तरक)

श्री बिथोन्द्रनाथ गुप्त और रानी गुप्त

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना जाएरी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के रि. कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीश से 4 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचन की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वार;
- (स) इस सूचना के राजपृत्र में प्रकाशन की तारौंच 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित बस्थ किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पच्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषि हुँ, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में वि गया है।

# **अगुलुक्**

प्लाट सं० 7 एन० डबल्यू०, 119, डा० मेघनाद साह सरनी, कलकत्ता।

> ग्नाई० वी० एस० जुनेजा सक्षम प्राधिकार सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-नी, कलकत्ता

दिनांक: 14-1-1981

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर भायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-111, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 जनवरी 1981

निर्देश सं० 873 एक्बी०/ग्रार-III/80—81—ग्रतः मुझे, ग्राई० बी० एस० जुनेजा ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिमका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से ग्रिक है

भौर जिसकी सं० 119 है, तथा जो डा० मेघनाद साहा सरनी, कलकत्ता में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 5-5-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भौर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उकत अन्तरण लिखित में वास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रश्तरण से हुई किसी स्राय की बाबत उक्त प्रधि-निगम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स्त) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य क्षास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रिधिनियम, या धन-कर भ्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा श्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा है लिए;

अतः, भवः, उवत ग्रधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, खबत ग्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन , निम्नलिखित व्यक्तियों, नर्यात् —

- 1. ग्रीनव्यू कोम्रापरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लि० (ग्रन्तरक)
- 2. श्री मुणील राय

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्पत्ति के प्रजान के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्ववित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद किसी प्रन्य अपिकत हारा स्थाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

संब्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त गढ़तों ग्रीर पदों का, जो उनत अधिनियम के ग्रष्टयाय 20-क में परिभाषित है, वहीं प्रधं होगा, जो उस ग्रष्ट्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

प्लाट सं० 7 एस० डब्ल्यू०, 119, डा० मेघनाद साहा सरनी, कलकत्ता ।

> भ्राई० वी० एस० जुनेजा, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता।

विनांक: 14-1-1981

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०----

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के भाषीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, विनांक 14 अनवरी 1981

निर्देश सं० 872/एक्बी० ग्रार०-III/80—81—ग्रतः मुझे, आई० वी० एस० जुनेजा ग्रायकर ग्रिशित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिशित्यमं कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिशीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपय से ग्रिशिक है

भीर जिसकी सं० 119 है तथा जो डा० मेघनाद साहा सरनी, कलकत्ता में स्थित है (भीर इससे उपावद अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्या-लय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 5-5-1980

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित छदेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ---

- (क) प्रन्तरण पे हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रिष्ठ-नियम के अधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; ग्रीर/या
- '(ख) एंसी किसी आय या किसी धन् या अन्यु आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम. 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

भतः भव, उसत भिधितियम की प्रारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उपत अधितियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के पधीन, निम्निखिक्त व्यक्तियों, अर्थातु :—

- 1. ग्रीनव्यू कोग्रापरेटिव हार्डीसग सोसाइटी लि० (मन्तरक)
- 2. श्री सतीदास गान्गुली

(भ्रम्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के सर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं !

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा अद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

हपब्दीकरण:--इनमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रवि-नियम के अध्याय 20-क्त में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

प्लाट सं० 3 एन० उबल्यू०, 119, डा० मेघनाद साहा सरनी, कलकत्ता ।

> म्राई० वी० एस० जुनेजा, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-III, कलकक्षा ।

तारीख: 14-1-1981

प्ररूप आर्च.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं धारा 269-ष (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर सायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-Ⅲ, कलकत्ता

कलकता, विनांक 14 जनवरी 1981

निर्देश सं० 871/एक्बी० **धार-**III/80-81—- ग्रतः मुझे, श्राई० वी० एस० जुनेजा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० 119 है, तथा जो डा० मेथनाव साहा सरनी, कलकत्ता में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध धनुसूची में ग्रौर, पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक 5-5-1980

को पूर्वोक्त संपर्तिः के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी जाब या किसी धन या बन्य आस्तियों करे, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी व्वाधा ककट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थालः--

22-476GI/80

- 1. ग्रीनव्यू कोमापरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लि॰ (भ्रन्तरक)
- 2. श्रीमति लीला बेंनर्जी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के लम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 जिन को भीतर स्वत्त स्थायर सम्मिता में हितनकृष किसी अन्य व्यक्तित द्वारा स्थोहस्ताक्षरी के प्रास तिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धकिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हु<sup>5</sup>, वही अर्थ होया जो उस अध्याय में विवा गमा हु<sup>6</sup>।

### वन्त्वी

प्लाट सं० 6 एस० इब्स्यू०, 119, डा० मेघनाद साहा सरनी, कलकता ।

> माई० वी० एस० जुनेजा, सिक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर मायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज-III, कलकता-16

तारीख: 14-1-1981

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, विनांक 14 जनवरी 1981

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है'), की धारा 269- च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर सम्मति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/ रु. से अधिक ही

स्रोर जिसकी सं० 119 है, तथा जो डा० मेधनाद साहा सरनी, कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध प्रनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्या-लय कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्राधीन दिनांक 5-5-1980

को पूर्वोक्स संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्सरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविभा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्वाराप्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिसित व्यक्तियों अर्थातः--

- ग्रीनब्यू कोम्रापरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लि० (मन्तरक)
- 2. श्री एस० ग्रार० राजागोपाल (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पर्वाकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अगलकी

प्लाट सं० 12 एन० डब्ल्यू०, 119, डा० मेघनाद साहा सरनी, कलकत्ता ।

> भ्राई० वी० एस० जुनेजा, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता-16

तारीख: 14-1-1981

प्ररूप भार . टी. एन. एस.-----

भायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म(1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

काय लिय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-III, कलकसा

कलकत्ता, दिनांक 14 जनवरी 1981

निर्देश सं० 869/एक्बी० ग्रार-[1]/80-81--श्रतः मुझे, ग्राई० बी० एस० ज्नेजा

आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उजित बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० 119 है, तथा जो डा० मेघनाद साहा सरनी, कलकत्ता में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख 5-5-1980

को पूर्वोक्त संपक्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक क्य से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उसत अधि-नियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बधने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, व्यक्तिः—

- ग्रीनब्यू कोम्रापरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लि०,। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री प्रियंत्रत पास

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्स सम्पृतित् के अर्थन् के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पृव्हित् व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकर्ग।

स्पष्डीकरणः -- इसमें प्रयुक्त कथां और पदां का, जो उन्हतु अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

# न्त्रवृद्ध

प्लाट सं० 4 एम० ६० 119, डा० मेघनाव साहा सरनी; कसकसा ।

> भ्राई० वी० एस० जुनेजा, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता-16

दिनांक 14-1-981। मोहर: प्ररूप् आहर् . दी . एन् . ऐस . --------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यांस्य, सहायक नायकंद्र आयुक्त (निरोक्षण)

धर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 जनवरी 1981

निर्देश सं० 868/एक्यी० श्रार-III/80-81—श्रतः मुझे, श्राई० बी० एस० जुनेजा

आयकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. सै अधिक है

धौर जिसकी सं० 119 है, तथा जो डा० मेशनाद साहा सरनी, कलकत्ता में स्थित है (धौर इससे उपायद धनुसूची में धौर पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-लग कलकत्ता, में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिप्तियम, 1908 (1908 का 16) के धाधीन तारीख 5-5-1980

को पूर्वाक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके स्रयमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किल निम्निसिंबत उद्देश्य से उक्त अन्तरण विश्वित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी कैरने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियों करे, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (11) के जुधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- 1. ग्रीनब्यू कोम्रापरेटिब हाउर्सिंग सोसाइटी लि०। (ग्रन्तरक)

2. श्री राजेन्द्र नाथ सरकार

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत स्थितवारों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्तित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विश्वत किए जा सर्केंगे।

स्यक्तीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

प्लाट सं० १ एन० डब्ल्यू०, 119, डा० मेघनाद साहा सरनी, कलकत्ता ।

> श्राई० बी० एस० जुनेजा, सक्षम प्राधिकारी सहायक झायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-Ш, कलकत्ता-16।

तारीख: 14-1-1981

प्ररूप आईं० टी० एन० एस 🖳

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के संधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सञ्चायक भावकर भावन्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 जनवरी 1981

निर्देश सं० 867/एककी०, ग्रार- /80-81--ग्रतः मुझे, ग्राई० वी० एस० जुनेजा

आगकर भवितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाल् 'उनत भवितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भवीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इपए संअधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 119 है, तथा जो डा० मेघनाद साहा सरनी, कलकत्ता में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्या-लय कलकत्ता मे, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 5-5-1980

को पूर्वोबत सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से अम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोबत सम्पत्ति का उणित बाजार मूल्य उसक दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पण्डह प्रतिबत ध्रीधक है और अन्तरक (अन्तरको) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे धरतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उच्च धम्तरण लिखित में वास्तबिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—-

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत छक्त प्रश्नित्यम के अधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
  - (ख) ऐसी किसी प्राय था किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय धाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उदत अधिनियम, या धन-कर घिषिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया थया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनिशम की धारा 269—ग के धनुतरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269—न की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिन व्यक्तियों, अर्थान् :——  ग्रीनब्यू कौन्नापरेटिंक हाउसिंग सोसाइटी लि०। (ग्रन्तरक)

2. श्री सेखर चन्द्र घोष

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी भरके पूर्वोचन सम्पत्ति के अर्जन निए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत तम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन की अविधि या सस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तांचील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद के समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की नारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद किसी घन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा सर्वेंगे ।

स्यक्तीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों धीर पदों का, जो उक्त श्रक्षितियम के शब्दाय 20-क में परिभाषित्र हैं, बही धर्य होगा जो उस शब्दाय में दिया गया है।

# धनुसूची

प्लाट सं० ७ एन० ई०, 119, डा० मेघनाद साहा सरनी, कलकत्ता।

> ग्राई० वी० एस० जुनेजा, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज- , कलकत्ता-16।

तारी**ख** 14-1-1981 मोहर: प्रकप बाई० टी० एन० एस०----

आयकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269 म (1) के प्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यात्रय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 14 जनवरी 1981

निर्देश सं० 866/एक्टी० **प्रार-III/**80-81--ग्रतः मुझे, ग्राई० वी० एस० ज्नेजा

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परधात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के क्योन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूक्य 25,000/- ६० से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 119 है, तथा जो डा० मेघनाव साहा सरनी, कलकत्ता में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्या-लय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 5-5-1980

को पूर्वों कत संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विद्यास करने का फारण है कि यथापूर्वों कत संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्मह प्रतिकास से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरित्या) के बीध एसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रति-फल निम्निलिखत उद्वेदय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक कप से कि थत नहीं किया गया है:---

- (क) प्रम्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उनत श्राध-नियम के प्रधीन कर देने के प्रन्तरफ के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के निए; भौर/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आहितयों की जिन्हों भौरतीय जाय कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयो-जनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

चतः सन, उन्त अधिनियम की घारा 269-न के धनुतरण में, में, उक्त प्रक्रिनियम की घारा 269-व की उपवारा (1) के प्रक्रीत निक्तिशिवात व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. ग्रीमिश्वयु कोन्नापरेटिय हाउसिंग सोसाइटी लि॰ । (भन्तरक)
- 2. श्रीमती सुरावाला मजुमदार

(ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति ने प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धवधि, जो भी धवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संगत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शक्दों भीर पदों का, जो अक्त ग्रधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

# **प्रमुस्**ची

प्लाट सं० 10 एम० डब्ल्यू० 119, डा० मेर्घनाद साहा सरनी, कलकत्ता ।

> श्राई० बी० एस० जुनेजा, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता-16।

तारीख: 14-1-1981

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनाक 14 जनवरी 1981

निर्देश सं० 865/एक्जी० श्रार-III/80-81-श्रतः मुझे, ग्राई० बी० एस० जुनेजा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी मं० 119 है, तथा जो डा० मेघनाद साहा सरनी, कलकत्ता में स्थित है (ग्रीर इससे उपाषद श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 5-5-1980

को पूर्वाक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमाम प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य उसके ध्रयमान प्रतिफल से एसे द्रयमान प्रतिफल के 15 पन्त्रस् प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हीं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीम निम्नलिसित व्यक्तियों अर्थन:-- 1. ग्रीनश्वयु कोग्रापरेटिय हाउसिंग सोसाइटी लि०। (श्रन्तरक)

2 श्री मन्तोप कुमार मुखर्जी

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्स स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंग।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त क्षेत्रयों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

प्लाट सं० 5 एम० ई० 119, डा॰ मेचनाद साहा सरनी, कलकत्ता।

> श्चाई० वी० एस० जुनेजा, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्चायकर श्वायुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज-III, कलकत्ता-16।

सारीख 14-1-1981 मोहर: प्ररूप आहाँ, टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजैन रेंज-III, कलकत्ता कलकत्ता, दिनाँक 14 जनवरी 1981

निर्देश सं० 864/ए०सी० वयू०/म्रार-III/80-81---यतः मुझे म्राई० वी० एस० जनेजा

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परंचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- सं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

भीर जिसकी संख्या 119 है, तथा जो डा॰ मेघनाद साहा, सरनी, कलकता में स्थित है (भीर इससे उपावद अनुसूची में भीर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय कलकता में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 5-5-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अम्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रबोजनार्था अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गय। भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. मैंसर्स भीति वियुक्तीमापरेटिक हाउसिंग सोसाइटी लि० (अन्तरक)
- 2. श्री मन्विरा मुखर्जी,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 पिन की अविध बा तत्सविधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 पिन की अविध जो भी जनिथ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्मत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पेटिकिएगः -- इसमें प्रभुक्त कर्कों और पर्वों का, जो सक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

प्लाट संवी 11 एम० ई०, 119 डा० मेघनाव साहा सरनी, कलकत्ता १

> श्चाई० वी० एस० जुनेजा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकेर आयुक्त(निरक्षिण) श्चर्जन रेंज-III, 54, रफी श्रह्मव, किदवाई रोड, कलकता-16

तारीखा 14-1-1981 महिर: प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-III, कलकस्मा

कलकत्ता, दिनांक 14 जनवरी 1981

निर्देश सं० 863/ए० मी०क्य्० श्रार-III/80-81---यत मझे श्राई० वी० एम० जुनेजा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. में अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 119 है, सथा जो जा० मेशनाद माहा सरनी, कलकला में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से वणित है) रिजस्ट्रीकर्मा श्रीधकारी के कार्यालय कलकला में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम 1908 (1908 का 10) वे अर्ध न कलकला से स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसुची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्मा श्रीधकारी के कार्यालय वलकत्ता में रिजस्ट्रीकर्ण श्रीधनियम 1908 (1909 का 16) के श्रीधीन दिसांक 5-5-1980

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित ब्राजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित ब्राजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मूबिधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्था अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए प

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्मरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (11) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 23—476GI/80

- 1. मैं गर्म ग्रीनिवयु कोप्रापरेटिय हाउभिंग मोसाइटी लि० (अन्तरक)
- 2. श्रो अजिन कुमार चत्रवर्ती

(अन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में में किमी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी क पा लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमोप्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया गया है।

#### अतसची

प्लाट मं० 13 एम० डब्स्यू० 119, डा० मेघनाद साहा, सरमी, कलकत्ता ।

श्राई० वी० एस० जुनेजा सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-[II, 54, रफी श्रहमद किदवाई रोड, कलकना-16

नारीख: 14-1-1981

प्ररूप आर्इ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय , गहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-UI, कलकत्ता

कलकत्ता, विनांक 14 जनवरी 1981

निर्देण गं० 862/ए०मी०क्य आर०III/80-81—-यतः मुझे. त्राई० वी० एम० ज्नेजा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 119 है, तथा जो डा० मेघनाद साहा सरनी, कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध ग्रनुसुची में ग्रीर जो पूर्ण रूप में वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक 5-5-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्था अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अत्रं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निसिस व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. मैंसर्स ग्रीनवियु कोग्रापरेटिय हाउसिंग सोसाइटी लि० (अन्तरक)
- 2. श्री मित्र गुप्त,

(अन्तरिता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी
  अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में प्रिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 11 एम० डब्ल्यू० 119, डा० भेघनाद साहा सरनी, कलकत्ता ।

> ग्राई० वी० एस० जुनेजा सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज III, 54, रफी ग्रह्मद किंदबाई रोड़ कलकक्ता-16

**सारीख: 14-1-1981** 

प्ररूप आई.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-III, कलकता

कलकत्ता, दिनांक 14 जनवरी 1981

निर्देश मं० 861/ए० मी०क्यू आर III/80-81—यतः मृक्षे ग्राई० वी० एस० ज्नेजा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/ रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 119 है, तथा जो छा० मेधनाध साहा, सरनी, कलकत्ता में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय. कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 12-5-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्था अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्ः--

- 1. मैंस मं ग्रीनवियु कोग्रापरेटिव हार्जिस ग सोमाहरी लि० (अन्तरक)
- 2. श्री ग्रनिल बरन राय चौधरी

(अन्तरिता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवाकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमं प्रयूक्त शब्दों आ़रे पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, वहाँ अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## अनुसूची

्नाट सं० 4 एम० ई०, 119, डा० मेधनाद गाहा सरनी. कलकत्ता ।

> ग्राई० बी० एस० जुनेज। सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-III, रफी ग्रहमद किंदबाई रोड कलकत्ता-16

तारीख:14-1-1981 मोहर: प्ररूप आहर्ष, दी. एन. एस.----

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) को अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-111, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनाक 14 जनवरी, 1981

निर्देण सं० 860/ए० सी०क्यू/रेंज-III/80-81---यतः मुझे स्राई० वी० एस० जुमेजा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपंक्ति जिसका उचित जाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

भीर जिसकी मं० 119 है, तथा जो डा० मेघनाद साहा सरनी, कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 12-5-1980

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एमे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृतिधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हीं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- 1. मैं सम ग्रीनविंउ कोग्रापरेटिय हाउसिंग सोसाइटी लि० (भ्रन्तरक)
- 2. श्री चन्द्र भूपन घोष

(ग्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी क<u>रके पूर्वोक्त सम्परित के अ</u>र्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सक<sup>3</sup>गे।

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### गगसभी

प्लाट नं० 3 एन० ई० 119, डा० मेधनाद साहा, सरनी, कलकत्ता ।

> भाई० वी० एस० जुनेजा सक्षम प्राधिकारी सहायक भाषकर भाषुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेंज-111, 54 रफी भ्रहमद किंदवई रोड, कलकत्ता-16

तारीख: 14-1-1981

प्ररूप शाई० टी० एन० एस०----

म्रायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की खारा 269-व (1) के भिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-11I, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनाक 14 जनवरी, 1981

निर्देश मं० 859/ए० सी०वयू/रेज-III 80-81—यतः मझे माई० बी० एस० जुनेजा

आयकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रभितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/— रुपए से प्रधिक है

श्रीर जिमकी सं० 119 है, तथा जो डा० मेघनाद साहा सरनी. कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनाक 12-5-1981 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफन, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक का से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) म्रन्तरण से हुई किसी माय की बाबत, उक्त प्रिव्रित्यम के प्रधीन कर देने के मन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर /या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या मन्य मास्तियों को जिन्हें भारतीय माय-कर मधिनियम, 1922 (1323 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर मधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः प्रव उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, में, छक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रयात् ।---

- मैसर्स ग्रीनिव उकोग्रापरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लि० (श्रन्सरक)
- 2 श्री भवेश दत्त,

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के श्रजंन के लिए कार्यवाहियां करता ह।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश्वा से
  45 दिन की श्रविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की नामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी
  श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा:
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

पब्बीकरण:--इसमें प्रपृक्त गर्दों ग्रीर पदों का, जो सकत श्रिधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, बही ग्रार्थ होगा, जो उस श्रद्याय में दिया गया है।

### मनुसूची

प्लाट मं० 4 एस० इक्ट्यू० 119, डा० मेघनाद साहा सरनी कलकत्ता।

> ग्राई० बी० एस० जुनेजा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-III 54, रफी ग्रहमद किंदबई रोड, कलकत्ता-16

तारीख: 14-1-1981

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-II<sup>1</sup>, कलकत्ता

निर्देण सं० 858 $\mu$ ए० सी०क्ष्यू० $\mu$ प्रार- $\Pi_{I}$ 80-81—स्तः मुझ श्राई० वी० एस० जुनेजा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/ रु० से अधिक हैं

श्रीर जिनकी मं० 119 है, तथा जो डा० मघनाद साहा सिरनी कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 12-5-1980

को प्यांक्त सम्मित के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वींक्त सम्मित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोनें के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा का लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में सिवधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अन्सरण मों, मौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निचित्रित व्यक्तिया अर्थातः—

- 1. मैंसर्म ग्रीनवित्र कोओवरेटिय हाउसिंग सोसाइटी लि० (ग्रन्तरक)
- 2. श्री चुन्नी लाल देव

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त राम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हां।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कांई भी बाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकेंगे।

स्पट्टोकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

### अनुसूची

प्लाट सं०, 4 एन० डब्ल्यू०, 119, डा० मेथनाद साहा सरनी, कलकत्ता ।

> श्राई० बी० एस० जनेजा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-III, र्54, रफी श्रहमद किदवई रोड, कलकत्ता-16

तारीख: 14-1-1981

# प्रकृप धाई• टी• एत• एत•----

# म्रायकर मिश्रिनिथम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व(1) के प्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 जनवरी, 1981

निर्देश सं० 85 7/ए० सी०क्यू/स्राप्-[][/ 80-81--यतः मुझे स्राई० वी० एस० जुनेजा

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गवा है), की घारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25000/- स्पए से मधिक है

श्रौर जिसकी सं 119 है, तथा जो डा॰ मेघनाद साहा, सिरनी, कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 12-5-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बोच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल सिम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में प्रस्तिक कुन ने कथि। नहीं किया गया है:--

- (क) प्रन्तरक सं हुई कियो खाय की बाबन, उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बचने में मुविधा के लिए, धौर/था;
  - (छ) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य भ्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्राय-कर भ्रधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने ने मुविधा के लिए;

अतः प्रव, उक्त प्रधिनियन की घारा 239-ग के प्रत्यस्य में, में, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखिन व्यक्तियों, प्रकीर:---

- मसर्म ग्रीनविड कोग्रापरेटिव हो उगिग मोगाइटि लि० (श्रन्तरक)
- 2. श्री ग्रजित कुमार मज्मदार

(ग्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्ज नके लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उरत सम्पत्ति के भजेत के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सर्केंगे।

स्वड्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त श्रधि-नियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

प्लाट मं० 5 एन० डब्ल्यू०, 119, डा० मेचनाद साहा सरनी, कलकत्ता ।

न्नाई० वी० एस० जुनेजा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-III, 54, रफी श्रहमद किदबई रोड, कलकत्ता-16

नारीख: 14-1-1981

प्ररूप आई. टी. एन. एस.------

आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 जनवरी 1981

निर्देश मं० 856/ए०मी०क्यू०/म्रार-III/80-81—स्यतः मुझे भाई० वी० एम० जुनेजा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 119, है तथा जो डा० मेघनाद साहा सरनी, कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 12-5-1980

को पूर्वोक्त संपित्त के उपित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुफे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उपित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक क्या से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई िक सी आय की बाधत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--

- मैसर्म ग्रीनवय कोन्नापरेटिव हाउसिंग सोसाईटी लि० (ग्रन्तरक)
- 2. श्री सुरजीत चौधुरी

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन को कार्यवाहियां करता हु।

उक्त मम्पित्त के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीज़ से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :-- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया गया है।

### अमुसुची

प्लाट सं० 4 एन० ई०, 119, डा० मेघनाय साहा सरनी, कलकत्ता ।

> श्रार्ड० वी० एस० जुनेजा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-III,

54, रफी ग्रहमद किंदबई रोड, कलकता-16

तारीख: 14-1-1981

प्ररूप आई. टी. एन. एस ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज III, कलकत्ता कलकत्ता, दिनंक 14 जनवरी 1981

निर्देश सं० 855/ए० सी०क्यू/झार-III/80-81---यतः मुझे आई० वी० एस० जुनेजा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ष्रीर जिसकी सं० 119 है, तथा जो डा० मेघनाद साहा सरनी, कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 12-5-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

जतः अवः, उक्त अधिनियमः, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ं---- 24--476GI/80

। ग्रीनवियु कोप्रापरेटिव हाडासिंग फोलाइटी लि०

(अन्तरक)

1 श्री रनजीत मनयाल

(बन्तर्रिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

प्लाट सं० 8 एन० डब्ल्य०, 119, डा० मेघनाद साहा सरनी, कलकत्ता।

> श्राई० वी० एस० जुनेजा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-III,

54, रफी ग्रहमद कियवई रोड, कलकत्ता-16

तारीख: 14-1-1981

प्रारूप आई ुटी, एन्, एस. ----

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 जनवरी, 1981

निर्वेश सं० 854/ए० सी०/म्रार-III/80-81--यतः मुझे आई०वी० एस० जुनेजा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 119 ई, तथा जो डा० मेघनाद साहा सरनी, कलकत्ता में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप मे वर्णित है) र जल्ट्रीकर्ती श्रधकारी के कार्यालय लकता में जिस्ट्रीकरण श्रध नगम 1908 (1908 का 16) के श्रघीन दिनांक 12-5-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्र'ह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकार अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, जाक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, म<sup>4</sup>, जक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नतिषित व्यक्तियों अर्थात् :——

- नैसर्स ग्रीनवियु कोम्प्रापरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लि॰ (श्रन्तरक)
- 2. श्री मिनती घोष

(ग्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिख्ति में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषिज हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

### अनुसूची

प्लाट नं० 8 एम० डब्ल्यू०, 119, डा० मे**धनाद साहा**, सरनी, कलकत्ता ।

> आई० वी० एस० जुनेजा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-III, 4, रफी ग्रहमद किदवई रोड, कलकत्ता-16

तारीख: 14-1-1981

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेज-111, कलकत्ता

भलकत्ता, दिनांक 14 जनवरी 1981

निर्देश सं० 853/ए० सी०न्नार-JII/80-81---यतः मुझे श्राई० वी० एस० जुनेजा

आयकर अधिनियम, 1961, (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पश्चात 'उन्क्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 119, है तथा जो डा० मेथनाव साहा सरनी, कलकत्ता में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन विनांक 12-5-1980

को पूर्वांक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रति-फल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तिविक रूप मे किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिषध के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

- 1. मैंसर्स ग्रीनिवयु कोम्नापरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लि॰ (ग्रन्तरक)
- 2. श्री पिनाकी मुखर्जी ग्रौर दूसरे

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथां क्ता सुम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप:~

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टोकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 29-क मे परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अन्सूची

प्लाट सं० 10 एम० ई०, 119, खा० मेघनाद साहा सरनी, कलकत्ता।

> ग्राई० वी० एस० जुनेजा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-III,

54, रकी ग्रहमद किदवई 'रोड, कर्लकसा-16

तारीख: 14-1-1981

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज, कलकत्ता

कलकसा, दिनांक 14 जनवरी 1981

निर्देश नं 852/एक्यू श्रार-III/80-81---यतः मुझे, श्राई० वी० एस० जुनेजा

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक ही

श्रीर जिस की सं० 119, हैं तथा जो डा० मेघनाव सादा सरनी, कलकता में स्थित ह (श्रीर इससे उपाबध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय कलकता, में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनोक 12-5-1981

को पूर्वों कत संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफो यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिष्ठत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देष्य से उसत अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत न्हीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से मुद्दं िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अभूने में सूनिधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आयु या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनुकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम् की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के मुधीन निम्नलिसित व्यक्तियों अर्थात्:--

- (1) मैं० ग्रीनब्यू कोम्रापरेटिव हाउसिंग सोसायटी लि० (भ्रन्तरक)
- (2) श्रीमती सुवेता चटर्जी

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स्र) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनसची

प्लाट सं०——12 एम डब्ल्यू 119, डा० मेघनाद सादा सरनी, कलकत्ता ।

> श्राई० वी० एस० जुनेजा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रजेन रेंज, III, 54, रफीग्रहमद किदवाई रोड, कलकत्ता-16

दिनाक : 14 जनवरी 1981

प्ररूप आइ ै.टी.एन.एस.-------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 जनवरी 1981

निर्देश नं० 851/एक्यू० ग्रार-III/80-81---यतः मुझे, ग्राई० वी० एस० जुनेजा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/ रह. से अधिक है

और जिसकी सं 119 है तथा जो डा॰ मेघनाद सादा सरनी, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप मे विणित ह), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय कलकत्ता मे रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 24-5-1980

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उव्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुईं किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूविया के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिनान में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्ः--

- (1) ग्रीनव्यू कोग्रापरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लि० (ग्रन्तरक)
- (2) श्री ग्रबनी कुमार मैना। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में काई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- अब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अंधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### वनसर्ची

ण्लाट सं० --7 ME 119, डा॰ मेघनाद सादा सरनी, कलकत्ता।

> ग्राई० वी० एस० जुनेजा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-111, 54, रफीग्रहमद किदवाई रोड़, कलकत्ता-16

दिनांक : 14 अनुवरी 1981

प्ररूप आह .टी.एन.एसं.------

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भूजीम रेज, कलकता

कलकत्ता, दिनांक 14 जनवरी 1981

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहेंचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन संक्षम प्रीधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संस्पेंदित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 119, है तथा जो डा० मेधनाव साहा सरनी कलकता में स्थित है (श्रीर इससे उपावध श्रतुस्वी में श्रीर पूर्णका से विणान है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय कतकता में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 24-5-1980

को पूर्वों क्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित् की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यजाम्बों क्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गृया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से अक्त अन्तरण लिखित् में वास्तिक ख्रय से कथित नहीं किया गृया है:--

- (क) अन्त्रण से हुई किसी आय की बाबत्, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्युमों कभी करने या उससे ब्यूने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हुं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनुकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने मे स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-श को उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

- 1. मैसर्स ग्रीतिबिक कोश्रापरेटिय हाउसिंग सोसाइटी लि॰ (श्रन्तरक)
- 2. श्री वासन्ति मुखर्जी

(भ्रन्तरिती)

का यह सृषना जारी करके पृत्रों क्स सम्पर्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति हुए।
- (ख) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पृदों का, जो उक्त अधि-नियम को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस् अध्याय मे दिया गया हैं।

### वदस्यी

प्याट सं० 2 एस० डध्स्यू०, 119 हा० मेंचनाच साहा सरनी, कलकत्ता ।

> श्राई० थी० एस० जुनेजा सक्षम प्राधिकारी महत्यक श्रायकर श्रामुक्त (निरीक्षण) कर्जन रेंज-III, 54, रफीश्रहमंद किदवाई रोड, कलकत्ता-16

**तारीख:** 14-1-1981

प्ररूप जार्ड . टी . एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आमकर आयुक्त (निरीक्षण) भूजेन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 जनवरी 1981

निर्देश सं० 849/एम्पू०/रेंज-JII/80-81---यतः मुझे, श्राई० वी० एस० जुनेजा,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 119, है तथा जो डा० मेमनाद साधा सरनी, कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इससे उपामध श्रमुसूची में श्रीर जो पूर्णेरूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 24-5-1980

को पूर्वांक्स संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिकास के लिए अम्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्स संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिकास से एसे ख्रयमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिकास से अधिक है और अम्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के सीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रति-फल, विश्नलितित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किंगत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कथी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा को लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

- मैससं ग्रीनब्यू को ग्रामरेटिव हा उसिंग सोसाइटी लि० (ग्रन्तरक)
- 2. श्री रेबा दालदार

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पृथांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शक्यों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

### वम्मू ची

प्लाट सं० 5 एन० ई०, 119, डा० मेघनाद सावा सरनी, कलकसा ।

> श्राई० बी० एस० जुनेजा, सक्षम प्राधिकारी महास्रक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-III, 54, रफी श्रहणव किदवई रोड, कलकत्त'-16

तारीख: 14-1-1981

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ऋर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 जनवरी 1981

सं० ए० सी०-848/रैंज-III/80-81---यतः मुझे, ब्राई० वी० एस० जुनेजा,

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० 119 है तथा जो डा० मेघनाद सादा सरनी, कलकत्ता में स्थित है। (श्रौर इससे उपावद प्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है)। रिष्टस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 24 मई, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्के यह विश्वास रूपने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्यमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का पन्द्र प्रतिशत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्नितिबित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिकित में बास्तिबक क्या से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिमियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बचने में सृत्रिधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बन-कर अधिनियम, या बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन निम्निषिकित व्यक्तियों अर्थात्:-- 1. प्रानम्यू को पाप्रेटिव हाजिपग मोमाइटी लिमिटेड,

(भ्रन्तरक)

2. श्रीर रेना मुर**बाज**ा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पित्स को अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविभ, जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वच्छीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिना गया है।

अनुसूची

प्लाट सं०—-10-एन०ई० । 119, डा० भेघानाद मादा सरनी, कलकत्ता ।

> भाई० वी० एम० जुनेजा सक्षम प्राधिकारी (सहायक आयक्षर आयुक्त निरीक्षण) श्रर्जन रैंज - III,

84, रफीअहमद किदवाई रोड, कलकत्ता-16

तारीख: 14-1-1981

प्ररूप आईं. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-ाा, कलकला

कलकत्ता, दिनांक 14 जनवरी 1981

निर्देश सं० 847 एक्यू० म्रार० 📆/80-81—म्रतः मुझे, आई० वी० एस० जुनेजा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्त जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 119 है तथा जो डा० मेथनाद साहा सरनी, कलकत्ता में स्थित है। श्रौर इससे उपाबद्ध, श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है।, रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अर्ध न तारीख 24 मई, 1980

को पूर्वोक्त संपर्तित के उचित बाजार मृल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय गाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हुं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, म<sup>5</sup>, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अथित्:—— 25—476GI/80 1. ग्रीनच्यू कोग्राप्रेटिव हाउसिंग सोमाइटी लि०

(भ्रन्तर्क)

2. श्रोमती गान्ता राय

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप.--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की लारीस से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति ख्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरों।

स्पद्धतीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 - क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विमा गया है।

## बनुसूची

प्लाट नं० 11-एन डब्ल्यू०, 119, डा० मेचनाय साहा, सरनी, कलकत्ता ।

> ग्राईं० वीं० एस० चुनेजा सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज- III, कलकक्ता

नारीख:14-1-1981

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज-111, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 जनवरी 1981

निदेश सं० 846/एक्यू० आर० 📶/80-81 यतः मुझे, स्राई० वी० एस० जुनेआ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रह. से अधिक है

भीर जिसकी सं० 119 है तथा जो डा॰ मेघनाद साहा सरनी, कलकत्ता में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुमृची में भीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख 24 मई, 1980

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पन्तर प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित अन्तरिति के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उकत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

- 1. ग्रीनव्यू कोग्राप्रेटिव हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड, (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमती पद्मा श्रोझा,

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वा क्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## **प्रनुसुची**

प्लाट सं० 5 एम डब्ल्यू०, 119 डा० मेघनाद साहा सरनी, कलकत्ता।

> र्धं ग्राई० वी० एस० जुनेजा, र्सक्षम प्राधिकारी [सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-III, कलकक्ता

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थीस्:--

तारीख : 14-1-81

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

# श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 26**9-व (1) के प्रधीन सूच**ना

#### भारत सरकार

कार्मालय, सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेज-111, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 जनवरी 1981

निवेश मं० 845/एक्यू० आर० III/80-81--यतः मुझे,

ग्राई० वो० एस० जुनेजा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके परचान् 'उक्त ग्राधिनियम' कहा गपा है),
को धारा 269-व के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से श्रधिक है
धौर जिसकी सं० 119 है तथा जो डा० मेघनाद साहा सरनी,
कलकत्ता में स्थित है। (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसुषी में ग्रौर पूर्ण

रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रोकत्ती अधिकारी के कार्यालय कलवाता

में, रजिस्ट्राकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 24 मई, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य स कम के वृष्यमान प्रतिकत के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृष्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिकृत से प्रविक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर प्रक्तरिती (अन्तरितियों) के वीच ऐसे यन्तरण के लिए ता पाया गया प्रतिकल, निम्तलिखित उद्देश्य र उका ग्रन्तर निश्वन में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त श्रिधि-नियम के अधीन हर देने के ग्रन्तरह के दायित्व म कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी अगय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त श्रिधिनियम, बा धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के श्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के को नह सूबना जारो करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवादियां करता हूं। 1. ग्रानव्यू कोम्राप्रेटिव हाउसिंग सोसाइटा, लि०,

(ग्रन्तरक)

2. श्रोमती निलानन्व मुखर्जी

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजँन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

**छन्**त सम्पत्ति के स्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी स्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तर्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्नोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किय जा सकेंगे।

स्परिकारण: -- इसमें प्रयुक्त गन्दां त्रौर पदों ता, जो उस्त अधि-नियम के श्रष्टमाय 20-क में परिभाषित हैं वहीं श्रर्य होगा ज उन श्रष्टमाय में दिया गया हैं।

### अनुसू वी

प्लाट सं० 2 एन० ई०, 119 डा० मेघनाद साहा मरनी, कलकत्ता ।

> ग्राई० वी० एस० जुनेजा, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजेंन रेज-III, कलकत्ता

सा**रीख:** 14-1-1981

प्ररूप आई. टी. एन्. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-∭ि, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 जनवरी 1981

निदेश सं० 844/एक्यू० आर०-ााँ।/80-81--यतः मुझे, भाई० वी० एस० ज्नेजा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 119 है तथा जो डा० मेघनाव साहा सरनी, कलकत्ता में स्थित है। श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर, पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 24-5-1981

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तकरण लिखित मे वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व से कमी करने या उससे बुचने में सुविधा के लिये; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीत्:——

- ग्रीनब्यू कोम्राप्रेटिव हाउसिंग सोमाइटो लि०, (प्रन्तरक)
- श्रीमती कृष्णा धनर्जी, (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उत्मत अधिनियम, के अध्याय 20-का में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

्रष्टाट सं० 12 एम०ई०, 119, डा० मेघनाद साहा सरनी, कलकत्ता।

> श्राई० वं ा० एस० जुनेजा सक्षम प्राधिकारी स**हायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण**) प्रार्जन रेज-III, कलकत्ता

ताराख: 14 जनवरी, 1981।

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 जनवरी 1981

निदेश सं० 843/एक्यू०/रेंज-111/80-81-स्यत मुझे, श्राई० वी० एस० जुनेजा,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. में अधिक है

प्रोर जिपका स० 119 है तथा जो डा० मेघनाद साहा सरनी, कल इता मे स्थित है, (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रन्सूची में श्रीर पूर्ण का से वर्णित है), रब्स्ट्रिक्ती ग्रधिकार, के कार्यालय कलक्ता मे, रिजिस्ट्रिकरण ग्रधितियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीत तार ख 24 मई, 1980

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:——

- ग्रीनब्यू कोग्राप्रेटिव हाउसिंग सोसाइटः लि०, (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमती साननना बनर्जी (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हू।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा :
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा मकोंगे।

स्पष्टीकरण '--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्तत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

### अनुस्ची

प्लाट सं० 12 एस०ई०----119, डा० मेघनाद माहा सरनी, कलकत्ता ।

श्राई०वी०एस० जुनेजा सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता

ना**रीख** . 14-1-1981।

प्ररूप आई. टी. एन. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 जनवरी 1981

निर्देश सं०-842/एक्यू० रेंज-111/80-81---यतः, मुझे, आई० वा० एस० जुनेजा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 119, है तथा जो डा० मेघनाद साहा सरनी, कलकत्ता में स्थित है। (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 24 मई, 1980

को पूर्वाक्ति संपिति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथा नहीं किया गया है। —

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए:

अत अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-म के अनुसरण मे, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीत् :---

- 1. ग्रोनब्यू कोग्राप्रेटिव हाउसिंग सोसाइटं। लि०,
  - (अन्तरक)
- 2. श्री परेश चन्द्र बोस,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण :--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो अक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मो परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### अनुसूची

प्लाट सं० 2-ई०--119, डा० मेघनाव साहा सरनी, कलकना

ग्राई० वी० एम० जुनेजा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-III, कलकत्ता

तारांख 14-1-1981। मोहर: प्ररूप् आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सुरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रजन रेज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 16 जनवरी 1981

सं० ए० सो $\circ$ /रेंज-II/कल/1981—यतः मुझे, के० निन्हा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-एउ. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० 13/5 है, तथा जो राजा मनिन्द्रा रोड, कलकत्ता-2 में स्थित है। स्रोर (इससे उपाबद स्रनुसुर्च। में स्रोर, पूर्णस्प से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता स्रधिकारी के कार्यालय एस० स्रार० सिम्रालदा में, रजिस्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन तारीख 2 मई, 1980

को पूर्वोंक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्वेदेय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक कृप से कथित नहीं किया गया हैं।

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उन्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात्:~

 मैं० साबो एस्टेट (प्रा०) लिमिटेड, जाइंट मैंनेजिंग डाइरेक्टरस, श्री कार्तिक चन्द्र साबु ग्रीर बाका

(ग्रन्तर्क)

2. श्रीमती रेनुका मुखर्जी श्रीर बाकी

(भ्रन्तिगर्ता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप.-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिया;
- (स) इस सूधना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निमित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 29-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा गया है।

### अनुसूची

13/5, राजा मनिन्द्रा रोड, पि ० एम० चितपुर, कलकत्ता ।

कें० सिन्हा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-JII, कलकत्ता

नारीख: 16-1-1981।

मोहरः

प्रारूप आर्घ. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज-VI, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 22 जनवरी, 1981

सं० ए.०सी०-91/रेज-IV/कल०/80-81---यतः, मुझे के० सिन्हा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उन्तर अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक हैं सथा जो धरमपुर श्रीर जिसको संब्द्ध देहा है तथा जो धरमपुर

श्रीर जिसका स० प्लाट न० 285, 286, 288 ह तथा जो धरमपुर चुचुरा में स्थित है, श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रोकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय चुचुरा में, रिजस्ट्रोकर्रण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधन, तारी ख 20 मई, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप में किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

1. हाराधन मंडल

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती लिला देवी ग्रागर ग्रीशाल

(भ्रन्तरिर्तः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिम्बित में किए जा सक्ते।

स्पष्टिकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उत्कर्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### अनुसूची

ण्लाट सं० 285, 286, 288 धरमपुर, चुचुरा, हुगली में 1110 एकड़ का जमीन वा सब कुछ जैसे 1980 का दलिल से 744 में ग्रीर पूर्णक्प मे विणित है।

के० सिन्हा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज - IV कलकत्ता

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा269-ग के अनुसारण में,  $\pi^5$ , उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात् :——

तारीखा: 22-1-1981

प्ररूप आई. टो. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्वत (निरीक्षण) मर्जन रेज-IV, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 22 जनवरी 1981

सं ० ए०सी ०-92/भार०-IV/कल ०/80-81----यतः के० सिन्हा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्वास करने का कारण है कि स्थातर सम्पति, जिसका उक्ति बाजार मृत्य 25,000/-- रत. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 46/12/1/3 है तथा जो ब्रञ्नाथ लाहिरी लेन, हावड़ा में स्थित है, श्रीर इसस उपाबद्ध श्रन्सुच, में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रकर्ता ग्रधिकारः के कार्यालय हावड़ा में, रजिस्द्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधान, तारीख 16 मई, 1980

का पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्इ है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वा क्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तिरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय नाया गया प्रति-फल, निम्तलिखित उददोष्य से लक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व भे कभी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हीं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:— 26-476GJ/80

श्रं/दोपाली गोस्वामी

(ग्रन्सरक)

2. श्रं ग्रमरेष चटर्जी

(श्रन्तरितः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हू ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप:-

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस 4.5 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियो सुचनाकी तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (स्व) इस स्चनाके राजपत्र मे प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जासकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसर्भे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उकत अधिनियम, के अध्याय 29-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### अनस्ची

46/12/1/3, बजनाथ लहिरो लेन, हाबड़ा में 2 काठा अमोन का साथ मकान का सब कुछ जैसे 1980 का दक्षिल सं० 1637 में भौर पूर्ण रूप स वर्णित है।

के० सिन्हा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निस्क्रिण)

श्रर्जम रेज-IV, मलकत्ता

तारेखः 22-1-1981

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) को अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रैंज-JV, कलकत्ता कलकता, दिनांक 22 जनवरी 1981

स० ए०सी०-93/प्रार०-IV/करू०/80-81—यतः, मुझे, के० सिन्हा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियमा कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो स्थित है औप इससे उपाबध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिट्रीकत्तौ श्रिधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक

का पूर्वोक्त सपित के उचित बाजार मूल्य से कम के इंग्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इंग्यमान प्रतिफल से, एसे इंग्यमान प्रतिफल का पन्मह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिषक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात:— 1. श्रा रेखा राना घोष, सस्येन्द्र नाथ घोष,

(ग्रन्तरक)

2 श्रो चन्डी दाम पाल

(भ्रन्तिरर्ता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हू ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप:-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 29-क में परिभाषित ह″, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिका गया है।

#### अनुसूची

91 खोता मित्रा लेन, मालित्या, हावड़ा, में 1 काटा 3 छटांक 18 स्क्वेयर फुट जमीन के साथ मकान का सब क्छ जैसा 1980 का दलिल सं० 1489 में ग्रीर पुर्णरूप से वर्णित है।

> कें० सिन्हा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेज-IV, कलकक्ता

तारीख:22-181

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

1. श्रां सिस्तेन्द्र नाथ घोष

2. श्री चन्डी चरन पाल

(भन्तरक)

(भ्रन्सरिती)

आयकार अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रजन रेंज, कलकसा

कलकत्ता, दिनांक 22 जनवरी, 1981

निवेश सं० ए०सा०-94/भ्रार०-IV/कल०/80-81—यतः मुझे के० सिन्हा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

भौर जिसको मं ० 91 है तथा जो खेत मिश्रा रोड, सालकिया, हावड़ा में स्थित है। भौर इसस उपाबद अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है. रिजस्ट्राकर्ता अधिकारा के कार्यालय हावड़ा में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधान, ताराख 7 मई, 1980

को पूर्वाक्त सपित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्धारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तिसयों, अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप:-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधिबाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मंप्रकाशन की शारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्यष्टीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 29-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

91, खेस मिश्रा रोड, सालकिया, हावड़ा में 1 काता 3 छटांक 18 स्कोयर फुट जमोन का साथ मकान का सब कुछ जैसे कि 1980 का दलिल सं० 1498 में ग्रीर पूर्ण रुप से वर्णित है।

> कें० मिन्हा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

तारीख: 22-1-81

स्रर्जन रेंड-1V; कलकत्ता

मोहरः

प्ररूप आई. टी. एन. एस ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 6 फरवरी, 1981

निदेशसं० ए० सी०-68/ग्रार०-IV/करू०/80-81---यत; मुझे के० सिन्हा

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं ० पी ०/६ बी ० डी ० जर्भी, होल्डिंग 107/164, राहा राम मोहन राय रोड, पा० एस० बेहाला. नलकत्ता-134, में स्थित है, (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधि । री के कार्यालय एस० श्रार० श्रलीपुर, 24-परमता में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 नम 16) के श्रधीन, तारीख 9 मई, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 17) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात 

——

1. श्रोमतायुकी का दत्त

(भन्तरक)

2. श्री नन्दनी राय

(अन्त(रती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्स सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विम की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्घ किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## अनुसूची

एरिया: 3 कनाल, 3 छटांक, 27 वर्ग फुट, पी०/6 बो॰ डो॰ जयश्रा होल्डिंग 107/164, राजा राम मोहन राय रोड, पो॰ एम॰ बेहाला, कलकत्ता-34 में।

के० सिन्हा

सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, कलकत्ता

तारीख: 6-2-1081

प्ररूप आई. टी. एन. एम.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक फरवरो 1981

निदेश सं० ए० सी०-69/प्रार-II/कल०/80-81---यत. मुझे के० सिहा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

श्रीर जिस्त की संव दाग नंव 1721 है तथा गो मौजा कार्ल वाह पाव एसव दमदम क्लकत्ता-55 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ़ अनुसूचा में श्रीर, पूर्णस्प से बिणत है), रिजस्ट्रीनर्ता श्रीध-कारा क कार्यालय एसव श्रार्व कासापुर, दमदम में, रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधान, दिनाक 10-5-80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सूत्रिधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत. अब, उचत अधिनियम की धारा 269- व को अनुसारण में, मं, उचत अधिनियम की धारा 269- व की उपधारा (1) के अधीन निम्नीलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्रो सुबोध चटर्जी

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती तृप्ती गांगुली

(श्रन्तिरते)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण : --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया गया हैं।

अमुस्ची

दाग नं ० 1721 काल वह । पी ० एम ० वमदम कलकता-55

कें शिन्हा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकार आयुक्त (निरक्षिण) भ्रर्जन रेंज-II 54, रफी श्रहमद किदवई रोड़,

कलकत्ता-16

दिनाव : 6 फरवरी 1981

मो**इ**र

9\*\*

# संख् ल्येक सेवा बायांग्

# नॉटिस्

#### इजीनियरी सेवा परीक्षा, 1981

# नुष्टं विल्ली-110011, विनांक 28 फर्ज़्वरी 1981

सं. एफ. 2/4/80-प-1 (स) — भारत के राजपण दिनांक 28 फरवरी 1981 रेल मंत्रालय (रेलवे बोर्ड) व्यारा प्रकाशित नियमों के अनुसार नीचे पैरा 2 में उल्लिखित सेवाऑ/पर्वो पर भर्ती के लिए संच लोक सेवा आयोग द्वारा अगरतला, अहमवाबाद, एज्ल, इलाहाबाद, बंगलौर, भोपाल, बम्बई, कलकत्ता, चंडीगढ़, कोचीन, कटक, दिल्ली, दिसपुर (गोहाटी), हैदराबाद, इम्फाल इंटानगर, जयपुर, जम्मू, जोरहाट कोहिमा, लखनऊ, मदास, नागपुर, पणणी (गोवा), पटना, पोटंक्लेयर, शिलांग, शिमला, श्रीनगर और त्रिवेत्यम में 9 अगस्त 1981 से एक सम्मिलित प्रतियोगिता परीक्षा ली जायगी।

जायोग यदि बाहे तो, परीक्षा के उपर्युक्त केन्द्रों तथा उसके प्रारम्भ होने की तारील में परिवर्तन कर सकता है। परीक्षा में प्रवेश प्राप्त उम्मीदनारों को परीक्षा की समय-सारणी तथा स्थान अथवा स्थानों के बार में सूचित किया जाएगा। (देखिए अनुबन्ध परी 11).

 इ.स. परोक्षा को परिणाम को आधार पर सेवाजों/पढों को निम्निलिखित वर्गों में भतीं की जाएगी —

वर्गेI

वर्ग II

--यांक्रिक इंजीनियरी

वर्ग III

---वैजूत् इंजीनियरी

वर्गIV '

---इलेक्ट्रानिकी तथा दूर संचार इंजीनियरी

प्रत्येक वर्ग के घरतगेत विभिन्न तेवाघों/पदों में लगभग कितनी रिक्तियां हैं यह नीचे वर्णाया गया है:---

# वर्गं I—सिविल इंजीनियरी प्रम 'क' की सेवार्ए/पद

- (i) इंजीनियरों की
- 40\*\*

भारतीय रेल सेवा (ii) भारतीय रेल भंडार सेवा

- मारतीय रेल भंडार सेवा (मिविल इंजीनियरी पद) @
- (iii) केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा
- (iv) सेना इंजीनियरी सेवा (भवन तथा सड्क संवर्ग)
- (v) केन्द्रीय जल इंजीनियरी 60 (प्रश्जाश के उम्मीदवारों के लिए 6 सेवा (सिविल इंजीनियरी भीर भ्रश्जाश के उम्मीदवारों के लिए पव) 3 भ्रारिकार रिक्तियी सम्मिलित हैं)
- (vi) केम्ब्रीय इंजीनियरी सेवा 5 (म० जा० के उम्मीवनारों (सब्क) के लिये 2 ग्रान्थियत रिक्ति सम्मिलित है)
- (vii) सहायक कार्यपालक इंजी-नियर (सिविल) (डाक व सार सिविल इंजीनियरी स्कन्ध)

- (viii) सहायक कार्यपालक इंजी-नियद (सिविल), सीमा सङ्क इंजीनियरी सेवा
- (ix) भारतीय भायुक कारकाना सेवा (इंजीनियरी शाका) सिविल इंजीनियरी पव

# कृष च की सेवाएं/पव

- (x) सहायक इंजीनियर (सिवल) डाक व तार सिवल इंजीनियरी स्कंध
- (xi) सहायक इंजीनियर (सिविल), प्राकाशवाणी 4 (जिसमें 1 रिक्ति मनसूचित जाति के का सिविल निर्माण स्कंध उम्मीदवारों के लिये धारक्षित है)

## वर्ग-II---यांजिक इंजीनियरी

### ग्रुप 'क' की सेवाएं/पद

- (i) यांतिक इंजीनियरी की 12\*\* भारतीय रेल सेवा
- (ii) भारतीय रेल मंडार सेवा (योजिक इंजीनियरी पद) @
- (iii) केन्द्रीय जल इंजीनियरी सेना (यांत्रिक इंजीनियरी पद)
- (iv) केण्ड्रीय शक्ति इंजीनियरी सेवा ृ (यांज्ञिक इंजीनियरी पद)
- ्र(v) सेनाइंजीनियरी सेवा 4 (घ० ज० जा० के उस्मीववारो (वैद्यत्तापा यांत्रिक संवर्गे) के लिये भारक्षित रिक्तियां सम्मिलित योजिक इंजीनियरी पद) है)
- (vi) भारतीय मायुद्ध कारकाना 10 (घ० जा० के उम्मीवनारों सेवा (इंजीनियरी साक्षा) के लिये 1 और घ० च० जा० (यांक्रिक) के उम्मीवनारों के लिये 1 धार- कित रिक्तियों सम्मिलित हैं।
- (vii) भारतीय नौसेना मायुच सेवा (योक्रिक इंजीनियरी पव)
- (viii) यांत्रिक इंजीनियरी (कनिष्ठ) भारतीय मू-विज्ञान सर्वेकण
  - {(ix) सहायक द्विलिंग इंजीनियर भारतीय भू-विज्ञान सर्वेक्षण
- (X) सहायक प्रबन्ध (कारकाना) 10 (प्र० जा० के अस्मीयवारों (बाक व तार दूरसंधार के लिये 2 रिक्तियां सम्मितित हैं कारकाना संग्रहन) तया अ० ज० जा० के अस्मीय-वारों के लिये 1 रिक्ति सम्मितित है।)
- ृ(xi) सहायक कार्यपालक इंजीनियर । (यांकिक), सीमा सङ्क इंजीनियरी सेवा।
- (xii) कर्मशाला प्रक्षिकारी (यांत्रिक) इ.० एम० ६० कोर, रक्षा मैक्सलय।
- (xiii) केन्द्रीय वें सुत् और यांक्षिक इंजीनियरी सेवा (यांक्रिक इंजीनियरी पद) ∰

- (XiV) सहायक विकास प्रधिकारी (इंजीनियरी) का पद, तकनीकी विकास महानिवेशालय (याजिक इंजीनियरी पव)
- (XV) महायक (नवेशक (तकनोकी) (भ्र० जा० के उम्मीदवारों के ग्रुप 'क' कापदा (योजिकी) लिये भारक्षित) (इंजीतियरी पद) का पद, मारी उद्योग विभाग।

भारत का राजपन्न, फरवरी 28, 1981

(xvi) चारतीय प्रापूर्ति सेवा 3 (इनमें घ० जा० के उम्मीद (यांक्रिक इंजीनियरी पद) वारों के लिये 2 मीर मन ज॰ जा॰ के उम्मीववारों के 1 प्रारक्षित रिक्ति सम्मिलित है)

# मूप 'ख'की सेवा/पद

(xvi) सहायक यांत्रिक इंजीनियर मारतीय भूविज्ञान सर्वेक्षण

(xvii) कर्मेशाला प्रधिकारी (यांत्रिक) 1 (यह रिक्ति ग्र० जा० के ६० एम० ६० कोर, रक्षा उम्मीदवारों के लिये भारकित मंबालय । ₹)ı

# वर्ग-III---विजुत् इंजीनियरी पूप 'क' की सेवाएं/पद

- (i) वेचुत् इंजीनियरों की मारतीय रेल सेवा
- (ii) भारतीय रेल भंडार सेवा (वेब्रुस्इंजीनियरी पव)
- (iii) केन्द्रीय वैज्ञूत् भीर योजिक
- इंजीनियरी सेवा (केन्द्रीय इंजीमियरी पद) (iv) भारतीय आयुच कारखाना सेवा (4) जिमर्मे 1 पव धनुसूचित
- जाति के लिये धारकित है) (इंजीनियरी शाखा) (वे बुत् इंजीनियरी पद)

@

- (v) भारतीय नौसेना भायुच सेवा (बैजुत् इंजीनियरी पव)
- (vi) केन्द्रीय मन्ति इंजीनियरी सेवा (बैबुत् इंजीनियरी पव)
- (vii) महायक कार्यपालक इंजीनियर (वैद्युत्) (डाकव सार सिविल इंजीनियरी स्कंघ)
- (viii) सेना इंजीनियरी सेवा 3 (ঘ০ ডা০ ক उम्मीद-(वैदात् तथा योक्षिक संवर्ग) वारों के लिये रिक्ति (बैजुत् इंजीनियरी पर) मार्यक्षत है)
  - (ix) कर्मशाला अधिकारी (वैच्त्) ६० एम० ६० कोर, रक्षा मेलालय
  - (x) महायक विकास प्रधिकारी (इंजीनियरी का पद) तकनीकी विकास महानिवेशालय (बैच्त् इंजीनियरी पद)
- (xi) भारतीय बापूर्ति सेवा 3 (इनमें भ्र० जा० के उस्मी-ववारों के लिये 2 भीर भ० (बैचुत् इंजीनियरी पद) ज० जा० के उम्मीववारों के लिये 1 मार्राकात सम्मिलित है)।

# पूप 'ख' सेवाएं/पव

(Xii) महायक इजीनियरी (वेजून) (डाफ व तार मिविल इंजीनियरी स्कंघ)

- (xiii) सहायक इंजीनियर (वेंचुत्) भाकाशवाणी सिविल निर्माण विभाग स्कन्ध ।
- (xiv) कर्मेशाला प्रधिकारी (वैश्रुत्) 1 (घ० ७० जा० के उम्मीद-वारों के लिये मारकित है) **ई०एम०ई० कोर, रका** मंत्रालय ।

# वर्ग IV - इनेक्ट्रानिको तथा तूर संचार इंजीनियरी

# मूप 'क' सेवा/पद

- 40\*\* (i) सिगनल इंजीनियरों की भारतीय रेल सेवा
- (ii) भारतीय रेल मंडार सेवा (a), (दूर संचार/इलेक्ट्रानिक इंजीनियरी पर)।
- (iii) भारतीय दूरसंचार सेवा
- (įv) इंजीनियर,वेतार योजना भीर समस्वय स्कन्ध/मनुखनण संगठन संचार मंत्रालय
- 3 (म॰ जा० के उम्मीदवारों के लिये 1 चारक्षित रिवित सम्मिलित
- (v) उप-प्रभारी इंजीनियर समुद्रपार सेचार सेवा
- 3 (भाग्जार्जार के उम्मीदवारों के लिये 1 रिक्ति सम्मिलित है)
- (vi) सहायक स्टेशन इंजीनियर भाकाशवाणी
- (vii) तकनीकी प्रधिकारी, सिविल विमानन विमाग
- 4 (भ्र० जा० के उम्मीदवारों के लिये 1 मीर म० ज० जा० के उम्मीववारों के लिये 3 मार-क्षित रिक्तिया सम्मिलित है)।
- (viii) संचार प्रधिकारी मिविल विमानन विभाग
- 2 भ० ज० जा० के उम्मीद-वारों के लिये घारकित
- (ix) भारतीय भायुष कारकाना सेवा (इंजीनियरी शाखा) (इलेक्ट्रानिको इंजीनियरी पद)
- (x) भारतीय नौसेना, भायुष सेवा (इलेक्ट्रानिक इंजीनियरी पव)
- (xi) केन्द्रीय शक्ति इंजीनियरी सेवा (दूर संचार इंजीनियरी पद)
- (xii) कमशाला प्रधिकारी 1 (यह रिक्ति ग्र० जा० के (इनेक्ट्रानिकी), उम्मीदवारों के लिये बारकित **१**०एम० ६० कोर, रका मंत्रालय।
- (xiii) सहायक विकास प्रधिकारी (इंजीनियरी) का पर तक्तीकी विकास महानिवेशालय (इस स्वानिकी बूरसंचार इंजीनियरी पर)

#### सूप 'ख' सेवाएं/पद

- (xiv) सहायक इंजीनियर माकाशवाणी
- (xv) सहायक इंजीनियर समुद्रपार संचार सेवा
- 14 (प्र० जा० के उम्मीदबारों के लिये 3 मीर मा० जा० जा० उम्भीववारीं के लिये रिक्तियां सम्मिलित है)।

(XVI) तकनीकी सहायक (बूप 'ख')ें 5 (घ० जा० के उस्मीवकारों ग्रराजपित्तत समृद्धपार संचार के लिये 1 ग्रीर घ० ज० सेवा जा० के उस्मीवकारों के लिये 1 रिक्ति सम्मिलत है)

(XVii) कर्मशाला श्रीक्रकारी (इलेक्ट्रानिकी) ई० एम० ई० कोर, रक्षा मंत्रालय।

@—भारतीय रोल भंडार सेवा में रिक्तियों की संख्या 10\*\* है।

विभिन्न रेलवे इंजीनियरीं सेवाओं (सिविल, यांत्रिक, वैव्युत और सिगनस), भारतीय रोल भार सेवा और भारतीय आयुव्य कारखाना सेवा (सिविल, यांत्रिक, वेद्युत और इलैक्ट्रानिकी) के सामने दिखाई गई रिक्तियां स्थाई है ।

दूसरी और अन्य सेवाओं और फ्दों के सामने विसाई गई रिक्तियां अस्थाई हैं।

उपर्यक्तः संख्याओं में परिवर्तन किया जा सकता है। \*रिक्तियां सरकार ने स्चित नहीं की है।

\*\*अन्स्चित जातियों तथा अन्स्चित जन जातियों के उम्मीदवारों के लिये बारक्षित रिक्तियों की संख्या, यदि कोई होगी, सरकार द्वारा निर्धारित की जायेगी।

नोट :--उपर्यक्रत सेवाओं/पदों पर भती नियमावली के परिकाल्ट- र्य में निर्भारित परीक्षा योजना (योजनाओं) के अधार पर की जाएगी।

3. उम्मीदवार उपर्यक्त पैरा 2 में उल्लिखित सेवाओं/
पर्धों में से सब के लिये या किसी एक के लिये परीक्षा में
प्रवेश पाने के लिए आवेदन कर सकता है। यदि कोई
उम्मीदवार एक से अधिक सेवा/पद के क्यें के लिये परीक्षा
में प्रवेश पाना चाहता हो तो भी उसे एक ही आवेदन-पत्र
भेजने की आवश्यकता है। उसे नोटिस के पैरा 6 में
उल्लिखित शुल्क जो केवल एक बार दोना होगा और प्रत्येक
वर्ष के सेवा/पद, जिसके लिये यह आवेदन कर रहा है,
के लिये अलग-अलग शुल्क नहीं दोना होगा।

ध्यान दें:--- उम्मीववारों से यह अपेक्षा की जाती हैं कि वे जिन सेवाओं/पदों को लिये विचार किये जाने के इच्छ्रक हों, अपने आवेदन-पत्रों में उनका वरीयता कम के अन्सार स्पष्ट उल्लेख करें। उन्हें सलाह दी जाती हैं कि वे जितनी चार्के उतनी वरीयताओं का उल्लेख करें ताकि योग्यता कम में उनके रैंक का ध्यान रखते हुए, नियुक्ति करते समय उनकी वरीयताओं पर उचित ध्यान दिया जा सके।

उन्हों नोट कर लेना चाहिए कि उन्हों सेवाओं /पदाँ पर नियक्ति के लिए उन पर विचार किया जाएगा जिनके लिये उन्होंने अपनी वरीयता का उल्लेख किया है और किसी अन्य सेवा पट के लिये नहीं।

संवा (ऑ)/पद (पवाँ) वर्ग या वर्गों तथा सिविल इंजीनियरी; यांत्रिक इंजीनियरी, वैद्युत इंजीनियरी तथा इलेक्ट्रनिकी और दूर संचार/इंजीनियरी (देखिए नियमा-वली की प्रस्तावना) में सिम्मिलित जिन सेवाऑ/पवाँ के लिए उम्मीदवार परीक्षा में बैठ रहा है उनके संबंध में उम्मीदवार द्वारा इंगित वरीयता-परिवर्तन के किसी अन्रोध पर तब तक किचार नहीं किया जाएगा जब तक कि इस प्रकार के परिवर्तन से संबंध अनुरोध रोजगार

समाचार में लिखित परीक्षा के परिणाम के प्रकाशन की तारीख से 30 दिन के भीतर संघ स्रोक सेवा आयोग के कार्या-लय में प्राप्त न हो जायें।

उम्मीव वारों व्वारा अपने आवोदन-पत्र भेजने के पश्चात उनकों कों में पिसा पत्र आयोग या रोल मंत्रालय की ओर से नहीं मेजा जाएगा जिसमों कि उनसे विभिन्न सेवाओं/पदों के लिये अपनी संशोधित वरीयताओं यदि कोई हो बताने के लिये कहा जाए।

किन्त् धर्त यह है कि जब कोई अन्रोध प्यांक्त अविध के समाप्त होने के बाद किन्त् सेवाओं के आवंटन को अन्तिम रूप दिये जाने से पहले प्राप्त हो, तो रोल मंत्रालय (रोलवे बोर्ड) इस बात से संतृष्ट होने पर कि उम्मीदवार को उस सेवा में आवंटित किये जाने से अन्धित कठिनाई होगी जिसके लिये उसने अपनी दरीयता निर्दिष्ट की है संघ लोक सेवा आयोग के परामर्श से एसे अनु-रोध पर विचार कर सकता है।

ध्यान व 2. उम्मीदवार केवल उन्हीं सेवाओं और पदों के लिए अपनी वरीयता बताएं जिनके लिये वे नियमों की शर्तों के अनसार पात्र हों और जिनके लिये वे प्रति-योगी हों । जिन सेवाओं और पदों के वेपात्र नहीं है और जिन सेवाओं और पदों से संबंधित परीक्षाओं में उन्हें प्रवेश नहीं दिया जाता है उनके बारे में बताई गर्भ वरीयता पर भ्यान नहीं विया जाएगा । अतः नियम 5 (बा) को अधीन परीक्षा में प्रयोग दिये गये उम्मीद-वार कोवल उनमें उल्लिखित सेवाओं /पदों के लिए ही प्रतियोगी बनने के पात्र होंगे और अन्य सेवाओं और पदों के लिये उनकी वरीयता पर कोई ध्यान नहीं विया आएगा। इसी तरह नियम 6 के परन्तुक के अधीन परीक्षा में प्रवेश विषये गये उम्मीदवारों की वरीयतापर भी कोवल उक्त परन्तुक में उल्लिखित पदों केलिए ही विचार किया जाएगा तथा अन्य सेवाओं और पदों के लिए वरीनता, यदि कोई है पर भ्यान नहीं दिया जाएगा ।

4. परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदनारों को निर्धारित आवेदन-प्रपत्र पर सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई विल्ली-110011 को आवेदन करना
चाहिए। निर्धारित आवेदन - प्रपत्र तथा परीक्षा से संबद्ध पूर्ण विवरण दो रुपये वेकर आयोग से डाक द्वारा प्राप्त किये जा सकते हैं। यह राघि सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 को मनीआर्डर द्वारा या सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई विल्ली जनरल आकंधर पर वेय भारतीय पास्टल आर्डर व्वारा भेजी जानी चाहिए। मनीआर्डर/पास्टल आर्डर के स्थान पर चैक या करसी नोट स्वीकार नहीं किये जायोंगे। ये आवेदन-प्रपत्र आ सकते हैं। वो रुपये की यह राघि किसी भी हालत में आ सकते हैं। वो रुपये की यह राघि किसी भी हालत में आपस नहीं की जाएगी।

नोट: उम्मीदिवारों को केतावनी वी आती है कि ने अपने आवे-दन-पत्र इंजीनियरी सेका परीक्षा. 1081 के लिए निर्धारित मृद्धित पत्र में ही प्रस्तृत करें। इंजी-नियरी सेवा परीक्षा. 1981 के लिये निर्धारित आवेदन-प्रपत्रों से इतर प्रपत्रों पर प्रस्तृत आवेदन-पत्रों पर विचार नहीं किया जाएगा। भरा हुआ आवेतन पत्र आवश्यक प्रलेखों के साथ सचिव, संघ लोक संवा आयोग, धौलपुर हाउस, नह विल्ली-110011 को 20 अप्रेल 1981 (20 अप्रेल 1981 पहले की किसी तारील से असम, मेघालय, अरुणाचल प्रवेश, मिजोरम, मिणपुर, नागाल है, त्रिपुरा, सिक्किम, जम्मू और काश्मीर राज्य के लब्दाल प्रभाग, अंडमान और निकाबार द्वीप समूह या सक्षव्वीप और विवेशों में रहने वाले उम्मीदवारों के मामलें में 4 मई, 1981) तक या उससे पहले डाक द्वारा अवश्य भिजवा दिया जाए या स्वयं आयोग के काउंटर पर आकर जमा करा दिया जाए। निधारित तारील के बाद प्राप्त होने वाले किसी भी आवेदन-एत्र पर विचार नहीं किया जाएगा।

असम, मेथालय, अक्रणाचल प्रवेश, मिजोरम, मिणपुर, नागाल है, त्रिपुरा, किलिकम, जम्मू और कश्मीर राज्य लव्दाल प्रभाग, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह या लक्ष द्वीप और विदेशों में रहरे याले उम्मीदवारों से आयोग यदि चाहे तो इस बात का लिक्षित प्रमाण प्रस्तुत करने के लिए कह सकता है कि वह 20 अप्रैस 1981 से पहले की किसी सारीस से असम, मेथालय, अरुणाचल प्रवेश, मिजोरम, मणपुर, नागाल है, त्रिपुरा, सिक्किम, जम्मू और कश्मीर राज्य के लव्दाल प्रभाग, अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह या लक्षद्वीप या विदेशों में रह रहा था।

- नोट: जो उम्मीदियार एसे क्षेत्रों के हैं जहां के रहने वाले आवेदन की प्रस्तुती होत जितिरिक्त समय के हकदार हैं उन्हें आवेदन पत्र के संगत कालम में अपने पतों में जितिरिक्त समय के हकदार इलाके या क्षेत्र का नाम (अर्थात् असम, मेथालय, जम्मू तथा कदमीर राज्य का लव्दाच प्रभाग) स्पष्ट रूप से निर्दाष्ट करना चाहिए जन्यथा हो सकता है कि उन्हें अतिरिक्त समय का लाभ न मिले।
- 6. परीक्षा में प्रयेश चाहने वाले उम्मीदवारों को भरे हुए आवेषन पत्र के साथ आयोग को रु. 80.00 (अन्सूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवार के मामले में रु. 20.00) का शुल्क भेजना होगा जो कि सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नहीं दिल्ली के प्रधान डाकघर पर देय रेखांकित भारतीय पोस्टल आहर या सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को स्टेट बँक आफ हण्डिया की मृख्य शाखा नहीं दिल्ली में देय स्टेट बँक आफ हण्डिया की किसी भी शाला से जारी किये गये रेखांकित बँक डाफ्ट के रूप में हो।

विव श में रहने वाले उम्मीवनारों को निर्धारित शुल्क भारत कें उच्च आयुक्त/राजदूत या विव श स्थित प्रतिनिधि जैसी भी स्थिति हो के कार्यालय में जमा करना होगा साकि वह "051 लोक मेवा आयोग—परीक्षा शुल्क" के लेखाशीर्ष में जमा हो जाये और आयेदन पत्र के साथ उसकी रसीद लगा कर भेजनी चाहिए।

जिन आवेदन-पत्रों में उक्त अपेक्षाणं परी नहीं होंगी उन्हें एक दम अस्वीकार कर दिया जाएगा । यह उन उम्मीदवारों पर लाग नहीं होता जो नीचे के पैरा 7 के अन्तर्गत निधारित अल्क से छट चाहते हैं।

जायोग यदि भाहे तो उस स्थिति में निर्धारित श्रुट्क से छुट दे सकता है जब वह इस बात से संत्र्ष्ट हो कि आवेदक या तो 1 अनवरी 1964 और 25 मार्च 1971 के बीच की अविध में भतपर्व पर्यो पाकिस्तान (अब बंगला विशे) में भारत आया हुआ वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है या बर्म में वास्तविक रूप में प्रत्यावितित मलत भारतीय व्यक्ति है और 1 जन 1963 को या जसके बाद भारत आया है या वह एक स्लत भारतीय 27—476GI/90

व्यक्ति है जो अक्तूबर, 1964 के भारत श्रीलंका समझौते के अन्तर्गत 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद भारत आया है या आने वाला है और निर्धारित शल्क दोने की स्थित में नहीं है।

8. जिस उम्मीदिवार ने निर्धारित शुल्क का भूगतान कर दिया हो किन्तु उसे आयोग द्वारा परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया गया हो तो उसे रा. 54.00 (अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के मामले में रा. 14.00) की राणि वापस कर वी आयोगी। किन्तु यदि नियम 6 के नीचे नोट 1 की शतों के अनुसार परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदिवार का आवेदन पत्र यह सूचना प्राप्त होने पर अस्वीकार कर दिया जाता है कि वह अहंक परीक्षा में असफल रहा है अथवा वह उपयुक्त नोट के उपबन्धों की अपेक्षाओं का अन्यथा पालन नहीं कर सकेगा तो वह शुल्क वापसी का हकदार नहीं होगा।

उपयुंक्त तथा नीजें के पैरा 9 के उपवन्धों को छोड़कर अन्य किसी भी स्थिति में आयोग को भूगतान किये गये शुक्क की वापसी के किसी दावे पर न तो विचार किया जाएगा और न ही शुक्क को किसी अन्य परीक्षा या चयन के लिये आरक्षित रहा ना सकेगा।

- 9. यदि कोई उम्मीदवार, 1980 में ली गई इंजीनियरी सेवा परीक्षा, में बैठा हो और अब इस परीक्षा के लिये आयदन करना चाहता हो तो उसे परीक्षाफल या नियक्ति प्रस्ताव की प्रतीक्षा किये विना ही अपना आवेदन पत्र अवश्य भेज वेना चाहिए ताकि वह आयोग के कार्यालय में निर्धारित तारीस तक पहुंच जाए। यदि वह 1980 की परीक्षा के परिणाम के आधार पर नियक्ति होतू अनुसंगित कर विया जाता है तो उसके अनुरोध पर 1981 की परीक्षा के लिये उसकी उम्मीदवारी रदद कर दी जाएगी और शुल्क लौटा दिया जाएगा बशर्त कि उम्मीदवारी रदद करने और शुल्क वापस करने का अनुरोध आयोग के कार्यालय में 1 जुलाई 1981 को या उससे पहले प्राप्त हो जाता है।
- 10. बाबंदन पत्र प्रस्त्त करने के बाद उम्मीदवारी की वापसी के लिए उम्मीदवार के किसी प्रकार के अन्रोध पर किसी भी परिस्थिति में विचार नहीं किया जाएगा।
- 11. परीक्षा की योजना की नियमावली के परिणिष्ट I में सम्मिलित सामान्य योग्यता परीक्षण और सिविल इंजीनियरी, यांत्रिक इंजीनियरी, वैद्युत इंजीनियरी और इलेक्ट्रानिकी और दारसंचार इंजीनियरी के प्रश्न-पत्नों में वस्त्परक प्रकार के प्रश्न होंगे। वस्तुपरक परीक्षण और नमूने के प्रश्नों के विस्तृत विवरण के लिये उम्मीदवारों को मुचनार्थ विवरणिका के उपावंध को देखिए।

विनय भा उप सचिव सैघ लोक सेवा आयोग

#### अनुबन्ध

### उम्मीववारों को अनुदोश

1. उम्मीदवारों को चाहिए कि वे आवेदन प्रपन्न भरने से पहले नोटिस और नियमावली को ध्यान से पढ़ कर यह दोल लें कि वे परीक्षा में बैठने के पात्र हैं भी था नहीं, निर्धारित इतों में छट नहीं दी जा सकती हैं।

आवदन पत्र भजन स पहल उम्मोदवार का नाटिस क परा-1 अ दियों गयें कोन्द्रों में से किसी एक को जहां वह परीक्षा दोने का इच्छाक हैं अंतिम रूप से चुन लेना चाहिए।

उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि केन्द्र में परिवर्तन हैं सबद्ध अनुरोध को सामान्यतया खीकार नहीं किया जाएगा। किन्तु जब कोई उम्मीदवार अपने उस केन्द्र में परिवर्तन चाहता है जो उसने उक्त परीक्षा होतु अपने आवेदन में निर्दिष्ट किया था तो उसे सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को इस बात का पूरा औचित्य बताते हुए एक पत्र रिजस्टर्ड डाक से अवस्य अंजरा चाहिए कि वह केन्द्र में परिवर्तन क्यों चाहता है। एसे अन्रोधों पर गुणवत्ता के आधार पर विचार किया जाएगा किन्तु 9 जुलाई, 1981 के बाद प्राप्त अनुरोधों को किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा।

2. उम्मीदवार को आवेदन-पत्र तथा पावती कार्ड अपने हाथ मही भरने चाहिए। अधूरा या गलत भरा ह्या आवेदन-पत्र यम्बीकार किया जा सकता है।

अम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि आयोग द्वारा नाबंदन-पत्र में उनके द्वारा की गई प्रविष्टियों को बदलने के लिए कोई पत्र आदि स्वीकार नहीं किया जाएगा। इसलिए उन्हें आवेदन-पत्र सही रूप में भरने के लिए विशेष सावधानी नरतनी चाहिए।

सभी उम्मीदवारों को चाहे वे पहले सरकारी नौकरी में तो या सरकारी आद्योगिक उपक्रमों में या इसी प्रकार के अन्य पंगठनों में हों या गैर-सरकारी संस्थाओं में नियक्त हों अपने जावंदन पत्र आयोग को सीधे भेजने चाहिए। अगर किसी तम्मीदवार ने अपना आवेदन-पत्र अपने नियोक्ता के द्वारा भेजा तो और वह संघ लोक सेवा आयोग में दोर से पहाचा हों तो उस जावंदन-पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा भले ही वह नियोक्ता को आखिरी तारीख के पहाले प्रस्तुत किया गया हो।

जो व्यक्ति पहले से ही सरकारी नौकरी में आकस्मिक या दौनिक दर कर्मचारी से इतर स्थायी या अस्थाई हौस्यत से या कार्य प्रभारित कर्मचारियों की हौस्यत से काम कर रहे हैं, उन्हें यह परिवचन (अंडर टोकिंग) प्रस्तत करना होगा कि उन्होंने लिखित रूप से अपने कार्यालय विभाग के अध्यक्ष को सचित कर दिया है कि उन्होंने इस परीक्षा के लिये आवेदन

- 3. उप्जीदयार को अपने आवेदन पत्र के साथ निम्नलिखित अलेख अवश्य भोजने चाहिए :--
  - (1) निर्धारित श्लक के लिए रोबांकित किये हुए भारतीय पोस्टल आर्डर या बैंक डाफ्ट या श्लक भेजने के अपने दावे के समर्थन में प्रमाण पत्रों की अधिप्रमा- णित/प्रमाणित प्रति (देखिए : नोटिस का पैरा 5 और 6और नीचे पैरा 6) (देखिए नोटिस का पैरा 6)।
  - <sup>\*</sup>2) अाय के प्रमाण पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रति-लिपि ।
  - (२) शैक्षिक योग्यता के प्रमाण पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमा-णित प्रतिलिपि।
  - (1) लम्मीदवार के हाल ही के पास पोर्ट आकार (लगभग 5 में भी ×7. से. मी ) के फोटों की दो एक जैसी पतियां जिस पर उम्मीदवार के हस्ताक्षर हों।

्रें की एक प्रति को आवेदन पत्र के पहले पृष्ठ पर और सरी पित उपस्थिति पत्रक से निर्धारित स्थान पर चिपका होनी चाहिए ।

- (5) लगभग 11.5 सं. मी. ×27.5 सं. मी. के द। बिना टिकट लगे हुए लिफाफे जिन पर आपका पता लिखा हां :
- (6) जहां लागू हो वहां अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति का होने का दावे के समर्थन में प्रमाण पत्र की
  अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि (देखिए नीचे पैरा
  4)।
- (7) जहां लागू हो वहां आयु में छूट के दावे के समर्थक में प्रमाणपत्र की अभिप्रमाणित प्रमाणित प्रतिलिणि (देखिए नीचे पैरा 5) ।
  - (8) उपस्थिति पत्रक (आवेदन पत्र के साथ संलग्न) विधिवत भरा हुआ।

नोट--- उम्मीदवारों को अपने आवेदनपत्रों के साथ उपग्रीक्त मद (2), (3), (6) और (7) में उल्लिखित प्रमाण पत्रो की केवल प्रतियां ही प्रस्त्त करनी है जो सरकार के किसी राजपत्रित अधिकारी द्वारा अभिप्रमाणित हां अथवा स्वयं उम्मीदवारो द्वारा सही प्रमाणित हो जो उम्मीदवार परीक्षा के लिखित भाग के परिणाम के आधार पर व्यक्तित्व परीक्षण होत् साक्षात्कार के लिये अर्हाता प्राप्त कर लेते हैं उन्हें उपयुक्त प्रमाण पत्र मूल रूप में प्रस्तुत करने होंगे। लिखित परीक्षा के परिणाम संभवतः दिसम्बर 1981 में घोषित किए जाएंगे उन्हें अपने मुल प्रमाण पत्र साक्षात्कार के समय प्रस्तृत करने के लिये तैयार रखने चाहिए ! जो उम्मीदवार उस समय अपेक्षित प्रमाण पत्र मूल रूप में प्रस्तृत नहीं करेंगे उनकी उम्मीदवारी रदद कर दी जाएगी और उनका आगे विचार किये जाने का दावा स्वीकार नहीं होगा।

उपयुक्त सद (1) से (4) तक में उल्लिखित प्रलेखों के विवरण नीचे दिये गये हैं और पद (6) और (7) में उल्लिखित प्रलेखों के विवरण पैरा 4, 5 और 6 में दिये गये हैं:——

(1) (क) निर्धारित शुल्क के लिये रेखांकित किये हुए भारतीय पोस्टल आर्डर-

प्रत्येक पोस्टल आर्डार अनिवार्यतः रोलािकत होना **चाहिए** और उस पर ''मिचन, संघ लोक सेवा आयोग को नर्डा दिल्ली के पंधान डाकघर पर दोय'' लिखा जाना चाहिए।

किसी अन्य डाकघर पर देय पोस्टल आर्डर किसी भी हालत में स्वीकार नहीं किये जायेंगे। विरूपित या कटे फटे पोस्टल आर्डर भी स्वीकार नहीं किये जायेंगे।

सभी पोस्टल आर्डरों पर जारी करने वाले पोस्ट मास्टर के हस्ताक्षर और जारी करने वाले डाकघर की स्पष्ट मोहर होनी चाहिए।

उम्मीदवारों को यह अवश्य नोट कर लेना चाहिए कि जो पोस्टल आर्डर न तो रोबांकित किये गये हों और न ही सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नर्ड दिल्ली के जनरल डाकघर पर दोय हों उन्हें भेजना स्रक्षित नहीं हैं।

# (ख) निर्धारित शलक के लिये रेखांकित बैंक डाफ्ट

वैंक डाफ्ट स्टोट बैंक आफ इण्डिया की किसी शाखा से प्राप्त किया जाए और वह सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को स्टोट बैंक आफ इडिया की मख्य शाखा, नई दिल्ली में देय हो तथा यिधिवत रेखांकित किया गया हो। किसी अन्य बैंक में दोग बैंक ड्राफ्ट किसी भी हालत में स्वीकार नहीं किए जायोंगे। विरूपित या कटो फटो बैंक ड्राफ्ट भी स्वीकार नहीं किए जायोंगे।

(2) <u>बाय</u> का प्रमाण पत्र :— आयोग जन्म की वह तारी स स्वी-कार करता है जो मेट्रिक लेशन या माध्यमिक विद्यालय छोड़ ने के प्रमाणपत्र या किसी भारतीय विश्वविद्यालय स्वारा मेट्रि-क लेशन के समकक्ष माने गए प्रमाण पत्र या किसी विश्वविद्यालय द्वारा अनुरक्षित मेट्रिक लेटों के रिकस्टर में कर्ज की गई हो और वह उद्धरण विश्वविद्यालय के समृचित प्राधिकारी द्वारा प्रमाणित हों। जो उम्मीदियार उच्चतर माध्यमिक परीक्षा या उसकी समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुका है, वह उच्चतर माध्यमिक परीक्षा या समकक्ष के प्रमाण पत्र की अभिप्रमाणित/ प्रमाणित प्रतिलिप प्रस्तृत कर सकता है।

आयु के सम्बन्ध में कोई अन्य दस्तोक्षेत्र जैसे जन्मकु छली, शपथपत्र, नगर निगम से सेवा अभिलेख से प्राप्त सम्बन्धी अद्धरण, तथा अन्य एसे ही प्रमाण स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

अनुविशों के इस भाग में आए हुए मैरिक लेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण पत्र वाक्यांश के अन्तर्गत उपर्युक्त वैकल्पिक प्रमाणपत्र सम्मिलित हैं।

कभी कभी मैंट्रिक लेशन/उत्त्वतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र में जन्म की तारिख नहीं होती या आयु के केवल पूर वर्ष या पर्य और महीने ही दिए होते हैं। ऐसे मामलों में उम्मीववारों को मैट्रिक लेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि के अतिरिक्त उस संस्था के होड मास्टर/प्रिंमिपल से लिए गए प्रमाण पत्र की एक अभि-प्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए जहां से उसने मैट्रिक लेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा उत्तीर्ण की हो। इस प्रमाण-पत्र मों उस संस्था के दाखिला रिजस्टर में दर्ज की गईं उसकी जन्म की तारीख या वास्तिविक आयु लिखी होनी चाहिए। उम्मीदश्यों को घेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन पत्र के साथ इन अनुवासों में यथा निर्धारित आयु का पूरा प्रमाण नहीं भेज। गया तो आवेदन पत्र अस्वीकार किया जा सकता है।

टिप्पणी 1:— जिम उम्मीदवार के पास पढ़ाई पूरी करने के बाद प्राप्त माध्यमिक विद्यालय प्रमाण-पत्र हो, उसे केवल आयू से सम्बद्ध प्रविष्टि वाले पृष्ठ की अभिश्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए।

टिप्पणी 2: - उम्मीदवार यह ध्यान में रखें कि आयाग उम्मी-द्वार की जन्म की उसी तारील को स्वीकार करोगा जो कि आवंदन-पत्र प्रस्तृत करने की तारील को मेंट्रिक लेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण पत्र या समकक्ष परीक्षा के प्रमाण पत्र मे वर्ज है और इसके बाद उसमें परिवर्तन के किसी अनुरोध पर न तो विचार किया जाएगा और न उसे स्वीकार किया जाएगा।

टिप्पणी3:—उम्मीववार यह भी नांट कर लें कि उनके ब्वारा किसी परीक्षा में प्रवेश के लिए जन्म की तारील एक बार घोषित कर दोने और आयोग ब्वारा उसे अपने अभिलेश में दर्ज कर लेने के बाद उसमें बाद में या किसी परीक्षा में परिवर्तन करने की अनुभति नहीं दी जाएगी।

(3) शैक्षिक योग्यता का प्रमाण-पत्र---उम्मीदवार को एक एसे प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिसिपि अवश्य भेजनी चाहिए जिससे इस बात का प्रमाण मिल सके कि नियम 6 में निर्धारित योग्यताओं में से कोई एक योग्यता उसके पास है। भेजा गया प्रमाण-पत्र उस प्राधिकारी (अर्थात् विश्व- विद्यालय या किसी परीक्षा निकाय) का होना चाहिए जिसने उसे योग्यता विशेष प्रदान की हो । यदि एसे प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित प्रतिलिपि न भेजी जाए तो उम्मीदवार को उसे न भेजने का कारण अवश्य बताना चाहिए और अपेक्षित योग्यता से सम्बद्ध अपने वावे की पृष्टि में किसी अन्य प्रमाण-पत्र की प्रतिलिपि भेजनी चाहिए । आयोग इस साक्ष्य पर उसकी गृणवत्ता के आधार पर विचार करेगा, किन्तु उसे पर्याप्त मानने के लिए बाध्य नहीं होगा ।

आयोग को अपना आवेदन-पत्र भेजते समय यदि किसी उम्मीदवार के पास नियम 6 में निर्धारित हिंगी न हो तो उसे नीचे नोट 1 के अधीन दिये गए प्रमाण-पत्र के प्रपत्र के परा 1 में निर्धारित प्रपत्र में सम्बद्ध कालेज/विद्यविद्यालय के प्रिसिपल/रिजस्ट्रार/डीन से लिये गये इस आषाय के एक प्रमाण पत्र की प्रतिलिप भेजनी चाहिए कि उसने अहंक परीक्षा उसीर्ण कर ली है और डिग्री प्रधान किये जाने के लिये आवश्यक सभी अपेक्षाएं पूरी कर ली हैं।

नोट 1:— यिव कोई उम्मीववार ऐसी परीक्षा में बैठ चूका हो जिसे उसीर्ण कर लेने पर वह इस परीक्षा के लिये शैक्षिक रूप से अई ताप्राप्त हो जाता है पर अभी उसे परीक्षा के परिणाम की सूचना न मिली हो तो वह भी इस परीक्षा में प्रवेश पाने के लिये आवेदन कर सकता है। जो उम्मीदवार इस प्रकार की अई क परीक्षा में बैठना चाहता हो वह भी आवेदन कर सकता है। ऐसे उम्मीदवारों को, यदि अन्यथा पात्र होंगे तो उन्हें परीक्षा में बैठने दिया जाएगा। परन्तु परीक्षा में बैठने की यह अनुमित अनिस्तम मानी जाएगी और यदि वे अई क परीक्षा में उसीर्ण होने का प्रमाण अन्वी से जल्दी और हर हाल में उसीर्ण होने का प्रमाण अन्वी से जल्दी और हर हाल में अन्वत्वर 1981 तक नीचे निर्धारित प्रपत्र में प्रस्तृत नहीं करते तो यह अनुमित रद्द की जा सकती है।

# अर्हुक परीक्षा उत्तीर्णता दर्शाने वाला प्रमाण-पत्र

\*1. प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कुमारी\*
सुपुत्र/सुपुत्री\*.....ने जो इस कालेज के/
की छात्र/छात्रा\* है......परीक्षा उत्तीर्ण कर
ली है और डिग्री प्राप्त करने के/की\* पात्र हो गए/गई\* है
तथा....श्रेणी\* मिली है।

\*2. प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/क्रुमारी\*
सूपूत्र/सूपूत्री\*....मास, 19 में...
.... प्रीक्षा में बैठने
वाले/वाली\* हैं/बैठी\* है और उक्त परीक्षा के परिणाम की
.....19 तक घोषित हो जाने की संभवना है।

दिनांक . . . . . .

<sup>\*</sup>जो शब्द लागृन हाँ उसे कृपया काट व<sup>र</sup>।

मोट 2 :— नियम 6 के परन्त्क में उल्लिखित योग्यताओं के साथ परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवारों को सम्बद्ध कालेज/मंस्था/विश्वविद्यालय के प्रिन्सिपल/डीन से यह दर्शाने वाले प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रितिलिध प्रस्त्त करनी चाहिए कि उसमें विये गए विशेष विषयों में से एक विषय लेकर एम. एस. सी. डिग्री परीक्षा या समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है/परीक्षा दी है।

(4) फोटोग्राफ :--उम्मीदवारों को अपने हाल ही के पास-पोर्ट आकार (लगभग 5 से. मी. × 7 से. मी.) के फोटो की वो एक जैसी प्रतियां भेजनी चाहिए । इनमें दे एक प्रति आवेदन-पत्र के पहले पृष्ठ पर और दूसरी प्रति उपस्थिति पत्रक में निर्धारित स्थान पर चिपका देनी चाहिए । फोटो की प्रत्येक प्रति के उत्पर् उम्मीदवार को स्याही से हस्ताक्षर करने चाहिए।

ध्यान वे: - उम्मीवनारों को चेतावनी दी जाती है कि यवि आवेदन पत्र के साथ उत्पर पैरा 3 (2), 3 (3), 3 (4), 3 (5) और 3 (6) में उल्लिखित प्रलेख आदि में से कोई एक संलग्न न होगा और उसे न भेजने का उचित स्पष्टी-करण भी नहीं दिया गया होगा तो आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है और इस अस्वीकृति के विरुद्ध कोई अपील नहीं सूनी जाएगी।

5. यदि कोई उम्मीदवार किसी अनुस्चित जाति या अनुस्चित जन जाति का होने का दावा कर तो उसे अपने दावे के समर्थन में उस जिले के, जिसमें उसके माता-पिता (या जीवित माता या पिता) आमतौर से रहते हों, जिला अधिकारी या उप मण्डल अधिकारी या नीचे उल्लिखित किसी अन्य अधिकारी से जिसे संबव्ध राज्य सरकार ने यह प्रमाण पत्र जारी करने के लिये सक्षम प्राधिकारी के रूप में नामित किया हो, नीखे दिए फार्म में प्रमाण-पत्र लेकर उसकी एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए । यदि उम्मीदवार के माता और पिता दोनों की मृत्यु हो गई हो तो यह प्रमाण पत्र उस जिले के अधिकारी से लिया जाना चाहिए जहां उम्मीदवार अपनी शिक्षा से भिन्न किसी अन्य प्रयोजन से आमतौर पर रहता है ।

भारत सरकार के अधीन पदों पर नियुक्ति के लिये आवेदन करने वाले अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों द्वारा प्रस्तृत किये जाने वाले प्रमाण पत्र का फार्म।

संविधान (अनुसूचित जातियां) आदश, 1950\*।
संविधान (अनुसूचित जन जातियां) आवश, 1950\*।
संविधान (अनुसूचित जातियां) (संघ डाज्य क्षेत्र) आदश,
1951\*।

संविधान (अनुसूचित जन जातियां) (संघ हाज्य क्षेत्र) आवेश, 1951\*।

[अनुस्चित जातियां और अनुस्चित जन जातियां सूची (आशाधन) आदेश, 1956, बम्बद्दं पूनर्गठन अधिनियम, 1960, पंजाब पूनर्गठन अधिनियम, 1966 हिमाचल प्रवेष राज्य अधिनियम, 1970 और उत्तर पूर्वी क्षेत्र (पूनर्गठन), अधिनियम, 1971 और अनुस्चित जातियां तथा अनुस्चित जातियां तथा अनुस्चित जातियां तथा अनुस्चित जातियां तथा अनुस्चित जातियां आदेश (संशोधन) अधिनियम, 1976 ब्यारा गृथः संशोधित]

संविधान (जम्मू और कश्मीर) अनुसूचित जातियां आदेश,

संविधान (अंडमान और निकांबार द्वीपसमृह) अनुसृचित जन जातियां आदेश, 1959\* अनुसूचित जातियां और अनुसूचित जन जातियां आदेश, (संशोधन) अधिनियम, 1976 व्वारा यथा संशोधित\*।

संविधान (वादरा और नागर हवेली) अनुसूचित जातियां आदेश, 1962\*।

मंत्रिधान (दादरा और नागर हवेली) अनुसूचित जनजातियां आदोश, 1962\*।

सविभाग (पांडिकोरी) अनुसूचित पातियां, आवेश, 1964\*।

संविभान (अनुसूचित जन जातियां) (उत्तर प्रवेश), आवेश, 1967 ।

संविधान (गोआ, दमन और वियु) अनुसूचित जातियां आदोष, 1968\*।

संनिधान (गोमा, दमन और दियू) अनुसूचित जन जातियाँ आदोषा, 1968\*।

संविधान (नागालैण्ड) अनुसूचित जनजातियां श्रादेश, 1970\*।

स्विधान (सिक्किम) अनुसूचित जाति आदेश, 1978\*। संविधान (सिक्कम) अनुसूचित जन जाति आदेश, 1978\*।

त्रौर/या उनका परिवार आम तौर से गांव/कस्बा . . . . . . . . . . जिला/मण्डल . . . राज्य/संघ राज्य क्षेत्र . . . . . में रहती है।

\*(जो शब्द लागृन हों उन्हें कृपया काट दें)

- \*\*जाति/जनजाति प्रमाण्-पत्र जारी करने के लिए सक्षम् अधिकारी:
  - (1) जिला मैजिस्ट्रेट/बितिरिक्त जिला मैजिस्ट्रेट/ कलैक्टर बिप्टी कमिश्नर/एकीशनल बिप्टी कमिश्नर/ डिप्टी कलैक्टर/प्रथम संणी का स्टाइपोंडरी मैजिस्ट्रेट/ सिटी माजिस्ट्रेट/एंसब डिवीजनल मैजिस्ट्रेट/ताल्लूक मैजिस्ट्रेट/एंक्जीक्य्टिव मैजिस्ट्रेट/एंक्स्ट्रा असिस्टर्ट कमिश्नर ।
    - ं (प्रथम श्रेणी के स्टाइपेंडरी मैं जिस्ट्रेट से कम आहत का नहीं)
  - (2) चीफ प्रेसीडोन्सी मैंजिस्ट्रोट/एडिशिनल चीफ प्रेसीडोसी मॉजिस्ट्रोट/प्रेसीडोसी मैंजिस्ट्रोट ।

- (3) रवेन्यू अफसर जिसका अहिदा तहसीलवार से कम न हो ।
- (4) उस इलाके का सब-डिवीजनल अफसर जहां उम्मीदवार और/या उसका परिवार आमतौर से रहता हो ।
- (5) **एडिमिनिस्ट्रेटर/एडि**मिनिस्ट्रोर का सचिव/डवलप-मॅंट अफसर, ''लक्ष**व्**वीप''।
- 5. (1) नियम 5 (क) के अन्तर्गत आयु-सीमा में छूट के लिये दाबा करने वाले सरकारी कर्मचारी को अपने विभाग/कार्यालय के अध्यक्ष से नीचे दिये फार्म में प्रमाण-पत्र की मुल प्रति प्रस्तुत करनी चाहिए ।

उम्मीदवार व्यारा प्रस्तृत किये जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म ।

\*(2) श्री/श्रीमती/क्मारी . . . . . . . . केन्द्रीय सरकार के अधीन नियमित आधार पर अस्थायी रूप से . . . . . . . के पद पर . . . . से नगातार सेवा में हैं।

<sup>\*</sup>जोलागून हो उत्सेकाट दे।

- (2) नियम 5 (ग) (2) या 5 (ग) (3) के अन्तर्गत निर्धारित आयु सीमा में छूट का वावा करने वाले और या उक्त नोटिस के पैराग्राफ 7 के अधीन शुल्क से छूट का वावा करने वाले भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला वश) से विस्थापित व्यक्ति को निम्नलिखित प्राधिकारियों में से किसी एक से लिये गये प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिप यह विखलाने के लिये प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान से आया हुआ वास्तिवक विस्थापित व्यक्ति है और 1 जनवरी, 1964 और 25 मार्च, 1971 के बीच की अविध के वौरान प्रवृजन पर भारत आया है:——
  - (1) दंडकारण्य परियोजना के ट्रांजिट केन्द्रों अथवा विभिन्न राज्यों में स्थित राहत शिविरों के करम्प कमांडेंट ।
  - (2) उस क्षेत्र का जिला मीजिस्ट्रेट, जहां वह इस समय निवास कर रहा है।
  - (3) अपने अपने जिलों में शरणार्थी पुनर्वास के प्रभारी अतिरिक्त जिला मीजिस्ट्रेट :
  - (4) स्वयं प्रभारित सब डिविजनल का सब डिविजनल अफसर ।
  - (5) उप घरणाथी पुनर्वास आयुक्स, परिचम बंगाल/ निद्याक (पुनर्वास) कसकसा ।
- (3) नियम 5 (ग) (4) अथवा 5 (ग) (5) के अन्तर्गत निश्विष्टि। आयु में छूट का दावा करने वाले और/या उक्त नोटिस के पैराग्राफ 7 के अधीन शुक्क में छूट का दावा करने

वालं श्रीलंका से प्रत्यावितित या प्रत्यावितित होने वाले मूलतः। भारतीय व्यक्ति को श्रीलंका में भारत के उच्च आयुक्त के कार्यालय से लिये गए इस आशय के प्रभाण-पत्र की एक अभि-प्रमाणित प्रसिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए की वह एक भारतीय नागरिक है जो अक्तूबर, 1964, के भारत-श्रीलंका समझौते के अधीन 1 नवस्वर, 1964 को या उसके बाव भारत आया है या आने वाला है।

- (4) नियम 5 (ग) (6) अथवा 5 (ग) (7) के अन्तर्गत निर्धारित आयु सीमा में छूट का दावा करने वाले और/या उक्त नोटिस के पैराग्राफ 7 के अधीन शुल्क से छूट का दावा करने वाले बर्मा से प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति को भारतीय राजदूतावास, रंगून द्वारा दिये गये पहिचान प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिये प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह भारतीय नागरिक है जो 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत आया है, अथवा उसे जिस क्षेत्र का वह निवासी है उसके जिला में जिस्ट्रेट से लिये गये प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिये प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह बर्मा से आया हुआ वास्तिवक प्रत्यावर्तित व्यक्ति है और 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत आया है।
- (5) नियम 5 (ग) (8) अथवा 5 (ग) (9) के अन्तर्गत आयु-सीमा में छूट चाहने वाले एसे उम्मीदवार को, आरे रक्षा सेवा में कार्य करते हुए विकलांग हुआ है, महानिद्देशक पुनःस्थापन, रक्षा मंत्रालय, से निम्नलिखित निर्धारित फार्म पर इस आशय का एक प्रमाण-पत्र लेकर उसकी एक अभि-प्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्त्त करनी चाहिए कि वह रक्षा सेवा में कार्य करते हुए विद्शी शत्रु देश के साथ संघर्ष में अथवा अशांतिग्रस्त क्षेत्र में फार्जी कार्यवाई के दौरान विकलांग हुआ और परिणामस्वरूप निर्मृक्त हुआ।

उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किया जाने वाला प्रमाण पत्र का फार्म e--

"जो शब्द लागुन हाँ उसे कृपया काट द<sup>1</sup>।

(6) नियम 5 (ग) (10) अथवा 5 (ग) (11) के अन्तर्गत आयु सीमा में छूट चाहने वाले उम्मीववार को, जो सीमा सुरक्षा दल में कार्य करते हुए विकलांग हुआ है महानिद शक, सीमा सुरक्षा दल, ग्रह मंत्रालय से नीचे निर्धारित फार्म पर लिए गए प्रमाण पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह सीमा सुरक्षा दल में कार्य करते हुए 1971 के भारत-एक संघर्ष के दौरान विकलांग हुआ और परिणामस्वरूप निम्बत जुआ।

अस्मीवबार व्वारा प्रस्तृत किए जाने वाले प्रमाण पत्र का फार्म:---

प्रभाणित किया जाता है कि यूनिट . . . . . सीमा सुरक्षा वल में कार्य करते हुए सन 1971 के भारत-पाक संघर्ष के थौरान विकलांग हुए और उस विकलांगता के परिणामस्वरूप निर्माक्त हुए ।

- (7) नियम 5 (ग) (12) के जन्तर्गत आयु में छुट का वावा करने वाले वियतनाम से प्रत्यावित मूलतः भारतीय व्यक्ति को फिलहाल जिस क्षेत्र का वह निवासी है, इसके जिल। मैंजिस्ट्रेट से लिए गए प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिश्वलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह वियतनाम से आया हुआ वास्तविक प्रत्यावितत व्यक्ति है और वियतनाम से जुलाई, 1975 से पहले भारत नहीं आया है।
- (8) नियम 6 (ग) (6) के अन्तर्गत आयु में छूट चाहन वाले कीनिया, उगांडा तथा संयुक्त गणराज्य तंजानिया से प्रवृजन कर आए हुए या जाम्बिया, मलावी, जेरे तथा इधियांपिया सं प्रत्यावित हुए उम्मीदवार को उस क्षेत्र के जिला मेंजिस्ट्रेट से जहां वह इस समय निवास कर रहा है, लिए गए प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह विखलाने के सिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह वास्तव में उपर्युक्त देशों से प्रवृजन कर आया है।
- 6. जो उम्मीदवार जनर परा 5 (2), (3) और (4) मों से किसी भी वर्ग के अन्तर्गत नोटिस के परा 7 के अनुसार शुक्ल मों छूट का दावा करता है, उसको किसी जिला अधिकारी या सरकार के राजपित्रत अधिकारी या संसद सदस्य या राज्य विधान मंडल के सदस्य से, यह दिखलाने के लिए कि अह निर्धारित शुक्क दोने की स्थिति मों नहीं है, इस आशय का एक अमाणित पत्र लेकर उसकी अभित्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी होगी।
- 7. जिस व्यक्ति के लिए पात्रता प्रमाण-पत्र आवश्यक हो, उसे परीक्षा में प्रवेश विया जा सकता है किन्तु उसे निय्विस प्रस्ताव भारत सरकार के रोल/निर्माण और आवास/रक्षा/ उज्जि/कृषि और सिचाइ संचार/उद्योग और नगर पूर्ति/पृति और पुनर्वास/इस्पात और खान/जहाजरानी और परिवहन/सूचना और प्रसारण/पर्यटन और सिविल विमानन मंत्रालय द्वारा आवश्यक पात्रता प्रमाण-पत्र जारी कर विए जाने के बाद ही दिया जाएगा।
- 8. उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि वे आवेदन-पत्र भरते समय कोई सूठा ब्यौरा न दें अथवा किसी महत्वपूर्ण सूचना की न छिपाएं।

उम्मीदवारों को यह भी चेतावनी दी जाती है कि वे अपने व्वारा प्रस्तृत किए गए किसी प्रलेख अथवा उसकी प्रति की किसी प्रविष्टि को किसी भी स्थिति में न तो ठीक करें न उसमें परिवर्तन करें और न कोई फर-बदल करें और न ही कोई फेर-बदल करें और न ही कोई फेर-बदल करें अरे न ही कोई फेरबदल किए गए/झूठे प्रलेख प्रस्तृत करें। यदि एसे वो या उससे अधिक प्रलेखों या उनकी प्रतियों में कोई अश्विष्ठ अथवा विसंगति हो तो विसंगति के सम्बन्ध में स्पष्टीकरण प्रस्तृत किए आएं।

9. आवंदनपत्र वरेर से प्रस्तुत कियू जाने पूर दोरी के कारण

को रूप में यह तर्का स्वीकार नहीं किया जरूगा कि आवेदन प्रपत्र ही अमूक तारील को भेजा गया था । आवेदन-प्रपत्र का भेजा जाना ही स्वतः इस बात का सूचक न होगा कि आवेदन प्रपत्र पाने वाला परीक्षा में बैठने का पात्र हो गया है।

नायांग के कार्यालय में प्राप्त प्रत्येक आवेदन पत्र की पावती वी जाती है तथा आवेदन पत्र की प्राप्ति के प्रतीक के रूप में उम्मीदवार को रोल नम्बर जारी किया जाता है । इस तथ्य का कि उम्मीदवार को रोल नम्बर जारी कर दिया गया है अपने आप यह मतलब नहीं है कि आवेदन पत्र सभी प्रकार पूर्ण है और आयोग द्वारा स्वीकार कर लिया गया है।

- 10. यदि परीक्षा से सम्बद्ध आबेदन-पत्नों की प्राप्ति की आसिरी तारील से एक महीने के भीतर उम्मीदबार को अपने आवेदन-पत्र की पावती न मिले तो उसे पावती प्राप्त करने के लिए आयोग से तत्काल सम्पर्क करना चाहिए।
- 11. इस परीक्षा के प्रत्येक उम्मीदिकार को उसके आवेदन-पत्र के परिणाम की सूचना यथाशीष दे दी जाएगी । किन्तु यह नहीं कहा जा सकता कि परिणाम कब सूचित किया जाएगा। यदि परीक्षा के शुरू होने की तारीख से एक महीने पहले तक उम्मीदिवार को अपने आवेदन-पत्र के परिणाम के बारे में संघ लोक सेवा आयोग से कोई सूचना न मिले तो परिणाम की जानकारी के लिए उसे आयोग से तत्काल सम्पर्क स्थापित करना धाहिए। यदि उम्मीदिवार ने ऐसा नहीं किया तो वह अपने मामले में विचार किए जाने के वाबे से वंचित हो जाएगा।
- 12. जिन पृस्तिकाओं में नियमायली तथा पिछली पांच परीक्षाओं के प्रवन पत्रों का ब्यारा सम्मिलित होता है, उसकी बिकी प्रकाशन नियंत्रक, सिविल लाइन्स, दिल्ली-110054 के ब्वारा की जाती है और उन्हें वहां से मेल आर्डर अथवा नकद भूगतान द्वारा सीधे प्राप्त किया जा सकता है। उन्हें (1) किताब महल, रिवोली सिनेमा के सामने, एम्पोरियम बील्डिंग 'मी' ब्लाक, ब्लाक खड़क सिंह मार्ग, नई दिल्ली-110001 और (2) प्रकाशन शाखा के बिकी काउंटर उद्योग भवन, नई दिल्ली-110001 और (3) गवर्नमेंट आफ इंडिया बुक डिफो, 8, के.एस. राय रोड़, कलकता-1 से केंबल नकद पैसा देकर खरीदा जा सकता है। ये पृस्तिकाएं विभिन्न मुफस्सिल नगरों में भारत सरकार के प्रकाशन एजेंटों से भी प्राप्त की जा सकती है।
- 13. आवंदन-पत्रों से सम्बद्ध पत्र-व्यवहार—आवंदन पत्रों से सम्बद्ध सभी पत्र आदि सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धिलपुर हाउन्स शाहजहां रोड, नहं विल्ली-110011, को भेजे आएं तथा उनमें नीचे लिखा ब्यौरा अनिवार्य रूप से दिया जाए:—
  - (1) परीक्षाकानाम
  - (2) परीक्षाका महीना और वर्ष
  - (3) उम्मीदवार का रोल नम्बर अथवा जन्म की तारीख, यदि रोल नम्बर सूचित नहीं किया गया है 1
  - (4) उम्मीदवार का नाम (पूरा तथा बड़े अक्षरों में)
- (5) आनेवन-पन्न में विया गया पत्र व्यवहार का पता ।
  ध्यान दं (1) १--- जिन पत्रों आवि में यह क्यौरा नहीं होगा,
  संभवतुः उन पर ध्यान नहीं विया जाएगा ।

ध्यान दं (2) :--परीक्षा के ममाप्त हो जाने के बाद यदि उम्मीदवार से कोई एेमा पत्र/सूचना प्राप्त होती है जिस पर उसने अपना नाम और अनुक्रमांक नहीं लिखा है, तो एसे पत्रों पर कोई ध्यान नहीं दिया जाएगा और न ही उन पर कोई कार्यवाही की जाएगी।

पते में परिवर्तन : उम्मीव वार को इस बात की व्यवस्था कर लेनी चाहिए कि उसके आवेदन-पत्र में उल्लिखित पते पर भेज गए पत्र आदि, आवश्यक होने पर, उसको बवले हुए पते पर मिल जाया करें। पते में किसी भी प्रकार का परिवर्तन होने पर आयोग की उसकी सूचना उपपूर्वत परा 13 में उल्लिखित ब्यारे के साथ, यथाशीज दी जानी चाहिए। यशापि आयोग एसे परिवर्तनों पर ध्यान देने का पूरा पूरा प्रयत्न करता है किन्तू इस विषय में यह कोई जिम्मेदारी स्वीकार नहीं कर सकता।

# परीकिष्ट 2

### संघ लोक सेवा आयोग

# उम्मीदवारों को सुचनार्थ विवरणिका

## क. वस्तूपरक परीक्षण

आप जिस परीक्षा में बैठने वाले हैं, उसको ''वस्तपरक परीक्षण'' कहा जाता है। इस प्रकार के परीक्षण में आपको उत्तर फौलाकर लिखने नहीं होंगे। प्रत्येक प्रश्न (जिसको आगे प्रश्नांश कहा जाएगा) के लिए कई संभाव्य उत्तर दिए जाते हैं। उनमें से प्रत्येक के लिए एक उत्तर (जिसको आगे प्रत्युत्तर कहा जाएगा) आपको चून लेना है।

इस विवरणिका का उद्योध्य आपको इस परीक्षा के बारे में कुछ जानकारी दोना है जिससे कि परीक्षा के स्वरूप से परिचित न होने के कारण आपको कोई हानि न हो ।

## ख. परीक्षण का स्वरूप

प्रश्न पत्र "परीक्षण प्रितका" के रूप में होंगे। इस प्रस्तिका में क्रम संख्या 1, 2, 3..... के क्रम से प्रश्नांश होंगे। इस प्रश्नांश के नीचे ए, बी, सी क्रम में संभावित प्रत्युत्तर लिखे होंगे। आपका काम प्रत्येक प्रश्न के लिए एक सही या यदि एक से अधिक प्रत्यत्तर सही है तो उनमें मर्योत्तम प्रत्यत्तर का जनाव करना होगा। (अंत में दिए गए नमने के प्रश्नांश देख लें) किसी भी स्थिति में, प्रत्येक प्रश्नांश के लिए आपका एक ही प्रत्यत्तर का जनाव करना होगा। यदि आप एक से अधिक जन लेते हैं तो आपका उत्तर गलत माना जाएगा।

#### ग. उत्तर क्षेत्रे की विधि

उत्तर धेने के लिए आपको अलग से एक उत्तर पत्रक परीक्षा भवन में दिया जाएगा । आपको अपने उत्तर इस उत्तर पत्रक में लिखने होंगे । परीक्षण परितका में या उत्तर पत्रक को छोड़ कर अन्य किसी कागज पर लिखे गए उत्तर आंचे नहीं जाएंगे ।

उत्तर पत्रक में प्रवनांशों की संख्याएं 1 से 200 तक चार बड़ों से छापी गर्ड हैं प्रत्येक प्रवनांश, ए, बी, सी, डी, ईं के कम से प्रत्यत्तर छपे होंगे। परीक्षण परितका के प्रत्येक प्रवनांश कम से प्रत्यत्तर छपे होंगे। परीक्षण परितका के प्रत्येक प्रवनांश को पढ़ लेने और यह निर्णय करने के बाद कि कौन सा प्रत्यत्तर सही या सर्वोत्तम है, आपको उस प्रत्युत्तर के अक्षर को दर्शाने वाले आयत को पैन्सिल से काला बनाकर उसे अंकित कर देना है, जैसा कि मंलग्न उत्तर पत्रक के नमूने पर दिखाया गया है। उत्तर पत्रक के आयत को काला बनाने के लिए स्याही का प्रयोग नहीं करना चाहिए।

इमलिए यह अरूरी है कि प्रश्नांशों के उत्तरों के लिए केवल अष्टी किस्म की एच. बी. पैंसिल (पैंसिलों) ही लाएं और उन्हीं का प्रयोग करें।

- 2. अगर आपने गलत निशान लगाया है, तो उसे पूरा मिटाकर फिर से सही उत्तर का निशान लगा दे। इसके लिए आप अपने साथ एक रखड़ भी लाएं।
- 3. उत्तर पत्रक का उपयोग करते समय कोई एेसी असावधानी न हो जिससे वह खराब हो जाए या उसमें मोड व मलवट आदि पड़ जाएं और वह टोढ़ा हो जाए ।

#### घ. कुछ महत्वपूर्ण नियम

- अपको परीक्षा आरंभ करने के लिए निर्धारित समय से बीस मिनट पहले परीक्षा भवन में पहुंचना होगा और पहुंचते ही अपना स्थान ग्रहण करना होगा ।
- 2. परीक्षण श्रूक होने के 30 मिनट बाद किसी को परीक्षण भें प्रवेश नहीं दिया जाएगा।
- परीक्षा शुरू होने के बाद 45 मिनट तक किसी को परीक्षा भवन छोड़ने की अनुमति नहीं मिलेगी।
- 4. परीक्षा समाप्त होने के बाद, परीक्षण पुस्तिका और उत्तर पत्रक पर्यविक्षक को सौंप वे । आपको परीक्षण पुस्तिका परीक्षा-भवन से बाहर ले जाने की अनुमृति नहीं है । इन नियमों का उल्लंघन करने पर कड़ा दंड दिया जाएगा ।
- 5. उत्तर पत्रक पर नियत स्थान पर परीक्षा/परीक्षण का नाम, अपना रोल नम्बर, कोन्द्र, विषय, परीक्षण की कारील और परीक्षण पुस्तिका की क्रम संख्या स्याही से साफ-साफ लिखे। उत्तर पत्रक पर आप कहीं भी अपना नाम न लिखें।
- 6. परीक्षण प्रित्तका में दिए गए सभी अनदोश आपकां सावधानी से पढ़ने हैं। संभव हैं कि इन अन्देशों का सावधानी से पालन न करने से आपके नम्बर कम हो आएं। अगर उत्तर पत्रक पर कोई प्रविध्दि संदिग्ध हैं, तो उस प्रश्नांश के लिए आपकों कोई नम्बर नहीं मिलेगा। पर्यवेक्षक के दिए गए अनदोशों का पालन करें। अब पर्यवेक्षक किसी परीक्षण या उसके किसी भाग को आरभ या समाप्त करने को कह दें तो उनके अनुदोशों का तत्काल पालन करें।
- 7. आप अपना प्रवेश प्रमाण-पत्र साथ लाए । आपको अपने साथ एक एच. बी. पेसिल, एक रबड, एक पेसिल शार्पनर और नीली या काली स्थाही वाली कलम भी लानी होंगी । आपको सलाह दी जाती है कि आप अपने साथ एक जिलप बोर्ड या हार्ड बोर्ड या एक कार्ड बोर्ड लाएं जिस पर कछ न लिखा हो । यदि आपके डेस्क की सतह बराबर नहीं है तो इसकी सतह

बराबर हांने के कारण आपको अपने उत्तर पृस्तिका पर उत्तर अंकित करने में आसानी होगी। आपको परिक्षा भवन में कोई कच्चा कागज या कागज का ट्रकड़ा, पैमाना या आरक्षण उपकरण नहीं लाने हैं क्योंकि उनकी जरूरत नहीं होगी। कच्चे काम के लिए आपको एक अलग कागज दिया जाएगा। आप कच्चा काम श्रूक करने के पहले उस पर परीक्षा का नाम, अपना राल नम्बर और तारीस लिस्ने और परीक्षण समाप्त होने के बाद उसे अपने उत्तर पत्रक के साथ पर्यवेक्षक को पास कर दें।

# 🤝 . विशेष अनुद्रेश :

जब आप परीक्षा भवन में अपने स्थान पर बैठ जाते हैं तब निरीक्षक से आपको उत्तर पत्रक मिलेगा । उत्तर पत्रक पर अपेक्षित स्चना अपनी कलम से भर वें । यह काम प्रा होने के बाद निरीक्षक आपको परीक्षण पृस्तिका देंगे । जिसके मिलते ही आप यह अवश्य देख लें कि उस पर पृस्तिका की संख्या लिखी हुई है अन्यथा, उसे बदलवा ले । जब यह हो जाए सब आपको उत्तर पत्रक के संबद्ध खाने में अपनी परीक्षण प्रितका की कम संख्या लिखनी होगी ।

आपको परीक्षण पुस्तिका को पर्यवेक्षक के कहे बिना स्रोलने की अनुमति नहीं है ।

# च. का्छ उपयोगी सुझाव

यद्यपि इस परीक्षण का उब्दोश्य आपकी गति की अपेक्षा शृद्धता को आंचना है, फिर भी यह जरूरी है कि आप अपने समय का, दक्षता से उपयोग करें। संतूलन के साथ आप जितनी जल्दी आगे बढ़ सकते हैं, बढ़ें, पर लापरवाही न हों। अगर आप सभी प्रश्नों का उत्तर नहीं दो पाते हों तो चिन्ता न करें। आपको जो प्रश्न अत्यन्त कठिन मालूम पड़ें, उन पर समय व्यर्थ न करें। दूसरो प्रश्नों की आरे बढ़ें और उन कठिन प्रश्नों पर बाद में विचार करें।

सभी प्रश्नों के अंक समान होंगे । सभी प्रश्नों के उत्तर दें। आपके द्वारा अंकित सही प्रत्यूत्तरों की संख्या के आधार पर ही आपको अंक दिए जाएंगे। गलत उत्तरों के लिए अंक नहीं काटे जाएंगे।

#### छ. परीक्षण का समापन

जैसे ही पर्यवेक्षक आपको लिखना बन्द करने को कहें, आप लिखना बन्द कर दें।

आप अपने स्थान पर तब तक बैठे रहें जब तक निरीक्षक जापके पास आकर आपसे सभी आवश्यक सामग्री न ले आएं और आपको ''हाल'' छोड़ने की अनुमति दें। आपको परीक्षण पृस्तिका उत्तर पत्रक और कच्चा कार्य करने के लिए कागज परीक्षा भवन से बाहर ले जाने की अनुमति नहीं हैं।

# नम्में के प्रकन

- मौर्य वंश के पतन के लिए निम्निलिखित कारणों में से कौन-सा उत्तरदायी नहीं है?
  - (1) अशोक के उत्तराधिकारी सबके सब कमजोर थे।

- (2) अशोक के बाद सामाज्य का विभाजन हुआ।
- (3) उत्तरी सीमा पर प्रभावशाली सुरक्षा की व्यवस्था नहीं हुई ?
- (4) अशोकोत्तर युग मे आधिक रिक्तता थी।
- 2. संसदीय स्वरूप की सरकार में
  - (1) विभागिका न्यायपालिका के प्रति उत्तरवामी है।
  - (2) विभायिका कार्यपालिका के प्रति उत्तरदायी है।
  - (3) कार्यपालिका विधायिका के प्रति उत्तरदायी है।
  - (4) न्यायपालिका विधायिका के प्रति उत्तरवाबी है।
  - (5) कार्यपालिका न्यायुपालिका के प्रति उत्तरदायी हैं।
- 3. पाठशाला के छात्र के लिए पाठ्यतर कार्य-कलाप का मरूप प्रयोजन
  - (1) विकास की सुविधा प्रदान करना है।
  - (2) अनुवासन की समस्याओं की रोकथान ही।
  - (3) नियत कक्षा-कार्य से राहत दोना है।
  - (4) शिक्षा के कार्यक्रम में विकल्प दोना है ।
- 4. सूर्य के सबसे निकट ग्रह हैं;
  - (1) মুক
  - (2) मंगल
  - (3) बृहस्पति
  - (4) ৰুখ
- 5. वन और आढ़ को पारस्परिक संबंध को निम्नितिकत में से कौन-सा विवरण स्पष्ट करता है ?
  - (1) पेड़ पाँधे जितने अधिक होते हैं, सिट्टी का क्षरण, उतना अधिक होता है जिससे बाढ़ होती है।
  - (2) पड़ पौधे जितने कम होते हैं, निदयां उतनी ही गाद से भरी होती हैं जिससे बाढ़ होती हैं।
  - (3) पेड़ पौधे जितने अधिक होते हैं, नवियां उतनीः ही कम गाद से भरी होती हैं जिससे बाक़ रोकी जाती हैं।
  - (4) येड़ पौधे जितने कम होते हैं उतनी ही धीमी गित से वर्फ पिषल जाती है जिसने बाढ़ रोकी जाती हैं।

#### UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 12th December 1980

No. A. 35014/1/79-Admn.II.—The Secretary, Union Public Service Commission, hereby appoints the following two temporary Section Officers of CSS cadre of Union Public Service Commission to officiate on an ad-hoc basis on deputation to the posts indicated against each for a period from 10-11-1980 to 9-2-1981, or until further orders, whichever is earlier.

- 1. Shri Yoginder Nath—S.O. (Special-Examination).
- 2. Shri D. R. Madan-S.O. (Special-Services).
- 2. On their appointment to the post of Section Officer (Special), the pay of S/Shri Yoginder Nath and D. R. Madan will be regulated in terms of the Ministry of Finance, Department of Expenditure O.M. No. F. 10(24)-E.III/60 dated 4-5-61, as amended from time to time.

#### The 3rd February 1981

No. A. 35014/1/79-Admn.H.—The Secretary, Union Public Service Commission, hereby appoints the following two temporary Section Officer of CSS cadre of Union Public Service Commission to officiate on an *ad-hoc* basis on deputation to the posts indicated against each for a period from 11-2-1981 to 10-5-1981, or until further orders, whichever is carlier.

- 1. Shri Yoginder Nath-S.O. (Special-Examination).
- 2. Shri D.R. Madan-S.O. (Special-Services).
- 2. On their appointment to the post of Section Officer (Special), the pay of S/Shri Yoginder Nath and D. R. Madan will be regulated in terms of the Ministry of Finance. Department of Expenditure O.M. No. F. 10(24)-E.III/60 dated 4-5-61, as amended from time to time.

P. S. RANA Section Officer for Secy. Union Public Service Commission.

#### New Delhi-110011, the 31st January 1981

No. A. 38013/3/80-Admn. III.—The President is pleased to permit Shri Parsram Lalchand Navani a permanent Section Officer and officiating Desk Officer of the C.S.S. cadre of the Union Public Service Commission, to retire from Government service, on attaining the age of superannuation, with effect from the afternoon of the 31st January, 1981 in terms of Department of Personnel O.M. No. 33/12/73-Ests.(A) dated the 24th November, 1973.

No. A. 38014/7/80-Admn. III.—The President is pleased to permit Shri L. N. Ganjoo a permanent Assistant and officiating Section Officer of the C.S.S. cadre of the Union Public Service Commission, to retire from Government service, on attaining the age of superannuation, with effect from the afternoon of the 31st Ianuary, 1981 in terms of Department of Personnel O.M. No. 33/12/73-Ests.(A) dated the 24th November, 1973.

S. BALACHANDRAN
Dy. Secy.
Incharge of Administration)
Union Public Service Commission

#### New Delhi-110 011, the 31st January 1981

No. P-1050-Admn.I.—The President is pleased to permit Shri B. R. Verma. a parmanent Section Officer of Central Secretariat Services Cadre and officiating in Grade I of Central Secretariat Services as Under Secretary in the office of the Union Public Service Commission to retire from Govt. Service after attaining the age of superannuation welf, the aftenoon of 31st January. 1981.

S. BALACHANDRAN
Dy. Secy.
Union Public Service Commission

CENTRAL VIGILANCE COMMISSION

New Delhi, the 5th February 1981

No. D9 RCT 23.—The Central Vigilance Commissioner hereby appoints Shri D. C. Gupta, IAS (Orissa-1967) as Commissioner for Departmental Inquiries in the Central Vigilance Commission, in an officiating capacity, with effect from the forenoon of 15th January, 1981 until further orders.

K. L. MALHOTRA Under Secy. (Admn.) For Central Vigilance Commissioner

# MINISTRY OF HOME AFFAIRS DEPARTMENT OF PERSONNEL & A.R., CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 3rd February 1981

No. A-19021/6/76/AD.V.—The services of Shri R. C. Agarwal, IPS (UP-1968), Supdt. of Police, Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment are placed at the disposal of Ministry of External Affairs, with effect from the forenoon of 27th January, 1981.

#### The 4th February 1981

No. P/F.S-175/68-Ad, I.—Shri S. A. Khatib, an officer of Mahatashtra State Police on deputation to the Central Bureau of Investigation has been relieved of his duties in the C.B.I. Bombay Branch on the afternoon of 29-11-80 on repatriation to his parent department.

No. M-3/72/Ad.V.—The services of Shri M. P. Nandapurkar, Dy. Supdt. of Police in CBI are placed at the disposal of the Cotton Corporation of India Ltd., Bombay with effect from 17-1-1981 (afternoon) for appointment as Dy. Manager (Vigilance) on deputation.

No. PF/M-125/74-AD-I.—Shri M. R. Wadke P. I., an officer of Maharashtra State Police on deputation to the C.B.I. has been relieved on voluntary retirement w.e.f. 30-11-80 (A.N.).

### The 7th February 1981

No. N-2/69/AD.V.—Shri N. S. Mathur, Dy. Legal Adviser/CBI New Delhi on attaining the age of 58 years retired from Government service with effect from 31-1-1981 (A.N.).

No. N-2/69/AD.V.—The President is pleased to re-employ Shri N. S. Mathur (Retd. DLA/CBI) as Dy. Legal Adviser in CBI for a period of 5 months from 1-2-1981, Shri Mathur has retired from Govt. service on 31-1-1981 (AN) on attaining the age of superannuation.

Q. L. GROVER, Administrative Officer (E). Central Bureau of Investigation

#### OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi, the 2nd February 1981

No. 11/49/79-Ad.I.—The President is pleased to appoint, by promotion, Shri M. L. Sharma, Investigator in the office of the Director of Census Operations, Delhi, Delhi, as Assistant Director of Census Operations (T) in the same office, on a purely temporary and ad-hoc basis, for a period of one year, with effect from the forenoon of the 14th January, 1981, or till the post is filled in on a regular basis, whichever period is shorter.

2. The headquarters of Shri Sharma will be at Delhi.

3. The above-mentioned ad-hoc appointment will not bestow upon Shri Sharma any claim to regular appointment to the post of Assistant Director of Census Operations (T). The service, rendered by him, on ad-hoc basis, will not be counted for the purpose of seniority in the grade of Assistant Director of Census Operations (T) nor for eligibility for promation to the next higher grade. The above-mentioned ad-hoc appointment may be reversed at any time at the discretion of the competent authority without assigning any reason therefor.

No. 7/1/80-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri S N. Chaturvedi, officiating Deputy Director (Data Processing) in the office of the Registrar General, India, New Delhi is Deputy Director (Data Processing) in the same office, in substantive capacity, with effect from the 24th March, 1978.

No 7/2/80-Ad.1.—The President is pleased to appoint Shri A. Sen Gupta, officiating Deputy Director (Data Processing) in the office of the Director of Consus Operations, West Bengal. Calcutta, as Deputy Director (Data Processing) in the same office, in substantive capacity, with effect from the 21st August, 1980.

No 10/27/80-Ad.I.—The President is pleased to appoint by promotion, Shri S. N. Chaturvedi, Deputy Director (Data Processing) in the office of the Registrar General, India, New Delhi as Joint Director (Data Processing) in the same office on a purely temporary and ad-hoc basis, for a period of one year, with effect from the forenoon of the 15th Janury, 1981 or till the post is filled, on a regular basis, whichever period is shorter.

- 2 The headquarters of Shri Chaturvedi will be at New Delhi
- 3 The above-mentioned ad-hoc appointment will not bestow upon the official concerned any claim to regular appointment to the post of Joint Director (Data Processing) The services rendered by him on ad-hoc basis shall not be counted for the purpose of seniority in the grade nor for eligibility for promotion to any next higher grade. The above-mentioned ad-hoc appointment may be reversed at any time at the discretion of the appointing authority without assigning any reason therefor.

#### The 7th Febuary 1981

No. 11/43/80-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri C. L. Sharma, Investigator in the office of the Director of Census Operations, Himachal Pradesh, Simla, as Assistant Director of Census Operations (Technical) in the same office, on a purely temporary and ad-hoc basis, for a period of one year, with effect from the forenoon of the 20th January, 1981, or till the post is filled in, on regular basis, whichever is earlier.

- 2. The headquarters of Shri Sharma will be at Simla.
- 3. The above-mentioned ad-hoc appointment will not bestow upon Shri Sharma any claim to regular appointment to the grade of Assistant Director of Census Operations (Technical). The services rendered by him on ad-hoc basis shall not be conned for the purpose of seniority in the grade nor for eligibility for promotion to the next higher grade. The above mentioned ad-hoc appointment may be reversed at any time at the discretion of the competent authority without assigning any reason therefor.

P. PADMANABHA Registrar General, India

# DFFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE CONTROLIER OF DEFFNCE ACCOUNTS

#### SOUTHERN COMMAND

Pune-411 001, the 2nd December 1980

No. AN/III/11310/MNK.—Shri Mohan Narayan Kale, Son of Shri Narayan Rao Laxman Kale, temporary Auditor

(A/c No. 8320565), of this office has absented himself without any report and has been unauthorisedly absent since 1st March 1980. The notice of termination issued to him at his known address has been received back undelivered. It has therefore been decided to publish his termination in the official Gazette and upon such publication, it shall be deemed to have been personally served on him on the date it is published in the Official Gazette, as per Para 5(1)(a)iii of CCS (Temporary Service) Rules 1965.

V. K. BHANDARKAR Jt. Controller of Defence Accounts, Southern Command, Pune

#### DIRECTORATE OF PRINTING

New Delhi, the 27th January 1981

No. K(15)/AII.—Shri S. S. Kaushal, Assistant Manager (Admn.), Government of India Text Books Press, Chandigarh, has retired on superannuation on the 31-12-1980 (A.N.).

S. S. P. RAU. Joint Director (Admn.)

# INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL ANDHRA PRADESH

Hyderabad, the 4th Febuary 1981

No. Admn.I/8-132/80-81/383.—The Accountant General, Andhra Pradesh-I, has been pleased to promote Sri M. V. Somayajulu a permanent Section Officer in the Office of the Accountant General, Andhra Pradesh, Hyderabad, to officiate as Accounts Officer in the scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 with effect from 30-1-81 FN until further orders.

The promotion ordered is without prejudice to the claims of his seniors.

No. Admn.I/8-132/80-81/383.—The Accountant General Andhra Pradesh-I, has been pleased to promote Sri N. Sunyanarayanamurthy a permanent Section Officer in the Office of the Accountant General, Andhra Pradesh, Hyderabad, to officiate as Accounts Officer in the scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 with effect from 24-1-81 AN until further orders.

The promotion ordered is without prejudice to the claims of his seniors.

(Sd.) ILLEGIBLE Senior Deputy Accountant General (Admn)

### MINISTRY OF COMMERCE

(DEPARTMENT OF TFXTILE)

OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER FOR HANDLOOMS

New Delhi, the 27th January 1981

No. A-12025(i)/6/80-Admn.H(A).—The President is pleased to appoint with effect from the forenoon of the 18th December, 1980 and until further orders Shri Nishkam Kasturiya, as Assistant Director Grade-I (Processing) in the Weavers Service Centre, Meerut.

Joint Development Commissioner for Headlooms

#### ISPAT AUR KHAN MANTRALAYA (KHAN VIBHAG)

#### GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700016, the 28th January 1981

No. A-30011/2/80-19C—The following temporary officers of the Geological Survey of India are declared Quasi-Permanent in the grade and with effect from the date shown against each of them;—

St. No.	Name		Designation	Date from which declared quasi- permanent
<u>i</u>	2		3	4
S/S	hri	_		
,	Prabhakar .		Assit. Geologist	1-11-78
2. Ra	mesh Kr. Singhai		Do.	5-1-79
	up Kr. Das Gupta		Do.	21-6-79
	Hachandran Nair		Do.	5-11-78
5. S iti	ish Kr. Jadia		Do.	20-12-78
	K. Pyne		Do.	22-3 <b>-</b> 79
7. <b>K</b> aj	ilash Ch. Jain		Do.	14-1-79
8. Pra	santa Kr. Roy		Do.	24-11-78
	nnath Chattopadhy	ay	Do,	3-9-79
10. Dr.	Sushil Kr. Mishra	Ī	Assit. Geophysicist	15-7 <b>-</b> 79
	Vinod Kumar		Asstt. Geophysicist (Instrumentation)	1-2-80
12. Pad	lam Chand Agarwa	ıl	Do.	24-1-80

V. S. KRISHNASWAMY Director General

# GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 5th February 1981

No. A19012(135)/80-Estt.A.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, Shri R. U. Vishwakarma, permanent Senior Technical Assistant (Min. Engg), Indian Bureau of Mines, is promoted to officiate as Assistant Mining Engineer in this department in Group 'B' post with effect from the forenoon of 16th January, 1981, until further orders.

S. V. ALI Head of Office Indian Burcau of Mines

#### DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 22nd January 1981

No. 2/36/59-SII.—Director General, All India Radio is pleased to appoint Shri S. Mazumdar, Administrative Officer, H. P. T., All India Radio, Chinsurah to officiate as Sr. Administrative Officer on an *ud-hoc* basis, Doordarshan Kendra, Calcutta with effect from 27-12-80 (FN) until further orders.

#### The 5th February 1981

No. A-19011/13/80-SV.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri Kamesh Prasad, Scnior Administrative Office, A.I.R., New Delhi to officiate in the post of Inspector of Accounts in the Directorate General, All India Radio, New Delhi from the forenoon of January 7. 1981 to February 28, 1981 (A.N.) in an ad-hoc capacity vice Sh. J. P. Jain, Inspector of Accounts in Directorate

General, All India Radio deputed to attend the 55th Training Course (Refresher) organised by ISTM.

S. V. SESHADRI Deputy Director of Administration for Director General

#### New Delhi, the 5th February 1981

No. 5(49)68-SL—On attaining the age of superannuation, Shri A. R. Choudhury, Programme Executive, Ail India Radio, Cuttack retired from Government service with effect from the afternoon of the 31st December, 1980.

No. 4(16)80-S1.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri Rajeev Kumar Shukla as Programme Executive, All India Radio, Raipur in a temporary capacity with effect from 1-1-1981 and until further orders.

H. C. JAYAL Deputy Director of Administration for Director General.

# MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING FILMS DIVISION

Bombay-26, the 30th January 1981

No. A.12025(ii)/2/76-Est.I.—The Chief Producer, Films Division hereby appoints Shri S. R. Naidu, Offg. Cameraman, Films Division, New Delhi to officiate as Newsreel Officer, Films Division, Lucknow with effect from the forenoon of 8th January 1981 until further orders.

S. N. SINGH Asstt. Administrative Officer for Chief Producer

#### DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 4th February 1981

No. A.35021/4/80(RMLH)Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri G. B. L. N. Rao, Section Officer, office of the Accountant General Orissa, Bhubneshwar, to the post of Accounts Officer at the Dr. Ram Manohar Lohia Hospital, New Delhi, with effect from the afternoon of the 15th January, 1981 and until turther orders.

Consequent on the appointment of Shri G. B. L. N. Rao, to the post of Accounts Officer Shri N. N. Sharma relinquished charge of the post of Accounts Officer at the same Hospital with effect from the forenoon of the 15th January, 1981.

#### The 7th February 1981

No. A.19020/47/77(HQ)/Admn.I.—Consequent on his selection to the post of State Coordinator, Regional Office for Health and Family Welfare, Lucknow Shri H. T. Kansara relinquished charge of the post of Health Education Officer/Ophthalmology), Directorate General of Health Services, New Delhi on the afternoon of the 28th January, 1981.

S. L. KUTHIALA Deputy Director of Administration (O&M)

## BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE PERSONNEL DIVISION

Bombay-400 085, the 15th January 1981

Ref. G-298/Estt.II/190.—Consequent on his selection for appointment as Accounts Officer II in the Heavy Water Project, Kota, Shri K. J. George, a permanent Upper Division Clerk and officiating Assistant Accounts Officer, relinquished charge of his post in this Research Centre on the afternoon of December 22, 1980.

KUM. H. B. VIJAYKAR, Dy. Establishment Officer

#### The 20th January 1981

No. 5/1/3)-Estt. II/240—Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints the undermentioned officials to officiate on an ad-hoc basis as Accounts Officer II/Assistant Accounts Officer for the period shown against their names:—

Si. Name &	Appointed to	Period	
No. Designation	officiate as	From	To AN
1. Shri K.J. George . Asstt. Accounts Officer	Accounts Officer-II	27-8-80	4-10-80
		6-10-80	5-11-80
2. Shri G.V. Mandke	Asstt. Accounts		
Asstt. Accountant	Officer	23-6-80	8-8-80
		1-9-80	4-10-80
		6-10-80	5-11-80
		10-11-80	12-12-80

Kum, H.B. VIJAYAKAR Dy. Establishment Officer

# DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY (ATOMIC MINERALS DIVISION)

Hyderabad-500016, the 31st January 1981

No. AMD-1/6/80-Rectt.—Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy herby appoints Shri Rajai Singh Yadava as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in a temporary capacity with effect from the forenoon of January 24, 1981 until further orders.

No. AMD-1/6/80-Rectt.—Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy hereby appoints Shri Om parkash as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in a temporary capacity with effect from forenoon of January 12, 1981 until further orders.

#### The 2nd February 1981

No. AMD-1/6/80-Rectt.—Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Engergy hereby appoints shri Bijaya Kumar Mahapatra as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in a temporary capacity with effect from forenoon of January 12, 1981 untill further orders.

M. S. RAO Sr. Administrative & Accounts Officer.

#### HEAVY WATER PROJECTS

Bombay-400 008, the 5th Feburary 1981

No. 05012/R2/OP/598.—Officer-on-Special Duty, Heavy Water Projects, appoints Shrl Shrl Ram Tiwari, a temporary Assistant Security Officer of Heavy Water Project (Baroda) to officiate as Security Officer in the same project in a temporary capacity, on adhoc basis from the forencon of August 9, 1980 until further orders vice Shrl P. B. Bakshi, Security Officer, voluntarily retired.

R. C. KOTIANKAR Administrative Officer

# DEPARTMENT OF SPACE

#### VIKRAM SARABHAI SPACE CENTRE

Trivandrum-695022, the 29th January 1981

No. VSSC/EST/F/1(17)—Consequent on the revision of scale of pay of the Assistant Officers in the Administrative categories of the Indian Space Research Organisation from

Rs. 550-25-750-EB-30-900 to Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960 from Ist January, 1980, vide OM No. 2/2 (19)/77-1 dated 13-12-1979 issued by the Joint Secretary, DOS, the undermentioned officers of VSSC are placed in the revised scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960 with effect from the date shown against each.

SI. N No.	lame	Designation	w.e.f.
1. Shri S	olomon David	Asstt. Accounts Officer	1-1-80
2. Shri A	A.C. Sunny	Asstt. Admn. Officer	1-7-80
3. Shri I	N.S. Nair .	Asstt. Admn, Officer	1-1-81

# DIRECTORATE OF INSPECTION & AUDIT CUSTOME & CENTRAL EXCISE

New Delhi, the 4th January 1981

No. 3/81.—Shri R. R. Barman, Superintendent Central Excise Group 'B' of Shillong Collectorate, on deputation to Directorate of Revenue Intelligence as Intelligence Officer on transfer to the head-quarter office of the Directorate of Inspection and Audit (Customs & Central Excise) New Delh vide Directorate's order F. No. 1041/81/80 dated 13.1.1981 assumed charge of the post of Inspecting Officer (Customs & Central Excise) Group 'B' on 20.1.1981 (forenoon).

S. B. SARKAR Director of Inspection

# CENTRAL WATER & POWER RESEARCH STATION Pune-24, the 2nd February 1981

No. 608/182/81-Adm.—Consequent on his Selection by the Union Public Service Commission, the Director, Central Water & Power Research Station, Pune, hereby appoints Shri Ashok Kumar Hebbar, to the Post of a Assistant Research Officer (Engineer Telecommunication) on pay of Rs. 650/- p.m. in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from the forenoon of 22nd Jan, 1981.

Shri Ashok Kumar Hebbar will be on Probation for a period of two years with effect from the same date viz. 22/1/1981.

M. R. GIDWANI Administrative Officer for Director.

# MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS (DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS) COMPANY LAW BOARD

#### OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956, and of Jacquard Woven Labels Private Limited

Bombay-2, the 30th January 1981

No. 12418/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956

that the name of M/s. Jacquard Woven Labels Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

O. P. JAIN Addl. Registrar of Companies Maharashtra, Bombay

In the matter of the Companies Act, 1956, and of M/s Assam Vinyl Private Limited

Shillong, the 2nd February 1981

No. 1641/560(3)/4215.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof, the name of M/s Assam Vinyl Private limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Compan will be dissolved.

In the matter of Companies Act 1956 and of M/s Lakshmee Loan Company Limited

Shillong, the 2nd February 1981

No. 332/560(3)/4213.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof, the name of M/s Lakshmee Loan Company limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

S. R. KOM Registrar of Companies, Assam, Meghalaya, Manipur, Tripura, Nagaland, Arunachal Pradesh & Mizoram, Shillong.

In the matter of Companies Act 1956 and of M/s Gowri Transports Private Limited

Madras-600 006, the 3rd February 1981

No. 3803/560(5)/81.—Notice is hereby given pursuant to sub section (5) of Scc. 560 of the Companies Act 1956 that the name of M/s Gowri Transports Private Limited has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

In the matter of Companies Act 1956 and of M/s Shyamala Transports Private Limited

Madras-600 006, the 5th February 1981

No. DN/4701/560(5)/81.—Notice is hereby given pursuant to sub section (5) of Sec. 560 of the Companies Act 1956 that the name of M/s Shyamala Transports Private Limited has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

In the matter of Companies Act 1956 and of Kasthuribai Transports Private Limited

Madras-600 006, the 5th February 1981

No. DN/4811/560(5)/81.—Notice is hereby given pursuant to sub section (5) of Sec. 560 of the Companies Act 1956 that the name of Kasthurlbhai Transports Private Limited has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

In the matter of Companies Act 1956 and of Uthararaj Transport Private Limited

Madras-600 006, the 5th February 1981

No. DN/4905/560(5)/81.—Notice is hereby given pursuant to sub section (5) of Sec. 560 of the Companies Act 1956 that the name of *Uthararaj Transport Private Limited* has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

In the matter of Companies Act 1956 and of Khan Chit Fund Private Limited

Madras-600 006, the 5th February 1981

No. DN/5041/560(5)/81.—Notice is hereby given pursuant to sub section (5) of Sec. 560 of the Companies Act 1956 that the name of Khan Chit Fund Private Limited has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

In the matter of Companies Act 1956 and of Shri Venugopal Chit Fund Private Limited

Madras-600 006, the 5th February 1981

No. 5540/560(5)/81.—Notice is hereby given pursuant to sub section (5) of Sec. 560 of the Companies Act 1956 that the name of Shri Venugopal Chit Fund Private Limited has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

In the matter of Companies Act 1956 and of M/s K. V. S. Chit Funds Private Limited

Madras-600 006, the 5th February 1981

No. 5735/560/(5)/81.—Notice is hereby given pursuant to sub section (5) of Sec. 560 of the Companies Act 1956 that the name of M/s K. V. S. Chit Funds Private Limited has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

(Sd.) ILLEGIBLE
Asst. Registrar of Companies
Tamil Nadu, Madras.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 6th January, 1981

Ref. No. ASR/80-81/284—Whereas I, ANAND SINGH ISR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agrl. land situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Distt. Gurdaspur, May, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Sh. Mohinder Singh Gurdip Singh, Paramjit Singh S/o Kharak Singh r/o village Bulewal P.O. Naushera Majja Singh Teh. & Distt, Gurdaspur.
  - (Transferor)
- (2) S/Shri Tarlok Singh, Sukhdev Singh, Anup Singh, Narinder Singh & Gurdial Singh ss/o Banta Singh village Bulewal Teh & Distt. Gurdaspur.
  - (Transferce)
- (3) as at sr. No. 2 overleaf and tenant if any
  - [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any other

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned....

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 24 kanals situated in village Bulewal Teh & Distt. Gurdaspur as mentioned in the sale deed No. 1283/343 dated 28-5-80 of the registering authority, Gurdaspur

ANAND SINGH IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 18-12-80

Seal:

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 29th December 1980

Ref. No. ASR/80-81/285—Whereas I, ANAND SINGH IRS

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. situated at Agrl. Land in Vill. Jhaur

(and more fully described in the Schedule unnexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Gurdaspur June 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following Persons, namely:—

(1) Sh. Gurdlp Singh Satnam Singh ss/o Sri Sawinder Singh r/o Vill. Jhaur po. Gurdaspur.

(Transferor)

(2) Sh. Surjan Singh s/o Sh. Wadhawa Singh r/o village Dhariwal (Japowal) P. O. Gurdasnangal Teh. Gurdaspur.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 and tenant(s) if any

[Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any other

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 13 situated in village Thaur as per Valuation Officer's report (Gurdaspur) and not as per sale deed vide No. 2960 dated 29-6-80 of the registering authority Gurdaspur.

Inspecting Assistant

ANAND SINGH IRS Competent Authority Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Amritsar.

Date : 29-12-80 Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 29th December 1980

Ref. No. ASR/80-81/286—Whereas I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing Building situated at G. T. Road, Amritsar.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar in May, 1980

for an apparent consideration which in less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of he ransferor to pay under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Sardari Lal Mehra s/o Sh. Manohar Lal, r/o Circular Road, opposite Medical college, Amritsar. (Transferor)
- (2) M/s. Hari Singh & Sons, Hall Gate, Amritsar.
  (Transferce)
- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any
- [Person(s) in occupation of the Property]
  (4) Any other

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

One building khasra No. 635/I & 635 situated on G. T. Road, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 956/dated 6-5-80 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 29-12-80

Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### UFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 18th December 1980

Ref. No. ASR/80-81/287--Whereas I, ANAND SINGH IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agrl. land situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gurdaspur May, 1980

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as faoresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

29-476GI/80

Sh. Banta Singh s/o Bishan Singh Village & P.O. Satkoha Teh & Distt. Gurdaspur.

(Transferor)

(2) Sh. Rasbir Singh, Manjit Singh ss/o Darshan Singh V. & P. O. Satkoha Teh. & Distt. Gurdaspur. (Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any [Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any other [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and 'expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 25 K 5 M situated in village Satkoha as mentioned in the sale deed No. 903 dated 26-5-1980 of the registering authority Gurdaspur.

> ANAND SINGH IRS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, Amritsar.

Date: 18-12-80

Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 2nd January 1981

Rcf. No. ASR/80-81/288—Whereas I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, haiving a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agrl. Land situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR. Khemkaran, in May, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 S/Shri Wassan Singh, Sulakhan Singh, Puran Singh ss/o Waryam Singh r/o Assal Uttar tehsil Patti, Distt. Amritsar.

(Transferor)

- (2) Sh. Nirmal Singh, Jarnail Singh Amrik Singh ss/o Chaman Singh Balwinder Singh s/o Ram Singh r/o Assal uttar, Teh. Patti. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenants if any
  [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) If any

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agrl. land measuring 40 K 2 Marlas nehri situated in village Ussal Uttar, Teh. Patti, as mentioned in the sale deed No. 144/dated 8-5-80 of the registering authority Khemkaran.

ANAND SINGH IRS
Competent Authority
Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 2-1-81 Seal:

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 6th January 1981

Ref. No. ASR/80-81/289—Whereas I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Ra. 25,000/-and bearing No.

Agrl. land situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

SR. Gurdaspur May, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Harbhajan Singh Gurbachan Singh ss/o Natha Singh s/o Narang Singh r/o Vill. Dharlwal Bhojan Teh. Gurdaspur.

(Transferor)

(2) Shri Makhan Singh Sulakhan Singh, Gurnam Singh Dalbir Singh ss/o Tara Singh s/o Ganda Singh r/o Dhaiwal Bhojan, Teh. Gurdaspur.

(Transferee)

- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any
  [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any other

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquistion of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agrl, land measuring 20 K 16 M situated in village Dhariwal Bhoja Teh. Gurdaspur as mentioned in the sale deed No. 1128 dated 26-5-80 of the registering Authority, Gurdaspur.

ANAND SINGH IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 6-1-81 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 5th January 1981

Ref. No. ASR/80-81/290—Whereas I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. Agrl. land situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at SR Gurdaspur in May, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Smt. Satya Devi and Smt. Muni d/o Sh. Jabroo s/o Phula Singh V. & P.O. Jhakkra Teh. Gurdaspur. (Transferor)
- (2) Sh. Sardar Singh s/o Chain Singh V & P. O. Jhakkra Teh. Gurdaspur. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 overloaf and tonant(s) if any

[Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any other

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agrl. land measuring 36 K 4 M situated in village Jhakkra, Gurdaspur as mentioned in the sale deed No. 1192 dated 27-5-80 of the registering authority, Gurdaspur.

ANAND SINGH IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date: 5-1-81

Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF TE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 6th January 1981

Ret. No. ASR/80-81/291—Whereas I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinnfter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Agrl. land.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at SR. Gurdaspur, June 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

- (1) S/Shri Jaswant Singh, Sardul Singh, Narinder Singh ss/o Pritam Singh Village Satkoha Teh. Gurdaspur.

  (Transferor)
- (2) Sh. Sukhwinder Singh s/o Niranjan Singh V&P Satkoha, Distt. Gurdaspur.
  (Transferce)
- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenants (s) it any [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any other

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FAPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined ni Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agrl. land measuring 21 K9M situated in village Satkoha Teh. Gurdaspur as mentioned in the sale deed No. 2610 dated 20-6-1980 of the registering authority Gurdaspur.

ANAND SINGH IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 6-1-81 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 6th January 1981

Ref. No. ASR/80-81/292—Whereas I, ANAND SINGH IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Agrl. land

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR. Gurdaspur, June, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Jagir Singh Pritam Singh ss/o Sunder Singh Sh. Sunder Singh s/o Wadhawa Singh r/o Vill. Gill Manj, Teh. Gurdaspur.

(Transferor)

- (2) Sh. Dilawar Singh s/o Suchet Singh r/o Village Peroshah PO Kahnuwan Teh. Gurdaspur. (Transferce)
- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any other

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agri. land measuring 32 K 4 M situated in village Gill Teh Gurdaspur, as mentioned in the sale deed No. 2781 dated 24-6-80 of the registering authority Gurdaspur.

ANAND SINGH IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Rango, Amritsar.

Date: 6-1-81

Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 6th January 1981

Ref. No. ASR/80-81/293---Whereas I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Agrl. land

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR. Gurdaspur, June, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Parkash s/o Amar Singh r/o Vill. Rawilpindi, PO Galhri Teh, & Distt. Gurdaspur.

  (Transferor)
- (2) Sh. Kapur Singh s/o Natha Singh r/o Villaga Rawilpindi PO Gahlri Teh, & Distt, Gurdaspur.

(Transferee)

- (3) As at Sr. No. 2 overlos f an tenent (s) if any [Person(s)] in occupation of the Property]
- (4) Any other

interested in the property] [Person(s) whom the undersigned knows to be

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agrl. land measuring 47K 5 M situated in village Rawilpindi, Gurdaspur as mentioned in the sale deed No. 2192 dated 2-6-80 of the registering authority Gurdaspur.

ANAND SINGH IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, American.

Date: 6-1-81

Scal:

#### FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 6th January 1981

Ref. No. ASR/80-81/294—Whereas I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agrl. land.

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR. Gurdaspur, in June, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the saaid Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or the assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Mohinder Singh s/o Nihal Singh r/o Vill. Alaval Teh. Gurdaspur.

(Fransferor)

(2) Shri Gurbachan Singh, Mitterman Singh, Ajaib Singh ss/o Piara Singh r/o Vill. Alowal P. O. Kot Santokh Rai, Gurdaspur.

S/Shri Jarnail Singh, Bakshish Singh ss/o Sucha Singh (minor) r/o Vill, Alowal P.O. Kot Santokh Rai, Gurdaspur.

(Transfer∞)

(3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any

[Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any other

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used therein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agrl, land measuring 40 K situated in village Alowal Teh. Gurdaspur as montioned in the sale deed No. 2726 dated 23-6-80 of the registering authority Gurdaspur.

ANAND SINGH IRS.

Competent Authority
ommissioner of Income-tax,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Amritsar.

Dato: 6-1-81

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 6th January 1981

Ref. No. ASR/80-81/295—Whoreas I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said' Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Apri. land

(and more fully, described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer

at SR. Taran Taran, May, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Sucha Singh s/o Kala Singh r/o Lohke, Tch. Tarn Taran.

(Transferor)

(2) Shri Kulwant Singh Chatwant Singh ss/o Swinder Singh r/o Lohke, Tch. Tarn Taran.
(Transforce)

(3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any

[Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any other

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

- (a) by any of the aforesald persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agrl. land measuring 43 K chahi situated in village Lohke Teh. Taran Taran, as mentioned in the sale deed No. 1279 dated 29-5-80 of the registering authority Taran Taran.

ANAND SINGH IRS.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 6-1-81

Seal:

30-476GI/80

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 6th January 1981

Ref. No. ASR/80-81/296 - Whereas, I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No Agrl. land

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR. Ajnala in May, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Shangara Singh s/o Bhagwan Singh Sarjit K w/o Bhagwan Singh r/o Rurowal, Teh, Ajnala,a Distt, Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Charanjit Singh s/o Darshan Singh, Kishan Singh s/o Anokh Singh, Iqbal Singh r/o Village Rurowal, Teh. Ajnala, Distt. Amritsar.

(Transferœ)

(3) As at Sr. No 2 overleaf and tenant(s) if any

[Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any other

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agrl. land measuring 42 K 19M situated in village Rurowal, Teh. Ajnala, as mentioned in the sale deed No. 988 dated 27-5-80 of the registering authority Ajnala.

ANAND SINGH IRS.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 6-1-81

Seal:

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 6th January 1981

Rof. No. ASR/80-81/297---Whereas I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agrl. land

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Khemkaran in May, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I horeby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Subu Singh, Mahabir Singh ss/o Nidan Singh. Lachhman Singh, Ram Singh s/o Jagir Singh r/o Vill. Radholke Teh. Patti.

(Transferor)

(2) Shri Tara Singh, Sahib Singh s/o Bishan Singh Vill Toot Teh. Patti.

(Transferee)

(3) As at Sr. No 2 overleaf and tenant(s) if any [Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any other

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same menaing as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agrl. land measuring 78K 6M situated in vill. That Teh Patti, as mentioned in the sale deed No. 253 dated 29-5-80 of the registering authority Khemkaran.

ANAND SINGH IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 6-1-81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

#### ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 6th January, 1981

Ref. No. ASR/80-81/298—Whereas I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Agrl. land

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at SR. Khemkaran May, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the asid Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Joginder Jit Singh alias Narinder Pal Singh s/o Partap Singh, r/o Vill. Tbot, Teh, Patti. (Transferor)
- (2) Shri Sukhhal Singh, Jashal Singh ss/o Harmander Singh r/o Tbot, Teh. Patti.

  (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any [Person(s) in occupation of the Property]
- (3) Any other

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein a are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agrl. land measuring 71-14 M situated in village Tbot tehsil Patti as mentioned in the sale deed No. 181/dated 19-5-80 of the registering authority Khemkaran.

ANAND SINGH IRS.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 6-1-81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 6th January, 1981

Ref. No. ASR/80-81/299---Whereas I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act,'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

No. Plot.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at SR. Pathankot May, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair-market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or ohter assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957):—

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Lakh Raj s/o Guran Ditta Mal Mochi Mohalla, Sant Nagar, Pathankot.

Transferor

 Smt. Kamala Rani w/o Shri Vishwa Mitter and Vishwa Mitter s/o Nand Lal, House No. 1940, Mochi Mohalla, Sant Nagar, Pathankot.

Transferee

- (4) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any (Person in occupation of the property)
- (4) Any other

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

One plot of land measuring 3 marlas situated in Mohalla Mochi of Sant Nagar area Pathankot, as mentioned in the sale deed No. 711 date 26-5-80 of the registering authority Pathankot.

ANAND SINGH IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 6-1-81.

#### FORM ITNS ...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

#### ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 6th January 1981

Ref. No. ASR/80-81/300—Whereas I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. House Pathankot.

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR. Pathankot May, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; nad/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269D of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Mahan Singh s/o Jalmal Singh Sali Road, Petrol-Pump, Near Vig and Dawar, Pathankot.

Transferor

(2) Shri Dharam Paul, Shri Ashok Kumar s/o Bihari Lal, r/o Dhangu Road, Sant Nagar, Pathankot.

Transferce

- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any other

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

One house (18 marlas) situated in Pathankot as mentioned in the sale deed No. 470 dated 5-5-80 of the registering authority Pathankot.

ANAND SINGH IRS.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 6181

FORM NO. I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 6th January 1981

Ref. No. ASR/80-81/301—Whereas I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/-and bearing

No. Agrl. land

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR. Gurdaspur May, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

(1) Shri Bara Singh Rattan Singh, Bachan Singh s/o Puran Singh Village Dhindsa Gurdaspur.

Transferor

- (2) Smt. Surjit Kaur W/o Shri Jagir Singh village Bhai Ka Pind PO Ghuman Kalan, Gurdaspur.
  - Transferee
- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any

[Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any other

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXFLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agrl. land measuring 30 K 2 M situated in village Dhinda Gurdaspur as mentioned the sale deed No. 1248 dated 28-5-80 of the registering authority Gurdaspur.

ANAND SINGH IRS.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 6-1-81.

Scal .

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 6th January 1981

Ref. No. ASR/80-81/302—Whereas I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One kothi Pathankot.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

SR. Pathankot, May, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen; per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Amrit Lai, Brij Mohan Joti s/o Kasturi Lai, near Bilji Ghar Pathankot.

Transferor

(2) M/s. O. P. Oberoi & Co., College, Road, Pathankot.

Transferee

- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any
  - [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any other

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned....

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires letter;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined is Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

One kothi (area of plot 1 kanal 12·1/2 M) situated in Pathankot as mentioned in the sale deed No. 638 dated 20-5-80 of the registeringa uthority, Pathankot.

ANAND SINGH IRS.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner, of Income tax
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 6-1-81

Seal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 6th January 1981

Ref. No. ASR/80-81/303—Whereas I, ANAND SINGH IRS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. One property

#### (and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR. Amritsar, in May, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

31---476GI/80

 Smt. Kamlesh Kumari w/o Shri Dev Raj r/o Bazar Kesarian, Kucha Faqir Khana, House No. 473/19 Amritsar.

(Transferor)

(2) Smt. Kamlawati d/o Shri Ram Nath s/o Lachhmi Narain, Ashok Kumar, Raj Kumar ss/o Shri Rattan Chand r/o Gali Ardiasian, Charaustia Attari now r/o Kothi No. 8, Rattan Chand Road, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any | Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any other
  [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

One kothi No. 8 (Plot No. 62 min 63 khasra No. 1715/570/2) situated on Rai Bahadur Rattan Chand Road, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 650/I dated 29-5-80 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 6-1-81.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

#### ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 7th January, 1981

Ref. No. ASR/80-81/304—Whereas I, ANAND SINGH IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agrl. land

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR. Amritsar in May, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforsaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any inome arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Sukhwinder Singh s/o Piara Singh s/o Bhakna Teh. Amritsar.

(Transferor)

(2) S. Tara Singh s/o Isher Singh r/o Bhakna Kurd Teh. Amritsar.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any

[Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any other

[Ferson(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agrl, land measuring 31K 4M situated in Village Bhakna Khurd Teh. Amritsar as mentioned in the sale deed No. 1382/21-5-80 of the registering Authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant
Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 7-1-81.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 7th January, 1981

Ref. No. ASR/80-81/305—Whereas I, ANAND SINGH IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agrl. land

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR. Amritsar in May, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Smt. Harnam Kaur wd/o Inder Singh r/o Majitha Teh. Amritsar.

(Transferor)

(2) Shrl Harbhupinder Singh s/o Mohinder Singh r/o Majitha.

(Transferee)

- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any
  - [Person(s) in occupation of the Property]

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agrl. land 98K 5M (one half share in) situated in village Galowali, Teh. Amritsar, as mentioned the sale dccd No. 985/7-5-80 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH IRS

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 7-1-81

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT 'COMMISSIONER OF INCOMETAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 7th January, 1981

Ref. No. ASR/80-81/306—Whereas 1, ANAND SINGH IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Inchance-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Agrl. land

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR. Amritsar, in May 1980

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Kundan Singh s/o Inder Singh r/o Majitha Teh., Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Harbhupinder Singh s/o Mohinder Singh r/o Majitha Teh. Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any
- [Person(s) in occupation of the Property]
  (4) Any other

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the Publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agrl. land measuring 98 K 5 Mar (1/2 share) situated in Galowali, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 984/dated 7-5-80 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 7-1-81

NGTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 6th January, 1981

Ref. No. A\$R/80-81/308—Whereas I, ANAND SINGH IRS

being the Competent Authority under Section 269B, of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agrl. land

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Patti in May, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Palwinder Kaur d/o Shri Bhagwant Singh r/o Vill. Singhpura, Teh. Patti, Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Lakhbir Singh s/o Sangara Singh of village Singhpura, Teh. Patti, Distr-Amritsar.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any [Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any other

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property!

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agrl. land measuring 86K 9M Nchri & Banjar Thoor situated in village Singhpura, Teh. Patti, as mentioned in the sale deed No. 557/I/1012/14/5/80 of the registering Authority, Patti.

ANAND SINGH IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 6-1/81

NOTICE NUDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF TAX ACT, 1961 (63 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 6th January, 1981

Ref. No. ASR/80-81/310—Whereas I, ANAND SINGH IRS

being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agrl. land.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR. Amritsar in May, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Santokh Singh Jagatar Singh ss/o Ajit Singh r/o Chakmukand Tehsil Amritsar.
  (Transferor)
- (2) Shri Kuldip Singh, Amarjit Singh, Sarabjit Singh, Harjit Singh, Gurnam Singh, Angrej Singh ss/o Parkash Sigh r/o Cheecha ch. Amritsar.
  (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any
  [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any other

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agrl. land measuring 38 K 16 M situated in village Cheecha Teh. Amritsar as mentioned in the sale deed No. 1653/27-5-80 of the registering authority, Amritsar tehsil.

ANAND SINGH IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 6-1-81.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 6th January, 1981

Ref. No. ASR/80-81/311—Whereas I, ANAND SINGH IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agrl. land

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Patti in May, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act,
  in respect of any income arising from the transfer;
  and 'or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Narender Singh s/o. Iser Singh Jat of Sito Mch Jhugian Teh. Patti.

(Transferor)

- (2) Shri Kesar Singh s/o Jawand Singh Jat of Shashid Teh. Patti. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any other

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agrl. land measuring 92K Banjar Kadim & Barani situated at Site Mch Jhugian Teh. Patti, as mentioned in thesa le deed No. 831/1/1016 dated 29-5-80 of the registering authority, Patti.

Inspecting Assistant

ANAND SINGH IRS
Competent Authority
Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 6-1-81

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS SIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 6th January, 1981

Ref. No. ASR/80-81/312—Whereas I, ANAND SINGH IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Agrl. land

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at SR Patti in May, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-rax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesoid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

(1) Shri Mukhtiar Singh s/o Sham Singh r/o Booh Teh. Patti.
(Transferor)

- (2) Shri Ujagar Singh s/o Jarnail Singh, Salwant Singh, Salok Singh r/o Vill. Booh, Teh. Patti.

  (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any other

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agrl, land measuring 84 Kanals situated in village Booh Teh. Patti as mentioned in the sale deed No. 813/1/1016 dated 28-5-80 of the registering authority, Patti.

ANAND SINGH IRS

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 6-1-81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,

#### AMRITSAR

Amritsar, the 6th January 1981

Ref. No. ASR/80-81/313—Whereas I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agrl. land

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Patti in May, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

32-476GI/80

- (1) Shri Sham Singh s/o Kehar Singh r/o Vill. Booh Teh. Patti. (Transferor)
- (2) Shri Ujagar Singh s/o Jarnail Singh Salwant Singh s/o Dial Singh Salok Singh s/o Dal Singh r/o Vill. Booh Teh. Patti.
  - (Transferee)
- (3) As at No. 2 overleaf and tenant(s) if any [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any other

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agrl. land in village Booh Teh. Patti. (92K 17M) as mentioned in the sale deed No. 812/I/1016/28-5-80 of the registering authority Patti.

> ANAND SINGH IRS Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Amritsar.

Date: 6-1-81

(Transferec)

#### FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

## OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 8th January 1981

Ref. No. ASR/80-81/314—Whereas I, ANAND SINGH ISR.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agrl. land

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar in May, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Raval Singh s/o Gurdial Singh s/o Rala Singh r/o Mahdripur Teh. Amritsar.

  (Transferor)
- (2) Shri Jagjit Singh s/o Gurdial Singh r/o Mahdipur Teh. Amritsar.
- (3) As at No. 2 overleaf and tenant(s) if any
  [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any other

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this potice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agri. land measuring 25 K 9 Marlas in Madhipur as mentioned in the sale deed No. 1720/dated 28-5-80 of the registering Authority, Amritsar, tehsil.

ANAND SINGH IRS.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 8-1-81

#### FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

\_\_\_\_\_

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 6th January 1981

Ref. No ASR/80-81/309—Whereas I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing at Agrl. land

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Patti in May 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aroresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assess which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Bishan Singh s/o Gujjar Singh r/o Village Dubli Teh. Patti.

(Transferor)

(2) Shri Nirmal Singh Gurmel Singh, Baldev Singh Santokh Singh ss/o Isar Singh Jat of Dubli Teh. Patti.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any

[Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any other

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agrl. land measuring 20 K/5 M Barani & Mehri situated in Village Dubli, Teh. Patti, as mentioned in the sale deed No. 549/13-5/60/1012 dated 13-5-80 of the registering authority Patti.

ANAND SINGH IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 6-1-81

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 6th January 1981

Ref. No. ASR/80-81/315---Whereas I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. agrl. land

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Patti, in May, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) racilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shrl Gurmukh Singh Harbans Singh ss/o Dalip Singh Jat of village Shaheed Teh. Patti.

  (Transferor)
- (2) Shri Kavi Sammand Singh s/o Wadhawa Singh Sawaran Singh Fatch Singh, Jasbir Singh ss/o Summand Singh of Village Kot Budha Teh. Patti.

  (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 overloaf and tenant(s) if any
  [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any other

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agrl. land measuring 99 K 16M situated in Kot Budha Teh. Patti, as mentioned in the sale deed No. 640/I/1014 dated 21-5-80 of the registering authority, Patti.

ANAND SINGH IRS.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 6-1-81.

#### PORM ITNS

NOTICE NUDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (63 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 6th January 1981

Ref. No. ASR/80-81/316---Whereas I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agrl. land

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at SR Patti in May, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee by the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Sham Singh s/o Buta Singh r/o Sabhrai, Teh. Patti. (Transferor)
- (2) Shri Darshan Singh, Sohan Singh, Prem Singh ss/o Sammand Singh r/o Jaur Singhwala, Teh. Patti. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any

[Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any other

[Person(\$) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of he aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the some meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agrl. land measuring 27 K 19M barani & Banjar situated in village Sabhrai Teh. Patti as mentioned in the sale deed No. 739/I/1015 dated 20-5-80 of the registering authority Patti.

ANAND SINGH IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 6-1-81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 6th January 1981

Ref. No. ASR/80-81/317—Whereas I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Agrl. land

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Patti in May, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that, the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Tara Singh Gajjan Singh s/o Hawela Singh r/o Algon Teh. Patti, Distt. Amritsar.

  (Transferor)
- (2) Shrl Sukhdev Singh Gurdev Singh Darshan Singh ss/o Sucha Singh τ/o Algon Teh. Patti. (Transferor)
- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any other

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agrl. land measuring 38K 16M situated in village Algon. Teh. Patti as mentioned in the sale deed No. 740/I/1015 dated 23-5-80 of the registering authority, Patti.

ANAND SINGH IRS.

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 6-1-81

#### FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 6th January 1981

Ref. No. ASR/80-81/318—Whereas I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Agrl, land

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR. Patti in May, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the tollowing persons, namely:—

- (1) Shri Teja Singh s/o Bhagwant Singh r/o Ambala Cantt. (Transferor)
- (2) Shri Raj Singh s/o Gurbax Singh
  Balinder Singh s/o Jasinder Singh ss/o Dial Singh
  Gurdip Kaur w/o Dial Singh r/o Poolah Teh. Patti.
  (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any
  [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any other

[Person(8) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this motice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agr. land measuring 43K 18M situated in village Singhpura Tehsil Patti, as mentioned in the sale deed No. 664/I/1013 dated 23-5-80 of the registering authority, Patti.

ANAND SINGH IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date: 6-1-81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 6th January 1981

Ref. No. ASR/80-81/319—Whereas I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agrl. land measuring 72K

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Patti, in May, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- (1) Shri Inderbir Singh s/o Baldev Singh r/o Verka Amritsar. (Transferor)
- (2) Sukhraj Kaur d/o Karnail Singh r/o village Ball Amritsar. (Transferce)
- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any

[Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any other

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agrl. land measuring 72 K Nehri situated in village Sugga Teh. Patti, as mentioned in the sale deed No. 771/I/1015 dated 23-5-80 of the registering authority, Patti.

ANAND SINGH IRS.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date: 6-1-81

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 8th January 1981

Ref. No. ASR/80-81/320--Whereas I, ANAND SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Agrl. land

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR. Amritsar in May, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:---

33-476GI/80

(1) Smt. Isher Kaur d/o Kesar Singh r/o Bandala. through Mukhtar aam Sham Singh s/o Desa Singh r/o Bandala, Teh. Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Ram Singh s/o Gujar Singh r/o Jandiala Guru Teh. Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any other

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agrl. land measuring 55·13 marla situated in village Rakhihete, Teh. Amritsar as mentioned in the saledeed No. 1472 dated 23-5-80 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH IRS. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Amritsar.

Date: 8-1-81

#### FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, AMRITSAR Amritsar, the 6th January 1981

### Ref. No. ASR/80-81/321—Whereas I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Plot of land

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been trasferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar in May, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the trasferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (i) Smt. Chand Rani w/o Harish Kumar r/o Kangra Colony, Amritsar. (Transferor)
- (2) Shri Davinder Mohan s/o Amar Chand r/o Kot Atma Singh Amritsar. (Transferee)
- (3) As at Sr, No. 2 overleaf and tenant(s) if any [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any other

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

One Plot of land measuring 145 sq. yds situated on Batala Road, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 595/I dated 27-5-80 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH IRS.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 6-1-81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 6th January 1981

Ref. No. ASR/80-81/322—Whereas I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri, land

(and more fully, described in the Schedule tannexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at SR Pathankot May, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Smt. Kulwant Kaur d/o Burh Singh of Jamalpur Toh. Pathankot.

(Transferor

(2) Shri Harbhajan Singh s/o Shri Ajaib Singh, Jamaipur Teh. Pathankot.

(Transferce)

- (3) As at Sr. No. 2 overloaf and tenant(s) if any [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any other

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agrl. land measuring 33K 4 marlas situated in Jamalpur Teh. Pathankot as mentioned in the sale deed No. 644 dated 20-5-80 of the registering authority, Pathankot.

ANAND SINGH IRS.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.

Acquisition Range, Amritsar

Date : 6-1-81 Seal :

#### NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 6th January 1981

Ref. No. ASR/80-81/323—Whereas I, ANAND SINGH IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. One Plot.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar, in May 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of the income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Voena Kumari d/o Kishan Kishore w/o Ashok Kumar r/o Delhi Cantt. Hall Present c/o Kishan Kishore Mehra Goods Corporation, Saheed Bhagat Singh Road, Amritsar.
  (Transferor)
- (2) Smt. Daljit Kaur w/o Pritam Singh r/o 60/I Gokal Building Ram Singh, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any others

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

One plot of land measuring 302 sq. yds situated in Beauty Avenue Circular Road, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 524/I dated 21-5-80 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date: 6-1-81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 6th January 1981

Ref. No. ASR/80-81/324—Whereas 1 ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. one plot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR Amritsar in May, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Veena Kumari d/o Shri Kishan Kishore w/o Ashok Kumar r/o Delhi Cantt Hall present C/o Kishan Kishore Mehra Goods Corporation, Shaheed Bhagat Singh Road, Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Rajinder Singh s/o Pritam Singh r/o 60/1 Gokal Building Ram Bagh Amritsar.

(Transferce)
(3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any.

[Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any other
[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

One plot of land measuring 302 sq. mtrs situated in Beauty Avenue Circular Road, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 525/i Dated 21-5-80 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH IRS.
Competent Authority
Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 6-1-81

Seal 1

### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 6th January 1981

Ref. No. ASR/80-81/325—Where  $a_{\rm S}$  I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One plot.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR Amritsar, in May, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly started in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the cancealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Baibir Singh s/o Bachan Singh r/o village Bhora Kona Distt, Amritsar, (Transferor)
- (2) Shri Jaspal Singh s/o Mehnga Singh r/o Village Chetanpura Teh, Amritsar. (Transforce)
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any

[Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any other

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

One plot of land measuring 214 Sq mtrs. situated in Gumtala Urban as mentioned in the sale deed No. 573/I dated 23-5-80 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex,
Acquisition Range, Amritsar

Date: 6-1-81

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 14th January, 1981

Ref. No. ASR/80-81/326—Whereas I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One plot.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at SR Batala in May, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 26D of the said Art, to the following persons namely:—

(1) Shri Yoginder Nath Goel, s/o Tej Bhan Aggarwal r/o Ohri Gate Tehsil Batala.

(Transferor)

(2) Shri Yoginder Pal Gupta s/o Dina Nath r/o Bhandari Mohalla, Batala.
(Transferce)

(3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any

[Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any other

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

One plot of land measuring 500 sq. yds situated at Batala Urban Estate, as mentioned in the sale deed No. 726 dated 2-5-80 of the registering authority Batala.

ANAND SINGH IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 14-1-81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 15th January 1981

Ref. No. ASR/80-81/327.—Whereas I, ANAND SINGH IRS. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25-000/- and bearing No.

One house

(and more fully described, in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar, in May, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) S/Shri Bhajan Lal Brij Lal ss/o L. Jamuna Dass and Reshmo devi & Nirmla Rani ds/o Jamuna Dass r/o Katra Parja Kucha Misar Beli Ram, Amritsar, Smt. Charan Dai wd/o Jamuna Dass

(Transferor)

(2) Shri Jogindera wati w/o Vishwa Nath, Premwati w/o Diwan Chand r/o Katra Parja Amritsar.

(Tansferce)

(3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any

[Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any other

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

1/2 share in house No. 333/12, 82/12 MCA No. 282/12-3 situated in Kucha Misar Beli Ram Amritsar as mentioned in sale deed No. 578 dated 23-5-80 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 15-1-81

Seal 1

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 14th January, 1981

Ref. No. ASR/80-81/328—Whereas J. ANAND SINGH IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that he immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. One property

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR Amritsar June, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

34 -476GI/80

(1) Prem Nayyar s/o Hans Raj Nayyar r/o 192 Shastri Nagar Lawrance Road, Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Surinder Pal Singh s/o Brig. Mohinder Singh r/o 33, Hukam Singh Road, Amritsar.

(Tranferee)

- [Person(s) in occupation of the Property]
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any
- (4) Any other

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

1/3 share in One bunglow No. 192 in Shastri Nagar Lawrance Road, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 710/I dated 5-6-80 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar,

Date: 14-1-81 Seal:

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 14th January, 1981

Ref. No. ASR/80-81/329-Whereas I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

No. One property situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar May, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- (1) Shri Prem Nayyar s/o Shri Hans Raj Nayyar r/o 192 Shastri Nagar Lawrance Road, Amritsar (Transferor)
- (2) Shri Inderpal Singh s/o Brig. Mohinder Singh r/o 33 Hukam Singh Road, Amritsar.
  - (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any

[Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any other

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the serieve of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publicution of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

One third share in one Bunglow No. 192 in Shastri Nagar, Amrits ar as mentioned in the sale deed No. 594 dated 27-5-80 of the registering aurhority Amritsar.

> ANAND SINGH IRS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Amritsar

Dated: 14-1-1981.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 14th January 1981

Ref. No. ASR/80-81/330—Whereas, I, ANAND SINGH IRS being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said' Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One khola situated at

(and more fully, described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at SR Amritsar in May, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apprent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Welth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Gopal Dass s/o Ram Laj r/o Amritsur now Girdhar Nagar, Ahmedabad

(Transferor)

- (2) Smt. Surjit Kaur w/o Kishan Singh & Shri Yash Pal S/o Kishan Chand r/o Building No. 228/7-2, Jaura Pipal, Amritsar.
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any
- [Person(s) in occupation of the Property]
  (4) Any other

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

One Khola measuring about 180 sq.yds situated in Katra Garba Singh Amritsar as mentioned in the sale deed No. 358/I dated 2-5-80 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex,
Acquisition Range, Amritsar

Date: 14-1-81

#### - --

#### FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX.

#### ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 15th Jan 1981

Ref. No. ASR/80-81/331—Whereas, I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One plot of land, situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at SR Amritsar in May, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act; to the following persons, namely:—

- (1) Shri Arjan Singh s/o Ghania Singh r/o Katra Karam Singh Gali Kamboa wali, Amritaar. (Transferor)
- (2) Smt. Nhrmal Khurana w/o Shri Brij Lalr/o House No. 1250 main bazar, Nimak mandi (opposit. Daula Halwai) Amritsar.
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any

  [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any other

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforestrid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

One plot of land measuring 813 sq. mtrs. situated in outside Bhagtanwala near Rly. Junction, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 652/II dated 29-5-80 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Intermeters,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 15-1-81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 15th January 1981

Ref. No. ASR/80-81/332--Whereas, I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. One property

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR. Amritsar in May, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Smt. Davinder Kaur w/o Jai Ram Singh r/o Inside Chatiwind Androon Abadi Kishan Garh, Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Pan'n'a Lal s/o Gurdas Mal r/o Kot Mit Singh Amritsar

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any

[Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any other

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

One property situated in Kot Mit Singh Amritsar as mentioned in the sale deed No. 1037/dated 9-5-80 of the registering authority. Amritsar.

ANAND SINGH IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 15-1-81

#### FORM ITN9-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 15th January 1981

Ref. No. ASR/80-81/333—Whereas, I,  $% \left( 1,0\right) =0$  ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One property

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR. Amritsar in May, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of----

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely;—

(1) Smt. Davinder Kaur w/o Jai Ram Singh r/o Inside Chatiwind Gate, Ahodi Kishan Garh, Amritsar.

(Transferor)

- (2) Shri Gurbachan Dass s/o Panna Lal r/o Abadi Kot Mit Singh, Amritsar.

  (Transferce)
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any
  [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any other

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

One property situated in Kot Mit Singh as mentioned in the sale deed No. 1038/dated 9-5-80 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH IRS.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax
Acquisition Range, Amritsaı.

Date: 15-1-81

### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 15th January 1981

Ref. No. ASR/80-81/334--Whereas, I, ANAND SINGH TRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

One property

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer SR Amritsar in May, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concaelmen of tany income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

(1) Shri Gurbachan Singh s/o Kartar Singh r/o Pawan Nagar, Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Parveen Kumar s/o Mohan Lal r/o Majitha, Amritsar.

(3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any

[Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any other [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

One house No. 5/11 situated in Pawan Nagar, as mentioned the sale deed No. 1024/dated 9-5-80 of the registering authority Amritsar.

> ANAND SINGH IRS Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income -tax, Acquisition Range, Amritsar.

Date: 15-1-81

Seal 1

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 15th January 1981

Ref. No. ASR/80-81/335—Whereas I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. One property

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at SR. Amritsar in May, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Gurbachan Singh S/o Kartar Singh r/o Pawan Nagar, Amritsar,

(Transferor)

(2) Shri Parveen Kumar s/o Mohan Lal r/o Majitha Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at Sr. No. 2 above tenant(s) if any
- [Person(s) in occupation of the Property]
  (4) Any other

[Person(s] whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from hte service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EPXLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

One house No. 5/11 situated in Pawan Nagar, Amritsar, as mentioned in the sale deed No. 1021/dated 9-6-80 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH IRS.

Competent Authority
Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 15-1-81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- I Tarana Marina - Tarana - T

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 15th January 1981

Ref. No. ASR/80-81/336—Whereas, I, ANAND SINGH IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. One property

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908( in the Office of the Registering Officer

at SR Amritsar in May 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforeshaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the follow-

ing persons namely:-35—476GI/80

(1) Shri Jugal Kishore s/o Kanshi Rem r/o Qila Eher gian Amritsar.

(Tranferor)

- (2) Shri Shamdass & Raj Kumars s/o Shri Kanshi Ram r/o Qila Bhagian, Amritsar. (Transferce)
- (3) As at Sr. No. 2 overloaf and tenant (s) if any [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) 1. M/s. Gupta Oil Mills T.T. Road, Amritsar.

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/6th share in building khasra No. 1049 min 1048 situated on Taran Taran Road, Amritsar, as mentioned in the sale  $dc\bar{c}d$  No. 522 dated 21-5-80 of the registering authority. Amritsar

ANAND SINGH IRS.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-10 x,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 15-1-81

### FORM I.T.N.S.----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIGNER, OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 15th January 1981

Ref. No. ASR/80-81/337—Whereas, I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Agrl. Land

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Gurdaspur in May, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and

- I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—
  - (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
  - (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Parkash Chand s/o Lakhmi Chand r/o village Bhatoya PO Sarwal, Teh. Gurdaspur.

(Transferor)

 Shri Harjit Singh s/o Chain Singh village Sarwali, Toh. Batala.

(Transferce)

- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any
- [Person(s) in occupation of the Property]
  (4) Any other

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Agl. land measuring IK 4M situated in village Chak Allia as mentioned in the sale deed No 765 dated 16-5-80 of the registering authority Gardaspur.

ANAND SINGH IRS.
Compostent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incomostax,
Acquisition Range, Amritsar

Date: 15-1-81

### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 15th January 1981

Ref. No. ASR/80-81/338 - Whereas, I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at One plot of land

(and more fully described in the Schedule assexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1903 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar in May, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair merket value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ebject

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid preperty by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) Shri Harnam Singh s/o Mangal Singh r/o Tehsil pura Amritsar.
- (2) Shri Hira Lal s/o Des Raj r/o House No. 478 Sharifpura Amritsar.
- (3) As at Sr. No. 2 above leaf and tenant (s) if any
- [Person(s) in occupation of the Property]
  (4) Any other

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the atoresaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Office Gazette.

EXPLANATION: -- The ctrms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

One house plot of land measuring 111 sq. intrs situated in Tehsil pura Amritsar as mentioned in the sale deed No. 643/ dated 28-5-80 of the registering authority Amritsar.

> ANAND SINGH IRS. Competent Authority Commissioner of Income-tax, Inspecting Assistant Acquisition Range, Amritsar.

Date: 15-1-81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961(43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 15th January, 1981

Ref. No. ASR/80-81/339-Whoreas I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tex Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One plot of land.

(and more fully described, in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR Amritsar, in May, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

- (1) Shri Harnam Singh s/o Mangal Singh r/o Tehsil pure House No. 88, Amritsar.
- (2) Shri Santosh Kumari d/o Diwan Chard r/o 478, Sharifpura, Amritsar, (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenent(s) if any [Person(s) in occupation of the Property]

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publica-tion of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in the Chapter.

### THE SCHEDULE

One plot of land measuring 121 sq. mtrs. situated in Tehsil pura. Amritsar as mentioned in the sale deed No. 642/I dated 28-5-80 of the registering authority Amritser.

> ANAND SINGH IRS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Amritsar.

Date: 15-1-81.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF INCOME-TAX, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 14th January, 1981

Ref. No. ASR/80-81/340—Whereas I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1963 (43 of 1961) hereinafter referred to as the ('said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Property at Dhangu Road, Pathankot.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Pathankot in May 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Manohar Lals/o Madho Ramr/c Dhangu Feed, Pathankot,

(Transferor)

(2) Shri Mohinder Lals/o Madho Ram .imber merchant Dhangu Road, Pathankot. (Sunder Nagar)

(Transferce)

- (3) As Sr. No. 2 over that and tenant(s) if any [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any other

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

1/2 share in house on Dhangu Road, Pathankot as mentioned in the sale deed No. 494 dated 7-5-80 of the registering authority Pathankot.

ANAND SINGH IRS.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,
Acquisition Range, Amritsar;

Date: 14-1-81.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

### ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 14th January, 1981

Ref. No. ASR/80-81/341—Whereas I, ANAND SING HIRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000-and bearing

No. One property

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Ameritsar in May, 1980

for an apparent consideration which is less than the tair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aroresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Shri Romesh Rani w/o Roshan Lal r/o Rum Mandir Nimak Mandi, Amritsar.
  - (Transferor)
- Shri Parminder Kaur w/o Inderjit Singh r/o Swank Mandi Bazar, Amritsar.
- (Transferce)
  (3) As at Sr. No. 2 overless and tenent(s) if any
- [Person(s) in occupation of the Property]
  (4) Any other
  - [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the sald immovaable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

One property No. 1287 MCA & 1521/VII-13 Gali Madarian, Ram Mandir Nimak Mandi, Amritsar as mentiored in the sale deed No. 449 dated 14-5-80 of the registering at therity Amritsar.

ANAND SINGH IRS.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-1-81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 8th January, 1981

Ref. No. ASR/8-81/342—Whereas I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No

at Land in Jandiala Guru

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar, in May, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Shri Surain Singh s/o Santa Singh r/o Jardick Curu Amrisar.

(Trnssferor)

2) Shri Balwinder Singh, Bhupinder Singh ss/c Aijen Singh r/o Jahdiala Gurv, Amritser.

(Transferee)

- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if ary
  [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any other

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Agrl. land measuring 8 kanals situated in Jandjala guru as mentioned in the sale deed No. 1310 dated 19-5-80 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amriteer.

Date: 8-1-81.

FORM JTNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 8th January, 1981

Ref. No. ASR/80-81/343—Whereas I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land In jandiala guru

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR Amritsar in May, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) faciliting the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Surain Singh s/o Santa Singh r/o Jandiele Gutt Teh, Amritsar.

(Trasferor)

- (2) Shri Balwinder Singh, Bhupinder Singh, 85/C Arjan Singh r/o Jandiala Guru, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any other

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Agri, land measuring 8 kanals situated in Jandial Guru as mentioned in the sale deed No. 1311 dated 19-5-80 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH IRS.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 8-1-81

### FORM ITNS ----

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsor, the 15th Jenuery, 1981

Ref. No. ASR/80-81/344—Whereas I, ANAND SINCHIRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceedings Rs. 25,000/- and bearing No.

Agrl. land

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at SR Gurdaspur in May, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fiftern per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the conscalment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

36-- 476GI/80

(1) Shri Parkash Chand s/o Lekshmi Cherd 1/c Jidega Bhatoiya P. O. Sarwali, Distt. Gurdaspur.

(Transferer)

(2) Shri Harjit Singh s/o Chain Singh & Kerreij! Sirgh s/o Ujagar Singh r/o Village Saiweli, Teh. Bazala, Distt. Gurdaspur.

(Transferce)

- (3) As mentioned at Sr. No. 2 and tenant(s) if any
  [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any other

Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sale Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Agri, land measuring 4 K 10 Marias situated in village CFe k Alia, as mentioned in the sale deed No. 9 764 detect 16-5-80 of the registering authority,  $Gu_1 despur$ .

ANAND SINGH IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 15-1-81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 15th January 1981

Ref. No. ASR/80-81/345-Whereas I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

situated at Agri. land

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at SR Gurdaspur in May, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Jarnail Singh Mohinder Singh ss/o Eahach 1 Singh and Ranjit Singh s/o Kartar Singh V & PO Hamrajhur Teh. Gurdaspur.

(Transferor)

- (2) S/Shri Chamen Lal, Madan Lal, Sham Lalss/o Panna Lals/o [sar village Piran Bagh, P. O. Gurdaspur. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 and tenant(s) if any [person (s) in occupation of the property]
- (4) Any other [Person(s] whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Agrill and measuring 27 K.8M situated in village Hamreipur as mentioned in the sale deed No. 1375 dated 30-5-80 of the registering authority Gurdaspur.

ANAND SINGH, IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant
Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date: 15-1-81

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Am ritsor, the 15th January 1981

Ref. No. ASR/80-81/346—Whereas I, ANAND SINGH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One plot of land simuated at Maghulpure. Antitier (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar in May 1980

or an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to relieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the fartles has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the mid-Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said ct, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the loresaid property by the issue of this notice under subction (1) of Section 269D of the said Act, to the following room, namely:—

- (1) Shri Vod Parkash s/o Mukand Lal and Parshotam Lal s/o Mela Ram r/o Gali No. 3, Sharifpura, Amritsa. (Transferor)
- (2) Smt. Kishmir Kaur w/o Darbara Singh r/o Dhotjan, Tehsil Taran Taran,

(Transferce)

- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any other

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the . Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

One plot of land at Maqbul pira, Amritser as mentioned in the sale deed No. 1347 dated 20-5-80 of the Registering Authority, Amritsar.

ANAND SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Amriteer.

Date: 15-1-1981

### FORM I.T.N.S.----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 15th January 1981

Ref. No. ASR/80-81- 347—Whereas I, ANAND SINGH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. one property situated at Abadi Mandi Rahmat Beg, Patti (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Patti in May, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of;—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Dr. Inder Singh s/o Sh. Mahana Singh r/o Patti. Distt. Amritsar.

(Transferor)

- (2) Shri O.n Parkash, Jagdish Lal, Darshan Lal, Ashok Kumar ss/o Shri Surain Dass r/o Patti Distr. Amritser. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any

[Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any other

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property!

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expirelater:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

One residential house No. 62/3 situated in Abadi mand Rehmat Beg, Patti, as mentioned in the sale deed No. 546/l 1012 dated 13-5-80 of the Registering Authority, Patti.

ANAND SINGH

Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Amritsa

Date: 15-1-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 15th January 1981

Ref. No. ASR/80-81/348—Whereas I, ANAND SINGH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'suid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One property situated at Guru Arjun Dev Nagar Taran Taran Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsat in May, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair Market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/o:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Panna Lal s/o Shri Gurdasmall r/o Abadi Guru Arjan Dev Nagar, Taran Taran Road, Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Jaswinder Pal, Jatinder Pal Ss/o Buta Ram r/o Pandori Sidhwa Teh. Amritsar.

(Transferces)

(3) As it Sr. No. 2 above and tenant(s) if any

[Person(s) in occupation of the Property]
(4) Any other

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

One property situated in Guru Arjan Dev Nagar, Teran Taran Roul, Amritsur as mentioned in the sale deed No. 1029 dated 9-5-80 of the Registering Authority, Amritsar.

ANAND SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date: 15-1-1981

# NOTICE: UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

# ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritam, the 15th January 1981

Ref. No. ASR/80-81/349—Whereas I, ANAND SINGH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinaften referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One property situated at Kartar Nagar Cahelate Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR Amritsar in May, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property; and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have note been nor which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following.

 Shri Piara Singh s/o Gehat Singh r/o Chuchakwal, Teh. Ajnala, Distt. Amritsar.

(Transferor)

(2) Smi. Garmit Kritir w/o Piara Singher/o Kartar Nagar, H.No. B III/63 Chhahrta

(Transferce)

(3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any

[Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any other
[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE .

One house No. B-III/63 situated in Kartar Nagar, Chhehrta, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 1170 dated 15-5-80 of the Registering Authority Amritsar.

ANAND SINGH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amrituer.

Date .: 15-1-1981

Sola:

### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 8th January 1981

Ref. No. ASR/80-81/350-Whereas J. ANAND SIN H IRŚ.

being the Competent Authority under Section 269B of the AIncome-tax Act, 1961 (43 of 1961). (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. One plot situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been trasferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar in May, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the trasferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(b) Shri Hirdia Ram Kashap s/o Shri Mahma Dett Kashap r/o 112 Vijay Nagar, Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Davinder Singh s/o Saulu Silel i.c Goral Nagar, Amritsar.

- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any
- [Person(s) in occupation of the Property]
  (4) Any other

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or at period of 30 days from the service of inptice on the respective persons, nwhichever, period expires later;
- (b) by any other person interested in the , immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

One plot of land measuring 170 sq. yds situated in Gopal Nagar, ampitear as mentioned in the sale dece No. 287 deted 7-5-80 of the registering authority Amritsar.

> ANAND SINGH, IRS Competent Authority Inspecting, Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Amritsar,

Date ; .8-1-81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 15th January 1981

Ref. No. ASR/80-81/351—Whereas, I, ANAND SINGH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/sand bearing

No. Agrl. land situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at SR Amritsar in May, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Raghbir Singh s/o Mangal Singh r/o villa e Bharowali, Teh. Amritsar.
  - (Transferor)
- Shri Joga Singh s/o Banta Singh r/c villing Daoke, Teh. Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at Sr. No.2 above and tenant(s) if any.
  - [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any other.

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Agri. land measuring 67 K 2 marlas situated in village Bharowali as montioned in the sale deed No. 1312,dated 19-5-80 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date: 15-1-1981

### FORM ITNS----

(1) Amritsar Improvement Trust, Amritsar

(Transferor)

(2) Shri Rai Singh & Inder Kaur rio Kot Baba Deep Singh bazar No. 4, Amritsar. NOTICE NUDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 and tenant(s) if any

[Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any other

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property!

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# GOVERNMENT OF INDIA

TAX ACT, 1951 (63 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

### ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 15th January 1981

Ref. No. ASR/80-81/352- Wher as I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. One plot.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 or 1908), in the Office of the Registering Officer

at SR. Amritsar in May, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

# THE SCHEDULE

One plot of land measuring 641:31 sq, mtrs situated in 263-A East Mohan Nagar, Amritsar as mentioned in the safe deed No. 478/I dated 12-5-80 of the registering authority, Amritsur.

> ANAND SINGH IRS Competent Authority Commissioner of Income-tax, Inspecting Assistant Acquisition Range, Amritsar.

Now, therefore, in pursuance of section 269-C

I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

37-476GI/80

Date: 15-1-81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 16th January 1981

Ref. No. ASR/80-81/353—Whereas I, ANAND SINGH IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Agrl, land

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Batala in May, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Harjit Singh s/o Chain Singh r/o Sarwati Teh. Batala. (Transferor)
- (2) Shri Dova Singh s/o Sham Singh r/o Sarwali Teh, Batala,

(Transferee)

- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any other

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 39 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Agrl, land measuring 21 K situated in village Sarwali, Tch. Batala as mentioned in the sale deed No. 946 dated 15-5-80 of the registering authority Batala.

ANAND SINGH IRS

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Amritsax.

Date; 16-1-80

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 16th January 1981

Ref. No. ASR/80-81/354—Whereas I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Agrl. land

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Batala in May, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Harjit Singh s/o Chain Singh r/o Sarwali Teb. Batala.

(Transferor)

(2) Shri Amrik Singh s/o Deva Singh r/o Sarwali Teh. Batala.

(Transferce)

- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any other

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Agrl. land measuring 21 Kanals situated in village Sarwali as mentioned in the sale deed No. 945 dated 15-5-80 of the registering authority Batala.

ANAND SINGH IRS.

Competent Authority
finspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date: 16-1-81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 16th January 1981

Ret. No. ASR/80-81/355 -- Whereas I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agrl. Land

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Butala in May, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the objects of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Harjit Singh s/o Chain Singh r/o Sarwali 'leh Batala.
  - (Transferor)
- (2) Shri Gurcharan Singh s/o Deva Singh r/o Sarwali Teh. Batala. (Transferce)
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any
  - [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any other

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:——

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

A 50, land measuring 21 kands situated in village Sarwall, Toh. Batala as mentioned in the sale dood No. 947 dated 15-5-80 of the registering authority Batala.

ANAND SINGH IRS,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date: 161-81

Soll:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 15th January 1981

Ref., No. ASR/80-81/356--Whereas I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. One property

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar in May, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or oher assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Hargopal s/o Siri Ram, r/o Katra Aluwalia Amritsar. (Transferor)
- (2) S/Shri Buldev Raj & Yog Raj ss/o Sham Dass r/o House No. 2418/III-28 Gali No. 2, Bagh Ramanand, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 and tenant(s) if any Bakshish Singh & Sons, Krishan Kumar Behal, Raghubir Sharan, Yog Raj, Madan Lal.

  [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any other

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

1/3rd share in five shops No. 1392/II-32 situated in Katra Aluwalia, Bajar Malkan, Amritsar as montioned in the sale deed No. 395/1 dated 6-5-80 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date: 15-1-81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 15th January 1981

Ref. No. ASR/80-81/357—Whereas I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One property

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at SR Amritsar in May, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason, to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Tilak Raj s/o Shri Siri Ram r/o Katra Aluwalia, Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Baldev Raj & Yog Raj ss/o Sham Dass r/o House No. 2418/III-28 Gali No. 2, Bagh Rama Nand, Amritsar.

Transferce)

(3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any and Bakshish Singh & Sons, Krishan Kumar Behal, Raghubir Saran, Yog Raj, Madan Lal

[Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any other

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

1/3rd share in five shops No. 1392/II-32 situated in Katra Aluwalia Bazar Malkan, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 396/I dated 6-5-80 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH IRS,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date: 15-1-81

tinang kanang tamba<del>lang balang mengabahan di basang tinang tahun 1900</del>000 mengabahan di banggan beranggan beranggan

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

# ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 15th January 1981

Ref. No. ASR/80 81/358—Whereas I, ANAND SINGHIRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One property situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar in May, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Kishan Chand s/o Siri Rom r/o Katra Aluwalia Amritsar.

(Transferor)

المنتاب

(2) S/Shri Baldev Raj & Yog Raj ss/o Sham Dass r/o House No. 2418/II-28 Gall No. 2, Bagh Rama Nand Annitsar.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any Bakshish Singh & Sons Krishan, Kumar Behal, Raghubir Saran, Yog Raj, Madan Lal

[Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any other

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be, made in writing to the undersigned '---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

1/3 share in five shops No. 1392/II-32 situated in Katra Aluwalia Bazar Malkan Amritsar as mentioned in the sale deed No. 397/f dated 6-5-80 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Amritsar.

Date: 15-1-1981

NOTICE UNDER SECTION 26D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE, AMRIT

Amritsar, the 7th January 1981

Ref. No. ASR/80-81/359- Whereas I. ANAND SINGH IRS.

bring the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, anving a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. One plot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar in May, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee to the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

- (1) Shri Piara Lal Onkar Nath ss/o Gujjar Mal r/o Katra Charat Singh Amritsar.
- (2) Shri Inderjit Singh s/o Sarup Singh r/o Lawrance Road. Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at Sr. No. 2 and tenant(s) if any
- [Person(s) in occupation of the Property] (4) Any other

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -The terms and expression used herein as are defiend in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter,

# THE SCHEDULE

One plot of land measuring 252 sq. yds situated in Chanderpuri tylor road, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 611 dated 27-5-80 of the registering aurhotiry Amritsar.

> ANAND SINGH IRS, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Amritsur

Date: 7-1-81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, AMRITSAR Amritsar, the 7th January 1981

Ref. No. ASR/80-81/369—Whereas I, ANAND SING IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tex Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. One plot of land

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

SR Antitsar in May, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—
38—476 GI/80

- (1) Shri Piara Lals/o Gujjar Mal & Onkar Nath, Gujjar Mal, Radha Rani through Piara Lals/o Gu jjer Malr/o Tylor toad, Amritsar
- (2) Smt. Gurjit Kaur w/o Inderjit Singh r/o Lawrance Road Amritsar.
- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any
- [Person(s) in occupation of the Property]
  (4) Any other
  - [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

One plot of land measuring 252 sq., yds situated in Chanderpuri tylor road, Amritsar, as mentioned in the sale deed No. 577/I dated 23-5-80 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range, Amritsar

Date: 7-1-81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX.

### ACOUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 15th January 1981

Ref. No. ASR/80-81/361-Whereas I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and beaning No.

No. One plot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at SR Amritsar in May, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following norsons, namely :--

(1) Shri Jatinder Kumar & Davinder Kumaralias Ravinder Kumar ss/o Raj Pal Cooper Road, Amri (ser.

(Transferor)

Shri Vijay Kumar s/o Kishan Kumar r/o Jusmal Building Lawrance Road, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at Sr. No. 2 and tenant(s) if any
- [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any other

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

1/4th share in plot of land measuring 2036sq, yds situated in Jawahar Nagar, Bataja Road, Amritsar es mentioned in the sale deed No. 1786 dated 29-5-80 of the Registering Authority, Amritsar.

> ANAND SINGH IRS. (Competent Authority) Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Amritsar.

Date: 15-1-81

### FORM ITNS----

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

# ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 15th January 1981

Ref. No. ASR/80-81/362- Whereas I,  $\triangle N \triangle N \Gamma = S | N C H$  IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value erceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. One plot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar in May 1980,

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Jatinder Kumar & Davinder Kumar alias Ravinder Kumar ss/o Raj Pal, Cooper Road, Amritsar. (Transferors)
- (2) Smt. Sunila Devi w/o Ashok Kumar r/o Jasmal Building Lawrance Road, Amritsar.

  (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any
  [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any other

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

1/4 share in plot measuring 2036 sq. yds. situated in Jawahar Nagar, Batala Road, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 1785 dated 29-5-80 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex,
Acquisition Range, Amritsar

Date: 15-1-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

### ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 15th January 1981

Ref. No. ASR/80-81/363—Whereas I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

One Plot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908) (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar in May, 1980

for an apparent consideration which in less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- (1) Shri Jatinder Kumar & Davinder Kumar alias Ravinder Kumar ss/o Raj Pal Cooper Road, Amritsar.
- (2) Shri Ashok Kumar s/o Kishan Kumar r/o Jasmal Building, Lawrance Road, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at Sr. No. 2 and tenant(s) if any
- (4) Any other [Person(8) in occupation of the Property]

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chepter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/4th share in plot measuring 2036 sq. yds situated in Jawahar Nagar, Batala Road, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 1784/dated 29-5-80 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS.
Competent Authority
Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 15-1-81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 15th January 1981

Ref. No. ASR/80-81/364—Whereas I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One plot

(and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at SR Amritsar in May, 1980

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the refluction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri Jatinder Kumar & Davinder Kumar ahas Ravinder Kumar ss/o Raj Pal r/o Cooper Road, Amritsar.

(Transferor)

(2) Smt. Brij Bala w/o Vijay Kumar r/o Jasmal Building Lawrance Road, Amritsar.

(Transferce)

- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any other

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the propertyl

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

1/4th share in plot of land measuring 2036/sq. yds situated in Jawahar Nagar Batala Road Amritsar as mentioned in the sale deed No. 1783/dated 29-5-80 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the aid Act, to the following persons, namely:—

Date: 15-1-81

#### FORM LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 15th January 1981

Ref. No. ASR/80-81/365Whereas I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/and bearing

No. one plotof land

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at SR Amritsar in May, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in, pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

- (1) Shri Batittderdeep Singh Tajinderdeep Singh ss/o Ajit Singh r/o Bharariwal Distt. Amritsar. (Transferor)
- (2) Shri Tarlok Singh s/o Gurbachan Singh Singh ss/o Gurbachan Singh r/o Bazar & Paramjit Ghumiaranwala, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any [Person(s) in occupation of the Property]
- Any other

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chater XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

One plot of land measuring 467 sq. mtrs. situated in Bharariwal, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 941 dated 5-5-80 of the registering authority Amritsar.

> ANAND SINGH IRS. Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisiton Range, Amritsar,

Date: 15-1-81

### FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 15th January 1981

Ref. No. ASR/80-81/366—Whereas I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot of land.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR Amritsar in May, 1980

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more that fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-persons, namely:—

(1) Shri Barinderdeep Singh & Tajinder Deep Singh s/o Ajit Singh r/o Bharariwal Distt: Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Amrik Singh s/o Rettan Singh & Pritam Singh s/o Bela Singh r/o Bazar Ghumianwala, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any
[Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any other

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

# THE SCHEDULE

One plot of land measuring 467 sq. mtrs. situated in Bharariwala, Amritsar, as mentioned in the sale deed No. 940/dated 5-5-80 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 15-1-81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar the 15th January, 1981

Ref. No. ASR/80-81/378---Whereas I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One property

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR ASR in May, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property a aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Sudershan Kumar Aggarwal & Shri Inder Kumar Aggarwal & Shri Vipan Kumar Aggarwal ss/o Vishvanath Aggarwal r/o Bazar Lachmansar Amritsar.

(Transferor)

(2) Smt. Darshan Kaur w/o Dalip Singh r/o Dhabwasti Ram Bazar Harnamo Shah Gali No. 2, Amritsar.

(Transferce)

- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any
  [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any other

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

One property No. 169,170 old, No. 7665 new (area 476 sq. yds) situated in Katra Mahna Singh Tarn Taran Road, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 537/I dated 21-5-80 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date :,15-1-81 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 15th January, 1981

Ref. No. ASR/80-81/377—Whereas I, ANAND SINGH, IRS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearidg plot No. 232 measuring 287 sq. yds. situated at Basant Avenue, Amritsar.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer.

at Amritsar, on 22nd May, 1980

for an apparent consideration which in less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act,
  in respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 169C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---39—476 GI/80

(1) The Chairman Improvement Trust, Asr. through Parkash Singh Mukhtararaam Trust Majkoor.

(Transferor)

- (2) Shri Satish Kumar s/o Sat Pal R/o Amritsar Bagh Rama Nand, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any.

  [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any other person interested in the property

  [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expression used therein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

A plot No. 232 measuring 287 sq. yds. situated at Basant Avenue, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 560/I dated 22-5-80 of the Registering Authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 3, Chanderpuri Taylor Road Amritsar

Date: 15-1-81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 15th January, 1981

Ref. No. ASR/80-81/376---Whereas I, ANAND SINGH, IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One plot of land measuring 204.86 sq. mts. Kh. No. 511 min situated at Guru Nanak Nagar, Batala Road, Amritsar. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar, on 2nd May, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Tilak Raj s/o Shri Babu Ram alias Bau Ram R/o Amritsar Sharifpura near Goal Maszid, House No. 243.

(Transferor)

(2) Shri Ram Lubhaya s/o Shri Mulkh Raj R/o Amritsar Chowk Passian, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any.

  [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undermentioned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

One plot of land measuring 204.86 sq. mts. Kh. No. 511 min situated at Guru Nanak Nagar, Batala Road, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 349/I dated 2-5-80 of the Registering Authority, Amritsar.

ANAND SINGH, IRS.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-3, Chanderpur, Taylor Road Amritsar

Date: 15-1-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 15th January 1981

Ref. No. ASR/80-81/375—Whereas I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One plot of land meauring 210 sq. mts. situated at Sultanwind urban, Abadi East Mohan Nagar, Amritsar. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Amritsar in May, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from the transfer.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Firm Barma Engineering
98 East Mohan Nagar, through S. Sarabjit Singh
s/o Attar Singh R/o East Mohan Nagar,
Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Daya Singh s/o Shri Sohan Singh R/o Mauja Taragarh Distt; Amritsar.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if

[Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any other person interested in the property.
[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

One plot of land measuring 210 sq. mts, situated Sultanwind Urban, Abadi East Mohan Nagar, near 100 foot Road, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 353/I dated 2-5-80 of the Registering Authority, Amritsar.

ANAND SINGH, IRS.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisiticn Renge,
3-Chanderpuri Taylor Road, Amritsar.

Date: 15-1-1981

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

#### ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 15th January 1981

Ref. No. ASR/80-81/374---Whereas I, ANAND SINGH IRS.

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One shop 21/2 storeyed No. 1175/6 and 1290/6 situated in Bazar, Kanak Mandi, Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Amritsar in 27th May, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Durgi Wd/o Lal Singh R/o Qilla Bhangian, Amritsar. Present Ramesh Nagar, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Mamta Chhabra w/o Madan Lal 128-Shakti Nagar, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at Sr. No. 2 above mentioned and tenant(s) if any. [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any other person interested in the property.

  [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

One shop 2 1/2 storyed No. 1175/6 and 1290/6 situated in Kanak Mandi Bazar, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 603/I dated 27-5-80 of the Registering Authority, Amritsar

ANAND SINGH IRS.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 15-1-81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 15th January 1981

Ref. No. ASR/80-81/373—Whereas I, ANAND SINGH, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Two shops 2 1/2 storeyed No. 1493/8 and No. 393-93 old and No. 1635-36/111-15 measuring 50 sq. mts.

situated at Qilla Bhangian, Amritsar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Amritsar in May, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

(1) Smt. Narian Kaur w/o S. Hira Singh and Shri Sant Singh s/o S. Hira Singh and Shri Surinder Mohan s/o Shri Sant Singh R/o 149 Shastri Nagar, Dausanda Singh Road, Amritsar.

(Transferor)

(2) Smt. Poonam Rani w/o Shri Prem Parkash R/o Katra Dulo, Gali Jattan, Amritsar. Now Br. Bharbhujian, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 and tenant(s) if any.
[Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any other person interested in the property.

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Two shops 21 storeyed No. 1493/8 and No. 392-93 old and No. 1635-36/111-15 situated in Qilla Bhangian (area 50 sq. mts.) Amritsar as mentioned in the sale deed No. 411/I dated 7-5-80 of the Registering Authority, Amritsar.

ANAND SINGH, IRS.

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 15-1-81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 15th January 1981

Ref. No. ASR/80-81/372—Whereas 1, ANAND SINGH, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. one plot No. 85 I.J. measuring 400 sq. yds. situated at Sultanwind Urban, I/S Municipal Corpn. Limit, Abadi Gurnam Nagar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Amritsar in 7th May, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more then fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for tine purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 S. Prithipal Singh s/o S. Sohan Singh R/o V. Sultanwind Tehsil Amritsar and Distt. Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Ajit Singh s/o Shri Harbans Singh R/o Vill. Pandori Ram Singh, Tehsil Tarn Taran, Distt. Amritsar.

(Transferce)

(2) As at Sr. No. 2 and tenant(s) if any.

[Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any other person interested in the property.

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

One plot house measuring 307 sq. yds. situated at Sultanwind Urban, Abadi Gurnam Nagar, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 407/I dated 7-5-80 of Registering Authority Amritsar.

ANAND SINGH, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 15-1-81

#### FORM NO. ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 15th January 1981

Ref. No. ASR/80-81/371—Whereas I, ANAND SINGH, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. One plot measuring 307 sq. yd. at Sultanwind Urban, Abadi Gurnam Nagar, Amritsar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Amritsar, in 7th May, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Prithipal Singh s/o' Shri Sohan Singh R/o V. Sultanwind Tehsil and Distt; Amritsar.

(Transferor)

 S. Labh Singh s/o S. Partap Singh R/o Vill; Gaulwar Teh. Tarn Taran Distt, Amritsar.

(Transferce)

(3) As at Sr. No. 2 and tenant(s) if any.

[Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any other person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A plot measuring 307 sq. yd. situated in Abadi Gurnam Nagar (Sultanwind side) Amritsar as mentioned in the sale deed No. 406/I dated 7-5-80 of the Registering Authority, Amritsar.

ANAND SINGH, IRS
Competent Authority
Inspect issistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date: 15-1-81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER, OF INCOME-TAX, ACOUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 15th January 1981

Ref. No. ASR/80-81/370—Whereas I, ANAND SINGH, IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

One plot of land situated at SR Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar in May, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Amritsar Improvement Trust Amritsar.
- (2) Shri Rajinder Singh s/o Vir Singh r/o 294 East Mohan Nagar, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any other

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

One plot of land measuring 1034:52 sq. yds. situated in East Mohan Nagar, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 419/I dated 8-5-80 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH, IRS.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range,

3. Chanderpuri taylor road, Amritsar.

Date: 15-1-1981

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 15th January 1981

Ref. No. ASR/80-81/369-Whereas I, ANAND SINGH IRS, being the competent authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. One plot of land in Gujjarpura,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar in May, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

40-476 GI/80

- Shri Sohan Singh s/o Ganda Singh R/o Ktr. Karam Singh Bazar Churhberi, Amritsar. (Transferor)
- Shri Vijay Kumar Khurana s/o Shri Harbans Lal Taran Taran Road, Amritsar.

(Transferce)

- (3) As at Sr. No. 2 and tenant(s) if any
  - [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any other

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

One plot of land measuring 550 sq. yds situated in Gujjarpura, Taran Taran Road, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 430/I dated 9-5-80 of the registering authority, Amritsar.

> ANAND SINGH, JRS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, 3-Chanderpuri, Tayor Road, Amritsar

Date: 15-1-81

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACOUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 15th January 1981

Ref. No. ASR/80-81/368—Whereas I, ANAND SINGH, JRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. One plot of land situated at Gajjarpura

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at SR Amritsar in May, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such tarnsfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smti Gopal Kaur w/o Shri Sohan Singh r/o Katra Karam Singh Bazar Churberi, Amritsar. (Transferor)
- (2) Shri Ravinder Kumar s/o Sh. Harbans Lal r/o Chatiwind Gate, Taran Taran Road, Amritsar.

  (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any
  [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any other

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

One plot of land measuring 550 sq. yds situated in Gujjarpura Tarn Taran Road, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 429/I dated 9-5-80 of the registering authority, Amritsar,

ANAND SINGH, IRS.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar
3-Chanderpuri, Tayor Road, Amritsar

Date: 15-1-81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 5th January 1981

Ref. No. ASR/80-81/367-Whereas I, ANAND SINGH IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. One plot of land situated at Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at SR Amritsar on May, 1980

for an apparent consideration which is less than the

fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Amritsar Improvement Trust, Amritsar.

(Transferor)

(2) Smt. Janak Rani w/o Ram Sarup r/o 389 Basant Avenue, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any

[Person(s) in occupation of the Property] (4) Any other

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

One plot of land No. 389 situated in Basant Avenue Amritsar as mentioned in the sale dood No. 492 dated 15-5-80 of the registering authority, Amritsar.

> ANAND SINGH IRS. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-3, Chanderpuri, tylor Road Amritsar

Date: 5-1-81

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 6th January 1981

Ref. No. ASR/80-81/307.—Whereas I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the

immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agrl. land situated at sabrah

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

SR Patti on May, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of;—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax (1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269 D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Mohinder Singh s/o Teja Singh r/o Village Sabr a h Teh. Patti.

(Transferor)

(2) Shri Suba Singh, Jassa Singh, Darbara Singh, Baj Singh ss/o Kashmir Singh of village Booh, Teh. Patti.

(Transferee)

- (3) As at Sr. No. 2 and tenant(s) if any
  [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any other

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agrl. land measuring 114 K 17 marlas situated in village Sabrah as mentioned in the sale deed No. 558/I/1012, dated 14-5-80 of the registering Authority, Patti.

ANAND SINGH IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
3-Chanderpuri, Tayor Road, Amritsar

Date: 6-1-81.

Scal:

FORM I.T.N.S .--

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shrimati Gyandevi W/o V. P. Mathur, Ajmer.

(Transferor)

(2) Shri Satish Kumar Mehra, S/o Jagdish Chand Ajmer presently working at Punjab National Bank, Firojpur cant.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 27th January, 1981

Ref. No. —Whereas, I M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House situated at Ajmer

(and more fully described in the scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ajmer on 6-5-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

may be made in writing to the undersigned :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Single storied residential House situated at E-237 Shastri Nagar, Extension Scheme, Ajmer and more fully described in the sale deed registered by S.R. Ajmer vide No. 1386 dated 6-5-80.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,
Acquisition Range, Jaipur.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 27-1-81

#### FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

#### ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 27th January, 1981

Ref. No. —Whereas, I M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Show room situated at Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 5-5-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Rahmatulla Khan and Aslamkhan sons of Noor Mohmad Jumi wife of Rahmatulla Khan, Hatroi Road, Jaipur. Through GPA holder Shri Gokulchand Khurana Govind Marg, Jaipur. (Transferor)

(2) Dr. Ramesh Khurana, S/o Mathuradass Khurana, Plot No. B-14 C, Govind Marg, Adarsh Nagar, Jaipur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

One Show Room upon Plots No. 15 and 16 at Ajmer Road, Hatroi area, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S.R., Jaipur vide No. 1038 dated 5-5-80.

M. L. CHAUHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Dete: 27-1-81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER, OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 27th January, 1981

Ref. No. —Whereas, I M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Show room situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

Jaipur on 5-5-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the arties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Rahamatulla Khan and Aslamkhan sons of Noor Mohamad Jumi wife of Rahmatulla Khan, Hatroi Road, Jaipur. Through G.P.A. holder Shri Gokulchand Khurana, Govind Marg, Jaipur.

(Transferor)

(2) Dr. Ramesh Khurana, S/o Mathuradass Khurana, Plot No. B-14 C, Govind Marg, Adarsh Nagar, Jaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

One show room upon Plots No. 15 and 16 at Ajmer Road, Hatroi area, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S.R., Jaipur vide No. 1032 dated 5-5-80.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date: 27-1-81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 28th January, 1981

Ref. No. —Whereas, I, M. L CHAUHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Rajmindir Cinema situated at Baran (Kota)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baran on 17-5-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Om Prakash and Pradeep Kumar, Sons of Shri Bhawarlal, R/o Suraj Pole, Pali.

(Transferor)

(2) Shri Kanhyalal,
 S/o Shri Jagannath &
 Shri Om Prakash,
 S/o Kanhyalal,
 D-31, New Colony,
 Gumanpura, Kota.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

#### THE SCHEDULE

Property named as Kishore Talkies (Previously Rajmandir Cinema) situated at Baran (Kota) and more fully described in the sale deed registered by S. R. Baran on 17-5-80.

M. L. CHAUHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Jaipur.

Date : -28-1-81 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Ram Chandra, S/o Roshanlalji Mathur, R/o Ajmer.

(Transferor)

(2) Shri Narender Kumar & Shri Surender Kumar, Rathi, S/o Indermal Rathi, R/o Ajmer.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 28th January, 1981

Ref. No. IAC(ACQ)—Whereas, I M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the kaid Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Plot situated at Ajmer

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Aimer on 6-5-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

41-476GI/80

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Open plot of land at Christian Ganj Ajmer and more fully described in the sale deed registered by S.R. Ajmer vide registration No. 1287 dated 6-5-80.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner ) of Income Tax.
Acquisition Range, Jaipur.

Date: 28-1-81

Jaipur,

#### FORM ITNS--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shrimati Rasish Patni, widow of Lala Kailash Chander Patni, self and guardian of Juhi alias Tona, 393 Professor's Colony, Naya Pura. (Transferor) (2) Shrimati Achukidevi, W/o Dharamchand Patni, R/o 44, Jawaharlal Marg,

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, JAIPUR Jaipur, the 30th January, 1981

---Whereas, I M. L. CHAUHAN, Ref. No. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the inamovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and beareing

No. Plot No. 24 situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed bereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Jaipur on 7-5-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the proptrty as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Part of plot No. 24 situated at Jawahar Lal Nehru Marg. Jaipur, and more fully described in the sale deed registered by S.R., Jaipur vide registration No. 1053 dated 7-5-80.

> M. L. CHAUHAN Competent Authority Inspecting Asistant Commissioner of Income Tax, Acquisition Range, Jaipur

Date: 30-1-81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 17th January, 1981

Ref. No. 1AC/ACQ/BP1/80-81/1822---Whereas, J VIJAY MATHUR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House No. 65 situated at Jairam Colony, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 1-5-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

 Shri Dulhanomal Dwarkadas, R/o 2, Sadhu Nagar, Indore.

(Transferor)

(2) (1) Prahlad Rai, S/o Sri Bhaktomal,

Smt. Rani bai,
 W/o Prahlad Rai, R O
 Jairampur Colony,
 Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the days from the service of notice on the respective

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House No. 65, situated at Jairampur Colony, Indore.

VIJAY MATHUR,
Competent Authority,
Inspectiong Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date: 17-1-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P. Bhopal, the 17th January, 1981

Ref. No. LAC/ACQ/BPL/80-81/1823---Whereas, I Vijay MATHUR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. Portion of House No. 20/8, situated at Town, Wright Jabalpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 on 1908) in the office of the Registering Officer

at Jabalpur. on 30-5-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Prem Kumar Shrivastava S/o Shri Raghuwar Prasad Shrivastava, R/o 100/17, 1464 Quarters, T.T. Nagar, Bhopal.

(Transferor)

(2) Shri Rajendra Singh (2) Manoj Singh (3) Har Singh minor through father & guardian Shri Narsingh Thakur, Narsingh Buildings, Gol Bazar, Jabaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Part of House No. 20/8 situated at Wright Town, Jabalpur.

VIJAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date: 17-1-9181

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 17th January, 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1824---Whereas I, VIJAY MATHUR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. portion of house No. 98, 99, 100, & 101 at situated at Cherital, Jabalpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jabalpur on 5-5-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Smt. Manorama Kher W/o Late Shri G.R. Kher
 Shri Chandrashekhar Kher (3) Neel kant Kher
 Dr. Madhusudan Kher, Through: Smt. Sound
 Dev. W/o Shri P.V. Dev, Cherital, Jabalpur.
 (Transferor)

(2) Smt. Shakuntala W/o Shri Latorelal Yaday, R/o Cherital Ward, Jabalpur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Portion of House No. 98, 99, 100 & 101, Kh. No. 115, situated at Cherital, Jabalpur.

VIJAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act,I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 17-1-9181

#### FORM I.T.N.S .-

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Smt. Monoram Kher W/o Late Shri G.K. Kher
 Chandrashekhar Kher (3) Neelkant Kher
 Dr. Madhysudan Kher, through: Smt. Sunand Dev
 W/o Shri P.V. Dev, Cherital, Jabajpur.

(Transferor)

 Shri Ramesh Kumar S/o Shri Gourjshanker Yadav, Cherjual, Jabalpur.

(Transferec)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 17th January 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1825---Whereas I, VIJAY MATHUR

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Portion of House No. 98, 99, 100 & 101, situated at Cherital, Jabapur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur on 5-5-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believ that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

#### THE SCHEDULE

Portion of House No. 98, 99, 100 & 101 kh. No. 115, situated at Cherital, Jabalpur.

VIJAY MATHUR
Compotent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date: 17-1-1981

#### FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 17th January 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1826--Whereas I, VIJAY MATHUR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Portion of House No. 98, 99, 100 & 101 situated at Charite! Jabaipur.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur on 5-5-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Manorama Kher W/o Late Shri C.R. Kher,
  - (2) Chandrashekhar Kher S/o Shri G,R, Kher
  - (3) Neelkant Kher S/o Shri G.R. Kher,
  - (4) Dr. Madhusud an Kher, Cherital, Jabalytr. (Transferet)
- (2) Shri Husanchand S/o Shri Bholiram Gujor, R/o Cherital, Jaholpur.

(Transferce)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Portion of House No. 98, 99, 100 & 101, Kh. No. 115, situated at Cherital, Jabalpur.

VIJAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhenal.

Date: 17-1-9181

Sal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 17th January 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1827--- Whereas I, VIJAY MATHUR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Portion of H. No. 98, 99, 100 & 101, situated at Cherite! Jabajpur.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur on 5-5-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Manorama Kher W/o Late Shri G.R. Kher
  - (2) Chandrashekhar Kher S/o Shri G.R. Kher,
  - (3) Noelkant Kher S/o Shri G. P. Kher.
  - (4) Dr. Madhusudan Kher, Cherital, Jabalpur.

(Transferor)

(2) Smt. Shepathi Bai W/o Ramesh Kumar (2) Chandra-shekhar (3) Manoharlal (4) Indrakumar, All S/o Ram Narayan Jasati, Satia Kuwa, Jabajpur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given is that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Portion of House No. 98 99, 100 & 101-Kh. No. 115, situated at Cheritala, Jahalpur.

VIJAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Adquisition Range, Bhopal

Date: 17-1-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

#### Shri Jaisingh \$/0 Shri Yashwantrao Jadhav, Lodhi Mohalla, Indore.

"(Ti sferor)

 (2) Shri Surajratanji Rathi S/o Shri Gopikrishan ji Rathi R/o Ujinin.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P

Bhopal, the 17th January 1981

Ref. No. IAC/ACQ/3PL/80-81/1830—Whereas I, VIJAY MATHUR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land situated at Mangalnath Road, Ujjain

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer t at Ujjain on 3-5-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

#### (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—42—476 GI/80

#### THE SCHEDULE

Land 189/2, 188/2, 288/2, 281/2, 286/2, 293/1, 295/2, 293/4, 294/5-6, 294/2, 294/3, 261/2, 261/1, 263/1, 263/2, 264, 265, 266/1, 266/2, 266/3, 267 total rakaba 25 bigha & 8 biswa, situated at Mangalnath Road, Ujjajn.

VIJAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Irognoctax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date: 17-1-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 20th January 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1831—Whereas I, VIJAY MATHUR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural land situated at Vill: Dariyapur, Burhanrur. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Burhanpur on 3-5-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Gopaldas S/o Ranchhoddas Sugandhi, R/o Sindhipura, Burhanpur.

(Transferor)

(2) Shri (1) Naryandas (2) Balkishandas (3) Jamnadas, All S/o Shri Govindas Saraf, R/o Rajpura, Burhanpur.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in the Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 5.593 Hecter-Kh. No. 67, situated at Dariyapur Kala, Burhanpur.

VIJAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date: 20-1-1981.

Scal:

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961(43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
BHOPAL M.P.

Bhopal, the 20th January 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1832—Whereas I, VIJAY MATHUR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Plot No. B-2 situated at Chandra Nager Celeny, Indere. (and more fully described, in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 9-5-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Profulla Venilal Dave, 138-Phadnis Colony, Indore.

(Transferor)

(2) M/s. Satish Construction Co., 46-Shitla Mata Bazar, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the meaning as given in the Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. B-2, 11250 Sq. ft. situated at Chandra Nagar Colony, Indore.

VIJAY MATHUR
(Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date: 20-1-1981

#### FORM NO. ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

## (1) Smt. Kashi Bai W/o Late Motilalji 15/1, Nav lakha, Indore,

(Transferor)

(2) Smt. Kaushlaya Devi W/o Shri Bachoolalji 37/8, Murai Mohalla, Indore

(Transferor)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 20th January 1981

Ref. No. 1AC/ACQ/BPL/80-81/1833—Whereas I, VIJAY MATHUR

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Plot No. 15 situated at Janki Nagar, Indore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Indore on 27-5-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 15 situated at Janki Nagar, Indore, admeasuring 6250 Sq. ft.

VIJAY MATHUR
(Competent Authority)
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 20-2-1981

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL M. P.

Bhopal, the 20th January, 1981

Rcf. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1834---Whereas I, VIJAY MATHUR

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. House No. 522, & 523 situated at Napier Town, Naya Howbagh Ward, Jabalpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Jabalpur on 5-5-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri (1) Gyanchand Gupta (2) Santoshkumar Gupta
 Subhash chand Gupta, All S/o Ramgopal Gupta,
 Ganjipura, Jabalpur.

(Transferor)

(2) Shri R.M. Badhoria (2) B.S. Badhoria, Both S/o Shri C.S. Badhoria, Wright Town, Jabalpur.

(Transferee

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House No. 522 & 523 situated at Napier Town, Naya Howbagh Ward, Jabalpur.

VIJAY MATHUR
(Competent Authority)
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date: 20-1-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961(43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 20th January 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1835—Whereas I, VIJAY MATHUR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding, Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 11, Block No. 19, situated at Bairam Bazar, Raipur.

(and more fully described, in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Raipur on 27-5-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer a agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) faciltating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquision of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Abdul Aziz S/o Late Tar Mohd. Lalani, R/o Baster Road, Dhamtari.

(Transferor)

(2) Shri (1) Inderlal (2) Mulchand (3) Dewanlal, All S/o Shri Ludumal, Sharda Chowk, Raipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 11 Block No. 19, situated at Bairam Bazar, Raipur (in front of old R.T.O Office).

VIJAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal

Date: 20-1-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 20th January 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1836—Whereas I, VIJAY MATHUR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Part of Plot No. 117 situated at Wright Town, Jabalpur. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jabalpur on 12-5-1980

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason of believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Smt. Mira P. Oak, W/o Late P.R. Oak, R/o 990-Gol Bazar, Jabalpur.

(Transferor)

(2) Shri Vijaykumar Chhakodilal Jain, 994, Wright Town, Jabalpur.

(Transferee

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Part of Plot No. 117 situated at Wright Town, Jabalpur.

VIJAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal

Date: 20-2-1981.

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 20th January 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1837—Whereas I, VIJAY MATHUR

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House on plot No. 288 situated at Ushanagar Colony, Indore.

(and more fully described, in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 1-5-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Jajprakash & Omprakash S/o Fakirchand Solanki,
 R/o 8/4 Raj Mohalla North-Indore.

(Transferor)

 Shri Ashokkumar Jain S/o Keshrimal Jain, R/o 71, Malharganj, Indore.

(Transferor

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House on plot No. 288 situated at Ushanagar Colony, Indore.

VIJAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal

Date: 20-1-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 20th January 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1838,—Whereas I, VIJAY MATHUR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. House on plot No. 288 situated at Ushanagar Colony, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore on 8-5-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-43--476GI/80

(1) Shri Jaiprakash & Omprakash S/o Fakirchand Solanki, R/o 8-4 Raj Mohalla North, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Kailashchand Jain S/o Keshrimal Jain, 101, Malharganj, Main Road, Indore.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House on plot No. 288 situated at Ushanagar Colony, Indore.

> VIJAY MATHUR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bhopal

Date: 20-1-1981

#### FORM I.T.N,S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOMF-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 20th January 1981

Ref. No. 1AC/ACQ/BPL/80-81/1839—Whereas I, VIJAY MATHUR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Half portion of House No. 254, Ward No. 10, situated at Satna Rewa, Satna

(and more fully described in the schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration A.t. 1903 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Satna on 17-5-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been aruly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' ir respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Sushilchand Tiwari S/o Late Harprasad Tiwari R/o Desai Nagar, Ujjain,
 Anupamkumar S/o Sushilchand Tiwari, R/o Desai Nagar, Ujjain.

(Transferor)

(2) Shri Sindhu Navyuvak Samaj, through President, Dr. Naraindass Manghnani, Amul Clinic, Satna

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Half portion of House No. 254, Ward No. 10, situated at Satna—Rewa Road, Satna.

VIJAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal

Date: 20-1-1981

Scal:

FORM 1TNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 20th January 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1840---Whereas I, VIJAY MATHUR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Half portion of House No. 254, Ward No. 10 situated at Satna Rewa Road, Satna.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in this Office of the Registering Officer at Hoshiarpur at Satna on 17-5-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Sushilchand Tiwari S/o Harprasad Tiwari,
 (ii) Anupamkumar S/o Sushilkumar Tiwari,
 Desai Nagar, Ujjain.

(Transferor)

(2) Shri Sindhu Navyuvak Samaj, through President Dr. Naraindas Maghnani, Amul Clinic, Satna.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Half portion of House No. 254, Ward No. 10, situated at Satna-Rewa Road, Satna.

VIJAY MATHUR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal

Date: 20-1-1981

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 20th January 1981

Ref. No. 1AC/ACQ/BPL/80-81/1841—Whereas I, VIJAY MATHUR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House No. 91, situated at Nandialpura, Indore.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act. 1908 (1

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 6-5-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market

value of the aforesaid property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) (1) Smt. Sumatibhai W/o Govindrao Thathe.
  - (2) Madhusudan (3) Bhaskar (4) Sadashiy
  - (5) Y: shwant (6) Suresh S/o Govindrao Thathe,
  - 90, Nandlalpura, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Manoharlal S/o Shankarlal, R/o 33, Kunjada Bakhal, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House No. 91, North Part, situated at Nandialpura, Indore.

VIJAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal

Date: 20-1-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 22nd January 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1842—Whereas J, VIJAYMATHUR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Plot Kh. No. 150 situated at Junagarh House, Ahmedabad Bhopal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on 22-5-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sardar Ajit Singh & Sardar Gurcharan Singh, Both S/o Sardar Ishwarsingh, 1412, Prem Nagar Jabalpur.

(Transferor)

Dr. Sharadchand Agrawal, S/o Shyamlal Agarwal,
 Chhaya Padava, Khandwa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from hte service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot Kh. No. 150, situated at Junagarh House, Ahmedabad, Bhopal.

VIJAY MATHUR
Competent Autority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date: 22-1-1981

#### FORM NO. I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 22nd January 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1843—Whereas I, VIJAY MATHUR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatfter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 42, situated at Idgah Hills, Bhopal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on 1-5-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Shimla Devi W/o Shri Seth Premchandji Agarwal Near Shajahanabad, Police Station, Regiment Road, Bhopal.

(Transferor)

(2) (1) Shri Asandas S/o Lekhrajmal (2) Smt. Mava Devi W/o Shri Prakashchand, Idgah Hills, Bhopal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immove able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazettee.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 42, situated at Idgah Hills, Bhopal.

VIJAY MATHUR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date: 22-1-1981.

FORM I.T.N.S.----

(1) Shri Samptalal S/o Mohanlal, R/o Bala Bai Ka Bazar, Lashkar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Shri Layakchand Syal S/o Lala Diwanchand, Bada Quasim Kha, Dal Bazar, Lashkar, Gwalior.

(Transferce)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 22nd January 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1844---Whereas I, VIJAY **MATHUR** 

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing No.

House No. 705, Ward No. 29 situated at Quasim Khan Ka Bada, Dal Bazar, Lashkar, Gwalior (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Gwalior on 20-5-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION: -The terms and expression uesd herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

House bearing Mucl. No. 705, Ward No. 29, situated Quasim Khan ka Bada, Dal Bazar, Lashkar, Gwalior.

> VIJAY MATHUR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bhopal

Date: 22-1-1981

FORM LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 22nd January 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1845—Whereas I, VIJAY MATHUR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land-Survey No. 691, situated at Dewas (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Dewas on 22-5-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market, value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Rajaram S/o Bhimaji Machhale, R/o 21, Shantipura, Dewas
 Smt. Haza Bai, W/o Late Suri Ambaram Machhale, 21, Shantipura, Dewas.

(Transferor)

(2) M/s. Gajra Gears (P) Ltd., Station Road, Dewas.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned;—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Open Land-Survey No. 691-situated at Dewas.

VIJAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date: 22-1-1981

#### FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 22nd January 1981

Ref. No. 1AC/ACQ/BPL/80-81/1846--Whereas I, VIJAY **MATHUR** 

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/and bearing .

No. agricultural land situated at Vill. Harkota, Gwalior

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer = at Gwalior on 1-5-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tav under the said Act, of the transferor to pay tax under the said Act, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or pay moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said

Act, I hereby initiate proceedins for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the asid Act, to the following persons, namely :-44-476 GI/80

Hanumantrao (2) Krishna Rao, Noth S/o Shri Raghunath Rao, R/o Bakshi ki Goti, Lashkar, Gwalior.

(Transferor)

(2) Shri Baboolal (2) Dhaniram S/o Khubirakni, R/o Vill: Harkota, Tah: Distt: Gwalior.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Agricultural land admeasuring 5:505 acres situated at Village: Harketa, Gwalior.

> VIJAY MATHUR (Competent Authority)

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bhopal

Date: 22-1-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 22nd January 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1847—Whereas I, VIJAY MATHUR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Plot No. E-2, Situated at Jhansi R oad, Lashkar, Gwalir (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gwalior on 9-5-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Welath-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Chetak Co-operative Housing Society, Chetakpuri, Jay Vilas Palace Premises, Jhansl Road, Lashkar.

(Transferor)

(2) Shri Ram Prakash Tiwari, S/o Shri Ramratan Tiwari, Angre Ka Bazar, Lashkar, Gwallor-I

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Plot No. E-2, situated at Chetak Puri, within Jay Vilas Palace premises, Jhansi Road, Lashkar, Gwalior.

VIJAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date: 22-1-1981

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 22nd January 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1848—Whereas I, VIJAY MATHUR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. D-16, situated at Chetakpuri, Near Jay Vilas, Jhansi Road, Gwalior.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Gwalior on 9-5-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Chetak Co-op. Housing Society, Chetakpuri, Jay Vilas Palace Premises, Jhansi Road, Lashkar, Gwalior.

(Transferor)

(2) Smt. Madhura Devi Sharda W/o Shri Ram Niwas Sharda, C/o Sharda Cloth Stores, Deedwana Oli, Lashkar, Gwallor.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Plot No. D-16, situated at Chetakpuri, Jay Vilas Palace Premises, Jhansi Road, Lashkar, Gwalior.

VIJAY MATHUR
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date: 22-1-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

 Chetak Co-op. Housing Society, Chetakpuri, Jay Vilas Palace Premises, Jhansi Road, Lashkar. Gwalior.

(Transferor)

(2) Dr. D. C. Gupta,S/o Dr. R. S. Gupta,Opposite Madho Dispensary, Gwalior.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

### ACOUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 22nd January 1981

Ref. No. (AC/ACQ/BPL/80-81/1849—Whereas I, VIJAY MATHUR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Plot No. D-10 situated at Chetakpuri, Jay Vilas Palace Premises, Lashkar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gwalior on 9-5-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Plot No. D-10, situated at Chetakpuri, Jay Vilas Palace Premises, Jhansi Road, Lashkar, Gwalior.

VIJAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date: 22-1-1981

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

 Chetak Co-op. Housing Society, Chetakpuri, Jay Vilas Palace Premises Lashkar, Gwalior.

(Transfeor)

(2) Dr. Pratap Narain Tiwari, S/o Shri Baijnath Tiwari, Kanpoo Road, Near Bridge, Lashkar, Gwalior.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 22nd January 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1850---Whereas I, VIJAY MATHUR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Plot No. E-4, situated at Chotakpuri, Jay Vilas Palace Premises, Lashkar.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Gwalior on 9-5-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the trasferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Plot No. E-4, situated at Chetakpuri, Jay Vilas Palace Premises, Jhansi Road, Lashkar, Gwalior.

VIJAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date: 22-1-1981

#### FORM NO. I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 22nd January 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1851—Whereas I, VIJAY MATHUR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Plot No. E-3 situatedat Chetakpuri, Jay Vilas Palace Premises, Lashkar, Gwalior

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Gwalior on 9-5-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Chetak Co-op. Housing Society, Chetakpuri, Jay Vilas Palace Premises, Jhansi Road, Lashkar.

(Transferor)

(2) Shri Chandra Mohan Tiwari, S/o Shri Ram Prakash Tiwari, Angra Ka Bazar, Lashkar, Gwalior.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Plot No. E-3, situated at Chetakpuri, Jay Vilas Palace premises, Jhansi Road, Lashkar, Gwallor.

VIJAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date: 22-1-1981.

### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 17th January 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1828—Whereas I, VIJ AY MATHUR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Portion of House situated at Baniya Ward, Dhamdhari,

(and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Dhamdhari on 7-7-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Ashkaran S/o Amarchand Baid, R/o Dhamdhari, Teh: Dhamdhari, Raipur.

(Transferor)

(2) Dr. Nandkumar, Purohit, S/o Shri Radhashyam Purohit, R/o Dhamdhari, Teh: Dhamdhari, Raipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable propery, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Portion of double storeyed house situated at Baniya Ward, Dhamdhari.

VIJAY MATHUR
(Competent Authority)
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date: 17-1-1981

3000

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 17th January, 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1829—Whereas I, VIJAY MATHUR

being the Competent Authority under Sec-

tion 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Portion of House No. 379 situated at Manganj, Damoh. (and more fully described in the Schedule amexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Damoh on 26-7-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market, value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Ahmad Ali S/o Abid Hussain, P.H.C., Shahganj, Sihor.

(Transferor)

 Shri Durgaprasad S/o Shri Bhurelal, Jain, P.O. Banwar, Damoh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Portion of House No. 379 situated at Sagar Road, Manganj, Damoh.

VIJAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date: 17-1-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 14th November 1980

Ref. No. AC-47/R-II/Cal/80-81—Whereas I, K. SINHA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 62, surplus land C.I.T. Scheme No. VII M. old premises No. 88A, Bagmarl Road situated at Holdings Nos. 99, 100 & 102, in Sub-division 2 Dehi Panchannagram, P.S. Maniktola, 24-Parganas.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R.A. Calcutta on 2-5-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—43—476 GI/80

Sri Arun Kumar Sarkar of 32, Mahendra Sreemani Street, Calcutta, and
 Smt. Aruna Das of 162, Lake Town, Block-A, Calcutta-55.

(Transferor)

(2) M/s. Goodluck Hosiery Mills (P) Ltd., 164, Mahatma Gandhi Road, Calcutta-7.

(Transferce)

(3) Sri Arun Kr. Sarkar and Sm. Aruna Das.

[Person(s) in occupation of the Property]

(4) None

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land measuring 6-Ks, 7-Chs & 18-sft. plot No. 62, surplus land in C.I.T. Scheme No. VII M. formed out of old premises No. 88A, Bagmarl Rd., Holding Nos. 99, 100 & 102 in subdivision 2 Dlhi Panchannagram, P. S. Maniktola, more particularly described in deed No. 2646 dated 2-5-80.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-U, Calcutta-16.

Date: 14-11-1980

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 27th December, 1980

Ref. No. AC-57/R-II/Cal/80-81—Whereas I, K. SINHA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to

believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Dag No. 283 situated at Mouza Gopalpur, P.S. Dum Dum Airport, Dt.-24-Prgns.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1903) in the office of the Registering Officer at Cossipore Dum Dum on 16-5-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mustakin Golder & Three Others, Narayanpur, Dum Dum, Dt. 24-Parganas.

(Transferor)

(2) Eastern Rly. Employees' Co-operative Colony Society Ltd., 131A, Bepin Behari Ganguly Street, Calcutta-72.

(Transferee)

(3) Mustakin Golder & Three Others, of Narayanpur, Dum Dum, 24-Parganas.

[Person(s) in occupation of the Property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Actshall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

All that Bagan Land measuring 2-bighas, 10-cottahs more or less at Mouza Gopalpur, P.S. Dum Dum Airport, in Dag No. 283, Kh. Nos. 1502, 1829 & 1844, Dt. 24-Parganas, more particularly as per Deed No. 3828 of 1980.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Calcutta.

Date: 27-12-1980

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 2nd January 1981

Ref. No. 834/Acq. R-III/80-81—Whereas I, I.V.S. JUNEJA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and becring No. 17/1/C situated at Dover Terrace, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 10-5-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Rabi Sankar Mukherjee

(Transferor)

(2) Bijan Kr. Mukherjec

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Undivided half share of the house property being premises No. 17/1/C, Dover Terrace, Calcutta.

I. V. S. JUNEJA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta

Date: 2-1-1981

### FORM LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### (1) Shri Rabi Sankar Mukherjee

(Transferor)

(2) Sm. Gita Mukherjee

(Transferec)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 2nd January, 1981

Ref. No. 835/Acq. R-III/80-81/Cal.—Whereas I, I.V.S. JUNEJA

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

17/1/C situated at Dover Terrace, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer

at Calcutta on 10-5-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Undivided half share of the house property being premises No. 17/1/C, Dover Terrace, Calcutta.

I.V.S. JUNEJA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-III, Calcutta

Dated: 2-1-1981

(1) Kumari Dalia Roy Chowdhury

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961) (2) Smt. Santilata Chatterjee

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 2nd January, 1981

Ref. No. 836/Acq.R-III/80-81—Whereas I, I.V.S. JUNEJA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 97 situated at Tollygunge Circular Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Calcutta on 31-5-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land property being premises No. 97, Tollygunge Circular Road, Calcutta.

I.V.S. JUNEJA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta.

Date: 2-1-1981

### FORM DINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. Rameswari Devi

(Transferor)

(2) Dr. Purnendu Jha & Or.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 2nd January, 1981

Ref. No. 837/Acq. R-III/80-81-Whereas I, I.V.S. JUNEJA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to 25 the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing 🔌.

No. 109/18, situated at Hazara Road, Clacutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer & at Calcutta on 19-5-1980

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesald proporty, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent considerafifteen per cent of such transfer as agreed to between the the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

House property being premises No. 109/18, Hazra Road,

I.V.S. JUNEJA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, Calcutta.

Date: 2-1-1981

Seat :

#### (1) Amal Kr. Das

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Aelpe Projects Ltd.

(Tranferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 6th January 1981

Ref. No. TR-290/80-81/St. No. 566—Whereas I, I.V.S. IUNEIA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/-and hearing No. 33, situated at Free School Street now 38 Mirza Galif St.) Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 24-5-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Undivided half share in all that piece or parcel of land measuring about 1B 1K 9 chittacks together with pacca and katcha structure being premises No. 33, Free School St. Now 38 Mirza Ghalif St.) Calcutta registered before the Registrar of Assurances, Calcutta vide Deed No. I-3170 dt. 24-5-80.

I.V.S. JUNEJA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Calcutta.

Date: 6-1-1981

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Ajoy Kumar Das.

(Transferor)

(2) Aelpe Projects Ltd.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 6th January 1981

Ref. No. TR-291/80-81/Sl. No. 566—Whereas, I. V. S. JUNEJA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No.,

No. 33 situated at Free School Street (Now 38, Mirza Ghalif St.) Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at at Calcutta on 24-5-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) faciliting the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Undivided 1/4th share in all that piece or parcel of land measuring about IB 1K 9 Ch. together with pacca and katcha structure being premises No. 33, Free School Street (now 38, Mirza Ghalif Street), Calcutta registered before the Registrar of Assurances, Calcutta vide deed No. I-3173 dt. 24-5-80

I.V.S. JUNEJA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Calcutta.

Date: 6-1-1981

(1) Shri Amiya Kr. Das.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Aelpe Projects Ltd.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISIION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 6th January 1981

Ref. No. TR-292/80-81/Sl. No. 565—Whereas I,  $\,$  I.V.S. JUNEJA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

33 situated at Free School Street (Now 38, Mirza Ghalif St.) Calcutta.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Calcutta on 24-5-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

46--476GI/80

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Undivided 1/4th share in all that piece or parcel of land measuring about 1B 1K 9 Ch. together with pacca and katcha structure being premises No. 33, Free School Street (Now 38, Mirza Ghalif St.) Calcutta registered before the Registrar of Assurances, Calcutta vide deed No. I-3169 dt. 24-5-80.

I.V.S. JUNEJA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Calcutta.

Date: 6-1-1981

(1) Shrl Tapendra N. Das & Ors.

(Transferor)

(2) Shri Netai Chandra Das.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 6th January, 1981

Ref. No. TR-317/80-81/564—Whereas I, I. V. S. JUNEJA.

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing Is a

No. 39/1/1A 39/1/1B situated at Sambhu Babu Lane, Calcutta-14

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at at Calcutta on 26-5-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of;—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fallowing persons, namely:—

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Building situated at premises No. 39/1/1A on a land measuring 14 Chittacks and 24 sq. ft. and building situated at premises No. 39/1/1B on a land (measuring 2 chittacks 7 sq. ft. of Shambhu Babu Lane Calcutta registered vide deed No. 1-502 and I-503 dated 26-5-80 before the Registrar of Assurances, Calcutta.

I.V.S. JUNEJA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Calcutta.

Date: 6-1-1981 Seal :

OCHI .

(1) Shri Alak Kumar Ghosh & Ors.

(Transferor)

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Jay Co-operative Housing Society Ltd.

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 6th January 1981

Ref. No. 839/Acq. R-III/80-81—Whereas I, I.V.S. JUNEJA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

11, situated at Dover Lane, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alipore on 5-5-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons; namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from hte service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EPXLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

### THE SCHEDULE

House property at being premises No. 11, Dover Lane Calcutta-19.

I.V.S. JUNEJA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Caluctta.

Date: 6-1-1981

3012

FORM ITNS---

(1) Shri Arun Kumar Guha

(Transferor)

(2) Smt. Supriya Chatterjee & Or,

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 6th January 1981

Ref. No. 840/Acq. R-III/80-81—Whereas, I, I.V.S. JUNEJA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 28/1D, situated at Gariahat Road, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 20-5-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

House property at being premises No. 28/ID, Garlahat Road, Calcutta-19.

I.V.S. JUNEJA

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 6-1-1981

(1) Shri Tapondra N. Das & Ors.

(2) Shri Notai Chandra Das.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961(43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 6th January 1981

Ref. No. SL. No.  $563/\Gamma R-318/80-81$ —Whereas 1, I.V.S. JUNEJA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the improvable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing.

No. 39/1/1A & 39/1/1B situated at Sambhu Babu Lane, Calcutta-14

(and more fully described, in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 26-5-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of.—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquision of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the meaning as given in the Chapter.

### THE SCHEDULE

Building situated at premises No. 39/1/1A on a land measure ing 14 Chittaks and 24 sq. ft. and building situated at premises No. 39/1/1B on a land measuring 2 chittacks 7 sq. ft. registered vide deed No. 1-502 and 1-503 dt. 26-5-80 before the Registrar of Assurances, Calcutta.

I.V.S. JUNEJA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Calcutta

Date: 6-1-1981

(1) Shri T.D.' Chòtrani

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Ravindra Verma

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACOUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 7th January 1981

Ref. No. C-1/TR-298/80-81/Sl. No. 568—Whereas I, I.V.S. JUNEJA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Flat No. 27 on 5th Floor situated at 105, Park Street, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Calcutta on 24-5-80

for an apparent consideration which is less than the fan murket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act. to the following persons, namely:—

Obejetion, if any, to the acquition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 27 on 5th floor of the building situated at premises No. 105, Park Street, Calcutta registered vide Deed No. I-3166 dated 24-5-80 in the office of Registrar of Assurances, Calcutta.

I.V.S. JUNEJA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Calcutta.

Date: 7-1-1981

#### FORM ITNS-

(1) Srl Paresh Chandra Daw & Ors.

(Transferor)

(2) Shri Chittaranjan Das

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

### ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 14th January 1981

Ref. No. 841/Acq. R-III/80-81—Whereas, I, I.V.S. JUNEJA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceedings Rs. 25,000/-and bearing

No. 35, situated at Gobinda Banerjee Lane, Calcutta-33 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 21-5-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under sub-section(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely;—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Vacant land being premises No. 35, Gobinda Banerjee Lane, Calcutta-33, admeasuring 2K-14 Ch. 21 Sq. ft. registered before the Registrar of Assurances vide Deed No. 2476 dated 21-5-80.

I.V.S. JUNEJA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Calcutta

Dated: 14-1-81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Green View Co-operative Housing Society Ltd.
  (Transferor)
- (2) Pradip Ranjan Guha.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-111, CALCUTTA

Calcutta, the 14th January 1981

Ref. No. 884/Acq. R-III/80-81-Whereas J, I.V.S. JUNEJA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 119 situated at Dr. Meghnad Saha Sarani, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer

¶at Calcutta on 15-5-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

### THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 7SE, 119, Dr. Meghnad Saha Sarani, Calcutta.

I.V.S JUNEJA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-1-198 1

(1) Green View Co-operative Housing Society Ltd.
(Transferor)

(2) Hiranmoy Gupta

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 14th January 1981

Ref. No. 883/Acq. R-III/80-81—Whereas I, I.V.S. JUNEJA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/-

and bearing No.

119 situated at Dr. Meghnad Saha Sarani, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 9-5-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Inome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:——47-60-1,80

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 39 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 6NE 119, Dr. Meghnad Saha Sarani, Calcutta.

I.V.S. JUNEJA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta.

Date: 14-1-1981

(1) Green View Co-operative Housing Society Ltd. (transferor)

NOTICE NUDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1691 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Santosh Kumar Chakraborty

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 14th January 1981

Ref. No. 882/Acq.R-III/80-81—Whereas, I, I.V.S. JUNEJA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heroianfter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 119 situated at Dr. Meghnad Saha Sarani, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 9-5-1980

or an apparent consideration which is less than
the fair market value of the aforesaid property, and I have
leason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration and
that the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned--

- (a) by any of the nforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Flat No. 10SE 119, Dr. Meghnad Saha Sarani, Calcutta.

I.V.S JUNEJA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ast, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

Date: 14-1-1981

FORM I.T.N.S.-

(1) Green view Co-operative Housing Society Ltd. (Transferor)

(2) Rajat Kumar Roy

(Transferse)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 QF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 14th January 1981

Ref. No. 881/Acq. R-III/80-81—Whereas I, I.V.S. JUNEJA being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

119 situated at Dr. Meghnad Saha Sarani, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 9-5-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such tarnsfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection 1) of Section 269D of the said Act, to the follow-persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 1NE, 119, Dr. Meghnad Saha Sarani, Calcutta.

I.V.S. JUNEJA

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income taxAcquisition Range III, Calcutta.

Date: 14-1-1981

FORM I.T.N.S .---

(1) Green View Co-operative Housing Society Ltd.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Rai Hirendra Nath Choudhury.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 14th January 1981

Ref. No. 880/Acq. R-III/80-81—Whereas I, I.V.S. JUNEJA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 119 situated at Dr. Meghnad Saha Sarani, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 9-5-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby intiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 13SE, 119, Dr. Meghnad Saha Sarani, Calcutta.

I.V.S. JUNEJA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta

Date: 14-1-1981

(1) Green View Co-operative Housing Society Ltd.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sibdas Basu & Or.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 14th January, 1981

Ref. No. 879/Acq. R-III/80-81—Whereas I, I.V.S. JUNEJA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 119 situated at Dr. Meghnad Saha Sarani, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 9-5-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 8ME, 119, Dr. Meghnad Saha Sarani, Calcutta.

I.V.S. JUNEJA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Calcutta.

Date: 14-1-1981

Soal :

FORM 1.T.N.S.—

(1) Green View Co-operative Housing Society Ltd.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Aloka Sen.

(Transferce)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 14th January, 1981

Rof. No. 878/Acq. R-III/80-81—Whereas J, I.V.S. JUNEJA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

119 situated at Dr. Meghnad Saha Sarani, Calcutta.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 9-5-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought of be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Welth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 268C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

I APLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 11NE 119, Dr. Meghned Saha Sarani, Calcutta.

I.V.S. JUNEJA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta

Date: 14-1-1981

FORM NO. IT.N.S.-

(1) Green View C& offerative Housing Society Ltd.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Namita Banerjee

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 14th January 1981

Ref. No. 877/Acq. R-fif/80-81—Whereas I, I.V.S. JUNEJA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 119, situated at Dr. Meghnad Saha Saran, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 9-5-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the conceatment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the ladian lacome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

### THE SCHEDULE

Flat No. 9SW 119, Dr.- Moghnad Saha Sarani, Calcutta.

I.V.S. JUNEJA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta.

Date: 14-1-1981

FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### (A) NTI 1 D 1 . NO 1 .

(Transferor)

(2) Nlkhil Brahma Mukherjee

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

### ACQUISTION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 14th January, 1918

Ref. No. 876/Acq. R-III/80-81—Whereas I, I.V.S JUNEJA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 119 situated at Dr. Meghnad Saha Sarani, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1998 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer 3.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Dability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(1) Green View Co-operative Housing Society Ltd.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 6 NW 119, Dr. Meghnad Saha Sarani, Calcutta.

I.V.S. JUNEJA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta.

Date :14-1-1981 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF TE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 14th January, 1981

Ref. No. 875/Acq. R-III/80-81—Whereas I, I.V.S JUNEJA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No.119, situated at Dr. Meghnad Saha Sarani, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

### at Calcutta on 9-5-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

48-476GI/80

- (1) Green View Co-operative Housing Society Ltd.
  (Transferor)
- (2) Debabrata Mukherice

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined ni Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 8SE, 119, Dr. Meghnad Saha Sarani, Calcutta.

I.V.S. JUNEJA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta.

Date: 14-1-1981

3026

FORM ITNS-

- (1) Green View Co-operative Housing Society Ltd.
  (Transferor)
- (2) Bithindra Nath Gupta Rani Gupta.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

### ACOUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 14th January, 1981

Ref. No. 874/Acq. R-III/80-81—Whereas, I, I.V.S. JUNEJA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-No. 119, situated at Dr. Meghnad Saha Sarani, Calcutta. (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 9-5-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 7 NW, 119, Dr. Meghnad Saha Sarani, Calcutta.

I.V.S. JUNEJA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta.

Date: 14-1-1981

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 14th January, 1981

Ref. No. 873/Acq. R-III/80-81—Whereas I, I.V.S. JUNEJA being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 119 situated at Dr. Meghnad Saha Sarnai, Calcutta. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 5-5-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Green View Co-operative Housing Society Ltd.
  (Transferor)
- (2) Sushil Roy

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No.-7SW, 119, Dr. Meghnad Saha Sarani, Calcutta.

I.V.S. JUNEJA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta.

Date: 14-1-1981

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 14th January, 1981

Ref. No. 872/Acq. R-III/80-81—Whereas, I I.V.S. JUNEJA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 119 situated at Dr. Meghnad Saha Sarani, Calcutta.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Calcutta on 5-5-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such tarnsfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Green View Co-operative Housing Society Ltd.
  (Transferor)
- (2) Sati Das Ganguly

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 3 NW, 119, Dr. Mghnad Saha Sarani, Calcutta.

I V S JUNEJA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta.

Date: 14-1-1981

(1) Green View Co-operative Housing Society Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Lila Banerjee

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER, OF INCOME-TAX ACOUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 14th January 1981

Ref. No. 871/Acq. R-JII/80-81—Whereas I, I.V.S. JUNEJA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 119 situated at Dr. Meghnad Saha Sarani, Calcutta. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Calcutta on 5-5-1980

for on apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No-6 SW, 119, Dr. Meghnad Saha Sarani, Calcutta.

I.V.S. JUNEJA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta.

Date: 14-1-1981

(1) Green View Co-operative Housing Society Ltd.
(Transferor)

(2) S.R. Raja Gopal

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 14th January 1981

Ref. No. 870/Acq. R-III/80-81—Whereas I, I.V.S. JUNEJA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

119 situated at Dr. Moghnad Saha Sarani, Calcutta. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 5-5-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of;—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax (1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No.-12 NW, 119, Dr. Meghnad Saha Sarani, Calcutta.

I.V.S. JUNEJA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of section 269 D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 14-1-1981

(1) Green View Co-operative Housing Society Ltd.
(Transferoi)

(2) Priya Brata Paul

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 14th January 1981

Ref. No. 869/Acq. R-III/80-81—Whereas I, I.V.S. JUNEJA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 119 situated at Dr. Meghnad Saha Sarani, Calcutta. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 5-5-1980

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as faoresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

may be made in writing to the undersigned:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No-4ME, 119, Dr. Meghnad Saha Sarani, Calcutta.

I.V.S. JUNEJA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
54, Rafi Ahmed Kidwai Rood Calcutta.

Date: 14-1-1981

#### FORM I.T.N.S.-

(1) Green View Co-operative Housing Society Ltd.
Transferor

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Rajendra Nath Sarkar.

Transferce

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 14th January, 1981

Ref. No. 868/Acq. R-III/80-81—Whereas I, I.V.S. JUNEJA being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

119, situated at Dr. Meghnad Saha Sarani, Calcutta.

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 5-5-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or the assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned-

whichever period expires later:

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

Explanation:—The terms and expression used therein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No-9NW, 119, Dr. Meghnad Saha Sarani, Calcutta.

I.V.S. JUNAJA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
54 Rafi Ahmed Kidwai Rood Calcutta.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

Date: 14-1-1981

FORM NO. I.T.N.S.—

(1) Green View Co-operative Housing Society Ltd.
(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(2) Sekhar Chandra Ghosh

may be made in writing to the undersigned-

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISIION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 14th January, 1981

Ref. No. 867/Acq. R-III/80-81—Whereas I, I.V.S. JUNEJA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 119 situated at Dr. Meghnad Saha Sarani, Calcutta. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 5-5-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No.-7NE, 119, Dr. Meghnad Saha Sarani, Calcutta:

I.V.S. JUNEJA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta.

Date: 14-1-1981

Scal .

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—49—476 GI/80

- (1) Green View Co-operative Housing Society Ltd.
  (Transferor)
- (2) Surabala Majumder.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 14th January, 1981

Rei. No. 866/Acq. R-III/80-81—Whereas I, I.V.S. JUNEJA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No

119 situated at Dr. Meghnad Saha Sarani, Calcutta.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer
at Calcutta on 5-5-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No-10 MW, 119, Dr. Meghnad Saha Sarani, Calcutta.

I.V.S. JUNEJA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta.

Date: 14-1-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

# ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 14th January 1981

Ref. No. 865/Acq./R-III/80-81—Whereas I, I.V.S. JUNEJA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

119 situated at Dr. Meghnad Saha Sarani, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Calcutta on 5-5-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the asid Act, to the following persons, namely:—

- (1) Green View Co-operative Housing Society Ltd.
  (Transferor)
- (2) Santosh Kumar Mukherjee

(Transfcrcc)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 5 ME, 119, Dr. Meghnad Saha Sarni, Calcutta.

I.V.S. JUNEJA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016

Date: 14-1-1981

(1) Green Vlow Co-operative Housing Society Ltd.
(Transferor)

(2) Mandira Mukherjee.

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 14th January, 1981

Ref. No. 864/Acq/R-III/80-81—Whereas I, I.V.S. JUNEJA being the competent authority under section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

119 situated at Dr. Meghnad Saha Sarani, Calcutta.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 5-5-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persona, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 11ME, 119, Dr. Meghnad Saha Sarani, Calcutta.

I. V. S. JUNEJA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta.

Date: 14-1-1981

Sent:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (63 OF 1961)

(1) Green View Co-operative Housing Society Ltd.
(Transferor)

(2) Shri Ajit Kumar Chakraborty

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER
OF INCOME TAX

#### ACQUCISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 14th January, 1981

Ref. No. 863/Acq./R-III/80-81—Whereas I, I.V.S. JUNEJA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a tair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 119, situated at Dr. Meghnad Saha Sarani, Calcutta. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 5-5-1980

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferres for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 13MW, 119, Dr. Meghnad Saha Sarani, Calcutta.

I.V.S. JUNEJA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-1-1981

# FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

# ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 14th January, 1981

Ref. No. 862/Acq./R-III/80-81—Whereas I, I.V.S. JUNEJA being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 119, situated at Dr. Meghnad Saha, Sarani Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Lat Calcutta on 5-5-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Green View Co-operative Housing Society Ltd.
  (Transferor)
- (2) Mitra Gupta

(Transferco)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as and defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 11MW, 119, Dr. Meghnad Saha Sarani, Calcutta.

I.V.S. JUNEJA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta.

Date: 14-1-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

#### ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 14th January 1981

Ref. No. 861/Acq. R-III/80-81-Whereas I, I.V.S. JUNEJA

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

l No. 119, situated at Dr. Meghnad Saha Sarani, Calcutta.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

Fat Calcutta on 12-5-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Green View Co-operative Housing Society Ltd.
  (Transferor)
- (2) Shri Anil Baran Roy Choudhury.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 4SE, 119, Dr. Meghard Saha Sarani, Calcutta.

I.V.S. JUNEJA
Compotent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta.

Date: 14-1-1981

- (1) Green View Co-operative Housing Society Ltd.
  - (Transferor)

(2) Chandra Bhushan Ghosh

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 14th January, 1981

Ref. No. 460/Acq./R-III/80-81—Whereas I, I.V.S. JUNEJA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 119, situated at Dr. Meghnad Saha Sarani, Calcutta.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Calcutta on 12-5-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Generate.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 3NE, 119, Dr. Moghnad Saha Sarani, Calcutta.

I.V.S. JUNEJA
Commpetent Authority
Inspecting Assistant Comissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta.

Date: 14-1-1981

Seal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGEIII- CALCUTTA

Calcutta, the 14th January, 1981

Ref. No. 859/Acq. R-III/80-81.—Whereas I, I.V.S. JUNEJA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 119 situated at Dr. Meghnad Saha Sarani Calcutta. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 12-5-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market alue of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—50—476G1/80

- (1) Green View Co-operative Housing Society Ltd.
  (Transferor)
- (2) Shri Bhabesh Dutta

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in wirting to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No.-4SW, 119, Dr. Moghnad Saha Sarani, Calcutta.

I.V.S. JUNEJA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta.

Date: 14-1-1981

FORM NO. I.T.N.S.-

(1) Green View Co-operative Housing Society Ltd.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferor)

(2) Chunilal Deb 🕍 🙋

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPFCTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III,

#### CALCUTTA

Calcutta, the 14th January, 1981

Ret. No. 858/Acq. R-III/80-81—Whereas I, I.V.S. JUNEJA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

119, situated at Dr. Meghnad Saha Sarani, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 12-5-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tay Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquistion of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 4NW 119, Dr. Meghnad Saha Sarani, Calcutta.

I.V.S. JUNEJA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta.

Date: 14-1-1981

(1) Green View Co-operative Housing Society Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Ajit Kumar Mazumdar

(Transferce)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, CALCUITA

Calcutta, the 14th January 1981

Ref. No. 857/Acq. R-III/80-81—Whereas I, I.V.S. JUNEJA being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 119, situated at Dr. Meghnad Saha Sarani, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 12-5-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 5 NW, 119, Dr. Meghnad Saha Sarani, Calcutta.

I.V.S. JUNEJA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely;—

Date: 14-1-1981

FORM I.T.N.S.-

(1) Green View Co-operative Housing Society Ltd.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Surjit Choudhury

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 14th January 1981

Ref. No. 856/Acq. R-III/80-81—Whereas I, I.V.S. JUNEJA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 119, situated at Dr. Meghnad Saha Sarani, Calcutta. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 12-5-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, transly:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovuble property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 4NE, 119, Dr. Meghnad Saha Sarani, Calcutta.

I.V.S. JUNEJA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta.

Date: 14-1-1981

FORM I.T.N.S.—

(1) Green View Co-operative Housing Society Ltd.
(Transferor)

(2) Shri Ranjit Sanyal

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

# ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 14th January 1981

Ref. No. 855/Acq. R-JII/80-81—Whereas I, I.V.S. JUNEJA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 119, situated at Dr Meghnad Saha Sarani, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Calcutta on 12-5-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No-8NW 119, Dr. Meghnad Saha Saran

I.V.S. JUNEJA

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-1-1981

(1) Green View Co-operative Housing Society Ltd.

(Transferor)

(2) Shri Minati Ghosh

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

# ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 14th January, 1981

Ref. No. 854/Acq. R-III/80-81—Whereas I, I.V.S. JUNEJA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 119, situated at Dr. Meghnad Saha Sarani, Calcutta.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Calcutta on 12-5-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 8SW, 119, Dr . Meghnad Saha Sarani, Calcutta

I.V.S. JUNEJA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of he said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 14-1-1981

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Green View Co-operative Housing Society Ltd.

(Transferor)

(2) Pinaki Mukherjee & ors.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

# ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 14th January §1981

Ref. No. 853/Acq. R-III/80-81—Whereas I, I.V.S JUNEJA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

119 situated at Dr. Meghnad Saha Sarani, Calcutta.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 12-5-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

### THE SCHEDULE

Flat No. 10ME, 119, Dr. Meghnad Saha Sarani, Calcutta.

I.V.S. JUNEJA
(Competent Authority)
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta.

Date: 14-1-1981

(1) Green View Co-operative Housing SocietyLtd.

(Transferor)

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Sucheta Chatterjee

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-HI, CALCUTTA

Calcutta, the 14th January 1981

Ref. No. 852/Acq. R-III/80-81—Whereas I, 1.V.S. JUNEJA being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/ and bearing

No. 119 situated at Dr. Meghnad Saha Sarani, Calcutta (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 12-5-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 12 MW, 119, Dr. Meghnad Saha Sarani, Calcutta.

I.V.S. JUNEJA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-1-1981

(1) Green View Co-operative Housing Society Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Abani Kumar Maitra

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER ACQUISITION RANGE

# ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 14th January, 1981

Ref. No. 851/Acq. R-III/80-81—Whereas I, I.V.S. JUNEJA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 119, situated at Dr. Meghnad Saha Sarani, Calcutta. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Calcutta on 24-5-1980

and /or

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in

respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from hite service of notice on the respective persons, whighever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EPXLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 7ME, 119, Dr. Meghnad Saha Sarani, Calcutta.

I.V.S. JUNEJA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follwing persons. namely:—

57-476GI/80

Date: 14-1-1981

FORM I.T.N S.—

reen View Co-operative Housing Society Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Basanti Mukherjee

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

# ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 14th January 1981

Ref. No. 850/Acq. R-III/80-81—Whereas I, I.V.S. JUNEJA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

119 situated at Dr. Meghnad Saha Sarani, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been trasferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 24-5-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the trasferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### SCHEDULE

Flat No. 2SW, 119, Dr. Megh nad Saha Sarani, Calcutta.

I.V.S. JUNEJA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta.

Date: 14-1-1981

(1) Green View Co-operative Housing Society Ltd.

(Transferor)

(2) Reba Halder

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 14th January 1981

Ref. No. 849/Acq./R-HI/80-81—Whereas I, I.V.S. JUNEJA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

119 situated at Dr. Meghnad Saha Sarani, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Calcutta on 24-5-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) familitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 5NE, 119, Dr. Meghnad Saha Sarani, Calcutta.

1.V.S. JUNEJA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta.

Date: 14-1-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-111, CALCUTTA

Calcutta, the 14th January 1981

Ref. No. 848/Acq./R-III/80-81—Whereas I, I.V.S. JUNEJA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 119 situated at Dr. Meghnad Saha Sarani, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 24-5-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Green View Co-operative Housing Society Ltd.

(Transferor)

(2) Reba Mukherjee

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the atoresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XKA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 10NE 119, Dr. Meghnad Saha Sarani, Calcutta.

I.V.S. JUNEJA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III; Calcutta.

Date: 14-1-1981

(1) Green View Co-operative Housing Society Ltd.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Smt. Shanta Roy.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

# ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 14th January, 1981

Ref. No. 847/Acq./R-III/80-81—Whereas I, I.V.S. JUNEJA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

119, situated at Dr. Meghnad Saha Sarani, Calcutta. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred finder the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 24-5-1980

for an apparent consideration, which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires latter;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazotte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 11NW 119, Dr. Meghnad Saha Sarani, Calentta.

I.V.S. JUNEJA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Calcutta.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-1-1981

FORM I.T.N.S.---

(1) Green View Co-operative Housing Society Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Padma Ojha

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 14th January 1981

Ref. No. 846/Acq./R-III/80-81—Whereas I, I.V.S. JUNEJA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 119, situated at Dr. Meghnad Saha Sarani, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 24-5-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to beween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to be acquisitions of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 5MW, 119, Dr. Meghnad Saha Sarani, Calcutta.

I.V.S. JUNEJA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-1-1981

FORM NO. I.T.N.S.-

(1) Green View Co-operative Housing Society Ltd.

(Transferor)

(2) Nilananda Mukherjee

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 14th January 1981

Ref. No. 845/Acq./R-III/80-81—Whereas I, I.V.S. JUNEJA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

119, situated at Dr. Meghnad Saha Sarani, Calcutta. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Calcutta on 24-5-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any Moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2NE, 119, Dr. Meghnad Saha Sarani, Calcutta.

I.V.S. JUNEJA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-III, Calcutta.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for his acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-1-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Krishna Banerjee

(Transferor

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 14th January 1981

Ref. No. 844/Acq./R-III/80-81—Whereas I, I.V.S. JUNEJA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Res. 25,000/- and

bearing. No. 119, situated at Dr. Meghnad Saha Sarani, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 24-5-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(1) Green View Co-operative Housing Society Ltd

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 12ME, 119. Dr. Meghnad Saha Sarani, Calcutta.

I.V.S. JUNEJA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta.

Date: 14-1-1981

(1) Green View Co-operative Housing Society Ltd.

may be made in writing to the undersigned :-

whichever period expires later;

(Transferor)

(2) Santana Banerjee

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUITA Calcutta, the 14th January, 1981

Ref. No. 843/Acq./R-III/80-81-Whereas I, I.V. S. JUNEJA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 119, situated at Dr. Meghnad Saha Sarani, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), transferred under the Registration Act, been 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 24-5-1980 for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property. and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

\*Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 12SE, 119, Dr. Meghnad Saha Sarani, Calcutta.

I. V. S. JUNEJA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, 54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutt: -700016

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-

52-476G1/80

ing persons, namely:-

Da to: 14-1-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

# ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 14th January, 1981

Ref. No. 842/Acq. R-III/80-81—Whereas, I I.V.S. JUNEJA being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

No. 119, situated at Dr. Meghnad Saha Sarani, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 24-5-1980

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Groon View Co-operative Housing Society Ltd.
  (Transferor)
- (2) Paresh Chandra Bose.

(Transferoe)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### SCHEDULE

Flat No-2SE, 119, Dr. Meghnad Saha Sarani, Calcutta.

L.V. S. JUNEJA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta.

Date: 14-1-1981

#### FORM'ITNS-

(1) Shri Kartik Chansra Sawoo & Ors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (63 OF 1961)

(2) Shrimati Ronuka Mukherjee & Ors.

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

### ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 16th January 1981

Ref. No. AC-64/R-II/Cal/80-81-Whereas I, K. SINHA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

13/5, situated at Raja Manindra Road, Cal-2

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Sealdah on 2-5-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have in the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land mesuring 2ks., 3ch., & 6-ft. with structure at promises No. 13/3, Raja Manindra Road, Cal. Corpn. Ward No. 4. Calcutta-2, P.S. Chitpore, more particularly desdribed as per Deed No. 427 of 1980.

> K. SINHA Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Calcutta-16

Date: 16-1-1981

SI:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 22nd January 1981

Ref. No. AC-91/R-IV/Cal/80-81—Whereas I, K. SINHA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 285, 286 & 288 situated at Mouza Dharampur Mohalla, P.S. Chinsurah, Dt. Hooghly

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Chinsurah on 20-5-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this noticed under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Haradhan Mandal, Chinsurah, Hooghly.

(Transferor)

(2) Smt. Lalita Devi Agarwalla, Chandannagar, Hooghly

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 1110-dec. of land situated at Dharampur, Chinsurah, more particularly described as per deed No. 744 of 1980.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV, Calcutta-16

Date: 22-1-1981

Soul:

 Smt. Dipali Goswami, 46/12/1/3, Broja Nath Lahiry Laue, Howrah.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Sri Amaresh Chatterjee, 80/3, Kasundia Road, Howrah.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACOUISITION RANGE-IV. CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 22nd January 1981

Ref. No. AC-92/R-IV/Cal/80-81—Whereas I, K. SlNHA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 46/12/1/3 situated at Brojo Nath Lahiry Lane, Howrah (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Howrah on 16-5-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid excreds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 2-cottahs situated at 46/12/3, Brojo Nath Lahiry Lane, Howrah, more particularly described as per deed No. 1637 of 1980.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incoem-tax
Acquisition Range-IV, Calcutta-16

Date: 24-1-1981

#### FORM NO. ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### Smt. Rékha Ráhl Ghosh & Others, P.O. & Vill. Orl, P.S. Khandaghosh, Dt. Burdwan.

(Transferor)

 Sri Chandi Das Paul, Saikia, P.S. Golabari, 60/1, Tripura Roy Lahe, Howrah.

(Transferce)

# GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 22nd January 1981

Ref. No. AC-93/R-IV/C<sup>3</sup>/80-81--Whereas I, K. SINHA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

No. 91, situated at Khetra Mitra Road, Salkia, Howrah. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Howrah on 7-5-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 1-K., 3-Chs. & 18-Sft. with building situated at 91, Khetra Mitra Road, Salkia, Howrah, more particularly described as peer deed No. 1489 of 1980.

K. SINHA
Compatent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Industax
Acquisition Range-IV, Calcutta

Date: 24-1-1981

#### FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Sri Satyendra Nath Ghosh 91, Khotra Mitra Road, Howrah.

(Transferor)

(2) Sri Chandi Charan Paul,60/1, Tripura Roy Lano,P.S. Golabari, Howrah.

(Transferes)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 24th January 1981

Ref. No. AC.94/R-IV/Cal/80-81—Whereas, I, K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 91, situated at Khetra Mitra Road, Salkia, Howrah (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Howrah on 7-5-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 1-K, 3-Chs. & 18-Sft. together with building situated at 91, Khtra Mitra Road, Howrah, more particularly described as per dood No. 1408 of 1980.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Calcutta

Date: 24-1-1981

#### FORM ITNS

(2) Smt. Juthika Dutta

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

.....

(2) Smt. Nandini Roy

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-II, CALCUITA-16

Calcutta-16, the 6th February 1981

Ref. No. AC-68/R-II/Cal/80-81—Whereas I, K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. P/6, B. D. Jayasree situated

at Holding 107/164, Raja Ram Mohan Roy Road, P.S. Behala, Calcutta-34

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R., Aliporem 24-Parganas on 9-5-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 3K., 3Ch. 27-sft. at P/6, B.D. Joysree, Holding 107/164, Raja Ram Mohan Roy Road, P.S. Behala, Calcutta-34, more particularly described as per Deed No. 2238 of 1980.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Calcutta.

Date: 6-2-1981

FORM LT N.S.

(1) Sri Subode Chatterjee

(Transferor)

(2) Smt. Tripti Ganguly(3) Sri Subode Chatterjee

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANG-II, CALCUTTA

Calcutta, the 6th Fobruary 1981

Ref. No. AC-69/R-II/Cal/80-81 Whereas I, K. SINHA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Dag No. 1721 situated at Mouza Kalidah, P.S. Dum Dum, Calcutta-55

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been trasferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

S.R. Cossipore, Dum Dum on 10-5-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the trasferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :- -

[Person(s) in occupation of the Property]

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 3-cottahs only at Mouza Kalidah, P.S. Dum Dum 24-Parganas, Dag No. 1721, more particularly described as per Deed No. 3780 of 1980

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
53—476GI/80

Date: 6-2-1981

FORM ITNS -----

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF UNCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 29th December 1980

Ref. No. ASR/80-81/283—Whereas I, ANAND SINGH IRS.

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land in Village Awankha situated at Village Awankha (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration

Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at SR. Gurdaspur June, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act; 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Dharam Singh s/o Babu r/o Village Awankh Tehsil & Distt. Gurdaspur.

(Transferce)

(2) Sh. Bawa Singh s/o Mahi Singh r/o Village Udhipur Teh. & Distt Gurdaspur.

(Transferect

(3) As at sr. No. 2 and tenant(s) if any

[Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any other

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the aquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 29 K 14 marlas situated in village Awankha Tehsil & Distt. Gurdaspur as mentioned in the sale deed No. 1756 dated 6-6-1980 of the registering authority, Gurdaspur.

ANAND SINGH IRS
(Competent Authority)
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 29-12-80

## UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

#### NOTICE

#### ENGINEERING SERVICES EXAMINATION, 1981

## New Delhi, the 28th February 1981

No. F. 2/4/80-E.I(B).—A combined competitive examination for recruitment to the Services/posts mentioned in para 2 below will be held by the Union Public Service Commission of ACABTALA AND EDABABATALA 2 below will be held by the Union Public Service Commission at AGARTALA, AHMEDABAD, AIZAWL, ALLAHABAD, BANGALORE, BHOPAL, BOMBAY, CALCUTTA, CHANDIGARH, COCHIN, CUTTACK, DELHI, DISPUR (GAUHATI), HYDERABAD, IMPHAL, ITANAGAR, JAIPUR, JAMMU, JORHAT, KOHIMA, LUCKNOW, MADRAS, NAGPUR, PANAJI (GOA), PATNA, PORT BLAIR, SHILLONG, SIMLA, SRINAGAR AND TRIVANDRUM commencing on 9th August, 1981 in accordance with the Rules published by the Ministry of Railways (Railway Board) in the Gazette of India dated 28th February, 1981.

THE CENTRES AND THE DATE OF COMMENCE-MENT OF THE EXAMINATION AS MENTIONED ABOVE ARE LIABLE TO BE CHANGED AT THE DISCRETION OF THE COMMISSION. CANDIDATES ADMITTED TO THE EXAMINATION WILL BE INFORMED OF THE TIME TABLE AND PLACE OR PLACES OF EXAMINATION (See Annexure I, para 11).

2. Recruitment on the results of this examination will be made to the Services/posts under the following categories—

Category I-Civil Engineering

Category II-Mechanical Engineering

Category III-Electrical Engineering

Category IV-Electronics Telecommunication Engineering.

The approximate number of vacancies in the various Services/posts under each Category are given below:-

## Category I-CIVIL ENGINEERING

#### Group A Services/posts

- (i) Indian Rallway Service of 40\*\* Engineers.
- (ii) Indian Railway Stores Scr-<u>@</u> vice (Civil Engineering Posts).
- (iii) Central Engineering Service.
- (iv) Military Engineer Services (Building and Roads Cadre).
- (v) Central Water Engineering Service (Civil Engineering Posts).
- (vi) Central Engineering Service 5 (includes 2 vacancies reserved (Roads). for
- Executive Engi-(vii) Assistant neer (Civil) (P & T Civil Engineering Wing).
- (viii) Assistant Executive Engineer (Civil) Border Roads Engineering Service.

S.C. candidates).

3

60\*\*

9++

(ix) Indian Ordnance Factories Service (Engineering Branch) Civil Engineering Posts.

#### Group B -- Services/Posts

- (x) Assistant Engineer (Civil) P & T Civil Engineering Wing,
- (ci) Visistint Engineer (Civil) 4 (includes 1 vacancy in the Civil Construction reserved for S.C. candi-Wing of All India Radio. dates.)

#### Category II-MECHANICAL ENGINEERING

(Group A --- Services/Posts)

- (i) Indian Railway Service of 12\*\* Mechanical Engineer;
- (ii) Indian Railway Stores Ser-(ā vice (Mechanical Engineering Posts);
- (iii) Central Water Engineering Service (Mechanical Enginecting posts);
- (iv) Central Power Engineering Service (Mechanical Engineering Posts);
- (v) Military Engineer Services 4 (Includes 1 vacancy (Electrical and Mechanical reserved for S.T. can-Cadre) (Mechanical Engididates). neering Posts);
- (vi) Indian Ordnance Factories 10 (includes 1 vacancy Service (Engineering Branch) (Mechanical Engineering) Posts.

reserved for S.C. and 1 reserved for S.T. candidates).

2

- (vli) Indian Naval Armamont Service (Mechanical Engineering Posts);
- (vili) Mechanical Engineer (Junior) in the Geological Survey of India;
- (ix) Assistant Drilling Engineer in the Geological Survey of India.
- (x) Assistant Manager (Facto- 10 (includes 2 vacancies ries) (P & T Tolecom, Fac- reserved for S.C. canditories organisation);

dates and 1 reserved for S.T. candidates).

- (xi) Assistant Executive Engineer (Mechanical) Border Roads Engineering Service;
- (xii) Workshop Officer (Mechanical) in the Corps of EME, Ministry of Defence;
- (xiii) Central Electrical and Mechanical Engineering Service (Mechanical Engineering posts).

- (Xiv) Post of Assistant Development Officer (Engineering) in the Directorate General of Technical Development (Mechanical Engineering Post);
- (xv) Indian Supply Service (Me- 3 (includes 2 vacanoies chanical Engineering Posts).

reserved for S.C. candidates and I reserved for S.T. candidate).

# Group B - Services/Posts

- (Avi) Assistant Mechanical Engineer in the Geological Survey of India;
- (xvii) Workshop Officer (Mecha- 1 (Vacancy reserved for nical) in the Corps of EME S.C. candidates). Ministry of Defence.

# Category III—ELECTRICAL ENGINEERING

#### Group A -- Services/Posts

- (i) Indian Railway Service of 40\*\* Electrical Engineers;
- (ii) Indian Railway Stores Service (Electrical Engineering Posts).
- (iii) Central Electrical and Me-
- chanical Engineering Service (Electrical Engineering Posts).
- (iv) In firm Or finance Facto- 4 (includes 1 vacancy ries Service (Engineering reserved for S.C. candi-Branch) (Blectrical Engi- dates). neering Posts);
- (v) Indian Naval Armament Service (Electrical Engineering Posts);
- (vi) Central Power Engineering Service (Electrical Engineering Posts);
- (vii) Assistant Executive Engineer (Electrical) (P & T Civil Engineering Wing);
- (viii) Military Engineer Services 3 (includes 1 vacancy (Electrical and Mechanical) reserved for S.C. candi-Cadre (Electrical Engineer- dates). ing Posts);
- (ix) Workshop Officer (Electrical) in the Corps of EME, Ministry of Defence.
- (x) Post of Assistant Development Officer (Engineering) in the Directorate General of Technical Development. (Electrical Engineering Post).

(xi) Indian Supply Service (Blectrical Engineering Posts)

3 (includes 2 vacancies reserved for S.C. candidates and 1 reserved for S.T. candidate).

## Group B - Services/Posts

(xii) Assistant Engineer (Electrical) (P & T Civil Engineering Wing).

- to ju Assistanti Engineer electrical) in the Civil Construction Wing of All India Radio;
- (xiv) Workshop Officer (Electri- 1 (Vacancy reserved for cal) in the Corps of EME, S.T. candidates). Ministry of Defence:

## Category IV - ELECTRONICS AND TELE-COMMUNI-CATION ENGINEERING

#### Group A -- Services/Posts

- (i) Indian Railway Service of 40\*\* Signal Engineers;
- (ii) Indian Railway Stores Service (Tele-communication/ Electronics Engineering Posts):
- (iii) Indian Telecommunication Service.
- (lv) Enginger in Wireless Plan- 3 (includes 1 vacancy ning and Co-ordination reserved for S.C. candi-Wing/Monitoring Organi- dates), sation Ministry of Communications:

(4)

dates).

- (v) Deputy Engineer-in-Charge 3 (includes 1 vacancy in Overseas Communica- reserved for S.T. canditions Service:
- (vi) Assistant Station Engineer in All India Radio.
- (vii) Technical Officer in Civil Aviation Department;
- 4 (includes 1 vacancy reserved for S.C. and 3 vacancies for S.T. candidates).
- (viii) Communication Officer in 2 (1 vacancy reserved for Civil Aviation Department;
- S.C. candidates). (ix) Indian Ordnance Factories 1 Service (Engineering Branch) (Electronics Engineer-
- (x) Indian Naval Armament 4 Service (Electronics Engincering Posts).

ing Posts);

- (xi) Central Power Engineering Service (Telecommunication Engineering Posts)
- (xii) Workshop Officer (Electronics) in the Corps of EME S.C. candidates). Ministry of Defence.
- (xiii) Post of Assistant Development Officer (Engineering) In the Directorate General of Technical Development, (Electronics and Telecommunication Rogineering Post).

## Group B -- Services/Posts

- (xiv) Assistant Engineer in the All India Radio:
- (xv) Assistant Engineer in Over- 14 (includes 3 vacancles seas Communications Ser- reserved for S.C. vice

and 3 vacancies S.T. for candi

I (Vacancy reserved for

B. Non-Gazetted) in Over-seas Communication Service.\*\*

5 (includes 1 vacancy reserved for S.C. and 1 vacancy for S.T. candidates) (xvi) Technical Assistant (Group 5 (includes 1

(xvii) Workshop Officer (Electronics) in the Corps of EME, 1 Ministry of Defence.

@ The total number of vacancie, in in Jian Railways Stores Service is 10.\*\*

The vacancies shown against the various Railway Engineering Services (Civil, Mechanical, Electrical and Signal), Indian Railway Stores Service and Indian Ordnance Factories Service (Civil, Mechanical, Electrical and Electronics) are permanent.

The vacancies shown against all other Services and posts are temporary.

The above numbers are liable to alteration.

'Vacancies not intimated by Government.

45 The number of vacancies reserved for the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes candidates, if any, will be determined by Government.

NOTE:—Recruitment to the Services/posts, mentioned above will be made on the basis of the scheme(s) of examimentioned nation prescribed in Appendix I to the Rules.

- 3. A candidate may apply for admission to the examinain para 2 above. If a candidate wishes to be admitted for more than one category of Services/posts mentioned in para 2 above. He will be required to pay the fee, mentioned in para 6 of Notice once only and will not be required to pay separate fee for each category of Services/ posts for which he applies.
- N.B. 1. -- Candidates are required to specify clearly in their applications the Services/posts for which they wish to be considered in the order of preference. They are advised to indicate as many preferences as they wish to so that having regard to their ranks in the order of merit, due consideration can be given to their preferences when making appointments.

They should note that they will be considered for appointment to those services/posts only for which they express their preference and for no other service/post.

NO REQUEST FOR ALTERATION IN THE PREFER-NO REQUEST FOR ALTERATION IN THE PREFERENCES INDICATED BY A CANDIDATE IN RESPECT OF SEVICES/POSTS. COVERED BY THE CATEGORY OR CATEGORIES OF SERVICES/POSTS VIZ. CIVIL ENGINEERING, MECHANICAL ENGINEERING, ELECTRICAL ENGINEERING AND ELECTRONICS AND TELE-COMMUNICATION FNGINEERING FOR WHICH THE COMMUNICATION FNGINEERING FOR WHICH TELE-COMMUNICATION ENGINEERING FOR WHICH HE IS COMPETING WOULD BE CONSIDERED UNITESS THE REQUEST FOR SUCH ALTERATION IS RECLIVED IN THE OFFICE OF THE UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION WITHIN 30 DAYS OF THE DATE OF PUBLICATION OF THE RESULTS OF THE WRITTEN EXAMINATION IN THE EMPLOYMENT NEWS, NO COMMUNICATION ETHER FROM THE COMMISSION OR FROM THE MINISTRY OF RAILWAYS WOULD BE SENT TO THE CANDIDATES ASKING THEM TO INDICATE THEIR REVISED PREFERENCES. IF ANY, FOR THE VARIOUS SERVICES/POSTS AFTER THEY HAVE SUBMITTED THEIR APPLICATIONS, PLICATIONS.

generat nadulu u la atatan inden hisatatan di inde

PROVIDED THAT WHERE A REQUEST IS MADE AFTER THE EXPIRY OF THE PERIOD AFORESAID BUT BEFORE THE FINALISATION OF ALLOCATION TO SERVICES. THE MINISTRY OF RAILWAYS (RAILWAY BOARD) MAY, IF IT IS SATISFIED THAT THE CANDIDATE WILL BE PUT TO UNDUE HARDSHIP IF ALLOCATED TO THE SERVICE FOR WHICH THE CANDIDATE HAS INDICATED HIS/HER PREFERENCE AND IN CONSULTATION WITH THE UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION, CONSIDER SUCH REQUEST.

N.B. 2.— Candidates should give their preferences only for the Services and posts for which they are eligible in terms of the Rules and for which they are competing. Prescrences given for Services and posts for which they are not eligible and for Services and posts in respect of which they are not admitted to the examination will be ignored. Thus candidates admitted to the examination under rule 5(b) will be cligible to compete only for the Services/posts mentioned therein and their preferences for other Services and posts will be ignored. Similarly, preferences of candidates admitted to the examination under the proviso to rule 6 will be considered only for the posts mentioned in the said proviso, and preferences for other Services and posts, if any, will be ignored.

4. A candidate seeking admission to the examination must apply to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi (110011), on the prescribed form of application. The prescribed form of application and full of application. particulars of the examination are obtainable from the Commission by post on payment of Rs. 2.00 which should be remitted to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi (110011), by Money Order, or by Indian Postal Order payable to the Secretary, Union Public by Indian Postal Order payable to the Secretary, Union Public Service Commission, at New Delhi General Post Office Cheques or currency notes will not be accepted in lieu of Money Order/Postal Orders. The form can also be obtained on cash payment at the counter in the Commission's Office. This amount of Rs. 2.00 will in no case be refunded.

Note.—CANDIDATES ARE WARNED THAT THEY MUST SUBMIT THEIR APPLICATIONS ON THE PRINTED FORM PRESCRIBED FOR THE ENGINEERING SERVICES EXAMINATION, 1981 APPLICATION ON FORMS OTHER THAN THE ONE PRESCRIBED FOR THE ENGINEERING SERVICES EXAMINATION, 1981 WILL NOT BE ENTERTAINED.

5. The completed application form must reach the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Deint-110011 by post or by personal delivery at the counter on or before the 20th April, 1981 (4th May, 1981 in the case of candidates residing in Assam, Meghalaya, Arunchal Pradesh. Mizoram, Manipur, Nagaland, Iripura, Sikkim, Ladakh Division of J&K State, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep and for candidates residing abroad from a date prior to 20th April, 1981) accompanied by necessary documents. No application received after the prescribed date will be considered.

A candidate residing in Assam, Meghataya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J&K State, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep and a candidate residing abroad may at the discretion of the Commission be required to furnish documentary evidence to show that he was residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram. Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J&K State, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep or abroad from a date prior to 20th April, 1981.

Note:—Candidates who are from areas entitled to additional time for submission of applications should also clearly indicate in their addresses in the relevant. Column of the application, the name of the particular area or region entitled to additional time (e.g. Assam. Meghalaya, Ladakh Dielston of J&K State, etc.) otherwise they may not get the benefat of additional time.

6. Candidates seeking admission to the examination must pay to the Commission with the completed application form, a tee of Rs. 80.00 (Rs. 20.00 in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and Scheduled Tribes) through crossed Indian Postal Orders payable to the Secretary Union Public Service Commission at the New Delhi General Post Office or crossed Bank Draft from any branch of the State Bank of India payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the State Bank of India, Main Branch, New Delhi.

Candidates residing abroad should deposit the prescribed fee in the office of India's High Commissioner, Ambassador or Representative abroad, as the case may be, for credit to account head "051—Public Service Commission—Examination Fees" and attach the receipts with the application.

APPLICATIONS NOT COMPLYING WITH THE ABOVE REQUIREMENT WILL BE SUMMARILY REJECTED. THIS DOES NOT APPLY TO THE CANDIDATES WHO ARE SEEKING REMISSION OF THE PRESCRIBED FEE UNDER PARAGRAPH 7 BELOW.

7. The Commission may at their discretion remit the prescribed fee where they are satisfied that the applicant is a bona fide displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangladesh) and had migrated to India during the period between 1st January 1964 and 25th March 1971, or is a bona fide repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963, or is a bona fide repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964, or is a prospective

repairate of latitud origin from Sri Lauka under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1961, and is not in a position to pay the prescribed fee.

8. A refund of Rs. 54.00 (Rs. 14.00 in the case of candidates belonging to Scheduled Castes and Scheduled Inbes) will be made to a candidate who has paid the prescribed fee and is not admitted to the examination by the Commission. If, however, the application of a candidate seeking admission to the examination in terms of Noie 1 below rule 6 is rejected on receipt of information that he has failed in the qualifying examination or will otherwise be unable to comply with the requirements of the provisions of the aforesaid Note he will not be entitled to a refund of fee.

No claim for a refund of the fee paid to the Commission will be entertained, except as provided above and in para 9 below nor can be fee be held in reserve for any other examination or selection.

9. If any candidate who took the Engineering Services Examination held in 1980 wishes to apply for admission to this examination he must submit his application so as to reach the Commission's Office by the prescribed date without waiting for the results or an offer of appointment. If he is recommended for appointment on the results of the 1980 Examination, his candidature for the 1981 examination will be cancelled on request and the fee refunded to him, provided that the request for cancellation of candidature and refund of fee is received in the Commission's Office on or before 1st July, 1981.

10. NO REQUEST FOR WITHDRAWAL OF CANDI-DATURE RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER HE HAS SUBMITTED HIS APPLICATION WILL BE ENTERTAINED UNDER ANY CIRCUMSTANCES.

11. The question popers in General Ability Test and two papers each in Civil Engineering, Mechanical Engineering, Electrical Engineering and Electronics and Telecommunication Engineering as included in the scheme of examination at Appendix 1 to the Rules, will consist of objective type questions. For details pertaining to objective type Test, including sample questions, reference may be made to Candidates Information Manual at Annexure II.

VINAY JHA, Deputy Secretary, Union Public Service Commission

#### ANNEXURE I

#### INSTRUCTIONS TO CANDIDATES

1 Before filling in the application form the candidates should consult the Notice and the Rules carefully to see if they are eligible. The conditions prescribed cannot be relaxed.

BEFORE SUBMITTING THE APPLICATION THE CANDIDATE MUST SELECT FINALLY FROM AMONG THE CENTRES GIVEN IN PARAGRAPH I OF THE NOTICE. THE PLACE AT WHICH HE WISHES TO APPEAR FOR THE EXAMINATION.

Candidates should note that no request for change of centre will normally be granted. When a candidate, however, desires a change in centre, from the one he had indicated in his application form for the Examination, he must send a letter addressed to the Secretary, Union Public Service Commission by registered post, giving full justification as to why he desires a change in centre. Such requests will be considered on merits but requests received after 9th July, 1981, will not be entertained under any circumstances.

2. The application form, and the acknowledgement card must be completed in the candidate's own handwriting. An application which is incomplete or is wrongly filled in, is liable to be rejected.

Candidates should note that no correspondence will be entertained by the Commission from them to change any of the entries made in the application form. They should, therefore, take special care to fill up the application form correctly.

All candidates, whether already in Government Service or in Government owned industrial undertakings or other similar organisations or in private employment, should submit their applications direct to the Commission. If any candidate forwards his application through his employer and it reaches the Union Public Service Commission late, the application even if submitted to the employer before the closing date will not be considered.

Persons already in Government service whether in permanent or temporary capacity or as work-charged empolyees other than casual or daily-rated employees are, however, required to submit an undertaking that they have informed in writing their Head of Office/Department that they have applied for the examination.

- 3. A candidate must send the following documents with his application:—
  - (i) CROSSED Indian Postal Orders or Bank Draft for the prescribed fee or attested/certified copy of certificates in support of claim for fee remission, (See paras 6 and 7 of Notice and para 6 below).
  - (ii) Attested/certified copy of Certificate of age.
  - (iii) Attested/certified copy of Certificate of Educational Oualification.
  - (iv) Two identical copies of recent passport size (5 cm. ×7 cm. approx) photographs of the candidate duly signed on the front side.

One copy of the photographs should be pasted on the first page of the application form and the other copy on the Attendance Sheet in the space provided therein.

(v) Two self-addressed, unstamped envelopes of size approximately  $11.5~{\rm cms.}~\times 27.5~{\rm cms.}$ 

- (vi) Attested/certified copy of certificate in support of claim to belong to Scheduled Caste/Scheduled Tribe where applicable (See para 4 below).
- (vii) Attested/certified copy of certificate in support of claim for age concession, where applicable (See para 5 below).
- (viii) Attendance Sheet (attached with the application form) duly ulled.

NOTE:—CANDIDATES ARE REQUESTED TO SUBMIT ALONG WITH THEIR APPLICATIONS ONLY COPIES OF CERTIFICATES MENTIONED AT ITEMS (ii), (ii), (vi) and (vii) ABOVE ATTESTED BY A GAZETTED OFFICER OF GOVERNMENT OR CERTIFIED BY CANDIDATES THEMSELVES AS CORRECT. CANDIDATES WHO QUALIFY FOR INTERVIEW FOR THE PERSONALITY TEST ON THE RESULTS OF THE WRITTEN PART OF THE EXAMINATION WILL BE REQUIRED TO SUBMIT THE ORIGINALS OF THE CERTIFICATES MENTIONED ABOVE THE RESULTS OF THE WRITTEN EXAMINATION ARE LIKELY TO BE DECLARED IN THE MONTH OF DECEMBER, 1981. THEY SHOULD KEEP THE ORIGINALS OF THE CERTIFICATES IN READINESS FOR SUBMISSION AT THE TIME OF INTERVIEW. THE CANDIDATURE OF CANDIDATES WHO FAIL TO SUBMIT THE REQUIRED CERTIFICATES IN ORIGINAL AT THAT TIME WILL BE CANCELLED AND THE CANDIDATES WILL HAVE NO CLAIM FOR FURTHER CONSIDERATION.

Details of the documents mentioned in items (i) to (iv) are given below and of those in items (vi) and (vii) are given in paras 4, 5 and in para 6:—

(i) (a) CROSSED Indian Postal Orders for the prescribed fee—

Each Postal Order should invariably be crossed and completed as follows---

"Pay to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office".

In no case will Postal Orders payable at any other Post Office be accepted. Defaced or mutilated Postal Orders will also not be accepted.

All Postal Orders should bear the signature of the issuing post Master and a clear stamp of the issuing post Office.

Candidates must note that it is not safe to send Postal Orders which are neither crossed nor made payable to the Secretary. Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office.

(b) CROSSED Bank Draft for the prescribed fee-

Bank Draft should be obtained from any branch of the State Bank of India and drawn in favour of Secretary, Union Public Service Commission payable at the State Bank of India Main Branch, New Delhi and should be duly Crossed In no case will Bank Drafts drawn on any other Bank be accepted. Detaced or mutilated Bank Drafts will also not be accepted.

#### (ii) Certificate of Age:

The date of birth accepted by the Commission is that entered in the Matriculation or Secondary School Leaving Certificate or in a certificate recognised by an Indian University as equivalent to Matriculation or in an extract from a Register of Matriculates maintained by a University, which extract must be certified by the proper authority of the University. A candidate who has passed the Higher Secondary Examination or an equivalent examination may submit an attested/certified copy of the Higher Secondary Fxamination Certificate or an equivalent certificate.

No other document relating to age like horoscopes, affidavits, birth extracts from Municipal Corporation, service records and the like will be accepted.

The expression Matriculation/Higher Secondary Examination certificate in this part of the instruction includes the alternative certificates mentioned above.

Sometimes the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate does not show the date of birth, or only shows the age by completed years or completed years and months. In such cases, a candidate must send in addition to the attested/certified copy of the Matriculation/Higher Secondary Examplication Certificate, an attested/certified copy of a certificate from the Headmaster Principal of the Institution from where he passed the Matriculation/Higher Secondary Examination, showing the date of his birth or his exact age as recorded in the Admission Register of the Institution.

Candidates are warned that unless complete proof of age as laid down in these instructions is sent with an application, the application will be rejected.

- NOTE 1:—A CANDIDATE WHO HOLDS A COMPLET-ED SECONDARY SCHOOL CERTIFICATE NEED SUBMIT ONLY AN ATTESTED/ CERTIFIED COPY OF THE PAGE CON-TAINING ENTRIES REI ATING TO AGE.
- NOTE 2:—CANDIDATES SHOULD NOTE THAT ONLY
  THE DATE OF BIRTH AS RECORDED IN
  THE MATRICULATION/HIGHER SECONDARY EXAMINATION CERTIFICATE OR
  AN EQUIVALENT CERTIFICATE ON THE
  DATE OF SUBMISSION OF APPLICATION
  WILL BE ACCEPTED BY THE COMMISSION, AND NO SUBSEQUENT REQUEST
  FOR ITS CHANGE WILL BE CONSIDERED
  OR GRANTED.
- NOTE 3:—CANDIDATES SHOULD ALSO NOTE THAT ONCE A DATE OF BIRTH HAS BEEN CLAIMED BY THEM AND ENTERED IN THE RECORDS OF THE COMMISSION FOR THE PURPOSE OF ADMISSION TO AN EXAMINATION. NO CHANGE WILL BE ALLOWED SUBSEQUENTLY OR, AT A SUBSEQUENT EXAMINATION.

(iii) Certificate of Educational Qualification.—A candidate must submit an attested/certified copy of a certificate showing that he has one of the qualifications prescribed in Rule 6. The certificate submitted must be one issued by the authority (i.e. University or other examining body) awarding the particular qualification. If an attested/certified copy of such a certificate is not submitted, the candidate must explain its absence and submit such other evidence as he can to support his claim to the requisite qualifications. The Commission will consider this evidence on its merits but do not bind themselves to accept it as sufficient.

In case a candidate is not in possession of the degree prescribed in Rule 6 at the time of submitting his application to the Commission, he should submit a copy of a certificate from the Principal/Registrar/Dean of the College/University concerned certifying that he has passed the qualifying examination and complied with all requirements necessary for the award of the degree in the form prescribed in para 1 of the form of certificate given under Note 1 below.

Note 1.- A candidate who has appeared at an examination the passing of which would render him educationally qualified for this examination, but has not been informed of the result, may apply for admission to the examination. A candidate who intends to appear at such a qualifying examination may also apply. Such candidates will be admitted to the examination, if otherwise eligible, but the admission would be deemed to be provisional and subject to cancellation if they do not produce proof of having passed the examination, in the form prescribed below, as soon as possible and in any case not later than 31st October, 1981.

Certificate showing proof of passing qualifying Examination

*1. Certified that Shri/Smt./Km.*		
son/daughter* of who a student in this college has passed the	has	been
examination and has become eligible for the award	of	
degree and that he/she* has been placed indivision.	~ ~	

son/daughter* nas appeared*	that Shri/Smt./K of————————————————————————————————————	is expected	to appear/
ind that the t	esult of the above	examination is	likely to be
		Signature—	
		Designation	
	Name o	of Institution	
	W	here situated	·

NOTE 2.—A candidate seeking admission to the examination with the qualification mentioned in proviso to Rule 6. must submit an attested/certified copy of a certificate from the Principal/Dean of the College/Institution/University concerned showing that he has passed/taken the M.Sc. degree examination or its equivalent with one of the special subjects mentioned therein.

<sup>\*</sup>Strike out whichever is not applicable.

copies of his recent passport size (5 cm. ×7 cm. approximately) photograph, one of which should be pasted on the first page of the application form and the other copy on the Attendance Sheet in the space provided therein. Each copy of the photograph should be signed in ink on the front by the candidate.

- M. B.—Candidates are warned that if an application is not accompanied with any one of the documents mentioned under paragraph 3(ii), 3(iii), 3(iv), 3(vi) and 3(vii) above without a reasonable explanation for its absence having been given, the application is liable to be rejected and no appeal against its rejection will be entertained.
- 4. A candidate who claims to belong to one of the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes should submit in support of his claim an attested/certified copy of a certificate in the form given below, from the District Officer or the Sub-Divisional Officer or any other Officer as indicated below of the district in which his parents (or surviving parent) ordinarily reside who has been designated by the State Government concerned as competent to issue such a certificate, if both his parents are dead, the officer signing the certificate should be of the district in which the candidate himself ordinarily resides otherwise than for the purpose of his own education.

The form of the certificate to be produced by Scheduled Castes and Scheduled Tribes candidates applying for appointment to post under the Government of India.

This is to certify that Shri/Shrimati/Kumari\*-- of ---eon/daughter\* of -village/town\* ---\_\_\_\_ In District/Division\*of the State/Union Territory\*----—belongs to the -Caste/Tribe\* which is recognised as a Scheduled Caste/Schaluled Tribe\* under :--the Constitution (Scheduled Caste) Order, 1950\* the Constitution (Scheduled Tribes) Order, 1950\* the Constitution (Scheduled Castes) (Union Territories) Order, 1951\* the Constitution (Scheduled Tribes) (Union Territories ( order 1951<sup>4</sup>

las amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Jists (Modification) Order, 1956, the Bombay Reorganisation Act, 1960, the Punjab Reorganisation Act, 1966, the State of Himachal Pradesh Act, 1970 the North Eastern Area (Reorganisation) Act, 1971 and the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976]

the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Castes Order 1956\*
54-476GI/80

the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959 as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976\*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962\*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1962\*

the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes Order, 1964\*

the Constitution (Scheduled Tribes) (Uttar Pradesh) Order, 1967\*

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes Order, 1968\*

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968\*

the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Order, 1970\*

the Constitution (Sikkim) Scheduled Castes Order, 1978\*

the Constitution (Sikkim) Scheduled Tribes Order, 1978\*

2. Shri/Shrimati/Kumari\* ...... and/or\* his/her\* family ordinarily reside(s) in village/town\*...... of ..... District/Division\* of the State/Union Territory\*. of ......

Signature.....

\*\*Designation.....

(with seal of office)

Place..... State/Union Territory\*

Date.....

\*Please delete the words which are not applicable.

NOTE—The term "ordinarily reside(s)" used here will have the same meaning as in Section 20 of the Representation of the People Act, 1950.

\*\*Officers competent to issue Caste/Tribe certificates:

- (i) District Magistrate/Additional District Magistrate/
  Collector/Deputy Commissioner/Additional Deputy
  Commissioner/Deputy Collector/1st Class Stipendiary Magistrate/City Magistrate/†Sub-Divisional
  Magistrate/Taluka Magistrate/Executive Magistrate/Extra Assistant Commissioner.
  - †(Not below the rank of 1st Class Stipendiary Magistrate)
- (ii) Chief Presidency Magistrate/Additional Chief Presidency Magistrate, Presidency Magistrate.

(3) Additional District Magistrate in charge of Refugee (iii) Revenue Officers not below the rank of Tehsildar. Rehabilitation in their respective districts. (iv) Sub-Divisional Officers of the area where the candi-(4) Sub-Divisional Officer within the Sub-Division in date and/or his family normally resides; his charge. (v) Administrator/Secretary to Administrator/Develop-(5) Deputy Refugee Rehabilitation Commissioner, West Bengal/Director (Rehabilitation), in Calcutta. ment Officer, 'Lakshadweep'. (iii) A repatriate or a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka claiming age concession under Rule 5(c) (iv) or 5(c) (v) and/or remission of fee under paragraph 7 of the Notice, should produce an affested/certified copy of a certificate from the High Commission for India in Sri Lanka to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st November 1964, or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of 5(i) A Government Servant claiming age concession under rule 5(b) should submit a Certificate in Original from the Head of the Department/Office in the following form: The form of certificate to be produced by the candidate. October, 1964, Certified that (iv) A repatriate of Indian origin from Burma claiming and concession under Rule 5(c)(vi) or 5(c)(vii) and/or registron of fee under paragraph 7 of the Notice, should produce an attested certified copy of the identity certificate issued to him by the Embassy of India, Rangdon to show that he is an Indian citizen who mitrated to India on or after 1st June, 1963 or an attested certified copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he \*(i) Shri/Shrimati/Kumari — – holds a permanent post of ---- in the office/Department of -with effect from ficate from the District Magnistrate of the area in which he may be resident to show that he is a bona fide repatriate \*(ii) Shri/Shrimati/Kumari -------- has been continuously in temporary service on a regular basis under from Burma and has migrated to India on or after 1st June, the Central Government in the post of - with effect from — (v) A candidate disabled while in the Defence Services claiming age concession under Rule 5(c)(vili) or 5(c)(ix) \*Strike out whichever is not applicable. should produce an attested/certified copy of a certificate in the form prescribed below from the Director General, Re-Signature..... with an foreign country or in a disturbed area and released as a consequence thereof. Designation ..... Ministry/Office..... The form of certificate to be produced by the candidate: Office stamp Certified that Rank No. . . . . . . . . . . . was disabled while in the Defence Services, in operation during hostilities Place ...... with a foreign country/in a disturbed area\* and was released as a result of such disability. (ii) A displaced person from erstwhile East Pakistan (now Signature..... Bangladesh) claiming age concession under Rule 5(c)(ii) or 5(c)(iii) and/or remission of fee under paragraph 7 Designation....... of the Notice, should produce an attested/certified copy of a certificate from one of the following authorities to show that he is a bona fide displaced person from erstwhile East Pakis-tan (now Bangladesh) and had migrated to India during the

period between 1st January, 1964, and 25th March, 1971:-

States.

(1) Camp Commandant of the Transit Centres of the

(2) District Magistrate of the Areas in which he may,

for the time being be resident.

Dandakarnya Project or of Relief Camps in various

- \*Strike out whichever is not applicable.
- (vi) A candidate disabled while in the Border Security Force claiming age concession under rule 5(c)(x) or 5(c)(x) should produce an attested/certified copy of a certificate in the form prescribed below from the Director General, Border Security Force, Ministry of Home Affairs, to show that he was disabled while in the Border Security Force in operations, during Indo-Pak hostilities of 1971 and was refeased as a consequence thereof.

The form of certificate to be produced by the candidate

Signature.....
Designation.....

(vii) A repatriate of Indian origin who has migrated from Vietnam claiming age concession under Rule 3(c)(xii) should produce an attested/certified copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may for the time being be resident to show that he is a bona fide repatriate from Vietnam and has migrated to India from Vietnam not earlier than July, 1975.

- (viii) A candidate who has migrated from Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania or who is a repatriate of Indian origin from Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia claiming age concession under Rule 5(c)(xiii) should produce and attested/certified copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may, for the time being, be resident to show that he is a bona fide migrant from the countries mentioned above.
- 6. A candidate belonging to any of the categories referred to in para 5(li), (iii) and (iv) above and seeking remission of the fee under paragraph 7 of the Notice should also produce an attested/certified copy of a certificate from a District Officer or a Gazetted Officer of Government or a Member of the Parliament or State Legislature to show that he is not in a position to pay the prescribed fee.
- 7. A person in whose case a certificate of eligibility is required may be admitted to the Examination but the offer of appointment shall be given only after the necessary eligibility criticate is issued to him by the Government of India. Ministry of Railways/Works and Housing/Defence/Energy/Agriculture and Irrigation/Communication/Supply and Rehabilitation/Steel and Mines/Shipping and Transport/Information and Broadcasting/Tourism and Civil Aviation.
- 8. Candidates are warned that they should not furnish any particulars that are false or suppress any material information in filling in the application form.

Candidates are also warned that they should in no case correct or alter or otherwise tamper with any entry in a document or its copy submitted by them nor should they submit a tampered/fabricated document. If there is any inaccuracy or any discrepancy between two or more such document or its copies, an explanation regarding the discrepancy may be submitted.

9. The fact that an application form has been supplied on a certain date, will not be accepted as an excuse for the late submission of an application. The supply of an application

form does not ipso facto make the receiver eligible for admission to the examination.

Every application received in the Commission's Office is acknowledged and Roll No. is issued to the candidate in token of receipt of his application. The fact that the Roll No. has been issued to the candidates does not, ipso-facto, mean that the application is complete in all respects and has been accepted by the Commission.

- 10. If a candidate does not receive an acknowledgement of an application within a month from the last laste of receipt of application for the examination, he should at once contact the Commission for the acknowledgement.
- 11. Every candidate for this examination will be informed at the earliest possible date of the result of his application. It is not, however, possible to say when the result will be communicated. But, if a candidate does not receive from the Union Public Service Commission a communication regarding the result of his application one month before the commencement of the examination he should at once contact the Commission for the result. Failure to comply with this provision will deprive the candidate of any claim to consideration.
- 12. Copies of pamphlets containing rules and question papers of the five preceding examinations are on sale with the Controller of Publications, Civil Lines, Delhi-110054, and may be obtained from him direct by mail orders or on cash payment. These can also be obtained only against cash payment from (i) the Kitab Mahal, Opposite Rivoli Cinema, Emporia Building, 'C' Block, Baba Kharag Singh Marg. New Delhi-110001 and (ii) Sale counter of the Publications Branch at Udyog Bhavan New Delhi-110001 and (iii) The Govt. of India Book Depot 8 K. S, Roy Road, Calcutta-1. The pamphlets are also obtainable from the agents for the Government of India publications at various mofussil towns.
- 13, Communications regarding application.—ALL COMMUNICATIONS IN RESPECT OF AN APPLICATION SHOULD BE ADDRESSED TO THE SECRETARY, UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION, DHOLPUR HOUSE, NEW DELHI-110011 AND SHOULD INVARIABLY CONTAIN THE FOLLOWING PARTICULARS.
  - (1) NAME OF EXAMINATION.
  - (fi) MONTH AND YEAR OF EXAMINATION.
  - (iii) ROLL NO. OR THE DATE OF BIRTH OF CANDIDATE IF THE ROLL NUMBER HAS NOT BEEN COMMUNICATED.
  - (b) NAME OF CANDIDATE (IN FULL AND IN BLOCK CAPITALS).
  - (v) POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN APPLICATION.
- N.B. (i)—COMMUNICATIONS NOT CONTAINING THE ABOVE PARTICULARS MAY NOT BE ATTENDED TO.

N.B. (ii)—IF A LETTER/COMMUNICATION IS RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER AN EXAMINATION HAS BEEN HELD AND IT DOES NOT GIVE HIS FULL NAME AND ROLL NUMBER, IT WILL BE IGNORED AND NO ACTION WILL BE TAKEN THEREON.

14. Change in address—A CANDIDATE MUST SEE THAT COMMUNICATIONS SENT TO HIM AT THE ADDRESS STATED IN HIS APPLICATION ARE REDIRECTED IF NECESSARY. CHANGE IN ADDRESS SHOULD BE COMMUNICATED TO THE COMMISSION AT THE EARLIEST OPPORTUNITY GIVING THE PARTICULARS MENTIONED IN PARAGRAPH 13 ABOVE. ALTHOUGH THE COMMISSION MAKE EVERY EFFORT TO TAKE ACCOUNT OF SUCH CHANGES THEY CANNOT ACCEPT ANY RESPONSIBILITY IN THE MATTER.

#### ANNEXURE II

## CANDIDATES INFORMATION MANUAL

#### A. OBJECTIVE TEST

Your examination will be what is called an 'OBJECTIVE TEST'. In this kind of examination (test) you do not write detailed answers. For each question (hereinafter referred to as item) several possible answers (hereinafter referred to as responses) are given. You have to choose one response to each item.

This Manual is intended to give you some information about the examination so that you do not suffer due to unfamiliarity with the type of examination.

# B. NATURE OF THE TEST

# C. METHOD OF ANSWERING

A separate ANSWER SHEET will be provided to you in the examination hall. You have to mark your answer on the answer sheet. Answers marked on the Test Booklets or in any paper other than the answer sheet will not be examined.

In the answer sheet number of the items from 1 to 200 have been printed in four 'Parts'. Against each item, responses, a, b, c, d, e, are printed. After you have read each item in the Test Booklet and decided which of the given response is correct or the best, you have to mark the rectangle

containing the letter of the selected response by blackening it completely with pene'l as shown below (to indicate your response). Ink should not be used in blackening the rectangles on the answer sheet.

3.	(b)	: <b>c</b>	c <b>d</b> 5	cen
<b>2</b> □Œ□	رتطئ		cdo	HAA.
<b>'</b> [[]]]	cbo		cdo	

## It is, important that-

- You bring and use only good quality HB pencil(s) for answering the items.
- 2. If you have made a wrong mark, erase it completely and re-mark the correct response. For this purpose, you must bring along with you an eraser also:
- 3. Do not handle your answer sheet in such a manner as to mutilate or fold or wrinkle or spoil it.

#### D. SOME IMPORTANT REGULATIONS

- You are required to enter the examination hall twenty minutes before the prescribed time for commencement of the examination and get seated immediately.
- 2. Nobody will be admitted to the test 30 minutes after the commencement of the test.
- No candidate will be allowed to leave the examination hall until 45 minutes have elapsed after the commencement of the examination.
- 4. After finishing the examination, submit the Test Booklet and the answer sheet to the Invigilator-Supervisor.
  YOU ARE NOT PERMITTED TO TAKE THE TEST BOOKLET OUT OF THE EXAMINATION HALL. YOU WILL BE SEVERELY PENALISED IF YOU VIOLATE THIS RULE.
- 5. Write clearly in ink the name of the examination/
  test, your Roll No., Centre, subject, date and serial
  number of the Test Bookler at the appropriate space
  provided in the answer sheet. You are not allowed
  to write your name anywhere in the answer sheet.
- 6. You are required to read carefully all instructions given in the Test Booklet. You may lose marks if you do not follow the instructions meticulously. If any entry in the answer sheet is ambiguous then you will get no credit for that item response. Follow the instructions given by the Supervisor. When the Supervisor asks you to start or stop a test or part of a test, you must follow his instructions immediately.
- 7. Bring your Admission Certificate with you. You should also bring a HB pencil, an eraser, a pencil sharpener, and a pen containing blue or black ink. You are advised also to bring with you a clip board or a hard board or a card board on which nothing should be written. This may be useful for marking the answers on the Answer Sheet as it will provide an even surface, in case the surface of your desk is not smooth. You are not allowed to bring any scrap (rough) paper, or scales or drawing instrument into the examination hall as they are not needed. Separate sheets for rough work will be provided to you. You should write the name of the examination, your Roll no. and the date of the test on it before doing your rough work and return it to the supervisor along with your answer sheet at the end of the test.

#### **E. SPECIAL INSTRUCTIONS**

After you have taken your seat in the hall, the invigilator will give you the answer sheet. Fill up the required information on the answer sheet with your pen. After you have done this, the invigilator will give you the Test Booklet, on receipt of which you must ensure that it contains the booklet number, otherwise get it changed. After you have done this, you should write the serial number of your Test Booklet on the relevant column of the Answer Sheet.

You are not allowed to open the Test Booklet until you are asked by the Supervisor to do 90

## F. SOME USEFUL HINTS

Although the test stresses accuracy more than speed, it is important for you to use your time as efficiently as possible. Work steadily and as rapidly as you can, without becoming careless. Do not worry if you cannot answer all the questions. Do not waste time on questions which are too difficult for you. Go on to the other questions and come back to the difficult ones later.

All questions carry equal marks. Answer all the questions. Your score will depend only on the number of correct responses indicated by you. There will be no negative marking

## G. CONCLUSION OF TEST

Stop writing as soon as the Supervisor asks you to stop. Remain in your seat and wait till the invigilator collects all the necessary materials from you and permits you to leave the Hall. You are NOT allowed to take the Test Booklet the answer sheet and the sheet for rough work out of the examination Hall.

## SAMPLE TTEMS (OUESTIONS)

- 1. Which one of the following causes is NOT responsible for the down fall of the Mauryan dynasty?
  - (a) the successors of Asoka were all weak.
  - (b) there was partition of the Empire after Asoka.
  - (c) the northern frontier was not guarded effectively.
  - (d) there was economic bankruptcy during post-Asokan era.
  - 2 In a parliamentary form of Government.
    - (a) the Legislature is responsible to the Judiciary

- (b) the Legislature is responsible to the Executive
- (c) the Executive is responsible to the Legislature
- (d) the Judiclary is responsible to the Legislature
- (e) the Executive is responsible to the Judiciary.
- 3. The main purpose of extra-curricular activities for pupils in a school  $i_{\rm S}$  to
  - (a) facilitate development
  - (b) prevent disciplinary problems
  - (c) provide relief from the usual classrooms work
  - (d) allow choice in the educational programme.
  - 4. The nearest planet to the Sun is
    - (a) Venus
    - (b) Mars
    - (c) Jupiter
    - (d) Mercury
- 5. Which of the following statements explains the relationship between forests and floods?
  - (a) the more the vegetation, the more is the soil erosion that causes floods.
  - (b) the less the vegetation, the less is the silting of rivers that causes floods.
  - (c) the more the vegetation, the less is the silting of rivers that prevents floods.
  - (d) the less the vegetation, the less quickly does the snow melt that prevents floods.